अगाथा क्रिस्टी

एंड देन देयर वेयर नन

और तब कोई नहीं था

द्वारा

□□□□□ □□□□□□□□

अध्याय 1

प्रथम श्रेणी के धूम्रपान वाहन के एक कोने में, न्यायाधीश वारग्रेव, जो हाल ही में न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे, एक सिगार का कश ले रहे थे और टाइम्स में प्रकाशित राजनीतिक समाचारों पर उत्सुकता भरी नजर डाल रहे थे।
उसने अखबार नीचे रख दिया और खिड़की से बाहर देखा। ट्रेनें अब समरसेट से गुज़र रही थीं। उसने अपनी घड़ी देखी - अभी दो घंटे बाकी थे। उसने मन ही मन इंडियन आइलैंड के बारे में अखबारों में छपी सारी बातें दोहराईं। एक अमेरिकी करोड़पति ने इसे खरीदा था, जिसे नौकायन का बहुत शौक था - और डेवोन तट से दूर इस छोटे से द्वीप पर उसने जो आलीशान आधुनिक घर बनवाया था, उसका भी ज़िक्र था। दुर्भाग्य से, उस अमेरिकी करोड़पति की तीसरी पत्नी एक बुरी नाविक थी, जिसके कारण बाद में घर और द्वीप को बिक्री के लिए रख दिया गया। अखबारों में इसके कई शानदार विज्ञापन छपे थे। फिर पहली बार साफ-साफ खबर आई कि इसे मिस्टर ओवेन ने खरीद लिया है। इसके बाद गॉसिप लेखकों की अफवाहें शुरू हो गईं। इंडियन आइलैंड को हॉलीवुड फिल्म स्टार मिस गैब्रिएल टर्ल ने खरीदा था! वह कुछ महीने वहां बिना किसी प्रचार के बिताना चाहती थीं! बिज़ी बी ने इशारों-इशारों में कहा था कि यह किसी शाही परिवार का निवास स्थान होगा??! श्री मेरीवेदर को किसी ने फुसफुसाकर बताया था कि इसे हनीमून के लिए खरीदा गया था - युवा लॉर्ड एल - आखिरकार कामदेव के आगे झुक गए! जोनास को यह बात पक्के तौर पर पता थी कि इसे एडमिरल्टी ने कुछ बेहद गुप्त प्रयोगों को अंजाम देने के इरादे से खरीदा था!
निश्चित रूप से, इंडियन आइलैंड खबर थी!

न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी जेब से एक पत्र निकाला। लिखावट लगभग अस्पष्ट थी, लेकिन कुछ शब्द अप्रत्याशित रूप से स्पष्ट थे। प्रिय लॉरेंस... तुमसे सुने हुए कितने साल हो गए।
... इंडियन आइलैंड जरूर आना चाहिए... सबसे मनमोहक जगह... कितनी सारी बातें करनी हैं... पुराने दिन... प्रकृति के साथ जुड़ाव... धूप का आनंद लेना... पैडिंगटन से 12.40 बजे... ओकब्रिज में मिलते हैं... और उनके संवाददाता ने अपने हस्ताक्षर इस प्रकार किए। कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन हमेशा की तरह एक शानदार व्यक्तित्व की धनी थीं।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने याद करने की कोशिश की कि उन्होंने लेडी कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन को आखिरी बार कब देखा था। लगभग सात-नहीं, आठ साल पहले की बात है। तब वह इटली गई थीं, धूप सेंकने और प्रकृति व देश के साथ एकांतवास करने के लिए। बाद में, उन्होंने सुना, वह सीरिया चली गईं, जहाँ उन्होंने और भी तेज़ धूप सेंकने और प्रकृति व देशवासियों के साथ एकांतवास करने का इरादा किया था। उन्होंने मन ही मन सोचा, कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन बिल्कुल वैसी ही महिला थीं जो एक द्वीप खरीदकर खुद को रहस्य से घेर लेंगी! अपने तर्क से सहमत होते हुए न्यायमूर्ति वारग्रेव ने सिर हिलाया। फिर वह सो गए।

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

2

वेरा क्लेथॉर्न, जो पांच अन्य यात्रियों के साथ तीसरी श्रेणी के डिब्बे में बैठी थीं, ने अपना सिर पीछे झुकाया और आंखें बंद

कर लीं। आज ट्रेन से सफर करना कितना गर्म था! समुद्र किनारे जाना कितना अच्छा होगा! यह नौकरी मिलना वाकई बड़ी किस्मत की बात है। जब आप छुट्टियों में काम करने के लिए कोई पद चाहते थे, तो लगभग हमेशा इसका मतलब होता था ढेर सारे बच्चों की देखभाल करना - सचिवीय अवकाश पद मिलना कहीं ज्यादा मुश्किल था। यहां तक कि एजेंसी को भी ज्यादा उम्मीद नहीं थी। और फिर वह पत्र आ गया।

मुझे स्किल्ड वुमन्स एजेंसी से आपका नाम और उनकी सिफारिश मिली है। मुझे पता चला है कि वे आपको व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। मुझे आपको आपके द्वारा मांगी गई सैलरी देने में खुशी होगी और मैं आपसे 8 अगस्त को कार्यभार संभालने की उम्मीद करता हूँ। ट्रेन पैडिंगटन से दोपहर 12:40 बजे है और आपको ओकब्रिज स्टेशन पर लेने के लिए कोई आएगा। मैं खर्चों के लिए पाँच पाउंड के नोट संलग्न कर रहा हूँ।

भवदीय,
उना नैन्सी ओवेन।"

और सबसे ऊपर इंडियन आइलैंड, स्टिकलहेवन, डेवोन का पता मुहर लगा हुआ था।

. . .

भारतीय द्वीप! अरे, आजकल अखबारों में इसके अलावा और कुछ नहीं छपा था! तरह-तरह के संकेत और दिलचस्प अफवाहें थीं। हालांकि शायद

और तब कोई नहीं था

193

यह बात काफी हद तक असत्य थी। लेकिन घर निश्चित रूप से एक करोड़पति द्वारा बनवाया गया था और कहा जाता था कि यह विलासिता का चरम उदाहरण था। स्कूल में हाल ही में हुए कठिन सत्र से थकी हुई वेरा क्लेथॉर्न ने मन ही मन सोचा, "तीसरे दर्जे के स्कूल में खेल शिक्षिका बनना कोई खास बात नहीं है।"
और फिर, दिल में एक अजीब सी ठंडक महसूस करते हुए, उसने सोचा: "लेकिन मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे यह भी मिला। आखिरकार, लोग किसी भी तरह की जांच को पसंद नहीं करते, भले ही जांच अधिकारी मुझे सभी आरोपों से बरी कर दे!"
उसे याद आया कि उसने उसकी सूझबूझ और साहस की तारीफ भी की थी। पूछताछ के लिहाज से इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। और श्रीमती हैमिल्टन उसके प्रति बेहद दयालु थीं - केवल ह्यूगो (लेकिन वह ह्यूगो के बारे में सोचना भी नहीं चाहती थी!) अचानक, गाड़ी की गर्मी के बावजूद, वह कांप उठी और सोचने लगी कि काश वह समुद्र पर न जा रही होती। एक तस्वीर उसके दिमाग में साफ उभर आई। सिरिल का सिर, ऊपर-नीचे हिलता हुआ, चट्टान की ओर तैरता हुआ... ऊपर-नीचे-ऊपर-नीचे... और वह खुद, उसके पीछे सहज और अभ्यास से तैरती हुई, पानी में अपना रास्ता बनाती हुई, लेकिन यह जानते हुए कि वह समय पर नहीं पहुंच पाएगी... समुद्र - उसका गहरा गर्म नीला रंग - सुबह रेत पर लेटना - ह्यूगो - ह्यूगो जिसने कहा था कि वह उससे प्यार करता है। उसे ह्यूगो के बारे में नहीं सोचना चाहिए...
उसने अपनी आँखें खोलीं और सामने बैठे आदमी को घूरकर देखा। एक लंबा आदमी, जिसका चेहरा भूरा था, आँखें पास-पास थीं और चेहरे पर घमंड और क्रूरता झलक रही थी।

उसने मन ही मन सोचा:
मुझे यकीन है कि वह दुनिया के कुछ दिलचस्प हिस्सों में गया होगा और कुछ दिलचस्प चीजें देखी होंगी...

काश मुझे किसी अच्छी जगह पर नौकरी मिल जाती।

3

फिलिप लोम्बार्ड ने अपनी तेज गति से चलती आंखों की एक झलक में सामने खड़ी लड़की का सार समझ लिया और मन ही मन सोचा:
"काफी आकर्षक—शायद थोड़ी स्कूल टीचर जैसी। एक समझदार महिला, उसने सोचा होगा—और ऐसी जो प्यार हो या युद्ध, हर जगह अपना दबदबा बनाए रख सकती है। वह उसे अपने साथ लेना चाहेगा..." उसने माथे पर शिकन डाली। नहीं, ये सब बातें छोड़ो। ये काम है। उसे अपना ध्यान काम पर ही रखना होगा।
हत्या की 194 उत्कृष्ट कृतियाँ

आखिर चल क्या रहा था, वह सोच रहा था? वह छोटा यहूदी तो बेहद रहस्यमय था। "मानो या न मानो, कैप्टन लोम्बार्ड।" उसने सोच-समझकर कहा था:
"एक सौ गिनी, है ना?"
उसने यह बात इतने सहज अंदाज़ में कही थी मानो उसके लिए सौ गिनी कोई बड़ी रकम न हो। सौ गिनी तब जब वह सचमुच अपने आखिरी वक्त के खाने पर ही निर्भर था!

हालांकि, उसे लगा था कि वह छोटा यहूदी धोखे में नहीं आया होगा - यहूदियों के बारे में यही सबसे बुरी बात थी, आप उन्हें पैसे के मामले में धोखा नहीं दे सकते थे - वे जानते थे।
उन्होंने उसी सहज लहजे में कहा था:
"और आप मुझे कोई और जानकारी नहीं दे सकते?" श्री इसहाक मॉरिस ने अपने छोटे से गंजे सिर को बहुत ही सकारात्मक ढंग से हिलाया। "नहीं, कैप्टन लोम्बार्ड, बात यहीं खत्म होती है। मेरे मुवक्किल को पता है कि मुश्किल हालात में भी आप एक नेक इंसान हैं। मुझे आपको सौ गिनी देने का अधिकार है, जिसके बदले आपको स्टिकलहेवन, डेवोन जाना होगा। सबसे नज़दीकी स्टेशन ओकब्रिज है, वहाँ आपसे मुलाक़ात होगी और आपको मोटरबोट से स्टिकलहेवन ले जाया जाएगा, जहाँ से एक मोटरबोट आपको इंडियन आइलैंड ले जाएगी। वहाँ आप मेरे मुवक्किल की सेवा में तत्पर रहेंगे।" लोम्बार्ड ने अचानक कहा था।
"कितनी देर के लिए?"
"अधिकतम एक सप्ताह से अधिक नहीं।"
अपनी छोटी सी मूंछों को सहलाते हुए कैप्टन लोम्बार्ड ने कहा: "क्या आप समझते हैं कि मैं कोई भी गैरकानूनी काम नहीं कर सकता?" बोलते समय उन्होंने दूसरे पर तीखी नज़र डाली थी। श्री मॉरिस के मोटे सेमिटिक होंठों पर हल्की सी मुस्कान थी, जब उन्होंने गंभीरता से उत्तर दिया:
"यदि कोई भी अवैध प्रस्ताव रखा जाता है, तो निश्चित रूप से आपको उसे वापस लेने की पूरी स्वतंत्रता होगी।"
धिक्कार है उस चालाक बदमाश पर! वह मुस्कुराया था! ऐसा लग रहा था मानो वह अच्छी तरह जानता हो कि लोम्बार्ड के पिछले कार्यों में

वैधता हमेशा सर्वोपरि नहीं रही थी। लोम्बार्ड के होंठ भी एक मुस्कान में खुल गए।
हे भगवान! वह एक-दो बार सचमुच जोखिम भरी यात्रा कर चुका था! लेकिन हर बार बच निकलता था! सच में, ऐसी कोई बात नहीं थी जिस पर वह हद पार न करे... नहीं, ऐसी कोई बात नहीं थी जिस पर उसे जुर्माना भरना पड़े। उसे लगता था कि वह इंडियन आइलैंड में खूब मजे करेगा...

और तब कोई नहीं था

4

195

धूम्रपान निषेध वाली गाड़ी में मिस एमिली ब्रेंट हमेशा की तरह सीधी बैठी थीं। उनकी उम्र पैंसठ वर्ष थी और उन्हें आराम करना पसंद नहीं था। उनके पिता, जो पुराने जमाने के कर्नल थे, शिष्टाचार के मामले में बहुत सख्त थे। वर्तमान पीढ़ी बेशर्मी से लापरवाह थी - अपने व्यवहार में भी और हर तरह से भी। धार्मिकता और अडिग सिद्धांतों के आवरण में लिपटी मिस ब्रेंट अपनी भीड़भाड़ वाली तृतीय श्रेणी की बोगी में बैठी थीं और उसकी असुविधा और गर्मी पर विजय प्राप्त कर रही थीं। आजकल हर कोई छोटी-छोटी बातों पर इतना हंगामा करता है! दांत निकलवाने से पहले इंजेक्शन लगवाना चाहते हैं - नींद न आने पर दवाइयां लेते हैं - आरामकुर्सी और तकिए चाहते हैं और लड़कियां अपने शरीर को

बेफिक्र होकर गर्मियों में समुद्र तटों पर लगभग अधनंगी अवस्था में लेट जाती हैं।
मिस ब्रेंट के होंठ कसकर बंद हो गए। वह कुछ लोगों को सबक सिखाना चाहती थीं।
उसे पिछले साल की गर्मियों की छुट्टियाँ याद थीं। लेकिन इस साल, यह बिल्कुल अलग होगा। भारतीय द्वीप...
उसने मन ही मन उस पत्र को दोबारा पढ़ा जिसे वह पहले ही कई बार पढ़ चुकी थी।

प्रिय मिस ब्रेंट,
मुझे उम्मीद है कि आपको मैं याद हूँ? कुछ साल पहले अगस्त में हम बेलहेवन गेस्ट हाउस में साथ थे, और तब हमें लगा कि हम दोनों में बहुत कुछ समान है। मैं डेवोन के तट पर एक द्वीप पर अपना खुद का गेस्ट हाउस शुरू कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि वहाँ एक ऐसी जगह की बहुत ज़रूरत है जहाँ अच्छा, सादा खाना मिले और अच्छे, पुराने ज़माने के लोग हों। न तो नग्नता हो और न ही आधी रात तक ग्रामोफोन बजते हों। अगर आप अपनी गर्मियों की छुट्टियाँ इंडियन आइलैंड पर मेरे मेहमान के रूप में बिता सकें - बिल्कुल मुफ्त - तो मुझे बहुत खुशी होगी। क्या अगस्त की शुरुआत आपके लिए ठीक रहेगी? शायद 81 वां महीना।

सादर,

संयुक्त राष्ट्र। नाम क्या था? हस्ताक्षर पढ़ना काफी मुश्किल था। एमिली ब्रेंट ने अधीरता से सोचा: "कितने लोग अपने हस्ताक्षर इतने अस्पष्ट तरीके से लिखते हैं।"

मैं
~ 11
~ मैं

11
हत्या की 196 उत्कृष्ट कृतियाँ

उसके मन में बेलहेवन के लोगों की यादें ताज़ा हो गईं। वह लगातार दो गर्मियों में वहाँ गई थी। वहाँ एक अच्छी अधेड़ उम्र की महिला थी—श्रीमती—श्रीमती—अब उनका नाम क्या था?—उनके पिता एक पादरी थे। और वहाँ एक मिस ओल्टन—ऑर्मेन—नहीं, ज़रूर ओलिवर ही होगा! हाँ—ओलिवर। इंडियन आइलैंड! अखबार में इंडियन आइलैंड के बारे में कुछ छपा था—किसी फिल्म स्टार के बारे में—या फिर किसी अमेरिकी करोड़पति के बारे में?
बेशक, अक्सर वे जगहें बहुत सस्ती मिल जाती थीं—द्वीप हर किसी को पसंद नहीं आते थे। उन्हें यह विचार रोमांटिक लगता था, लेकिन जब वे वहाँ रहने लगे तो उन्हें कमियाँ समझ में आ गईं और वे खुशी- खुशी अपनी ज़मीन बेचकर खुश हो गए। एमिली ब्रेंट ने मन ही मन सोचा: "कम से कम मुझे एक मुफ्त छुट्टी तो मिल ही जाएगी।" उसकी आमदनी इतनी कम हो गई थी और उसे इतने सारे लाभांश नहीं मिल रहे थे, इसलिए यह वाकई विचार करने लायक बात थी। काश, उसे श्रीमती—या शायद मिस ओलिवर—के बारे में थोड़ा और याद होता!

5

जनरल मैकार्थर ने गाड़ी की खिड़की से बाहर देखा। ट्रेन अभी-अभी एक्सेटर पहुँच रही थी जहाँ उन्हें ट्रेन बदलनी थी। ये धीमी ब्रांच लाइन की ट्रेनें कितनी मंद हैं! इंडियन आइलैंड नाम की यह जगह सीधी रेखा में तो बिल्कुल भी दूर नहीं थी। उन्हें ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि ये ओवेन कौन है। लगता है वो स्पूफ लेगार्ड और जॉनी डायर का दोस्त था।
आपके एक-दो पुराने दोस्त आ रहे हैं-वे पुराने दिनों की बातें करना चाहेंगे।
खैर, उसे पुराने दिनों की बातें करना अच्छा लगता। उसे आजकल ऐसा लग रहा था कि लोग उससे कुछ ज़्यादा ही दूर रहने लगे हैं। और ये सब उस मनहूस अफवाह की वजह से है!
हे भगवान, ये तो बहुत मुश्किल था—लगभग तीस साल पहले की बात है! आर्मिटेज ने बात की होगी, शायद। धिक्कार है उस नौजवान पर! उसे इसके बारे में क्या पता था? खैर, इन बातों पर सोचते रहने का कोई फायदा नहीं! कभी-कभी कुछ न कुछ ख्याल आ ही जाता है—जैसे कोई अजीब नज़रों से देख रहा हो। ये भारतीय द्वीप, उसे देखने में उसकी दिलचस्पी होगी। बहुत सारी अफवाहें उड़ रही हैं। ऐसा लग रहा था जैसे इसमें कुछ तो बात हो सकती है।

और तब कोई नहीं था

यह अफवाह फैली थी कि एडमिरल्टी, युद्ध कार्यालय या वायु सेना को यह जानकारी मिल गई है. . . .
अमेरिकी करोड़पति युवा एल्मर रॉबसन ने वास्तव में इस जगह का निर्माण करवाया था। कहा जाता है कि उन्होंने इस पर हजारों डॉलर खर्च किए थे। हर तरह की विलासिता का आनंद लिया था... एक्सेटर! और

एक घंटे का इंतज़ार! और वह इंतज़ार नहीं करना चाहता था। वह बस आगे बढ़ना चाहता था।

. ..

6

डॉ. आर्मस्ट्रांग अपनी मॉरिस कार से सैलिसबरी प्लेन से गुज़र रहे थे। वे बहुत थके हुए थे।. . . सफलता के अपने दंड होते हैं। एक समय था जब वे हार्ले स्ट्रीट स्थित अपने परामर्श कक्ष में, उचित वस्त्रों में सजे-धजे, अत्याधुनिक उपकरणों और आलीशान साज-सज्जा से घिरे हुए, खाली दिनों में अपने उद्यम की सफलता या विफलता की प्रतीक्षा करते रहते थे।. . *
वाह, आखिरकार सफलता मिल ही गई! वह भाग्यशाली था! बेशक, भाग्यशाली और कुशल भी। वह अपने काम में माहिर था—लेकिन सफलता के लिए इतना ही काफी नहीं था। भाग्य भी ज़रूरी था। और उसे भाग्य मिला था! सटीक निदान, कुछ आभारी महिला मरीज़—धनवान और प्रतिष्ठित महिलाएं—और बात फैल गई। "आपको आर्मस्ट्रांग से मिलना चाहिए— काफी युवा है—लेकिन बहुत होशियार है—पाम कई सालों से तरह-तरह के डॉक्टरों के पास जा चुकी थी और उसने तुरंत समस्या का पता लगा लिया!" अब काम शुरू हो चुका था। और अब डॉ. आर्मस्ट्रांग ने वाकई में अपनी पहचान बना ली थी। उसके दिन व्यस्त थे। उसके पास फुर्सत का समय बहुत कम था। और इसलिए, अगस्त की इस सुबह, वह खुश था कि वह लंदन छोड़कर कुछ दिनों के लिए डेवोन तट के पास एक द्वीप पर जा रहा है। हालांकि यह कोई छुट्टी जैसा नहीं था। उसे जो पत्र मिला था, उसकी शर्तें कुछ अस्पष्ट थीं, लेकिन साथ में आए चेक में कोई

अस्पष्टता नहीं थी। भारी भरकम फीस। ये ओवेन्स तो ज़रूर मालामाल होंगे। ऐसा लग रहा था जैसे कोई मामूली सी समस्या हो, एक पति जो अपनी पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित था और बिना उसे डराए उसकी रिपोर्ट चाहता था। लेकिन वह डॉक्टर के पास जाने को तैयार नहीं थी। उसकी घबराहट! डॉक्टर की भौंहें तन गईं। ये औरतें और उनकी घबराहट! खैर, आखिर यह उसके व्यवसाय के लिए अच्छा ही था। उसके पास आने वाली आधी महिलाओं को बस बोरियत ही होती थी, लेकिन अगर आप उन्हें यह बता दें तो वे आपका शुक्रिया अदा नहीं करेंगी! और आमतौर पर कुछ न कुछ तो मिल ही जाता था। 198 मास्टरपीस ऑफ मर्डर

"यह एक मामूली सी असामान्य स्थिति है—कुछ लंबा शब्द—बिल्कुल भी गंभीर नहीं—बस इसे ठीक करने की ज़रूरत है। एक सरल उपचार।" खैर, चिकित्सा के मामले में तो यह ज्यादातर आस्था पर आधारित इलाज ही था। और उनका व्यवहार अच्छा था—वे आशा और विश्वास जगा सकते थे।
किस्मत अच्छी थी कि दस नहीं, पंद्रह साल पहले उस घटना के बाद वो समय रहते खुद को संभाल पाए। बाल-बाल बच गए थे! वो पूरी तरह टूट चुके थे। उस सदमे ने उन्हें सजग कर दिया। उन्होंने शराब पीना बिल्कुल छोड़ दिया था। हे भगवान, बाल-बाल बच गए थे... एक कान फाड़ देने वाले धमाके के साथ एक विशाल सुपर स्पोर्ट्स डेलमेन कार 80 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उनके पास से गुजरी। डॉ. आर्मस्ट्रांग बाल-बाल झाड़ियों में जा गिरे। उन नौजवानों में से एक जो पूरे देश में चक्कर लगाते रहते हैं। उन्हें उनसे नफरत थी। वो भी बाल-बाल बचे थे। धिक्कार है उन नौजवानों पर!

7

मेरे की ओर तेज़ी से गाड़ी चलाते हुए टोनी मार्स्टन ने मन ही मन सोचा:
"सड़कों पर रेंगती गाड़ियों की संख्या भयावह है। हमेशा कुछ न कुछ रास्ता रोक देता है। और वे सड़क के बीचोंबीच गाड़ी चलाते हैं! वैसे भी, इंग्लैंड में गाड़ी चलाना काफी निराशाजनक है... फ्रांस जैसा नहीं है, जहाँ आप खुलकर गाड़ी चला सकते हैं..." क्या उसे यहाँ रुककर कुछ पीना चाहिए, या आगे बढ़ना चाहिए? बहुत समय है! बस कुछ सौ मील और चलना बाकी है। वह जिन और जिंजरबीयर पी लेगा। कितना गर्म दिन है! अगर मौसम ठीक रहा तो यह द्वीप काफी मजेदार होना चाहिए। ये ओवेन कौन थे, उसने सोचा? अमीर और घमंडी, शायद। बैजर ऐसे लोगों को पहचानने में माहिर था। ज़ाहिर है, उसे पहचानना ही पड़ेगा, बेचारा बूढ़ा, जिसके पास अपना कोई पैसा नहीं था।
उम्मीद है कि ड्रिंक्स में उनका प्रदर्शन बढ़िया रहेगा। इन लोगों के बारे में कभी पता नहीं चलता कि कौन पैसा कमाकर आया है और कौन जन्म से अमीर है। अफसोस की बात है कि गैब्रिएल टर्ल द्वारा इंडियन आइलैंड खरीदने की खबर सच नहीं निकली। वह उन फिल्मी सितारों के समूह में शामिल होना चाहता था। खैर, उसने सोचा होगा कि वहाँ कुछ लड़कियाँ तो होंगी ही।

. . .

होटल से बाहर निकलकर उसने अंगड़ाई ली, जम्हाई ली, नीले आकाश की ओर देखा और डलमेन में चढ़ गया।

कई युवतियां उनकी ओर प्रशंसा भरी निगाहों से देख रही थीं - उनका छह फीट लंबा सुगठित शरीर, उनके सलीके से संवारे हुए बाल, सांवला चेहरा और गहरी नीली आंखें।

और तब कोई नहीं था

उसने ज़ोरदार आवाज़ के साथ क्लच छोड़ा और संकरी गली में तेज़ी से गाड़ी दौड़ा दी। बूढ़े लोग और दुकानदार जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दुकानदारों ने गाड़ी को प्रशंसा भरी निगाहों से देखा। एंथोनी मार्स्टन अपनी विजयी यात्रा पर आगे बढ़ता रहा।

8

श्री ब्लोर प्लायमाउथ से धीमी गति से चलने वाली ट्रेन में थे। उनके डिब्बे में केवल एक ही व्यक्ति था, एक बुजुर्ग नाविक जिसकी एक आंख नींद से भरी हुई थी। इस समय वह सो रहे थे।
श्री ब्लोर एक छोटी सी नोटबुक में ध्यानपूर्वक लिख रहे थे।
“बस यही सब हैं,” उसने मन ही मन बुदबुदाया। “एमिली ब्रेंट, वेरा क्लेथॉर्न, डॉ. आर्मस्ट्रांग, एंथोनी मार्स्टन, पुराने जस्टिस वारग्रेव, फिलिप लोम्बार्ड, जनरल मैकार्थर, सी.एम.जी., डी.एस.ओ., नौकर और उसकी पत्नी: श्रीमान और श्रीमती रोजर्स।” उसने नोटबुक बंद की और उसे वापस अपनी जेब में रख लिया। उसने कोने में सो रहे आदमी की ओर एक नज़र डाली।

श्री ब्लोर ने सटीक निदान करते हुए कहा, "आठ से एक ज़्यादा था।" उन्होंने मन ही मन हर बात का सावधानीपूर्वक और सचेतनता से विश्लेषण किया।
"यह काम काफी आसान होना चाहिए," उसने मन ही मन सोचा। "मुझे नहीं लगता कि इसमें मुझसे कोई गलती हो सकती है। उम्मीद है मैं ठीक-ठाक दिखूंगा।"
वह खड़ा हुआ और शीशे में खुद को चिंता से देखने लगा। शीशे में दिख रहा चेहरा थोड़ा फौजी सा लग रहा था, मूंछें थीं। चेहरे पर भाव बहुत कम थे। आंखें धूसर थीं और एक-दूसरे के काफी करीब थीं। "शायद मेजर होगा," श्री ब्लोर ने कहा। "नहीं, मैं भूल गया। वह बूढ़ा फौजी सज्जन है। वह मुझे तुरंत पहचान लेगा।"
श्री ब्लोर ने कहा, "दक्षिण अफ्रीका, यही मेरा विषय है! इनमें से किसी का भी दक्षिण अफ्रीका से कोई लेना-देना नहीं है, और मैंने अभी-अभी वह यात्रा संबंधी फ़ोल्डर पढ़ा है, इसलिए मैं इसके बारे में ठीक से बात कर सकता हूँ।"
सौभाग्य से वहाँ हर तरह के उपनिवेशवासी थे। दक्षिण अफ्रीका के एक संपन्न व्यक्ति होने के नाते, श्री ब्लोर को विश्वास था कि वे बिना किसी बाधा के किसी भी समाज में प्रवेश कर सकते हैं। इंडियन आइलैंड। उन्हें बचपन में इंडियन आइलैंड याद था। समुद्री पक्षियों से ढकी एक बदबूदार चट्टान, तट से लगभग एक मील दूर स्थित थी। इसका नाम एक आदमी के सिर से मिलती-जुलती आकृति के कारण पड़ा था - एक अमेरिकी मूल निवासी के चेहरे जैसा। उस पर घर बनाने का विचार कितना अजीब था! खराब मौसम में तो यह बहुत भयानक होता था!
लेकिन करोड़पति लोग wbims से भरे हुए थे!
हत्या की 200 उत्कृष्ट कृतियाँ

कोने में बैठा बूढ़ा आदमी जाग उठा और बोला:
समुद्र में कभी कुछ पता नहीं चल सकता—कभी नहीं!
श्री ब्लोर ने शांत भाव से कहा, "बिल्कुल सही। आप नहीं कर सकते।" बूढ़े व्यक्ति को दो बार हिचकी आई और उसने दुखी स्वर में कहा: "तेज आंधी आने वाली है।"
श्री ब्लोर ने कहा:
"नहीं, नहीं यार, आज का दिन बहुत ही सुहाना है।"
बूढ़े व्यक्ति ने गुस्से से कहा:
"आगे तेज आंधी आने वाली है। मुझे इसकी आहट आ रही है।"
श्री ब्लोर ने शांति से कहा, "शायद आप सही कह रहे हैं।" ट्रेन एक स्टेशन पर रुकी और बूढ़ा आदमी लड़खड़ाते हुए उठा। "यहीं मुझे उतरना है।" उसने खिड़की खोलने की कोशिश की। श्री ब्लोर ने उसकी मदद की। बूढ़ा आदमी दरवाजे पर खड़ा हो गया। उसने गंभीर भाव से हाथ उठाया और अपनी धुंधली आँखों को झपकाया।
“जागते रहो और प्रार्थना करो,” उन्होंने कहा। “जागते रहो और प्रार्थना करो। न्याय का दिन निकट है।” वे दरवाजे से होते हुए चबूतरे पर गिर पड़े। लेटी हुई अवस्था से उन्होंने श्री ब्लोर की ओर देखा और अत्यंत गरिमा के साथ कहा:
"मैं तुमसे बात कर रहा हूँ, नौजवान। न्याय का दिन बहुत निकट है।" अपनी सीट पर बैठते हुए श्री ब्लोर ने मन ही मन सोचा:
"वह न्याय के दिन के मुझसे कहीं अधिक निकट है!" लेकिन संयोगवश, वह गलत था...

अध्याय दो

ओकब्रिज स्टेशन के बाहर लोगों का एक छोटा समूह क्षणिक अनिश्चितता में खड़ा था। उनके पीछे सूटकेस लिए कुली खड़े थे। उनमें से एक ने कहा
"जिम!" एक टैक्सी का ड्राइवर आगे बढ़ा।
"शायद आप इंडियन आइलैंड के लिए हैं?" उसने धीमी डेवोन शैली में पूछा। चार लोगों ने सहमति जताई और फिर तुरंत एक-दूसरे की ओर चोरी-छिपे नज़रें डालीं।
दल के वरिष्ठ सदस्य न्यायमूर्ति वारग्रेव को संबोधित करते हुए चालक ने कहा:
"यहाँ दो टैक्सियाँ हैं, महोदय। इनमें से एक को धीमी गति वाली टैक्सी के निकलने तक इंतजार करना होगा।"

और तब कोई नहीं था

एक्सेटर से ट्रेन पाँच मिनट में पहुँच जाती है - एक सज्जन उस ट्रेन से आ रहे हैं। शायद आप में से कोई इंतज़ार करना चाहेगा? इससे आपको ज़्यादा आराम मिलेगा।
वेरा क्लेथोम, जिनके मन में अपनी सचिवीय पदवी स्पष्ट थी, तुरंत बोलीं, "मैं प्रतीक्षा करूँगी, अगर आप लोग बोलना जारी रखें?" उन्होंने बाकी तीनों की ओर देखा, उनकी नज़र और आवाज़ में एक अधिकारिक पद पर रहने से उत्पन्न होने वाला हल्का सा आदेश का भाव था। मानो वह लड़कियों को यह निर्देश दे रही हों कि उन्हें किस टेनिस सेट पर खेलना है। मिस ब्रेंट ने कड़े स्वर में कहा,

"धन्यवाद," अपना सिर झुकाया और एक टैक्सी में बैठ गईं, जिसका दरवाज़ा ड्राइवर ने खुला रखा था। न्यायमूर्ति वारग्रेव उनके पीछे-पीछे गए।
कैप्टन लोम्बार्ड ने कहा:
मैं मिस के साथ इंतजार करूँगा-
"क्लेथोम," वेरा ने कहा।
"मेरा नाम लोम्बार्ड है, फिलिप लोम्बार्ड।"
कुली टैक्सी पर सामान लाद रहे थे। अंदर, न्यायमूर्ति वारग्रेव ने उचित कानूनी सावधानी बरतते हुए कहा:
"मौसम बहुत सुहाना है।"
मिस ब्रेंट ने कहा:
"हाँ, वास्तव में।"
उसने मन ही मन सोचा, "एक बहुत ही प्रतिष्ठित बुजुर्ग सज्जन। समुद्र किनारे के गेस्ट हाउसों में रहने वाले आम पुरुषों से बिलकुल अलग। जाहिर है, श्रीमती या मिस ओलिवर के अच्छे संबंध थे..."
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने पूछा:
क्या आप दुनिया के इस हिस्से को अच्छी तरह जानते हैं?
"मैं कॉर्नवाल और टॉर्के जा चुका हूं, लेकिन डेवोन के इस हिस्से में यह मेरी पहली यात्रा है।"
न्यायाधीश ने कहा:
"मैं भी दुनिया के इस हिस्से से अपरिचित हूँ।" टैक्सी चली गई। दूसरी टैक्सी के ड्राइवर ने कहा:
"क्या आप प्रतीक्षा करते समय अंदर बैठना पसंद करेंगे?" वेरा ने दृढ़ता से कहा:
"बिल्कुल नहीं।"

कैप्टन लोम्बार्ड मुस्कुराए।
उसने कहा:
"वह धूप वाली दीवार ज़्यादा आकर्षक लग रही है। या फिर आप स्टेशन के अंदर जाना पसंद करेंगे?"
"जी नहीं, बिल्कुल। उस घुटन भरी ट्रेन से बाहर निकलना कितना सुखद है।" उसने उत्तर दिया:
हत्या की 202 उत्कृष्ट कृतियाँ

"हां, इस मौसम में ट्रेन से यात्रा करना काफी मुश्किल है," वेरा ने पारंपरिक लहजे में कहा।
"मुझे उम्मीद है कि यह मौसम बना रहेगा। हमारी अंग्रेजी गर्मियां बहुत ही खतरनाक होती हैं।" थोड़ी सी मौलिकता की कमी के साथ लोम्बार्ड ने पूछा:
क्या आप दुनिया के इस हिस्से को अच्छी तरह जानते हैं?
"नहीं, मैं यहाँ पहले कभी नहीं आई हूँ।" उसने तुरंत अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा, "मैंने अभी तक अपने मालिक को देखा भी नहीं है।" "आपके मालिक?"
"जी हां, मैं श्रीमती ओवेन की सचिव हूं।"
"ओह, मैं समझ गया।" उनके लहजे में हल्का सा बदलाव आया। वे थोड़े आश्वस्त और सहज हो गए। उन्होंने कहा, "क्या यह कुछ असामान्य नहीं है?" वेरा हंस पड़ीं।
"नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उनकी अपनी सचिव अचानक बीमार पड़ गईं और उन्होंने एक एजेंसी को विकल्प के लिए तार भेजा और उन्होंने मुझे भेज दिया।"
"तो बस यही बात थी। और मान लीजिए कि जब आप वहां पहुंच जाएं तो आपको वह पद पसंद न आए?" वेरा फिर हंस पड़ी।

"अरे, ये तो बस अस्थायी है—छुट्टियों के लिए। मुझे लड़कियों के स्कूल में स्थायी नौकरी मिल गई है। सच कहूँ तो, इंडियन आइलैंड देखने की संभावना से मैं बेहद रोमांचित हूँ। अखबारों में इसके बारे में बहुत कुछ लिखा है। क्या यह वाकई इतना आकर्षक है?" लोम्बार्ड ने कहा:
मुझे नहीं पता। मैंने इसे नहीं देखा है।
"अरे, सच में? मुझे लगता है कि ओवेन परिवार इसके लिए बहुत उत्सुक है। वे कैसे हैं? मुझे जरूर बताएं।"
लॉम्बार्ड ने सोचा: यह अजीब है—क्या मुझे उनसे मिलना चाहिए था या नहीं? उसने जल्दी से कहा:
"तुम्हारी बांह पर एक ततैया रेंग रही है। नहीं- एकदम शांत रहो।" उसने झपट्टा मारा। "लो! वो चली गई!"
"ओह, धन्यवाद। इस गर्मी में बहुत सारे ततैया दिखाई दे रहे हैं।" "हाँ, मुझे लगता है गर्मी की वजह से है। हम किसका इंतज़ार कर रहे हैं, क्या आपको पता है?" "मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है।"
पास आती हुई ट्रेन की तेज, लंबी चीख सुनाई दी। लोम्बार्ड ने कहा: "अब वो ट्रेन होगी।"

और तब कोई नहीं था

2

प्लेटफ़ॉर्म से एक लंबा, सिपाही जैसा दिखने वाला बूढ़ा आदमी प्रकट हुआ। उसके भूरे बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे और उसकी सफ़ेद मूंछें करीने से छंटी हुई थीं। उसका कुली, चमड़े के भारी सूटकेस

के बोझ तले थोड़ा लड़खड़ाते हुए, वेरा और लोम्बार्ड की ओर इशारा किया।
वेरा ने सक्षम ढंग से आगे आकर कहा:
"मैं श्रीमती ओवेन की सचिव हूँ। यहाँ एक कार इंतज़ार कर रही है।" उन्होंने आगे कहा, "ये श्री लोम्बार्ड हैं।"
उम्र के बावजूद फीकी पड़ चुकी नीली आँखों ने लोम्बार्ड को गौर से देखा। एक पल के लिए उनमें एक निर्णय झलक उठा—अगर कोई उसे पढ़ पाता तो।
"सुंदर दिखने वाला लड़का। उसमें कुछ तो गड़बड़ है...।" तीनों इंतज़ार कर रही टैक्सी में बैठ गए। वे छोटे से ओकब्रिज की शांत गलियों से गुज़रे और प्लायमाउथ की मुख्य सड़क पर लगभग एक मील आगे बढ़े। फिर वे संकरी, हरी-भरी और ढलानदार गलियों के जाल में जा घुसे। जनरल मैकार्थर ने कहा:
"मैं डेवन के इस हिस्से को बिल्कुल नहीं जानती। मेरा छोटा सा घर पूर्वी डेवन में, डोरसेट की सीमा रेखा पर ही है।" वेरा ने कहा। "यह जगह वाकई बहुत प्यारी है। पहाड़ियाँ, लाल मिट्टी और चारों ओर हरियाली ही हरियाली है, जो देखने में बेहद मनमोहक लगती है।" फिलिप लोम्बार्ड ने आलोचनात्मक ढंग से कहा:
"यह थोड़ा बंद-बंद सा है... मुझे तो खुला इलाका पसंद है। जहाँ आप देख सकते हैं कि आगे क्या आ रहा है..."
जनरल मैकार्थर ने उनसे कहा:
"लगता है तुमने दुनिया का थोड़ा-बहुत हिस्सा देख लिया है?" लोम्बार्ड ने तिरस्कारपूर्वक कंधे उचका दिए।
"मैंने इधर-उधर थोड़ा-बहुत काम किया है, महोदय।"

उसने मन ही मन सोचा: "अब वो मुझसे पूछेगा कि क्या मैं युद्ध में शामिल होने लायक उम्र का था। ये बूढ़े लोग हमेशा यही पूछते हैं।"
लेकिन जनरल मैकार्थर ने युद्ध का जिक्र नहीं किया।
हत्या की 204 उत्कृष्ट कृतियाँ

3

वे एक खड़ी पहाड़ी से ऊपर चढ़े और एक टेढ़े-मेढ़े रास्ते से होते हुए स्टिकलहेवन पहुँचे, जो कि कुछ झोपड़ियों का एक छोटा सा समूह था और किनारे पर एक-दो मछली पकड़ने वाली नावें खड़ी थीं। ढलते सूरज की रोशनी में, उन्हें दक्षिण दिशा में समुद्र से उभरे हुए इंडियन आइलैंड की पहली झलक मिली।
वेरा ने आश्चर्य से कहा:
"अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।"
उसने इसकी कल्पना कुछ और ही की थी, तट के पास, एक सुंदर सफेद घर से घिरा हुआ। लेकिन वहाँ कोई घर दिखाई नहीं दे रहा था, केवल एक चट्टान की उभरी हुई आकृति थी जो किसी विशालकाय भारतीय के सिर से मिलती-जुलती थी। उसमें कुछ रहस्यमय सा था। वह हल्की सी सिहर उठी।
सेवन स्टार्स नाम के एक छोटे से सराय के बाहर तीन लोग बैठे थे। एक तरफ झुके हुए बुजुर्ग जज थे, दूसरी तरफ मिस ब्रेंट सीधी खड़ी थीं, और एक तीसरा आदमी था - एक बड़ा और दबंग आदमी जो आगे आया और अपना परिचय दिया।
"सोचा कि आपका इंतज़ार ही कर लें," उसने कहा। "एक ही बार में सब कुछ निपटा लेते हैं। मुझे अपना परिचय देने दीजिए। मेरा नाम

डेविस है। दक्षिण अफ्रीका के नेटाल में, मेरा जन्मस्थान, हा हा!" वह हल्के-फुल्के अंदाज़ में हँसा।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने उसे घोर द्वेष से देखा। ऐसा लग रहा था मानो वह अदालत को खाली कराने का आदेश देना चाहते हों। मिस एमिली ब्रेंट स्पष्ट रूप से अनिश्चित थीं कि उन्हें औपनिवेशिक लोग पसंद हैं या नहीं।
"जहाज़ पर चढ़ने से पहले कोई थोड़ी सी शराब पीना चाहेगा?" श्री डेविस ने बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से पूछा। किसी ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं जताई, तो श्री डेविस मुड़े और उंगली उठाकर बोले, "देर नहीं करनी चाहिए। हमारे मेज़बान और मेज़बानी करने वाले हमारा इंतज़ार कर रहे होंगे।" उन्होंने शायद गौर किया होगा कि दल के अन्य सदस्यों पर एक अजीब सी तल्लीनता छा गई थी। ऐसा लग रहा था मानो मेज़बान और मेज़बानी करने वाले का ज़िक्र होते ही मेहमान सुन्न पड़ गए हों। डेविस के इशारे पर एक आदमी पास की दीवार से, जिस पर वह टिका हुआ था, उठकर उनके पास आया। उसकी लड़खड़ाती चाल से पता चलता था कि वह समुद्री यात्रा पर निकला हुआ आदमी है। उसका चेहरा धूप से झुलसा हुआ था और उसकी गहरी आँखों में थोड़ा सा छुपने वाला भाव था। उसने अपनी कोमल डेवोन लहजे में बात की।

मैं

और तब कोई नहीं था

"क्या आप द्वीप के लिए रवाना होने को तैयार हैं, देवियों और सज्जनों? नाव इंतज़ार कर रही है। दो सज्जन कार से आ रहे हैं,

लेकिन श्री ओवेन का आदेश था कि उनका इंतज़ार न करें क्योंकि वे किसी भी समय आ सकते हैं।" सभी लोग उठ खड़े हुए। उनके मार्गदर्शक उन्हें एक छोटे से पत्थर के घाट पर ले गए। उसके किनारे एक मोटरबोट खड़ी थी।
एमिली ब्रेंट ने कहा:
"यह तो बहुत छोटी नाव है।"
नाव के मालिक ने बड़े ही प्रेरक अंदाज में कहा:
"वह एक शानदार नाव है, महोदया। आप पलक झपकते ही उसमें बैठकर प्लायमाउथ जा सकती हैं।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने तीखी टिप्पणी की:
"हममें से काफी लोग हैं।"
"वह दुगुनी संख्या ले लेगी, महोदय।"
फिलिप लोम्बार्ड ने अपनी मधुर और सहज आवाज में कहा:
"सब ठीक है। मौसम शानदार है - लहरें बिल्कुल नहीं हैं।" कुछ हिचकिचाहट के साथ, मिस ब्रेंट ने नाव में चढ़ने की अनुमति दी। बाकी लोग भी उनके पीछे-पीछे आ गए। अभी तक समूह में कोई मेलजोल नहीं था। ऐसा लग रहा था मानो हर सदस्य दूसरे को लेकर उलझन में हो। वे नाव को खुला छोड़ने ही वाले थे कि उनका मार्गदर्शक रुक गया, उसके हाथ में नाव का हुक था। गांव की ओर ढलान वाली पगडंडी से एक कार आ रही थी। एक ऐसी कार जो इतनी ज़बरदस्त शक्तिशाली और इतनी खूबसूरत थी कि मानो किसी प्रेत जैसी लग रही हो। स्टीयरिंग व्हील पर एक युवक बैठा था, जिसके बाल हवा से पीछे उड़ रहे थे। शाम की चकाचौंध में वह किसी इंसान जैसा नहीं, बल्कि किसी युवा देवता जैसा, किसी उत्तरी गाथा के वीर देवता जैसा लग रहा था। उसने घर को छुआ और खाड़ी की चट्टानों से एक ज़ोरदार गर्जना गूंज उठी। यह एक अद्भुत क्षण था। उस क्षण में, एंथोनी मार्स्टन एक

अलौकिक प्राणी प्रतीत हो रहा था। बाद में, वहाँ उपस्थित लोगों में से एक से अधिक ने उस क्षण को याद रखा।

4

फ्रेड नारकोट इंजन के पास बैठे-बैठे मन ही मन सोच रहे थे कि ये तो बड़े अजीब लोग हैं। मिस्टर ओवेन के मेहमानों के बारे में उन्होंने जो सोचा था, ये उससे बिल्कुल अलग थे। उन्होंने तो कुछ कहीं ज़्यादा सभ्य लोगों की उम्मीद की थी। 206 मास्टरपीस ऑफ़ मर्डर

नौका विहार की पोशाक पहने महिलाएं और पुरुष, सभी बेहद अमीर और प्रतिष्ठित दिख रहे थे। श्री एल्मर रॉबसन की पार्टियों से बिलकुल अलग। करोड़पति के मेहमानों को याद करते हुए फ्रेड नारकोट के होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई। वाकई, वो एक शानदार पार्टी थी - और उन्होंने खूब शराब पी थी!
ये मिस्टर ओवेन ज़रूर एक अलग ही तरह के सज्जन होंगे। फ्रेड ने सोचा, ये अजीब बात है कि उसने ओवेन को, या उनकी पत्नी को, अभी तक देखा ही नहीं था। वो कभी यहाँ आया ही नहीं था। सब कुछ मिस्टर मॉरिस ही ऑर्डर करते थे और भुगतान भी उन्हीं से होता था। निर्देश हमेशा स्पष्ट होते थे और भुगतान तुरंत हो जाता था, फिर भी ये अजीब था। अखबारों में लिखा था कि ओवेन के बारे में कुछ रहस्य है। मिस्टर नारकोट भी इससे सहमत थे।
शायद, आखिरकार, यह मिस गैब्रिएल टर्ल ही थीं जिन्होंने द्वीप खरीदा था। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपने यात्रियों पर नजर डाली, उनका यह अनुमान गलत साबित हो गया। ये लोग तो बिल्कुल अलग थे—

इनमें से किसी का भी किसी फिल्म स्टार से कोई संबंध होने की संभावना नहीं थी। उन्होंने तटस्थ भाव से उनका आकलन किया।
एक बूढ़ी कुंवारी औरत—गुस्से वाली—वह उन्हें अच्छी तरह जानता था। वह पक्का एक तातार थी। बूढ़ा फौजी—देखने में तो असली फौजी लग रहा था। सुंदर दिखने वाली युवती—लेकिन साधारण किस्म की, ग्लैमरस नहीं—उसमें हॉलीवुड का कोई पुट नहीं था। वह दिखावटी खुशमिजाज सज्जन असली सज्जन नहीं था। सेवानिवृत्त व्यापारी, बस यही है, फ्रेड नारकोट ने सोचा। दूसरा सज्जन, दुबला-पतला, भूखा दिखने वाला, तेज निगाहों वाला, वह तो अजीब था। शायद उसका फिल्मों से कुछ लेना-देना हो। नहीं, नाव में केवल एक ही संतोषजनक यात्री था। आखिरी सज्जन, जो कार से आया था (और क्या कार थी! स्टिकलहेवन में ऐसी कार पहले कभी नहीं देखी गई थी। ऐसी कार की कीमत सैकड़ों-सैकड़ों में होगी!)। वह सही किस्म का आदमी था। धनवान परिवार में जन्मा था। अगर पार्टी के सभी लोग उसके जैसे होते... तो वह समझ जाता... अगर आप इसके बारे में सोचें तो यह एक विचित्र मामला था—पूरी बात ही विचित्र थी—बहुत विचित्र।

5

नाव चट्टान के चारों ओर घूमते हुए आगे बढ़ी। अब अंततः घर दिखाई देने लगा। द्वीप का दक्षिणी भाग बिल्कुल अलग था। वह धीरे-धीरे समुद्र की ओर ढलान बनाता हुआ नीचे जा रहा था। घर दक्षिण की ओर मुख किए हुए था और फिर अचानक वहाँ कोई नहीं था।

207 नंबर का यह घर छोटा, चौकोर और आधुनिक दिखता है, जिसमें गोल खिड़कियां हैं जिनसे भरपूर रोशनी अंदर आती है। एक शानदार घर - एक ऐसा घर जो उम्मीदों पर खरा उतरा!
फ्रेड नारकोट ने इंजन बंद कर दिया और वे धीरे-धीरे चट्टानों के बीच एक छोटी सी प्राकृतिक खाड़ी में प्रवेश कर गए।
फिलिप लोम्बार्ड ने तीखी टिप्पणी की:
"खराब मौसम में यहां उतरना मुश्किल होगा।" फ्रेड नारकोट ने हंसमुख भाव से कहा।
"दक्षिणपूर्वी हवा चलने पर इंडियन आइलैंड पर उतरना संभव नहीं है। कभी-कभी यह एक सप्ताह या उससे अधिक समय तक संपर्क से बाहर हो जाता है।"
वेरा क्लेथोम ने सोचा:
"खानपान व्यवस्था बहुत मुश्किल होगी। यही किसी द्वीप की सबसे बुरी बात है। घरेलू समस्याएं तो वाकई चिंताजनक हैं।"
नाव चट्टानों से टकराई। फ्रेड नारकोट कूदकर बाहर निकला और उसने और लोम्बार्ड ने बाकी लोगों को भी उतरने में मदद की। नारकोट ने नाव को चट्टान में बने एक छल्ले से बांध दिया। फिर वह चट्टान में तराशी गई सीढ़ियों से ऊपर चढ़ने लगा। जनरल मैकार्थर ने कहा: "वाह, कितनी शानदार जगह है!"
लेकिन उसे बेचैनी महसूस हो रही थी। बिलकुल अजीबोगरीब जगह थी।

जैसे ही दल सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर छत पर पहुँचा, उनका उत्साह बढ़ गया। घर के खुले द्वार पर एक सलीकेदार बटलर उनका इंतज़ार कर रहा था, और उसकी गंभीरता ने उन्हें आश्वस्त कर दिया। और फिर, घर सचमुच बेहद आकर्षक था, छत से दिखने वाला नज़ारा शानदार था।

बटलर थोड़ा झुककर आगे आया। वह लंबा, दुबला-पतला, सफ़ेद बालों वाला और बहुत ही सम्मानित व्यक्ति था। उसने कहा:
"क्या आप कृपया इधर आएंगे?"
चौड़े हॉल में पेय पदार्थ तैयार रखे थे। बोतलों की कतारें लगी थीं। एंथोनी मार्स्टन का मन थोड़ा खुश हुआ। वह तो सोच ही रहा था कि यह तो एक घटिया किस्म का शो है। उसके जैसे लोगों के लिए तो बिलकुल नहीं! बूढ़े बैजर ने उसे इसमें आने की इजाज़त क्यों दी? खैर, पेय पदार्थ ठीक थे। बर्फ भी खूब थी।
वह बटलर क्या कह रहा था?
श्री ओवेन - दुर्भाग्यवश देरी हो गई - कल तक नहीं आ पाएंगे। निर्देश - उन्हें जो कुछ भी चाहिए था, सब मिल गया है - क्या वे अपने कमरों में जाना चाहेंगे? ... दोपहर का भोजन 8 बजे होगा। हत्या की 208 उत्कृष्ट कृतियाँ

6

और फिर कोई नहीं बचा 209

वेरा श्रीमती रोजर्स के पीछे-पीछे ऊपर चली गई। महिला ने गलियारे के अंत में एक दरवाजा खोला और वेरा एक खूबसूरत शयनकक्ष में प्रवेश कर गई, जिसमें एक बड़ी खिड़की समुद्र की ओर खुलती थी और दूसरी पूर्व दिशा की ओर। उसने खुशी से एक शब्द कहा।
श्रीमती रोजर्स कह रही थीं:
"उम्मीद है आपको सब कुछ मिल गया होगा, मिस?" वेरा ने चारों ओर देखा। उसका सामान ऊपर लाया जा चुका था और खोल दिया गया था। कमरे

के एक कोने में हल्के नीले रंग की टाइलों वाले बाथरूम का दरवाजा खुला हुआ था। उसने जल्दी से कहा:
"हां, मुझे लगता है सब कुछ।"
"अगर आपको कुछ चाहिए तो घंटी बजाएं, मिस?" श्रीमती रोजर्स की आवाज़ सपाट और नीरस थी। वेरा ने उन्हें उत्सुकता से देखा। कैसी सफेद, बेजान सी महिला! चेहरे से पीछे बंधे बालों और काले कपड़े में बेहद सभ्य दिख रही थीं। उनकी अजीब सी हल्की आँखें लगातार इधर-उधर घूम रही थीं।
वेरा ने सोचा:
"वह अपनी ही परछाई से डरी हुई लगती है।"
हाँ, यही बात थी - डर लग गया!
वह एक ऐसी महिला लग रही थी जो मौत के डर से कांप रही हो... वेरा की पीठ में एक हल्की सी सिहरन दौड़ गई। आखिर वह महिला किस बात से डर रही थी? उसने सुखद स्वर में कहा:
"मैं श्रीमती ओवेन की नई सचिव हूँ। मुझे उम्मीद है कि आप यह जानती होंगी।" श्रीमती रोजर्स ने कहा:
"नहीं, महोदया, मुझे कुछ नहीं पता। बस महिलाओं और पुरुषों की एक सूची है और उन्हें कौन से कमरे दिए जाने थे।"
वेरा ने कहा:
"श्रीमती ओवेन ने मेरा ज़िक्र तक नहीं किया?"
श्रीमती रोजर्स की पलकें फड़क उठीं।
मैंने श्रीमती ओवेन को अभी तक नहीं देखा है। हम यहाँ दो दिन पहले ही आए हैं।

वेरा ने सोचा, ये ओवेन परिवार वाकई असाधारण लोग हैं। उसने ज़ोर से कहा:

"यहां कौन-कौन से कर्मचारी हैं?"

3

मैं

मैं
मैं

"बस मैं और रोजर्स, मिस।" मेजबान और
वेरा ने भौंहें चढ़ाईं। घर में आठ लोग - दस लोग साथ में।
मेजबान और उनकी सेवा करने के लिए केवल एक विवाहित जोड़ा ही मौजूद था।
श्रीमती रोजर्स ने कहा:
"मैं अच्छी खाना बना लेती हूँ और रोजर्स घर के कामों में माहिर हैं। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि इतनी बड़ी पार्टी होने वाली है।" वेरा ने कहा।
"लेकिन आप संभाल सकते हैं?"
"जी हां, महोदया, मैं संभाल लूंगी। अगर अक्सर बड़ी पार्टियां होती हैं, तो शायद श्रीमती ओवेन अतिरिक्त मदद ले सकती हैं।" वेरा ने कहा, "मुझे यही उम्मीद है।"
श्रीमती रोजर्स जाने के लिए मुड़ीं। उनके पैर फर्श पर बिना किसी आवाज के चले। वह कमरे से एक परछाई की तरह निकल गईं।
वेरा खिड़की के पास गई और खिड़की की सीट पर बैठ गई। वह थोड़ी परेशान थी। सब कुछ—किसी न किसी तरह—अजीब सा लग रहा था। ओवेन्स

का न होना, पीली-सी भूतिया श्रीमती रोजर्स। और मेहमान! हाँ, मेहमान भी अजीब थे। एक बेमेल समूह।
वेरा ने सोचा:
"काश मैंने ओवेन्स को देखा होता... काश मुझे पता होता कि वे कैसे थे।" वह उठी और बेचैनी से कमरे में इधर-उधर घूमने लगी।
आधुनिक शैली में सजा हुआ एक आदर्श शयनकक्ष। चमकदार लकड़ी के फर्श पर हल्के सफेद रंग के कालीन, हल्की रंगीन दीवारें, रोशनी से घिरा एक लंबा दर्पण। अलंकरणों से रहित एक शेल्फ, जिस पर भालू के आकार का सफेद संगमरमर का एक विशाल टुकड़ा रखा है, जो आधुनिक मूर्तिकला का एक नमूना है और जिसमें एक घड़ी जड़ी हुई है। इसके ऊपर, चमकदार क्रोमियम फ्रेम में, चर्मपत्र का एक बड़ा वर्गाकार टुकड़ा है - एक कविता।
वह अंगीठी के सामने खड़ी होकर उसे पढ़ रही थी। यह वही पुरानी बाल कविता थी जो उसे अपने बचपन से याद थी।

दस छोटे भारतीय लड़के भोजन करने बाहर गए; उनमें से एक का दम घुट गया और फिर नौ ही बचे।

नौ छोटे भारतीय लड़के बहुत देर तक जागते रहे; एक लड़का ज्यादा सो गया और फिर आठ रह गए।

डेवॉन में यात्रा कर रहे आठ छोटे भारतीय लड़के; एक ने कहा कि वह वहीं रुक जाएगा और फिर सात रह गए।

सात छोटे भारतीय लड़के लकड़ियाँ काट रहे थे; उनमें से एक ने खुद को दो हिस्सों में काट लिया और फिर छह बचे।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

तुम्हें अपनी गहराइयों में खींच ले जाता है। डूब गया... डूबा हुआ पाया गया... डूबा हुआ।

समुद्र में डूब गई... डूब गई-डूब गई! नहीं, उसे याद नहीं होगा... वह इसके बारे में सोचेगी भी नहीं! सब कुछ खत्म हो गया था...

7

डॉ. आर्मस्ट्रांग इंडियन आइलैंड पर ठीक उसी समय पहुँचे जब सूरज समुद्र में डूब रहा था। रास्ते में उनकी एक स्थानीय नाविक से बातचीत हुई। वे इंडियन आइलैंड के मालिकों के बारे में कुछ जानने के लिए उत्सुक थे, लेकिन नारकोट नाम का वह व्यक्ति अजीब तरह से बीमार लग रहा था, या शायद बात करने को तैयार नहीं था। इसलिए डॉ. आर्मस्ट्रांग ने मौसम और मछली पकड़ने के बारे में बात करने के बजाय बातचीत शुरू कर दी। लंबी मोटर यात्रा के बाद वे थक गए थे। उनकी आँखों में दर्द हो रहा था। पश्चिम की ओर गाड़ी चलाना सूरज के विपरीत दिशा में गाड़ी चलाने जैसा था।
हाँ, वह बहुत थका हुआ था। समुद्र और परम शांति—यही तो उसे चाहिए था। वह सचमुच लंबी छुट्टी लेना चाहता था। लेकिन उसके पास इतने पैसे नहीं थे। आर्थिक रूप से तो वह ऐसा कर सकता था, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकता था। आजकल तो लोग जल्दी ही भूल जाते हैं। नहीं, अब जब वह यहाँ पहुँच ही गया है, तो उसे जी- तोड़ मेहनत करनी होगी।

और तब कोई नहीं था

211

उसने सोचा:
फिर भी, आज शाम मैं मन ही मन सोचूंगा कि मैं वापस नहीं जा रहा हूँ — कि मैंने लंदन, हार्ले स्ट्रीट और बाकी सब कुछ से नाता तोड़ लिया है। एक द्वीप में कुछ जादुई सा होता है—यह शब्द सुनते ही कल्पना का आभास होता है। आप दुनिया से कट जाते हैं—एक द्वीप अपने आप में एक अलग ही दुनिया होती है। एक ऐसी दुनिया, शायद, जहाँ से आप कभी वापस न लौटें। उसने सोचा:
मैं अपनी सामान्य जिंदगी को पीछे छोड़ रहा हूँ।
और, मन ही मन मुस्कुराते हुए, उसने भविष्य के लिए शानदार योजनाएँ बनानी शुरू कर दीं। चट्टानों को काटकर बनाई गई सीढ़ियों पर चढ़ते समय भी वह मुस्कुरा रहा था। छत पर एक कुर्सी पर एक बुजुर्ग सज्जन बैठे थे और उसे देखकर
डॉ. आर्मस्ट्रांग को वह कुछ जाना-पहचाना सा लगा। उन्होंने उस मेंढक जैसे चेहरे, कछुए जैसी गर्दन, झुकी हुई मुद्रा और उन पीली, चालाक छोटी आँखों को कहाँ देखा था? बेशक—बूढ़े वारग्रेव को। वह एक बार उनके सामने गवाही दे चुका था। हमेशा आधा सोया हुआ सा लगता था, लेकिन कानून के मामले में वह बेहद चतुर था। जूरी पर उसका जबरदस्त प्रभाव था—कहा जाता था कि वह सप्ताह के किसी भी दिन उनके लिए फैसला कर सकता था। उसने एक-दो असंभव फैसलों में भी जूरी को दोषी ठहराया था। कुछ लोग उसे फांसी देने वाला न्यायाधीश कहते थे। उससे मिलने के लिए यह अजीब जगह थी... यहाँ— दुनिया से अलग।

8

न्यायमूर्ति वारग्रेव ने मन ही मन सोचा:
"आर्मस्ट्रांग? गवाह के कटघरे में उसे याद है? कितना सटीक और सतर्क था वो। सारे डॉक्टर बेवकूफ होते हैं। हार्ले स्ट्रीट वाले तो सबसे बुरे होते हैं।" और उसका मन उसी गली में एक शिष्ट व्यक्ति के साथ हुई हाल की मुलाकात की यादों में खो गया।
उसने जोर से गुर्राया:
"पात्र हॉल में उपलब्ध हैं।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"मुझे जाकर अपने मेज़बान और मेज़बानी करने वाले को प्रणाम करना चाहिए।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी आँखें फिर से बंद कर लीं, उनका चेहरा बिल्कुल सरीसृप जैसा लग रहा था, और उन्होंने कहा: आप ऐसा नहीं कर सकते।
हत्या की 212 उत्कृष्ट कृतियाँ

डॉ. आर्मस्ट्रांग चौंक गए।
"क्यों नहीं?"
न्यायाधीश ने कहा:
"कोई मेज़बान नहीं है। बहुत ही अजीब स्थिति है। मुझे यह जगह समझ नहीं आ रही है।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने एक मिनट तक उन्हें घूर कर देखा। जब उन्हें लगा कि बूढ़ा आदमी सचमुच सो गया है, तो वारग्रेव ने अचानक कहा: "क्या आप कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन को जानते हैं?"
"नहीं, मुझे खेद है कि मेरे पास नहीं है।"
“इसका कोई महत्व नहीं,” न्यायाधीश ने कहा। “महिला का परिचय बहुत अस्पष्ट था और लिखावट तो लगभग समझ से परे थी। मैं बस सोच रहा था

कि कहीं मैं गलत घर तो नहीं आ गया।” डॉ. आर्मस्ट्रांग ने सिर हिलाया और घर की ओर चल दिए। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन के बारे में विचार किया। सभी महिलाओं की तरह अविश्वसनीय।
उसका ध्यान घर की दो महिलाओं पर गया - एक चुप रहने वाली बूढ़ी कुंवारी औरत और एक लड़की। उसे वह लड़की बिल्कुल पसंद नहीं थी, निर्मम और बदचलन। नहीं, अगर रोजर्स की पत्नी को भी गिनें तो तीन महिलाएं थीं। अजीब प्राणी, वह बहुत डरी हुई लग रही थी। दोनों ही सभ्य महिलाएं थीं और अपना काम जानती थीं। उसी क्षण रोजर्स छत पर आया, जज ने उससे पूछा: "क्या लेडी कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन के आने की उम्मीद है, क्या आपको पता है?" रोजर्स ने उसे घूर कर देखा। "जी नहीं, महोदय, मेरी जानकारी में ऐसा नहीं है।"
जज की भौंहें तन गईं। लेकिन उन्होंने सिर्फ हल्की सी आवाज निकाली।
उसने सोचा:
"इंडियन आइलैंड, है ना? लकड़ी के ढेर में एक नीग्रो है।"

9

एंथोनी मार्स्टन बाथटब में थे। वे गर्म पानी में आनंद ले रहे थे। लंबी ड्राइव के बाद उनके हाथ-पैर अकड़ गए थे। उनके दिमाग में बहुत कम विचार चल रहे थे। एंथोनी संवेदनाओं और क्रियाओं से भरपूर प्राणी थे। उन्होंने मन ही मन सोचा:
"मुझे लगता है कि मुझे यह करना ही होगा," और उसके बाद उसने अपने दिमाग से सब कुछ निकाल दिया।

1.
मैं 1
1

और तब कोई नहीं था

213

गर्म भाप वाला पानी - थके हुए शरीर - अभी दाढ़ी बनानी है - कॉकटेल डिनर। और उसके बाद...?

10

मिस्टर ब्लोर अपनी टाई बांध रहे थे। उन्हें इस तरह की चीजों में महारत हासिल नहीं थी। क्या वह ठीक-ठाक दिख रहे थे? उन्हें लगता था कि शायद।
किसी ने भी उसके प्रति सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं किया था। सब एक-दूसरे को ऐसे देख रहे थे मानो सब जानते हों।
खैर, यह तो उसी पर निर्भर था।
उसका इरादा अपने काम को बिगाड़ने का नहीं था।
उसने शेल्फ के ऊपर फ्रेम में लगी बच्चों की कविता पर एक नजर डाली। कितना अच्छा लगा, उसे वहाँ रखा है!
उसने सोचा:
मुझे याद है जब मैं बच्चा था तब यह द्वीप कैसा दिखता था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहाँ किसी घर में इस तरह की नौकरी

करूँगा। शायद यही अच्छा है कि भविष्य का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

वे जिस तरह से करते हैं वह हास्यास्पद है...

11

जनरल मैकार्थर मन ही मन भौंहें चढ़ा रहे थे।
धिक्कार है, यह सब कुछ बेहद अजीब था! बिलकुल वैसा नहीं जैसा उसे उम्मीद थी...
दो पिनों के लिए वह बहाना बनाकर भाग जाता। सारा मामला... लेकिन मोटरबोट मुख्य भूमि पर वापस चली गई थी।
उसे वहीं रुकना होगा।
वो लोम्बार्ड नाम का आदमी तो बिल्कुल ही अजीब था।
सीधा नहीं। वह कसम खाकर कह सकता था कि वह आदमी सीधा नहीं था।

12

। । फेंकना

जैसे ही घंटा बजा, फिलिप लोम्बार्ड अपने कमरे से बाहर आया और सीढ़ियों के शीर्ष की ओर चल पड़ा। वह एक पैंथर की तरह, सहजता से आगे बढ़ा।

और चुपचाप। उसमें पैंथर की झलक साफ दिख रही थी। एक शिकारी जानवर — देखने में मनमोहक। वह मन ही मन मुस्कुरा रहा था। एक हफ्ता—है ना?
वह उस सप्ताह का भरपूर आनंद लेने वाला था।

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

13

अपने बेडरूम में, रात के खाने के लिए तैयार काले रेशमी परिधान में सजी एमिली ब्रेंट अपनी बाइबिल पढ़ रही थी।
जैसे-जैसे वह शब्दों को पढ़ती गई, उसके होंठ हिलने लगे: "अन्यजातिवादी अपने ही बनाए गड्ढे में गिर गए हैं; उनके अपने ही जाल में उनका पैर फंस गया है। प्रभु अपने न्याय से ही जाने जाते हैं; दुष्ट अपने ही हाथों के जाल में फंस जाते हैं। दुष्ट नरक में डाले जाएंगे।"
उसके होंठ कसकर बंद हो गए। उसने बाइबल बंद कर दी।
उठकर उसने अपने गले में एक केर्नगोर्म ब्रोच लगाया और रात के खाने के लिए नीचे चली गई।

अध्याय 3

रात का खाना खत्म होने वाला था।
खाना अच्छा था, शराब लाजवाब थी। रोजर्स ने अच्छे से इंतज़ार किया। सबका मूड अच्छा था। वे एक-दूसरे से ज़्यादा खुलकर और आत्मीयता से बातें करने लगे थे।
बढ़िया पोर्ट वाइन के नशे में चूर न्यायमूर्ति वारग्रेव व्यंग्यात्मक अंदाज़ में मज़ाक कर रहे थे। डॉ. आर्मस्ट्रांग और टोनी मार्स्टन उन्हें सुन रहे थे। मिस ब्रेंट जनरल मैकार्थर से बातचीत कर रही थीं; उन्हें कुछ साझा मित्र मिल गए थे। वेरा क्लेथॉर्न श्री डेविस से दक्षिण अफ्रीका के बारे में बुद्धिमत्तापूर्ण प्रश्न पूछ रही थीं। श्री डेविस को इस विषय की अच्छी जानकारी थी। लोम्बार्ड बातचीत सुन रहे थे। एक-दो बार उन्होंने जल्दी से ऊपर देखा और उनकी आँखें सिकुड़ गईं। बीच-बीच में उनकी नज़रें मेज पर बैठे लोगों पर घूमती रहीं और उन्हें गौर से देखती रहीं।
एंथोनी मार्स्टन ने अचानक कहा:
"ये चीजें कितनी अनोखी हैं, है ना?"

और तब कोई नहीं था

215

गोल मेज के बीचोंबीच, एक गोलाकार कांच के स्टैंड पर, चीनी मिट्टी की कुछ छोटी-छोटी मूर्तियाँ रखी थीं।

"भारतीय," टोनी ने कहा। "इंडियन आइलैंड। मुझे लगता है कि यही विचार है।" वेरा आगे झुकी।
मुझे आश्चर्य है। कितने हैं? दस?
"हाँ, दस हैं।"
वेरा रो पड़ी:
"कितना मज़ा आया! मुझे लगता है कि ये वही दस छोटे भारतीय लड़के हैं जो नर्सरी राइम में वर्णित हैं। मेरे बेडरूम में वो राइम फ्रेम में लगी हुई है और मेंटलपीस के ऊपर टंगी हुई है।" लोम्बार्ड ने कहा:
"मेरे कमरे में भी।"
"और मेरा भी।"
"और मेरा भी।"
सभी ने मिलकर गाना शुरू किया। वेरा ने कहा:
"यह एक मजेदार विचार है, है ना?"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने धीमी सी आवाज निकाली:
"बेहद बचकाना," और उसने खुद ही पोर्ट वाइन ले ली। एमिली ब्रेंट ने वेरा क्लेथॉर्न की ओर देखा। वेरा क्लेथॉर्न ने मिस ब्रेंट की ओर देखा। दोनों महिलाएं खड़ी हो गईं।
ड्राइंग रूम में, फ्रेंच खिड़कियाँ छत की ओर खुली थीं और चट्टानों से टकराती समुद्र की लहरों की हल्की आवाज़ अंदर आ रही थी। एमिली ब्रेंट ने कहा: "सुखद आवाज़।"
वेरा ने तीखे स्वर में कहा, "मुझे इससे नफरत है।"
मिस ब्रेंट की निगाहें आश्चर्य से उसकी ओर घूमीं। वेरा का चेहरा लाल हो गया। उसने अधिक संयमित होकर कहा:
"मुझे नहीं लगता कि तूफान में यह जगह बहुत अनुकूल रहेगी।" एमिली ब्रेंट ने भी इस बात से सहमति जताई।

"मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि सर्दियों में घर बंद रहता है," उसने कहा। "वैसे भी, यहाँ नौकर कभी नहीं रुकेंगे।"
वेरा ने धीरे से कहा:
"वैसे भी नौकर मिलना मुश्किल होगा।" एमिली ब्रेंट ने कहा: "श्रीमती ओलिवर को ये दोनों पाकर सौभाग्यशाली होना पड़ा है। ये महिला बहुत अच्छी रसोइया है।" वेरा thou(yht:
"यह अजीब बात है कि बुजुर्ग लोग हमेशा नाम गलत बताते हैं।" उन्होंने कहा:
"हाँ, मुझे लगता है कि श्रीमती ओवेन वास्तव में बहुत भाग्यशाली रही हैं।" एमिली ब्रेंट अपनी 216 मास्टरपीस ऑफ़ मर्डर में से कढ़ाई का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर आई थीं।

बैग। अब, जैसे ही वह अपनी सुई में धागा डालने वाली थी, वह रुक गई। उसने तीखे स्वर में कहा: "ओवेन? क्या तुमने ओवेन कहा?"
"हाँ।"
एमिली ब्रेंट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी ओवेन नाम के किसी व्यक्ति से मुलाकात नहीं की।" वेरा ने हैरानी से देखा।
लेकिन निश्चित रूप से-
उसने अपना वाक्य पूरा नहीं किया। दरवाज़ा खुला और पुरुष उनके साथ आ गए। रॉजर्स कॉफ़ी की ट्रे लेकर उनके पीछे कमरे में गया। जज आकर एमिली ब्रेंट के पास बैठ गए। आर्मस्ट्रांग वेरा के पास आया। टोनी मार्स्टन खुली खिड़की की ओर टहलते हुए चला गया। ब्लोर ने भोलेपन से पीतल की एक छोटी मूर्ति को हैरानी से देखा— शायद सोच रहा था कि क्या उसकी विचित्र कोणीय आकृतियाँ सचमुच किसी स्त्री की आकृति को दर्शाती हैं। जनरल मैकार्थर मेंटलपीस

की ओर पीठ करके खड़े थे। उन्होंने अपनी छोटी सफेद मूंछें खींचीं। खाना बहुत बढ़िया था! उनका मनोबल बढ़ रहा था।
लोम्बार्ड ने दीवार के पास एक मेज पर अन्य कागजों के साथ रखे पंच अखबार के पन्ने पलटे। रॉजर्स कॉफ़ी की ट्रे लेकर घूमा।
कॉफ़ी अच्छी थी—काफ़ी काली और बहुत गर्म।
सभी ने भरपेट भोजन किया था। वे स्वयं से और जीवन से संतुष्ट थे।
घड़ी की सुइयाँ नौ बजकर बीस मिनट बता रही थीं। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था—एक सुखद और संतुष्टिदायक सन्नाटा।
उस सन्नाटे में वह आवाज आई। बिना किसी चेतावनी के, अमानवीय, मर्मस्पर्शी।
"देवियों और सज्जनों! कृपया शांत हो जाइए!" सब चौंक गए। सबने इधर-उधर देखा—एक-दूसरे की ओर, दीवारों की ओर। कौन बोल रहा था? आवाज जारी रही—एक ऊँची, स्पष्ट आवाज।
आप पर निम्नलिखित आरोप लगाए गए हैं:
एडवर्ड जॉर्ज आर्मस्ट्रांग, आपने 14 मार्च, 1925 को लुईसा मैरी क्लीस की मृत्यु का कारण बनाया।
एमिली कैरोलिन ब्रेंट, कि 5 नवंबर, 1931 को आप बीट्रिस टेलर की मृत्यु के लिए जिम्मेदार थीं।
विलियम हेनरी ब्लोर, आपने 10 अक्टूबर, 1928 को जेम्स स्टीफन लैंडोर की मृत्यु का कारण बनाया।
वेरा एलिजाबेथ क्लेथॉर्न, आपने 11 अगस्त, 1935 को सिरिल ओगिल्वी हैमिल्टन की हत्या की थी।
फिलिप लोम्बार्ड, कि फरवरी 1932 की एक तारीख को आप थे

और तब कोई नहीं था

217

पूर्वी अफ़्रीकी जनजाति के इक्कीस पुरुषों की हत्या के दोषी जॉन गॉर्डन मैकार्थर पर आरोप है कि 4 जनवरी, 1917 को आपने जानबूझकर अपनी पत्नी के प्रेमी आर्थर रिचमंड को मौत के घाट उतार दिया। एंथोनी जेम्स मार्स्टन पर आरोप है कि पिछली 14 नवंबर को आपने जॉन और लूसी कॉम्ब्स की हत्या की थी।
थॉमस रोजर्स और एथेल रोजर्स, कि 6 मई, 1929 को आपने जेनिफर ब्रैडी की मृत्यु का कारण बनाया।
लॉरेंस जॉन वारग्रेव, कि 10 जून, 1930 को आप एडवर्ड सेटन की हत्या के दोषी थे।
कटघरे में खड़े कैदियों, क्या आप अपने बचाव में कुछ कहना चाहेंगे?

2

आवाज बंद हो गई थी।
एक पल के लिए सन्नाटा छा गया और फिर एक ज़ोरदार धमाका हुआ! रॉजर्स के हाथ से कॉफी की ट्रे गिर गई थी!
ठीक उसी समय, कमरे के बाहर कहीं से एक चीख और एक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी।
लॉम्बार्ड सबसे पहले हरकत में आया। वह दरवाजे की ओर झपटा और उसे खोल दिया। बाहर, एक जगह सिमटी हुई हालत में, श्रीमती रोजर्स पड़ी थीं।
लोम्बार्ड ने फोन किया:
"मार्स्टन।"

एंथोनी उसकी मदद के लिए तुरंत दौड़ा। दोनों ने मिलकर महिला को उठाया और उसे ड्राइंग रूम में ले गए।
डॉ. आर्मस्ट्रांग तुरंत आए। उन्होंने उन्हें सोफे पर लिटाने में मदद की और उनके ऊपर झुक गए। उन्होंने जल्दी से कहा:
"कुछ नहीं हुआ। वो बेहोश हो गई है, बस इतना ही। एक मिनट में होश में आ जाएगी।" लोम्बार्ड ने रोजर्स से कहा:
"थोड़ी ब्रांडी ले आओ।"
रोजर्स का चेहरा पीला पड़ गया था, हाथ कांप रहे थे, उसने धीरे से कहा:
"जी हाँ, श्रीमान," और वह झटपट कमरे से बाहर निकल गई। वेरा चिल्लाई:
"वो कौन बोल रहा था? वो कहाँ था? आवाज... आवाज..." जनरल मैकार्थर हकलाते हुए बोले:
"यहाँ क्या हो रहा है? ये किस तरह का मज़ाक था?" उसका हाथ काँप रहा था। उसके कंधे झुक गए थे। वह अचानक दस साल बूढ़ा लग रहा था। ब्लोर रूमाल से अपना चेहरा पोंछ रहा था। 218 मास्टरपीस ऑफ़ मर्डर

केवल न्यायमूर्ति वारग्रेव और मिस ब्रेंट ही अपेक्षाकृत अविचलित प्रतीत हुए। एमिली ब्रेंट सीधी बैठी थीं, उनका सिर ऊंचा था। उनके दोनों गालों पर लालिमा छाई हुई थी। न्यायाधीश अपनी आदत के अनुसार बैठे थे, उनका सिर गर्दन में धंसा हुआ था। एक हाथ से वे धीरे से अपना कान खुजा रहे थे। केवल उनकी आंखें ही सक्रिय थीं, कमरे में इधर-उधर घूम रही थीं, उलझन में थीं, बुद्धिमत्ता से सतर्क थीं। एक बार फिर लोम्बार्ड ने ही पहल की।

आर्मस्ट्रांग बेहोश महिला की देखभाल में व्यस्त थे, इसलिए लोम्बार्ड को एक बार फिर पहल करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा: "वो आवाज? ऐसा लग रहा था जैसे वो कमरे में ही हो।" वेरा रो पड़ी। "कौन था? कौन था? हममें से कोई नहीं था।" जज की तरह, लोम्बार्ड की नज़रें धीरे-धीरे कमरे में घूमने लगीं। एक मिनट के लिए खुली खिड़की पर टिकीं, फिर उन्होंने दृढ़ता से अपना सिर हिलाया। अचानक उनकी आँखों में चमक आ गई। वे तेज़ी से आगे बढ़े और चिमनी के पास वाले एक दरवाज़े की ओर बढ़े जो बगल के कमरे में खुलता था। एक झटके में उसने हैंडल पकड़ा और दरवाजा खोल दिया। अंदर जाते ही उसने संतुष्टि भरी आवाज निकाली। उसने कहा:
"हम सब यहाँ हैं।"
बाकी लोग भी उसके पीछे-पीछे चल दिए। केवल मिस ब्रेंट ही अपनी कुर्सी पर सीधी बैठी रहीं।
दूसरे कमरे में, ड्राइंग रूम से सटी दीवार के पास एक मेज रखी गई थी। मेज पर एक ग्रामोफोन रखा था - एक पुराने ज़माने का, जिसमें एक बड़ा तुरही जैसा यंत्र लगा था। तुरही का मुँह दीवार से लगा हुआ था, और लोम्बार्ड ने उसे एक तरफ धकेलते हुए उस जगह की ओर इशारा किया जहाँ दीवार में दो-तीन छोटे छेद चुपके से किए गए थे। ग्रामोफोन को ठीक करते हुए उसने रिकॉर्ड पर सुई वापस रखी और तुरंत ही उन्हें फिर से सुनाई दिया: "आप पर निम्नलिखित आरोप लगाए गए हैं-" वेरा चिल्लाई:
"इसे बंद करो! इसे बंद करो! यह भयानक है!" लोम्बार्ड ने बात मान ली।
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने राहत की सांस लेते हुए कहा:
"मुझे लगता है, यह एक शर्मनाक और निर्मम मज़ाक था।" न्यायमूर्ति वारग्रेव की धीमी, स्पष्ट आवाज़ में यह फुसफुसाहट सुनाई दी:

"तो आपको लगता है कि यह एक मजाक है?"
डॉक्टर ने उसे घूर कर देखा।
"क्या" ~1--मैं इसे 1-911 करूँगा

और तब कोई नहीं था

एफ

219

न्यायाधीश ने धीरे से अपने ऊपरी होंठ को सहलाया।
उसने कहा:
"फिलहाल मैं कोई राय देने के लिए तैयार नहीं हूं।" एंथनी मार्स्टन ने बीच में टोकते हुए कहा:
"देखो, तुम एक बात भूल गए हो। आखिर इसे किसने चालू किया और इसे चलने दिया?"
वारग्रेव ने धीरे से कहा:
"हां, मुझे लगता है कि हमें इसकी जांच करनी चाहिए।"
वह ड्राइंग रूम में वापस जाने के लिए आगे-आगे चलने लगा। बाकी लोग उसके पीछे-पीछे आए। रोजर्स अभी-अभी ब्रांडी का गिलास लेकर अंदर आया था। मिस ब्रेंट, श्रीमती रोजर्स के कराहते हुए शरीर के पास झुकी हुई थीं।
रोजर्स ने बड़ी चतुराई से दोनों महिलाओं के बीच से रास्ता बना लिया।
"मुझे अनुमति दीजिए, महोदया, मैं उससे बात करता हूँ। एथेल-एथेल-सब ठीक है। सब ठीक है, क्या आप सुन रही हैं? खुद को संभालिए।"

श्रीमती रोजर्स की सांसें तेज-तेज चल रही थीं। उनकी भयभीत आंखें चारों ओर मौजूद चेहरों पर घूम रही थीं। रोजर्स के लहजे में घबराहट थी।
"खुद को संभालो, एथेल।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने उनसे बड़े ही प्यार से बात की।
"अब आप ठीक हो जाएंगी, श्रीमती रोजर्स। बस थोड़ी सी परेशानी हुई थी।" उन्होंने कहा:
"क्या मैं बेहोश हो गया था, महोदय?"
"हाँ।
"वह आवाज़ थी—वह भयानक आवाज़—जैसे कोई फैसला सुना रहा हो—" उसका चेहरा फिर से हरा पड़ गया, उसकी पलकें फड़फड़ाने लगीं। डॉ. आर्मस्ट्रांग ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"ब्रांडी कहाँ है?"
रोजर्स ने उसे एक छोटी सी मेज पर रख दिया था। किसी ने उसे डॉक्टर को सौंप दिया और वह हांफती हुई महिला के ऊपर झुक गया।
"इसे पीजिए, श्रीमती रोजर्स।"
उसने पिया, थोड़ा खांसते हुए और हांफते हुए। उस पेय ने उसे अच्छा महसूस कराया। उसके चेहरे की रौनक लौट आई। उसने कहा:
"मैं अब ठीक हूँ। बस थोड़ी सी दिक्कत हुई थी।" रोजर्स ने जल्दी से कहा:
"बेशक हुआ। इसने मुझे भी मौका दिया। न्याय ने मुझसे वह ट्रे गिरा दी। सरासर झूठ था! मैं जानना चाहूंगा-"
उनकी बात बीच में ही रुक गई। यह सिर्फ एक खांसी थी—सूखी सी हल्की खांसी, लेकिन
वह

इससे उसका रोना रुक गया। उसने न्यायमूर्ति वारग्रेव को घूरकर देखा और न्यायमूर्ति वारग्रेव ने फिर खांसा। फिर उसने कहा: "ग्रामोफोन पर वह रिकॉर्ड किसने लगाया? क्या यह तुमने लगाया था, रोजर्स?" रोजर्स चिल्लाया: 220 मास्टरपीस ऑफ मर्डर

"मुझे पता नहीं था कि यह क्या है। भगवान कसम, मुझे पता नहीं था कि यह क्या है, महोदय। अगर मुझे पता होता तो मैं इसे कभी नहीं करता।"
जज ने रूखेपन से कहा:
"शायद यह सच है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको बेहतर ढंग से समझाना चाहिए, रोजर्स।" बटलर ने रूमाल से अपना चेहरा पोंछा। उसने गंभीरता से कहा:
"मैं तो बस आदेशों का पालन कर रहा था, महोदय, बस इतना ही।" "किसके आदेश?"
"श्री ओवेन का।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"मुझे यह बात बिल्कुल स्पष्ट करने दीजिए। श्री ओवेन के आदेश क्या थे?" रोजर्स ने कहा:
"मुझे ग्रामोफोन पर एक रिकॉर्ड लगाना था। मैं दराज में से रिकॉर्ड ढूंढता और जब मैं कॉफी की ट्रे लेकर ड्राइंग रूम में जाता, तो मेरी पत्नी ग्रामोफोन चालू कर देती।"
न्यायाधीश ने धीमी आवाज़ में कहा:
"एक बेहद उल्लेखनीय कहानी।"
रोजर्स रो पड़े:

"यह सच है, महोदय। मैं ईश्वर की कसम खाकर कहता हूँ, यह सच है। मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि यह क्या है। इस पर एक नाम लिखा था - मैंने सोचा कि यह बस संगीत का एक टुकड़ा है।"
वारग्रेव ने लोम्बार्ड की ओर देखा।
"क्या उस पर कोई शीर्षक था?"
लॉम्बार्ड ने सिर हिलाया। वह अचानक मुस्कुराया, अपने सफेद नुकीले दांत दिखाते हुए। उसने कहा:

"बिल्कुल सही, महोदय। इसका शीर्षक 'स्वान सॉन्ग' था..."

3

जनरल मैकार्थर अचानक भड़क उठे। उन्होंने कहा:
"यह सब बेतुका है-बेतुका! इस तरह आरोप लगाना! इसके बारे में कुछ किया जाना चाहिए। यह ओवेन नाम का आदमी, चाहे वह कोई भी हो," एमिली ब्रेंट ने बीच में ही टोकते हुए कहा। उसने तीखे स्वर में कहा: "बस यही तो बात है, वह कौन है?"
न्यायाधीश ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने उस अधिकार के साथ बात की जो उन्हें अदालतों में जीवन भर के अनुभव से प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा:
"हमें इस पर बहुत सावधानी से विचार करना होगा। मुझे सुझाव देना चाहिए कि फिर कोई नहीं बचा।"

"रोजर्स, पहले अपनी पत्नी को सुला लो। फिर वापस यहाँ आना।" "जी सर।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:

मैं तुम्हारी मदद करूंगा, रोजर्स।
दोनों आदमियों का सहारा लेकर श्रीमती रोजर्स लड़खड़ाते हुए कमरे से बाहर निकल गईं। उनके जाने के बाद टोनी मार्स्टन ने कहा: "मुझे नहीं पता आपके बारे में, महोदय, लेकिन मुझे एक ड्रिंक की जरूरत है।" लोम्बार्ड ने कहा:
"मैं सहमत हूं।"
टोनी ने कहा:
मैं जाकर भोजन की तलाश करूंगा।
वह कमरे से बाहर चला गया।
वह एक-दो सेकंड बाद लौट आया।
"मैंने उन सभी को बाहर एक ट्रे में रखा हुआ पाया, अंदर लाए जाने के लिए तैयार।" उसने अपना बोझ सावधानी से नीचे रखा। अगले एक-दो मिनट पेय पदार्थ परोसने में व्यतीत हुए। जनरल मैकार्थर ने कड़क व्हिस्की पी और जज ने भी। हर किसी को किसी उत्तेजक पदार्थ की आवश्यकता महसूस हो रही थी। केवल एमिली ब्रेंट ने पानी का गिलास मांगा और उसे मिल गया। डॉ. आर्मस्ट्रांग कमरे में वापस आ गए। "वह ठीक है," उसने कहा। "मैंने उसे नींद की गोली दी है। क्या, एक ड्रिंक? मुझे भी एक चाहिए।"
कुछ लोगों ने अपने गिलास दोबारा भर लिए। एक-दो क्षण बाद रोजर्स कमरे में वापस आ गया।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कार्यवाही का संचालन संभाला। कमरा तात्कालिक रूप से एक अदालत में बदल गया।
न्यायाधीश ने कहा:
"तो अब, रॉजर्स, हमें इस मामले की तह तक जाना होगा। ये मिस्टर ओवेन कौन हैं?" रॉजर्स ने हैरानी से पूछा।
"यह जगह उन्हीं की है, महोदय।"

"मुझे इस बात की जानकारी है। मैं चाहता हूं कि आप मुझे उस व्यक्ति के बारे में वह सब बताएं जो आप स्वयं जानते हैं।" रोजर्स ने अपना सिर हिलाया।
"मैं कुछ नहीं कह सकता, महोदय। देखिए, मैंने उन्हें कभी नहीं देखा।" कमरे में हल्की सी हलचल हुई।
जनरल मैकार्थर ने कहा:
"तुमने उसे कभी नहीं देखा? तुम्हारा मतलब क्या है?"
"हम यहाँ आए हुए अभी एक सप्ताह से भी कम समय हुआ है, महोदय। मैं और मेरी पत्नी। हमने एक एजेंसी के माध्यम से पत्र द्वारा बुकिंग की थी। प्लायमाउथ स्थित रेजिना एजेंसी।" 222 मास्टरपीस ऑफ मर्डर

ब्लोर ने सिर हिलाया।
"एक पुरानी और प्रतिष्ठित कंपनी," उन्होंने स्वयं ही कहा। वारग्रेव ने कहा:
"क्या आपको वह पत्र मिला?"
क्या आपने हमें कोई पत्र लिखा था? नहीं, महोदय। मैंने उसे अपने पास नहीं रखा।
"अपनी कहानी जारी रखो। जैसा कि तुम कहती हो, तुम्हारी सगाई पत्र के माध्यम से हुई थी।"
"जी हाँ, महोदय। हमें एक निश्चित दिन पर पहुँचना था। हम पहुँच गए। यहाँ सब कुछ ठीक था। पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध था और सब कुछ बहुत बढ़िया था। बस थोड़ी-बहुत सफाई की ज़रूरत थी।" "आगे क्या?"
"कुछ नहीं, महोदय। हमें फिर से पत्र द्वारा आदेश मिले हैं कि कमरों को एक हाउस पार्टी के लिए तैयार किया जाए और फिर कल दोपहर

की डाक से मुझे श्री ओवेन का एक और पत्र मिला। उसमें लिखा था कि उन्हें और श्रीमती ओवेन को हिरासत में लिया गया है और हमें यथासंभव सर्वोत्तम प्रयास करना है और उसमें रात के खाने, कॉफी और ग्रामोफोन रिकॉर्ड चलाने के बारे में निर्देश दिए गए थे।" न्यायाधीश ने तीखी आवाज में कहा:
"तुम्हें वह पत्र जरूर मिल गया होगा?"
"जी सर, यह मेरे पास है।"
उसने उसे जेब से निकाला। जज ने उसे ले लिया।
"हम्म," उसने कहा। "रिट्ज होटल लिखा है और टाइप किया है।" पलक झपकते ही ब्लोर उसके बगल में आ गया।
उसने कहा:
"अगर आप मुझे देखने देंगे तो।"
उसने दूसरे के हाथ से वह छीन लिया और उस पर सरसरी नज़र डाली। उसने बुदबुदाते हुए कहा, "राज्याभिषेक की मशीन। एकदम नई - कोई खराबी नहीं। पताका का कागज़ - सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाला ब्रांड। इससे तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। उंगलियों के निशान हो सकते हैं, लेकिन मुझे शक है।" वारग्रेव अचानक चौकन्ना होकर उसे देखने लगा।
एंथनी मार्स्टन ब्लोर के बगल में खड़े होकर उनके कंधे के ऊपर से देख रहे थे। उन्होंने कहा: "उसके कुछ बड़े-बड़े ईसाई नाम हैं, है ना? यूलिक नॉर्मन ओवेन। बोलने में थोड़ा मुश्किल है।" बूढ़े जज ने थोड़ा चौंकते हुए कहा:
"श्री मार्स्टन, मैं आपका आभारी हूं। आपने मेरा ध्यान एक रोचक और विचारोत्तेजक बिंदु की ओर आकर्षित किया है।"
उसने बाकी लोगों की ओर देखा और गुस्से में भरे कछुए की तरह अपनी गर्दन आगे बढ़ाते हुए कहा:

"मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम सभी अपनी जानकारी साझा करें। मेरा मानना है कि इस घर के मालिक के बारे में सभी के पास जो भी जानकारी है, उसे सबके सामने लाना बेहतर होगा।" वह कुछ देर रुके।

और तब कोई नहीं था

223

और फिर उसने आगे कहा, "हम सब उनके मेहमान हैं। मुझे लगता है कि अगर हममें से हर कोई यह बताए कि यह सब कैसे हुआ, तो यह फायदेमंद होगा।" कुछ पल का विराम हुआ और फिर एमिली ब्रेंट ने दृढ़ता से बोलना शुरू किया।
“इस सब में कुछ बहुत ही अजीब बात है,” उसने कहा। “मुझे एक पत्र मिला जिस पर हस्ताक्षर आसानी से पढ़े नहीं जा सकते थे। यह पत्र एक ऐसी महिला की ओर से था जिससे मैं दो-तीन साल पहले एक ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट में मिली थी। मैंने नाम को ओग्डेन या ओलिवर समझा। मैं श्रीमती ओलिवर और मिस ओग्डेन को जानती हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि मैं ओवेन नाम की किसी भी महिला से कभी नहीं मिली हूँ और न ही उनसे मेरी कोई दोस्ती हुई है।” न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"क्या आपके पास वह पत्र है, मिस ब्रेंट?"
"जी हां, मैं आपके लिए इसे ले आऊंगा।"
वह चली गई और एक मिनट बाद पत्र लेकर लौटी। जज ने उसे पढ़ा। उन्होंने कहा:

"अब मुझे समझ आने लगा है... मिस क्लेथॉर्न?" वेरा ने अपनी सचिवीय नियुक्ति की परिस्थितियों के बारे में बताया। न्यायाधीश ने कहा: "मार्स्टन?"
एंथोनी ने कहा:
"मुझे एक संदेश मिला। मेरे एक दोस्त, बैजर बर्कले का। उस समय मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मुझे लगा था कि वह बूढ़ा आदमी नॉर्वे चला गया है। उसने मुझे यहाँ आने को कहा।" वारग्रेव ने फिर सिर हिलाया। उसने कहा:
"डॉ. आर्मस्ट्रांग?"
मुझे पेशेवर तौर पर बुलाया गया था।
"मैं समझ गया। आपका उस परिवार से पहले कोई परिचय नहीं था?" "नहीं। पत्र में मेरे एक सहकर्मी का जिक्र था।" न्यायाधीश ने कहा:
"वास्तविकता का आभास देने के लिए... हाँ, और मुझे लगता है कि वह सहकर्मी कुछ समय के लिए आपसे संपर्क में नहीं था?"
"हाँ, बिल्कुल।"
ब्लोर को घूर रहे लोम्बार्ड ने अचानक कहा:
"देखो, मुझे अभी एक विचार आया है-" न्यायाधीश ने हाथ उठाया।
एक मिनट में-
लेकिन 1-1)
"हम एक-एक करके चीजों पर विचार करेंगे, श्री लोम्बार्ड। हम फिलहाल उन कारणों की जांच कर रहे हैं जिनके कारण हमें आज रात यहां इकट्ठा होना पड़ा है। जनरल मैकार्थर?"
हत्या की 224 उत्कृष्ट कृतियाँ

अपनी मूंछें खींचते हुए जनरल ने बुदबुदाया:

"मुझे ओवेन नाम के एक व्यक्ति का पत्र मिला था, जिसमें मेरे कुछ पुराने दोस्तों का जिक्र था जो यहाँ आने वाले थे। उसने अनौपचारिक निमंत्रण के लिए मुझे क्षमा करने की उम्मीद जताई थी। अफसोस, मैंने वह पत्र नहीं रखा है।"
वारग्रेव ने कहा:
"श्रीमान लोम्बार्ड?"
लॉम्बार्ड का दिमाग सक्रिय था। क्या उसे खुलकर सामने आना चाहिए, या नहीं?
उसने अपना मन बना लिया।
“बिल्कुल वैसा ही,” उसने कहा। “निमंत्रण, आपसी दोस्तों का ज़िक्र—मैं पूरी तरह से झांसे में आ गया। मैंने चिट्ठी में हेराफेरी कर दी है।” न्यायमूर्ति वारग्रेव ने श्री ब्लोर की ओर ध्यान दिया। उनकी तर्जनी उंगली उनके ऊपरी होंठ पर फिरी और उनकी आवाज़ खतरनाक रूप से विनम्र थी। उन्होंने कहा: “अभी-अभी हमें एक परेशान करने वाला अनुभव हुआ। एक अदृश्य आवाज़ ने हम सभी को नाम लेकर संबोधित किया और हम पर कुछ सटीक आरोप लगाए। हम उन आरोपों पर अभी विचार करेंगे। फिलहाल मेरी दिलचस्पी एक छोटे से मुद्दे में है। जिन नामों का ज़िक्र किया गया उनमें विलियम हेनरी ब्लोर का नाम भी था। लेकिन जहाँ तक हमें पता है, हमारे बीच ब्लोर नाम का कोई व्यक्ति नहीं है। डेविस का नाम नहीं लिया गया। इस बारे में आपका क्या कहना है, श्री डेविस?” ब्लोर ने रूठते हुए कहा:
"अब तो राज खुल ही गया है। मुझे लगता है कि मुझे यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि मेरा नाम डेविस नहीं है।"
"क्या आप विलियम हेनरी ब्लोर हैं?"
"यह सही है।"

"मैं इसमें कुछ जोड़ना चाहूंगा," लोम्बार्ड ने कहा। "श्री ब्लोर, आप न केवल झूठे नाम से यहां आए हैं, बल्कि आज शाम मैंने यह भी देखा है कि आप एक नंबर के झूठे हैं। आप दावा करते हैं कि आप दक्षिण अफ्रीका के नेटाल से आए हैं। मैं दक्षिण अफ्रीका और नेटाल को जानता हूं और मैं कसम खाकर कह सकता हूं कि आपने अपने जीवन में कभी दक्षिण अफ्रीका में कदम नहीं रखा है।"
सभी की निगाहें ब्लोर पर टिकी थीं। गुस्से और संदेह से भरी निगाहें। एंथोनी मार्स्टन एक कदम और उसके करीब आया। उसकी मुट्ठियाँ कस गईं।
"अब सुनो, तुम सूअर!" उसने कहा। "कोई स्पष्टीकरण?" ब्लोर ने अपना सिर पीछे की ओर झटका और अपने चौड़े जबड़े को कस लिया।
उन्होंने कहा, "आप लोगों ने मुझे गलत समझा है। मेरे पास मेरे प्रमाण पत्र हैं और आप उन्हें देख सकते हैं। मैं पूर्व सी.आई.डी. अधिकारी हूं। मैं प्लायमाउथ में एक जासूस एजेंसी चलाता हूं। मुझे यह काम सौंपा गया था।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने पूछा: "किसके द्वारा?"
"इस ओवेन नाम के व्यक्ति ने खर्चों के लिए एक बड़ी रकम का मनी ऑर्डर भेजा और मुझे बताया कि वह क्या करवाना चाहता है। मुझे इसमें शामिल होना था..."

और तब कोई नहीं था

मैं एक हाउस पार्टी में मेहमान बनकर गया था। मुझे आप सबके नाम दिए गए थे। मुझे आप सब पर नज़र रखनी थी।
"क्या कोई कारण बताया गया?"
ब्लोर ने कड़वाहट से कहा:

"श्रीमती ओवेन के गहने। श्रीमती ओवेन, बिलकुल नहीं! मुझे तो लगता ही नहीं कि ऐसी कोई शख्सियत है।" जज ने एक बार फिर अपनी तर्जनी उंगली से अपने होंठ को छुआ, इस बार प्रशंसा के भाव से। "मुझे लगता है आपके निष्कर्ष सही हैं," उन्होंने कहा। "यूलिक नॉर्मन ओवेन! मिस ब्रेंट के पत्र में, हालांकि उपनाम के हस्ताक्षर अस्पष्ट हैं, ईसाई नाम काफी स्पष्ट हैं - ऊना नैन्सी - दोनों ही मामलों में, आपने ध्यान दिया होगा, शुरुआती अक्षर एक ही हैं। यूलिक नॉर्मन ओवेन, ऊना नैन्सी ओवेन - यानी हर बार, यू. एन. ओवेन। या फिर, कल्पना की एक छोटी सी उड़ान से, अज्ञात!"
वेरा रो पड़ी:
"लेकिन यह तो शानदार-पागलपन है!"
न्यायाधीश ने धीरे से सिर हिलाया।
उसने कहा:
"ओह, हाँ। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमें यहाँ एक पागल व्यक्ति ने आमंत्रित किया है - शायद एक खतरनाक हत्यारा पागल।"

अध्याय 4

एक पल के लिए सन्नाटा छा गया—निराशा और हैरानी का सन्नाटा। फिर न्यायाधीश की धीमी, स्पष्ट आवाज ने एक बार फिर बातचीत को आगे बढ़ाया।
"अब हम अपनी जांच के अगले चरण की ओर बढ़ेंगे। लेकिन उससे पहले, मैं अपनी योग्यताओं को सूची में जोड़ देना चाहता हूं।"
उसने अपनी जेब से एक पत्र निकाला और उसे मेज पर फेंक दिया।
यह पत्र मेरी एक पुरानी मित्र, लेडी कॉन्स्टेंस कल्मिंगटन की ओर से आया प्रतीत होता है। मैंने उनसे कुछ वर्षों से मुलाकात नहीं की है। वह पूर्वी अमेरिका चली गई हैं। यह ठीक उसी तरह का अस्पष्ट और असंगत पत्र है जैसा वह लिखा करती थीं, जिसमें उन्होंने मुझे यहाँ आने के लिए आमंत्रित किया है और अपने मेज़बान और मेज़बानी करने वाली महिला का ज़िक्र बेहद अस्पष्ट शब्दों में किया है। आप देखेंगे कि लेखन शैली भी वही है। मैं इसका उल्लेख केवल इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि यह अन्य साक्ष्यों से मेल खाता है - जिनसे एक दिलचस्प बात उभरती है। जिसने भी हमें यहाँ आने के लिए प्रेरित किया है, वह व्यक्ति हम सबके बारे में बहुत कुछ जानता है या जानने की कोशिश कर रहा है। वह, चाहे जो भी हो, मेरी मित्रता से अवगत है।
226

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

लेडी कॉन्स्टेंस के बारे में उन्हें अच्छी तरह से पता है और वे उनकी पत्र लेखन शैली से भी परिचित हैं। उन्हें डॉ. आर्मस्ट्रांग के सहयोगियों और उनके वर्तमान ठिकाने के बारे में भी जानकारी है। उन्हें श्री मार्स्टन के मित्र का उपनाम और उनके द्वारा भेजे जाने वाले टेलीग्राम के प्रकार भी पता हैं। उन्हें ठीक-ठीक पता है कि मिस ब्रेंट दो साल पहले अपनी छुट्टियों के लिए कहाँ गई थीं और वहाँ वे किन लोगों से मिलीं। उन्हें जनरल मैकार्थर के पुराने साथियों के बारे में भी पूरी जानकारी है।
वह रुका। फिर उसने कहा:
"वह काफी कुछ जानता है। और हमारे बारे में अपने ज्ञान के आधार पर उसने कुछ पुख्ता आरोप लगाए हैं।"
तुरंत ही अफरा-तफरी मच गई।
जनरल मैकार्थर चिल्लाए:
"झूठ का पुलिंदा! मानहानि!"
वेरा चिल्लाई:
"यह तो अन्याय है!" उसकी सांसें तेज़ चलने लगीं। "बहुत बुरा!" रोजर्स ने कर्कश स्वर में कहा:
"झूठ—एक घिनौना झूठ... हमने कभी नहीं किया—हममें से किसी ने भी नहीं।" एंथोनी मार्स्टन गुर्राया:
"पता नहीं वो मूर्ख क्या कहना चाह रहा था!" न्यायमूर्ति वारग्रेव के उठे हुए हाथ ने शोर को शांत किया। उन्होंने सोच-समझकर शब्दों का चयन करते हुए कहा:
"मैं यह कहना चाहता हूँ। हमारे एक अज्ञात मित्र ने मुझ पर एडवर्ड सेटन की हत्या का आरोप लगाया है। मुझे सेटन अच्छी तरह याद है। जून 1930 में वह मेरे सामने मुकदमे के लिए पेश हुआ था।

उस पर एक बुजुर्ग महिला की हत्या का आरोप था। उसने बहुत ही कुशलता से अपना बचाव किया और गवाह के रूप में जूरी पर अच्छा प्रभाव डाला। फिर भी, सबूतों के आधार पर, वह निश्चित रूप से दोषी था। मैंने उसी के अनुसार फैसला सुनाया और जूरी ने उसे दोषी करार दिया। मृत्युदंड सुनाते समय मैंने फैसले से सहमति जताई। गलत निर्देश के आधार पर अपील दायर की गई थी। अपील खारिज कर दी गई और उस व्यक्ति को विधिवत फांसी दे दी गई। मैं आप सभी के सामने कहना चाहता हूँ कि इस मामले में मेरा विवेक पूरी तरह से साफ है। मैंने अपना कर्तव्य निभाया और कुछ नहीं। मैंने एक दोषी हत्यारे को सजा सुनाई।" आर्मस्ट्रांग अब याद कर रहे थे। सेटन का मामला! फैसला उनके लिए बहुत बड़ा आश्चर्य था। मुकदमे के दिनों में से एक दिन वे एक रेस्तरां में भोजन करते हुए मैथ्यूज, के.सी. से मिले थे। मैथ्यूज आश्वस्त थे। "फैसले में कोई शक नहीं। बरी होना लगभग तय था।" और फिर बाद में उन्होंने ये टिप्पणियाँ सुनीं: "जज उसके सख्त खिलाफ थे। उन्होंने जूरी का मत पलट दिया और उसे दोषी मान लिया। वैसे, ये पूरी तरह से कानूनी था। बूढ़े वारग्रेव को कानून की अच्छी जानकारी है।"
"ऐसा लग रहा था मानो वह उस आदमी पर निजी तौर पर हावी हो।" ये सारी यादें डॉक्टर के दिमाग में कौंध गईं। इससे पहले कि वह

और तब कोई नहीं था

वह अपने आवेग में पूछे गए प्रश्न की बुद्धिमत्ता पर विचार कर सकता था: "क्या आप सेटन को बिल्कुल भी जानते थे? मेरा मतलब है, इस मामले से पहले।" उसकी ढँकी हुई सरीसृप जैसी आँखें उससे मिलीं। एक स्पष्ट, ठंडी आवाज़ में न्यायाधीश ने कहा:

"इस मामले से पहले मैं सेटन के बारे में कुछ नहीं जानता था," आर्मस्ट्रांग ने मन ही मन कहा।
"वो आदमी झूठ बोल रहा है—मुझे पता है वो झूठ बोल रहा है।"

2

वेरा क्लेथॉर्न कांपती हुई आवाज में बोलीं:
मैं आपको बताना चाहती हूँ। उस बच्चे के बारे में—सिरिल हैमिल्टन। मैं उसकी नर्सरी में देखभाल करती थी। उसे दूर तक तैरने की मनाही थी। एक दिन, जब मेरा ध्यान कहीं और भटक गया, तो वह तैरने निकल पड़ा। मैं उसके पीछे तैरी, लेकिन समय पर नहीं पहुँच पाई।...यह बहुत भयानक था।...लेकिन इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी। जाँच में कोरोनर ने मुझे निर्दोष पाया। और उसकी माँ—वह बहुत दयालु थीं। अगर उन्होंने भी मुझे दोषी नहीं ठहराया, तो इस भयानक बात को क्यों कहा जाना चाहिए? यह उचित नहीं है—बिल्कुल भी उचित नहीं है।
वह फूट-फूटकर रोने लगी।
जनरल मैकार्थर ने उसके कंधे पर थपथपाया। उन्होंने कहा:

) मैं

"अरे, अरे, मेरी प्यारी। बिलकुल सच नहीं है। वो पागल है। पागल! उसके दिमाग में कुछ गड़बड़ है! वो हर बात को गलत तरीके से ले रहा है।" वह सीधा खड़ा हो गया, अपने कंधे सीधे करते हुए। उसने गरजते हुए कहा:

"इस तरह की बातों का जवाब न देना ही बेहतर है। फिर भी, मुझे लगता है कि मुझे कहना चाहिए - उन्होंने युवा आर्थर रिचमंड के बारे में जो कुछ भी कहा, उसमें सरासर झूठ है। रिचमंड मेरे अधिकारियों में से एक थे। मैंने उन्हें एक टोही मिशन पर भेजा था। वे मारे गए। युद्धकाल में यह स्वाभाविक घटना है। मैं बहुत नाराज़ हूँ - यह मेरी पत्नी पर कलंक है। दुनिया की सबसे अच्छी महिला। बिलकुल
- सीज़र की पत्नी!"
जनरल मैकार्थर बैठ गए। कांपते हाथों से उन्होंने अपनी मूंछें सहलाईं। बोलने की कोशिश में उन्हें काफी तकलीफ हुई थी। लॉम्बार्ड बोले। उनकी आँखों में शरारत भरी मुस्कान थी। उन्होंने कहा:
"उन मूल निवासियों के बारे में-"
मार्स्टन ने कहा:
"उनका क्या होगा?"
फिलिप लोम्बार्ड मुस्कुराया।
हत्या की 228 उत्कृष्ट कृतियाँ

"कहानी बिलकुल सच है! मैंने उन्हें वहीं छोड़ दिया! आत्मरक्षा का मामला था। हम जंगल में खो गए थे। मैं और मेरे कुछ साथी जो भी खाना मिला, उसे लेकर वहां से निकल गए।" जनरल मैकार्थर ने सख्ती से कहा।
"तुमने अपने आदमियों को छोड़ दिया—उन्हें भूखा मरने के लिए छोड़ दिया?" लोम्बार्ड ने कहा।
"मुझे लगता है कि यह किसी पक्के साहब का काम नहीं है। लेकिन आत्मरक्षा मनुष्य का पहला कर्तव्य है। और आप जानते हैं, मूल

निवासियों को मरने से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इसके बारे में यूरोपियों की तरह नहीं सोचते।"
वेरा ने अपने हाथों से अपना चेहरा उठाया। उसने उसकी ओर देखते हुए कहा:
"तुमने उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया?"
लोम्बार्ड ने उत्तर दिया:
मैंने उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया।
उसकी मुस्कुराती हुई आंखें उसकी भयभीत आंखों से मिलीं। एंथोनी मार्स्टन ने धीमी और उलझन भरी आवाज में कहा:
"मैं अभी सोच ही रहा था - जॉन और लूसी कॉम्ब्स। कैम्ब्रिज के पास मैंने शायद उन दोनों बच्चों को टक्कर मार दी थी। बहुत ही बुरी किस्मत।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने तीखे लहजे में कहा:
"उनके लिए, या आपके लिए?"
एंथोनी ने कहा:
"खैर, मैं सोच रहा था - मेरे लिए तो ठीक है - लेकिन हाँ, आप सही कह रहे हैं, महोदय, यह उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। बेशक यह एक महज़ दुर्घटना थी। वे किसी झोपड़ी से अचानक बाहर निकल आए। मेरा लाइसेंस एक साल के लिए रद्द कर दिया गया। कतई परेशानी।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने स्नेहपूर्वक कहा।
"तेज़ गति से गाड़ी चलाना सरासर गलत है—बिल्कुल गलत! आप जैसे नौजवान समाज के लिए खतरा हैं।"
एंथोनी ने अपने कंधे उचका दिए।
उसने कहा:
"तेज़ रफ़्तार अब हमेशा के लिए रहेगी। इंग्लैंड की सड़कें तो बिलकुल ही बेकार हैं। उन पर ठीक-ठाक रफ़्तार पकड़ना नामुमकिन है।"

उसने अपना गिलास ढूंढने के लिए इधर-उधर देखा, उसे मेज से उठाया और बगल वाली मेज पर जाकर एक और व्हिस्की और सोडा का गिलास ले लिया। उसने पीछे मुड़कर कहा:
"खैर, इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी। बस एक हादसा था!"

और तब कोई नहीं था

3

229

नौकर रोजर्स अपने होंठ गीले कर रहा था और अपने हाथों को मरोड़ रहा था। उसने अब धीमी, विनम्र आवाज में कहा:
"अगर मुझे कुछ कहने की अनुमति हो, महोदय।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"आगे बढ़ो, रोजर्स।"
रोजर्स ने गला साफ किया और एक बार फिर अपनी जीभ सूखे होठों पर फेर ली। "सर, मेरे और श्रीमती रोजर्स के बारे में कुछ कहा गया था। और मिस ब्रैडी के बारे में भी। सर, उसमें ज़रा भी सच्चाई नहीं है। मेरी पत्नी और मैं मिस ब्रैडी के साथ उनकी मृत्यु तक थे। सर, उनकी तबीयत हमेशा से खराब थी, जब से हम उनके पास आए थे। सर, उस रात तूफान आया था - जिस रात उनकी तबीयत बिगड़ी। टेलीफोन खराब था। हम डॉक्टर को उनके पास नहीं बुला पाए। सर, मैं पैदल चलकर डॉक्टर के पास गया था। लेकिन वह बहुत देर से पहुंचे। सर, हमने उनके लिए हर संभव कोशिश की थी। हम उनके प्रति समर्पित थे। कोई भी आपको यही बताएगा। हमारे खिलाफ कभी कोई बात नहीं हुई। एक

शब्द भी नहीं।" लोम्बार्ड ने उस आदमी के कांपते चेहरे, सूखे होठों और आंखों में दिख रहे डर को ध्यान से देखा। उसे कॉफी ट्रे के गिरने की आवाज़ याद आ गई। उसने सोचा, लेकिन कहा नहीं, "ओह, हाँ?"
ब्लोर ने अपने दबंग और आधिकारिक अंदाज में बात की। उन्होंने कहा:
"उनकी मृत्यु के बाद आपको कुछ मिला था ना? है ना?" रोजर्स थोड़ा संभलकर बोले। उन्होंने कड़े स्वर में कहा: "मिस ब्रैडी ने हमारी निष्ठापूर्ण सेवाओं के सम्मान में हमें कुछ विरासत दी है। और क्यों नहीं, मैं जानना चाहूंगा?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"आपका क्या कहना है, श्री ब्लोर?"
"मेरा क्या?"
"आपका नाम सूची में शामिल था।"
ब्लोर बैंगनी रंग का हो गया।
"ज़मींदार, आपका मतलब है? वह बैंक डकैती थी - लंदन एंड कमर्शियल।" न्यायमूर्ति वारग्रेव चौंक गए। उन्होंने कहा: "मुझे याद है। यह मामला मेरे सामने नहीं आया था, लेकिन मुझे वह मामला याद है। लैंडर को आपके साक्ष्यों के आधार पर दोषी ठहराया गया था। आप उस मामले के प्रभारी पुलिस अधिकारी थे?"
हत्या की 230 उत्कृष्ट कृतियाँ

ब्लोर ने कहा:
यह था।"

"लैंडोर को आजीवन कारावास की सजा मिली और एक साल बाद डार्टमूर में उसकी मृत्यु हो गई। वह एक नाजुक व्यक्ति था।"
ब्लोर ने कहा:
"वह एक बदमाश था। उसी ने रात के चौकीदार को पीटकर बेहोश किया था। उसके खिलाफ मामला बिल्कुल स्पष्ट था।"
वारगेव ने धीरे से कहा:
"मुझे लगता है कि इस मामले को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए आपकी प्रशंसा की गई थी।" ब्लोर ने रूठते हुए कहा:
मुझे पदोन्नति मिल गई।
उसने भारी आवाज में कहा:
मैं तो बस अपना कर्तव्य निभा रहा था।
लॉम्बार्ड अचानक खिलखिलाकर हँस पड़ा। उसने कहा:

हम सब कितने कर्तव्यनिष्ठ और कानून का पालन करने वाले लोग लगते हैं! सिवाय मेरे। आपका क्या कहना है, डॉक्टर साहब—और आपकी उस छोटी सी पेशेवर गलती का क्या? क्या वह कोई अवैध ऑपरेशन था? एमिली ब्रेंट ने घृणा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा और थोड़ा पीछे हट गई। डॉ. आर्मस्ट्रांग, जो अपने आप पर पूरा नियंत्रण रखते थे, ने हंसते हुए सिर हिलाया। "मुझे यह मामला समझ नहीं आ रहा," उन्होंने कहा। "जब यह नाम बोला गया तो मुझे कुछ भी समझ नहीं आया। क्या नाम था - क्लीस? मिलता-जुलता? मुझे सच में याद नहीं आ रहा कि मेरा कभी इस नाम का कोई मरीज़ रहा हो, या किसी भी तरह से किसी मौत से जुड़ा हो। यह मामला मेरे लिए पूरी तरह से रहस्य है। बेशक, यह बहुत पहले की बात है। हो सकता है यह अस्पताल में मेरे ऑपरेशन के मामलों में से एक हो। ऐसे कई लोग बहुत देर से

आते हैं। फिर, जब मरीज़ मर जाता है, तो वे हमेशा सर्जन को ही दोषी ठहराते हैं।" उन्होंने सिर हिलाते हुए आह भरी।
उसने सोचा:
मैं नशे में था—बिल्कुल नशे में। और मैंने ऑपरेशन किया! मेरी नसें बुरी तरह तनाव में थीं—हाथ कांप रहे थे। मैंने उसे मार ही डाला। बेचारी—बुजुर्ग महिला—अगर मैं होश में होता तो काम आसान होता। शुक्र है कि हमारे पेशे में वफादारी होती है। नर्स को सब पता था—लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। हे भगवान, मुझे कितना बड़ा झटका लगा! मैं एकदम से उठ खड़ा हुआ। लेकिन इतने सालों बाद भला किसे पता चल सकता था?

और तब कोई नहीं था

4

231

कमरे में सन्नाटा छा गया। हर कोई, छुपकर या खुलकर, एमिली ब्रेंट को देख रहा था। एक-दो मिनट बाद उसे सबकी उम्मीद का एहसास हुआ। उसकी पतली भौंहें तन गईं। उसने कहा:
"क्या आप मेरे कुछ कहने का इंतज़ार कर रही हैं? मुझे कुछ नहीं कहना है।" जज ने कहा: "कुछ नहीं, मिस ब्रेंट?"
"कुछ नहीं।"
उसके होंठ कसकर बंद हो गए।
न्यायाधीश ने अपने चेहरे पर हाथ फेरा। उन्होंने नरम स्वर में कहा:

"क्या आप अपना बचाव सुरक्षित रखते हैं?"
मिस ब्रेंट ने ठंडे स्वर में कहा:
"बचाव का तो सवाल ही नहीं उठता। मैंने हमेशा अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार ही काम किया है। मुझे खुद पर कोई पछतावा नहीं है।" वातावरण में असंतोष का भाव था। लेकिन एमिली ब्रेंट जनमत से प्रभावित होने वाली नहीं थीं। वह अडिग बैठी रहीं। जज ने एक-दो बार गला साफ किया। फिर उन्होंने कहा:
"हमारी जांच यहीं समाप्त होती है। अब, रोजर्स, इस द्वीप पर हमारे, आपके और आपकी पत्नी के अलावा और कौन है?"
"कोई नहीं, महोदय। बिल्कुल कोई नहीं।"
"क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?"
"जी हां, महोदय।"
वारग्रेव ने कहा:
"मुझे अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि हमारे अज्ञात मेजबान ने हमें यहाँ इकट्ठा करने का उद्देश्य क्या रखा है। लेकिन मेरी राय में यह व्यक्ति, चाहे वह कोई भी हो, मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, जैसा कि इस शब्द के स्वीकृत अर्थ में माना जाता है।"
"वह खतरनाक हो सकता है। मेरे विचार से हमारे लिए जितनी जल्दी हो सके इस जगह को छोड़ देना बेहतर होगा। मेरा सुझाव है कि हम आज रात ही निकल जाएं।" रोजर्स ने कहा।
"माफ़ कीजिए महोदय, लेकिन द्वीप पर कोई नाव नहीं है।"
"बिल्कुल भी नाव नहीं?"
"जी नहीं, महोदय।"
आप मुख्य भूमि से कैसे संपर्क करते हैं?
"फ्रेड नारकोट हर सुबह आते हैं, महोदय। वे रोटी, दूध और डाक लाते हैं और ऑर्डर लेते हैं।"

हत्या की 232 उत्कृष्ट कृतियाँ

न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"तो मेरे विचार से बेहतर होगा कि हम सब कल सुबह नारकोट की नाव आते ही निकल जाएं।"
सर्वसम्मति से सभी सहमत थे, केवल एक असहमतिपूर्ण आवाज थी। वह आवाज एंथनी मार्स्टन की थी, जो बहुमत से असहमत थे।
"कुछ हद तक खेल भावना के विपरीत है, है ना?" उसने कहा। "जाने से पहले हमें रहस्य सुलझा लेना चाहिए। पूरी बात एक जासूसी कहानी जैसी है। बेहद रोमांचक।" जज ने तीखे लहजे में कहा:
"मेरी उम्र में, मुझे 'रोमांच' की कोई इच्छा नहीं है, जैसा कि आप उन्हें कहते हैं।" एंथोनी ने मुस्कुराते हुए कहा।
"कानूनी जीवन संकुचित होता जा रहा है! मैं अपराध का समर्थक हूँ! चलो, शुरू करते हैं!" उसने अपना गिलास उठाया और एक ही झटके में पी गया। शायद बहुत जल्दी। उसे खांसी आ गई - बुरी तरह। उसका चेहरा बिगड़ गया, बैंगनी पड़ गया। उसने सांस लेने के लिए हांफते हुए अपनी कुर्सी से नीचे गिर गया, गिलास उसके हाथ से गिर गया।

अध्याय 5

यह सब इतना अचानक और अप्रत्याशित था कि सबकी सांसें थम गईं। वे सब मूर्खतापूर्वक ज़मीन पर पड़े उस बेजान शरीर को देखते रह गए। तभी डॉ. आर्मस्ट्रांग उठ खड़े हुए और उसके पास जाकर उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गए। जब उन्होंने अपना सिर उठाया तो उनकी आँखें विस्मय से भरी थीं।
उसने विस्मय से भरी धीमी आवाज़ में कहा:
"हे भगवान! वह मर गया।"
उन्होंने इसे तुरंत नहीं समझा।
मर गया? मर गया? वह युवा नॉर्स देवता, अपनी पूरी सेहत और ताकत के चरम पर था। पल भर में ही उसकी मौत हो गई। स्वस्थ जवान ऐसे नहीं मरते, व्हिस्की और सोडा पीते-पीते दम घुटने से...
नहीं, वे इसे समझ नहीं पाए।
डॉ. आर्मस्ट्रांग मृत व्यक्ति के चेहरे को गौर से देख रहे थे। उन्होंने नीले पड़ चुके, मुड़े हुए होंठों को सूंघा। फिर उन्होंने वह गिलास उठाया जिससे एंथोनी मार्स्टन पी रहे थे। जनरल मैकार्थर ने कहा:
"मर गया? क्या आपका मतलब है कि वह व्यक्ति दम घुटने से मर गया?" चिकित्सक ने कहा:

और तब कोई नहीं था

233

"आप इसे दम घुटना कह सकते हैं। उसकी मौत दम घुटने से ही हुई है।" वह अब गिलास को सूंघ रहा था। उसने अपनी उंगली बची हुई शराब में डुबोई और बड़ी सावधानी से अपनी जीभ की नोक से उंगली को छुआ। उनके चेहरे के भाव बदल गए।
जनरल मैकार्थर ने कहा:
"मुझे कभी पता नहीं था कि कोई आदमी इस तरह मर सकता है - सिर्फ दम घुटने से!" एमिली ब्रेंट ने स्पष्ट आवाज में कहा।
"जीवन के बीच में ही हम मृत्यु के करीब होते हैं।"
डॉ. एनस्ट्रांग खड़ी हो गईं। उन्होंने रूखेपन से कहा:
"नहीं, किसी व्यक्ति की मृत्यु मात्र दम घुटने से नहीं होती। मार्स्टन की मृत्यु को हम स्वाभाविक मृत्यु नहीं कह सकते।" वेरा ने लगभग फुसफुसाते हुए कहा:
"क्या व्हिस्की में कुछ मिला हुआ था?"
आर्मस्ट्रांग ने सिर हिलाया।
"हाँ। ठीक-ठीक नहीं कह सकता। सारे संकेत किसी साइनाइड की ओर इशारा करते हैं। प्रूसिक एसिड जैसी कोई खास गंध नहीं है, शायद पोटेशियम साइनाइड है। यह लगभग तुरंत असर करता है।"
न्यायाधीश ने तीखी आवाज में कहा:
"क्या यह उसके गिलास में था?"
"हाँ।
डॉक्टर पेय पदार्थों वाली मेज की ओर बढ़े। उन्होंने व्हिस्की की बोतल का ढक्कन खोला और उसे सूंघा और चखा। फिर उन्होंने सोडा वाटर चखा। उन्होंने अपना सिर हिला दिया।
"वे दोनों ठीक हैं।"
लोम्बार्ड ने कहा:

"तुम्हारा मतलब है कि उसने खुद ही अपने गिलास में वो चीज़ डाली होगी?" आर्मस्ट्रांग ने असंतुष्ट भाव से सिर हिलाया। उन्होंने कहा, "लगता तो यही है।"
ब्लोर ने कहा:
"आत्महत्या, है ना? ये तो अजीब बात है।"
वेरा ने धीरे से कहा:
"आप कभी सोच भी नहीं सकते कि वह आत्महत्या कर लेगा। वह कितना जीवंत था! वह तो भरपूर आनंद ले रहा था! आज शाम जब वह अपनी कार से पहाड़ी से नीचे आया तो वह—वह—ओह, मैं बता नहीं सकती!"
लेकिन वे उसका मतलब समझ गए थे। अपनी जवानी और यौवन के चरम पर, एंथोनी मार्स्टन एक अमर प्राणी जैसा प्रतीत होता था। और अब, चूर-चूर होकर, वह ज़मीन पर पड़ा था।
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"क्या आत्महत्या के अलावा कोई और संभावना है?" हत्या की 234 उत्कृष्ट कृतियाँ

धीरे-धीरे सबने अपना सिर हिलाया। इसके अलावा कोई और स्पष्टीकरण हो ही नहीं सकता था। पेय पदार्थों में कोई मिलावट नहीं थी। सबने एंथनी मार्स्टन को जाकर पेय पदार्थ लेते हुए देखा था। इसलिए यही माना जा सकता है कि पेय में मिला साइनाइड एंथनी मार्स्टन ने खुद ही डाला होगा। फिर भी—एंथनी मार्स्टन आत्महत्या क्यों करेगा?
ब्लोर ने सोच-समझकर कहा:
"आप जानते हैं, डॉक्टर साहब, मुझे यह सही नहीं लगता। मुझे यह नहीं कहना चाहिए था कि श्री मार्स्टन आत्महत्या करने वाले व्यक्ति थे।"

आर्मस्ट्रांग ने उत्तर दिया:
"मैं सहमत हूं।"

मैं

2

उन्होंने उसे वैसे ही छोड़ दिया था। और क्या कहा जा सकता था? आर्मस्ट्रांग और लोम्बार्ड मिलकर एंथोनी मार्स्टन के बेजान शरीर को उसके शयनकक्ष तक ले गए और उसे चादर से ढककर वहाँ लिटा दिया। जब वे नीचे आए, तो बाकी लोग एक समूह में खड़े थे, थोड़ी ठंड लग रही थी, हालाँकि रात ठंडी नहीं थी। एमिली ब्रेंट ने कहा: "हमें सो जाना चाहिए। बहुत देर हो गई है।" बारह बज चुके थे। सुझाव समझदारी भरा था—फिर भी हर कोई हिचकिचा रहा था। ऐसा लग रहा था मानो वे एक-दूसरे का सहारा लेकर तसल्ली पा रहे हों। जज ने कहा: "हाँ, हमें सोना चाहिए।" रोजर्स ने कहा: "मैंने अभी तक डाइनिंग रूम साफ़ नहीं किया है।" लोम्बार्ड ने रूखेपन से कहा: "सुबह कर लेना।" आर्मस्ट्रांग ने उनसे पूछा: "क्या आपकी पत्नी ठीक हैं?" "मैं जाकर देखता हूँ, महोदय।" वह एक-दो मिनट बाद लौटा। "वह बहुत आराम से सो रही हैं।"
“अच्छा,” डॉक्टर ने कहा। “उसे परेशान मत करो।” “जी नहीं, महोदय। मैं बस भोजन कक्ष में सब कुछ ठीक कर देता हूँ और सुनिश्चित कर लेता हूँ कि सब कुछ ठीक से बंद है, फिर मैं सो जाता हूँ।” वह दालान पार करके भोजन कक्ष में चला गया।

और तब कोई नहीं था

बाकी लोग अनिच्छा से धीरे-धीरे ऊपर चले गए। अगर यह कोई पुराना घर होता, जिसमें लकड़ी की चरमराहट, गहरी परछाइयाँ और भारी-भरकम पैनल वाली दीवारें होतीं, तो शायद एक अजीब सा डर महसूस होता। लेकिन यह घर आधुनिकता का साक्षात उदाहरण था। यहाँ कोई अंधेरे कोने नहीं थे—कोई सरकने वाले पैनल नहीं थे—यह बिजली की रोशनी से जगमगा रहा था—सब कुछ नया, चमकदार और दमकता हुआ था। इस घर में कुछ भी छिपा नहीं था, कुछ भी गुप्त नहीं था। इसमें कोई रहस्यमयता नहीं थी। किसी तरह, यही बात सबसे डरावनी थी।
ऊपरी मंजिल पर उन्होंने एक-दूसरे को शुभ रात्रि कहा। फिर दोनों अपने-अपने कमरे में चले गए और लगभग बिना सोचे-समझे ही दरवाजा बंद कर लिया।

3

अपने सुखद, हल्के रंग से रंगे कमरे में, न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपने वस्त्र उतारे और सोने की तैयारी की।
वह एडवर्ड सेटन के बारे में सोच रहा था।
उन्हें सेटन अच्छी तरह याद था। उनके सुनहरे बाल, उनकी नीली आँखें, और उनकी सीधी आँखों में आँखें डालकर बात करने की सहज और सरल शैली। यही वो बात थी जिसने जूरी पर इतना अच्छा प्रभाव डाला था।
क्राउन की ओर से ल्यूवेलिन ने थोड़ी गड़बड़ कर दी थी। वह अति उत्साही हो गया था, उसने जरूरत से ज्यादा साबित करने की कोशिश की थी।

दूसरी ओर, बचाव पक्ष की ओर से मैथ्यूज का प्रदर्शन शानदार रहा था। उनके तर्क प्रभावी थे। उनकी जिरह बेहद सटीक थी। गवाह के कटघरे में अपने मुवक्किल से पूछताछ करने का उनका तरीका बेजोड़ था।
और सेटन ने जिरह की कठिन परीक्षा को बखूबी पार कर लिया था। वह उत्तेजित या अति उग्र नहीं हुआ था। जूरी उससे प्रभावित हुई थी। मैथ्यूज को शायद ऐसा लगा था जैसे चिल्लाहट को छोड़कर सब कुछ खत्म हो गया हो। जज ने अपनी घड़ी को ध्यान से चाबी भरी और उसे बिस्तर के पास रख दिया। उन्हें ठीक से याद था कि वहां बैठे हुए उन्हें कैसा महसूस हो रहा था - सुनना, नोट्स बनाना, हर बात को समझना, कैदी के खिलाफ हर सबूत को नोट करना।
उन्हें वह केस बहुत पसंद आया था! मैथ्यूज का अंतिम भाषण शानदार था। उसके बाद आए ल्यूएलिन बचाव पक्ष के वकील द्वारा बनाई गई अच्छी छाप को मिटाने में नाकाम रहे।
और फिर उन्होंने अपना सारांश प्रस्तुत किया...
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने सावधानीपूर्वक अपने नकली दांत निकाले और

मैं
मैं

मैं
हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

मैंने उन्हें पानी के गिलास में डाल दिया। सिकुड़े हुए होंठ उसमें समा गए। अब वह एक क्रूर मुंह था, निर्दयी और शिकारी।

अपनी आंखों को ढकते हुए, न्यायाधीश ने मन ही मन मुस्कुराया। उसने सेटन की हंस को बढ़िया तरीके से पकाया था!
गठिया के कारण हल्की सी आह भरते हुए, वह बिस्तर पर चढ़ गया और बिजली की बत्ती बंद कर दी।

4

नीचे भोजन कक्ष में, रोजर्स असमंजस में खड़ा था। वह मेज के बीचोंबीच रखी चीनी मिट्टी की मूर्तियों को घूर रहा था। उसने मन ही मन बुदबुदाया, "यह तो अजीब बात है! मुझे लगा था कि यहाँ दस मूर्तियाँ हैं।"

5

जनरल मैकार्थर करवटें बदलते हुए इधर-उधर हिल रहे थे।
उसे नींद नहीं आ रही थी।
अंधेरे में उसे बार-बार आर्थर रिचमंड का चेहरा दिखाई दे रहा था। वह आर्थर को पसंद करता था—वह आर्थर को बहुत प्यार करता था। उसे इस बात की खुशी थी कि लेस्ली भी उसे पसंद करती थी।
लेस्ली का मिजाज बहुत ही चंचल था। कई अच्छे लड़के थे जिन्हें लेस्ली नाक सिकोड़कर नीरस कह देती थी। "नीरस!" बस यूं ही। लेकिन आर्थर रिचमंड उसे नीरस नहीं लगा था। शुरू से ही उनकी आपस में अच्छी बनती थी। वे नाटकों, संगीत और फिल्मों के बारे में बातें करते थे। वह उसे चिढ़ाती, उसका मज़ाक उड़ाती, उसे परेशान करती थी। और मैकार्थर को यह जानकर बहुत खुशी होती थी कि लेस्ली उस लड़के में माँ जैसी दिलचस्पी रखती है।

सचमुच मातृत्वपूर्ण! यह भूल जाना सरासर मूर्खता है कि रिचमंड अट्ठाईस वर्ष का था जबकि लेस्ली उनतीस वर्ष की थी।
वह लेस्ली से प्यार करता था। वह उसे अभी भी देख सकता था। उसका दिल के आकार का चेहरा, उसकी चमकती गहरी भूरी आँखें और उसके घुंघराले भूरे बाल। वह लेस्ली से प्यार करता था और उस पर पूरी तरह विश्वास करता था।
फ्रांस में, उस सारी मुसीबत के बीच, वह उसके बारे में सोच रहा था, उसने अपनी कमीज की जेब से उसकी तस्वीर निकाली। और फिर—उसे पता चल गया!

और तब कोई नहीं था

यह सब ठीक उसी तरह हुआ जैसे किताबों में होता है, यानी पत्र गलती से गलत लिफाफे में चला गया। वह उन दोनों को पत्र लिख रही थी और उसने रिचमंड को लिखा पत्र अपने पति के नाम वाले लिफाफे में डाल दिया था। इतने वर्षों बाद भी, उसे उस सदमे का दर्द आज भी महसूस होता है... हे भगवान, कितना दर्द हुआ था!
और यह सिलसिला काफी समय से चल रहा था। पत्र से यह स्पष्ट हो गया था। सप्ताहांत! रिचमंड की आखिरी छुट्टी...
लेस्ली-लेस्ली और आर्थर!
धिक्कार हो उस आदमी पर! धिक्कार हो उसके मुस्कुराते चेहरे पर, उसके फुर्तीले "जी जनाब" पर। झूठा और पाखंडी! दूसरे की पत्नी को चुराने वाला!
वह निर्मम, जानलेवा क्रोध धीरे-धीरे पनप रहा था।

वह हमेशा की तरह शांत रहने में कामयाब रहा—कुछ भी न दिखाने में। उसने रिचमंड के प्रति अपना व्यवहार बिल्कुल वैसा ही रखने की कोशिश की।
क्या वह सफल हो गया था? उसे ऐसा ही लगा। रिचमंड को इस बात का ज़रा भी शक नहीं था। वहाँ स्वभाव में असमानताएँ आसानी से समझ में आ जाती थीं, जहाँ तनाव के कारण लोगों के तंत्रिका तंत्र पर लगातार दबाव बना रहता था।
केवल युवा आर्मिटेज ने ही एक-दो बार उत्सुकता से उसकी ओर देखा था। वह काफी छोटा लड़का था, लेकिन उसमें समझदारी थी।
आर्मिटेज ने शायद अनुमान लगा लिया था कि समय कब आएगा।
उसने रिचमंड को जानबूझकर मौत के मुंह में भेजा था। केवल एक चमत्कार ही उसे बिना किसी चोट के बचा सकता था। वह चमत्कार नहीं हुआ। हाँ, उसने रिचमंड को मौत के मुंह में भेजा था और उसे इसका कोई अफसोस नहीं था। यह काफी आसान था। गलतियाँ तो हर समय हो रही थीं, अधिकारियों को बेवजह मौत के मुंह में भेजा जा रहा था। हर तरफ अफरा-तफरी और दहशत का माहौल था। लोग बाद में शायद कहते, "बूढ़े मैकार्थर ने अपना हौसला खो दिया, कुछ बड़ी गलतियाँ कीं, अपने कुछ बेहतरीन आदमियों की बलि दे दी।" वे इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते थे। लेकिन युवा आर्मिटेज अलग था। उसने अपने कमांडिंग ऑफिसर को बहुत अजीब नजरों से देखा था। शायद उसे पता था कि रिचमंड को जानबूझकर मौत के मुंह में भेजा जा रहा है। (और युद्ध खत्म होने के बाद क्या आर्मिटेज ने इस बारे में बात की थी?)
लेस्ली को पता नहीं था। लेस्ली अपने प्रेमी के लिए रोई थी (उसे ऐसा लगा), लेकिन जब वह इंग्लैंड लौटा तब तक उसका रोना थम चुका था। उसने उसे कभी नहीं बताया कि उसे उसके बारे में पता चल गया

था। वे साथ चलते रहे - बस, किसी तरह, वह अब पहले जैसी वास्तविक नहीं रह गई थी। और फिर, तीन-चार साल बाद, उसे दोहरी निमोनिया हो गई और उसकी मृत्यु हो गई।
यह बहुत पहले की बात है। पंद्रह-सोलह साल?
और उन्होंने सेना छोड़ दी और डेवन में रहने आ गए - एक छोटा सा घर खरीद लिया जैसा वह हमेशा से चाहते थे। अच्छे पड़ोसी, दुनिया का सुखद हिस्सा। वहाँ थोड़ा-बहुत शिकार और मछली पकड़ने का शौक था। वह रविवार को चर्च जाते थे। (लेकिन उस दिन नहीं जब पाठ हुआ था) हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

मैंने डेविड द्वारा उरियाह को युद्ध में सबसे आगे रखने के बारे में पढ़ा था। किसी तरह वह इसका सामना नहीं कर सका। इससे उसे असहजता महसूस हुई। सब लोग बहुत दोस्ताना थे। शुरुआत में तो ऐसा ही था। बाद में, उसे बेचैनी महसूस होने लगी कि लोग उसके पीठ पीछे उसके बारे में बातें कर रहे हैं। वे उसे अलग नजरों से देखने लगे, जैसे उन्होंने कुछ सुना हो—कोई झूठी अफवाह... (आर्मिटेज? मान लीजिए आर्मिटेज ने बात की हो?) उसके बाद वह लोगों से दूर रहने लगा—खुद में सिमट गया। यह महसूस करना अप्रिय था कि लोग उसके बारे में बातें कर रहे हैं।
और ये सब बहुत पहले की बात है। अब तो ये सब कुछ बेमानी-सा लगता है। लेस्ली और आर्थर रिचमंड दोनों ही मानो दूर होते जा रहे थे। जो कुछ भी हुआ था, अब उसका कोई महत्व नहीं रह गया था। हालांकि, इससे जीवन अकेलापन भरा हो गया था। उसने अपने पुराने सेना के दोस्तों से दूरी बना ली थी। (अगर आर्मिटेज ने कुछ कहा होता, तो उन्हें पता चल जाता।) और अब—आज शाम—एक दबी हुई आवाज़ ने उस पुरानी दबी हुई कहानी को फिर से ज़िंदा कर दिया था। क्या उसने

सब कुछ ठीक से संभाला था? क्या उसने अपने मन को शांत रखा था? क्या उसने सही मात्रा में भावनाएं—गुस्सा, घृणा—दिखाई थीं, लेकिन कोई अपराधबोध या बेचैनी नहीं?
कहना मुश्किल है। यकीनन कोई भी इस आरोप को गंभीरता से नहीं ले सकता था। पहले भी कई बेतुकी बातें कही गई थीं, जो उतनी ही बेतुकी थीं। उस प्यारी लड़की पर आवाज़ ने बच्चे को डुबोने का आरोप लगाया था! बेवकूफी! कोई पागल आदमी बेतुके आरोप लगा रहा है! एमिली ब्रेंट पर भी, जो असल में रेजिमेंट के बूढ़े टॉम ब्रेंट की भतीजी थी। उस पर हत्या का आरोप लगाया गया था! कोई भी एक नज़र में देख सकता था कि वह महिला बेहद धार्मिक थी, पादरियों के साथ घुलमिलकर रहने वाली।
ये सब तो बिल्कुल ही अजीबोगरीब मामला है! पागलपन से कम नहीं। जब से वे यहाँ आए हैं—कब से? अरे यार, ये तो आज दोपहर ही हुआ था! ऐसा लग रहा था जैसे बहुत समय बीत गया हो।
उसने सोचा: "पता नहीं हम कब दोबारा निकल पाएंगे।" कल, जब मुख्य भूमि से मोटर बोट आएगी। अजीब बात है, इस समय उसे द्वीप से दूर जाने की इतनी तीव्र इच्छा नहीं थी।
... मुख्य भूमि पर वापस जाने के लिए, अपने छोटे से घर में वापस जाने के लिए, अपनी सारी परेशानियों और चिंताओं में वापस जाने के लिए। खुली खिड़की से उसे चट्टानों से टकराती लहरों की आवाज़ सुनाई दे रही थी - शाम के समय से अब थोड़ी तेज़। हवा भी तेज़ हो रही थी। उसने सोचा: कितनी सुकून भरी आवाज़ है। कितना सुकून भरा स्थान है।

और तब कोई नहीं था

239

उसने सोचा: किसी द्वीप की सबसे अच्छी बात यही है कि एक बार आप वहां पहुंच जाते हैं - आप उससे आगे नहीं जा सकते... आप दुनिया के अंत तक पहुंच चुके होते हैं।
उसे अचानक एहसास हुआ कि वह द्वीप छोड़ना नहीं चाहता।

6

वेरा क्लेथॉर्न बिस्तर पर लेटी हुई थी, पूरी तरह जाग रही थी और छत को घूर रही थी। उसके बगल में बत्ती जल रही थी। उसे अंधेरे से डर लगता था।
वह सोच रही थी:
"ह्यूगो... ह्यूगो... आज रात मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि तुम मेरे बहुत करीब हो?... कहीं बहुत पास..."
"वह असल में कहाँ है? मुझे नहीं पता। मैं कभी नहीं जान पाऊँगी। वह बस पल भर में चला गया—मेरी ज़िंदगी से।" ह्यूगो के बारे में न सोचने की कोशिश करना बेकार था। वह उसके बहुत करीब था। उसे उसके बारे में सोचना ही था—उसे याद करना ही था...
कॉर्नवाल...
काली चट्टानें, चिकनी पीली रेत। श्रीमती हैमिल्टन, हष्ट-पुष्ट, हंसमुख। सिरिल, हमेशा थोड़ा रोता हुआ, उनका हाथ खींचता हुआ। "मैं चट्टान तक तैरकर जाना चाहता हूँ, मिस क्लेथॉर्न। मैं चट्टान तक तैरकर क्यों नहीं जा सकता?"
ऊपर देखते हुए—ह्यूगो की आँखों में आँखें मिलाईं, जो उसे देख रहा था।

सिरिल के बिस्तर पर चले जाने के बाद की शामें...
"आइए, टहलने चलें, मिस क्लेथॉर्न।"
"मुझे लगता है शायद मैं ऐसा करूंगा।"
समुद्र तट तक शालीनता से टहलना। चांदनी—अटलांटिक की कोमल हवा। और फिर, ह्यूगो की बाहें उसके चारों ओर।
"मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। तुम जानती हो ना, वेरा?" हाँ, वह जानती थी।
(या उसे लगा कि वह जानती है।)
मैं तुमसे शादी करने के लिए नहीं कह सकता। मेरे पास एक पैसा भी नहीं है। मैं बस जैसे-तैसे अपना गुजारा कर रहा हूँ। अजीब बात है, तुम्हें पता है, एक बार तीन महीने के लिए मेरे पास अमीर आदमी बनने का मौका था। मॉरिस की मृत्यु के तीन महीने बाद सिरिल का जन्म हुआ था। अगर वो लड़की होती...
अगर बच्ची होती तो ह्यूगो को सब कुछ मिल जाता। उसने स्वीकार किया कि उसे निराशा हुई थी।
"मैंने इस पर और कुछ नहीं बनाया था, बेशक। लेकिन यह थोड़ा झटका था। खैर, किस्मत तो किस्मत! सिरिल एक अच्छा लड़का है। मैं उसे बहुत पसंद करता हूँ।" और उन्होंने हत्या की 240 उत्कृष्ट कृतियाँ लिखीं।

मुझे भी उससे बहुत लगाव था। वह हमेशा अपने छोटे भतीजे के साथ खेल खेलने या उसका मनोरंजन करने के लिए तैयार रहता था। ह्यूगो के स्वभाव में कोई द्वेष नहीं था।
सिरिल वास्तव में ताकतवर नहीं था। एक दुबला-पतला बच्चा— बिल्कुल भी सहनशक्ति नहीं थी। शायद वह उस तरह का बच्चा था जो बड़ा होने तक जीवित नहीं रह पाएगा।

और तब-?

"मिस क्लेथॉर्न, मैं चट्टान तक तैरकर क्यों नहीं जा सकता?" यह एक झंझट भरा, शिकायत भरा दोहराव था।
"यह बहुत दूर है, सिरिल।"
लेकिन, मिस क्लेथोर्न...
वेरा उठी। वह ड्रेसिंग टेबल के पास गई और तीन एस्पिरिन की गोलियां निगल लीं। उसने सोचा:
"काश मेरे पास सोने के लिए कुछ बढ़िया सामान होता।" उसने सोचा: "अगर मुझे खुदकुशी करनी होती तो मैं वेरोनल जैसी किसी दवा की ओवरडोज ले लेती—साइनाइड नहीं!" एंथनी मार्स्टन का तड़पता हुआ बैंगनी चेहरा याद करके वह सिहर उठी। मेंटलपीस के पास से गुजरते हुए उसने फ्रेम में लगी तुकबंदी वाली कविता पर नजर डाली।

दस छोटे भारतीय लड़के भोजन करने बाहर गए;
एक ने खुद को गला घोंटकर मार डाला और फिर नौ लोग बचे।

उसने मन ही मन सोचा:
"यह बहुत भयानक है - बिल्कुल हमारी तरह आज शाम को।"
एंथोनी मार्स्टन क्यों मरना चाहता था?
वह मरना नहीं चाहती थी।
वह मरने की इच्छा रखने की कल्पना भी नहीं कर सकती थी।
मृत्यु तो दूसरों के लिए थी।

अध्याय 6

डॉ. आर्मस्ट्रांग सपना देख रहे थे...
ऑपरेशन रूम में बहुत गर्मी थी...
क्या उन्होंने तापमान कुछ ज़्यादा ही बढ़ा दिया था? पसीना उसके चेहरे से बह रहा था। उसके हाथ चिपचिपे थे। स्केलपेल को मज़बूती से पकड़ना मुश्किल था... कितना तेज़ धार वाला था वो!

और तब कोई नहीं था

241

उस तरह के चाकू से हत्या करना आसान था। और बेशक वह हत्या ही कर रहा था। महिला का शरीर अलग दिख रहा था। पहले उसका शरीर भारी- भरकम और बेढंगा था। यह तो दुबला-पतला शरीर था। और चेहरा छिपा हुआ था। आखिर उसे किसे मारना था?
उसे याद नहीं आ रहा था। लेकिन उसे पता होना चाहिए! क्या उसे बहन से पूछना चाहिए?
बहन उसे देख रही थी। नहीं, वह उससे पूछ नहीं सकता था। वह शक कर रही थी, यह उसे साफ दिख रहा था।
लेकिन ऑपरेशन टेबल पर कौन था?
उन्हें चेहरे को इस तरह नहीं ढकना चाहिए था।
काश वो चेहरा देख पाता. . . .
आह! अब तो अच्छा लगा। एक युवा प्रशिक्षु रूमाल खींच रही थी।
एमिली ब्रेंट, बिल्कुल। उसे एमिली ब्रेंट को ही मारना था। उसकी

आँखें कितनी क्रूर थीं! उसके होंठ हिल रहे थे। वह क्या कह रही थी?
जीवन के बीचोंबीच हम मृत्यु में हैं। 21
अब वह हंस रही थी। नहीं, नर्स, रुमाल वापस मत रखो। मुझे देखना है। मुझे एनेस्थेटिक देना है। ईथर कहाँ है? मैं ईथर अपने साथ लाई थी। सिस्टर, आपने ईथर का क्या किया?
शैटो नेउफ डू पेप? जी हाँ, यह भी ठीक रहेगा। रुमाल हटाओ, नर्स। बिल्कुल! मुझे तो पहले से ही पता था! ये एंथनी मार्स्टन है! उसका चेहरा बैंगनी पड़ गया है और फड़क रहा है। लेकिन वो मरा नहीं है— वो हंस रहा है। मैं आपको बता रहा हूँ, वो हंस रहा है!
वह ऑपरेशन टेबल को हिला रहा है।
सावधान रहो, साहब, सावधान रहो। नर्स, संभलकर रहो-संभलकर रहो- संभलकर रहो। डॉ. आर्मस्ट्रांग अचानक चौंककर जाग गए। सुबह हो चुकी थी। कमरे में सूरज की रोशनी भर रही थी।
और कोई उसके ऊपर झुककर उसे हिला रहा था। वह रोजर्स था। रोजर्स, जिसका चेहरा पीला पड़ गया था, कह रहा था: "डॉक्टर-डॉक्टर!"
डॉ. आर्मस्ट्रांग पूरी तरह से होश में आ गए।
वह बिस्तर पर उठ बैठा। उसने तीखे स्वर में कहा:
"यह क्या है?"
"डॉक्टर साहब, ये पत्नी हैं। मैं उन्हें जगा नहीं पा रहा हूँ। हे भगवान! मैं उन्हें जगा नहीं पा रहा हूँ। और वो मुझे ठीक नहीं लग रही हैं।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग फुर्तीले और कुशल थे। उन्होंने अपना ड्रेसिंग गाउन लपेटा और रोजर्स के पीछे-पीछे चले गए। वे उस बिस्तर पर झुके जहाँ महिला शांति से करवट लेकर लेटी हुई थी।

उन्होंने ठंडा हाथ उठाया, पलकें खोलीं। कुछ मिनटों बाद वे सीधे खड़े हुए और बिस्तर से मुड़ गए।
रोजर्स ने फुसफुसाते हुए कहा:
हत्या की 242 उत्कृष्ट कृतियाँ

"क्या-क्या वह-क्या वह-वी
उसने अपनी जीभ सूखे होठों पर फिराई।
आर्मस्ट्रांग ने सिर हिलाया।
"हां, वह चली गई है।"
उनकी निगाहें अपने सामने खड़े आदमी पर विचारपूर्वक टिक गईं। फिर उनकी नज़रें बिस्तर के पास वाली मेज पर, फिर वॉशस्टैंड पर, और फिर वापस सो रही महिला पर गईं। रोजर्स ने कहा:
"क्या यह-क्या यह- 'एर 'दिल था, डॉक्टर?"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने जवाब देने से पहले एक-दो मिनट का समय लिया। फिर उन्होंने पूछा: "सामान्य तौर पर उनका स्वास्थ्य कैसा था?" रोजर्स ने कहा:
"उसे गठिया की थोड़ी समस्या थी।"
"क्या हाल ही में किसी डॉक्टर ने उनका इलाज किया है?"
"डॉक्टर?" रोजर्स ने हैरानी से पूछा। "हम दोनों में से कोई भी सालों से डॉक्टर के पास नहीं गया है।"
"क्या आपके पास यह मानने का कोई कारण नहीं था कि वह हृदय रोग से पीड़ित थी?"
"नहीं, डॉक्टर साहब। मुझे इसके बारे में कभी कुछ पता ही नहीं था।"
आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"क्या उसे अच्छी नींद आई?"

अब रोजर्स की निगाहें उससे हट गईं। उस आदमी के हाथ आपस में जुड़ गए और बेचैनी से मुड़ने-घुमड़ने लगे। वह कुछ बुदबुदाया।
"उसे अच्छी नींद नहीं आई थी-नहीं।"
डॉक्टर ने तीखी आवाज में कहा:
क्या उसने सोने के लिए कुछ चीजें ली थीं?
रोजर्स ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
"क्या उसने कुछ लिया? उसे सुलाने के लिए? मुझे तो इसकी जानकारी नहीं है। मुझे यकीन है कि उसने ऐसा नहीं किया होगा।" आर्मस्ट्रांग वॉशस्टैंड की ओर बढ़ा।
उस पर कुछ बोतलें रखी थीं। हेयर लोशन, लैवेंडर वॉटर, कास्करा, हाथों के लिए खीरे का ग्लिसरीन, माउथवॉश, टूथपेस्ट और कुछ एलिमन्स की बोतलें।
रॉजर्स ने ड्रेसिंग टेबल के दराज खोलकर मदद की। फिर वे दराजों वाली अलमारी की ओर बढ़े। लेकिन वहाँ नींद की दवा या गोलियों का कोई निशान नहीं था।
रोजर्स ने कहा:
"कल रात उसके पास कुछ नहीं था, महोदय, सिवाय उसके जो आपने उसे दिया था..."

और तब कोई नहीं था

2

243

जब सुबह नौ बजे नाश्ते के लिए घंटी बजी तो सभी लोग जाग चुके थे और बुलावा आने का इंतजार कर रहे थे।
जनरल मैकार्थर और न्यायाधीश बाहर छत पर टहल रहे थे और राजनीतिक स्थिति पर बेतरतीब टिप्पणियाँ कर रहे थे। वेरा क्लेथोम और फिलिप लोम्बार्ड घर के पीछे स्थित द्वीप की चोटी पर गए थे। वहाँ उन्होंने विलियम हेनरी ब्लोर को मुख्य भूमि को घूरते हुए देखा। उसने कहा:
"अभी तक उस मोटर बोट का कोई अता-पता नहीं है। मैं उसका इंतज़ार कर रही हूँ।" वेरा ने मुस्कुराते हुए कहा।
"डेवन एक शांत काउंटी है। यहाँ चीजें आमतौर पर देर से होती हैं।" फिलिप लोम्बार्ड दूसरी ओर, समुद्र की ओर देख रहे थे। उन्होंने अचानक कहा:
आपको मौसम कैसा लग रहा है?
आकाश की ओर देखते हुए ब्लोर ने टिप्पणी की:
मुझे तो सब ठीक लग रहा है।
लॉम्बार्ड ने अपना मुंह सिकोड़कर सीटी बजाई।
उसने कहा:
"दिन खत्म होने से पहले तेज हवाएं चलने लगेंगी।" ब्लोर ने कहा: "तूफ़ानी-एह?"
उनके नीचे से एक घंटे की तेज आवाज सुनाई दी।
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"नाश्ता? खैर, मुझे थोड़ा नाश्ता चाहिए।"
जब वे खड़ी ढलान से नीचे उतर रहे थे, तब ब्लोर ने लोम्बार्ड से चिंतनशील स्वर में कहा: "मुझे समझ नहीं आता कि उस युवक ने आत्महत्या क्यों करना चाहा! मैं पूरी रात इसी बात को लेकर चिंतित रहा।"

वेरा थोड़ा आगे थी। लोम्बार्ड थोड़ा पीछे रह गया। उसने कहा: "क्या आपके पास कोई वैकल्पिक सिद्धांत है?"
"मुझे कुछ सबूत चाहिए। सबसे पहले, मकसद। मुझे कहना चाहिए कि वह काफी अमीर था।" एमिली ब्रेंट ड्राइंग रूम के दरवाजे से बाहर आकर उनसे मिलीं। उन्होंने तीखे स्वर में कहा:
"क्या नाव आ रही है?"
"अभी नहीं," वेरा ने कहा।
हत्या की 244 उत्कृष्ट कृतियाँ

वे नाश्ता करने अंदर गए। साइडबोर्ड पर अंडे और बेकन की एक बड़ी थाली रखी थी, साथ में चाय और कॉफी भी थी।
रॉजर्स ने उनके अंदर जाने के लिए दरवाजा खुला रखा, फिर उसे बाहर से बंद कर दिया। एमिली ब्रेंट ने कहा:
"वह आदमी आज सुबह बीमार लग रहा है।"
खिड़की के पास खड़े डॉ. आर्मस्ट्रांग ने अपना गला साफ किया। उन्होंने कहा:
"आज सुबह की किसी भी कमी के लिए क्षमा करें। रोजर्स को अकेले ही नाश्ता बनाने की पूरी कोशिश करनी पड़ी है। श्रीमती रोजर्स आज सुबह नाश्ता बनाने में असमर्थ रही हैं।"
एमिली ब्रेंट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"उस महिला को क्या हुआ है?"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने आसानी से कहा:
"चलिए नाश्ता शुरू करते हैं। अंडे ठंडे हो जाएंगे। उसके बाद, मुझे आप सभी से कुछ बातों पर चर्चा करनी है।" वे इशारा समझ गए। थालियाँ भर दी गईं, कॉफी और चाय परोसी गई। भोजन शुरू हुआ।

आपसी सहमति से द्वीप के बारे में चर्चा वर्जित थी। इसके बजाय वे समसामयिक घटनाओं पर बेतरतीब ढंग से बात करते थे। विदेशों से समाचार, खेल जगत की घटनाएं, और लोच नेस मॉन्स्टर का हालिया पुन: प्रकट होना।
फिर, जब प्लेटें हटा दी गईं, तो डॉ. आर्मस्ट्रांग ने अपनी कुर्सी थोड़ी पीछे की, महत्वपूर्ण ढंग से अपना गला साफ किया और बोले। उसने कहा:
"मैंने सोचा कि आपको नाश्ता करने के बाद ही यह दुखद खबर बताऊं तो बेहतर होगा। श्रीमती रोजर्स का नींद में निधन हो गया।" यह सुनकर सब चौंक गए और सदमे से भर उठे।
वेरा ने हैरानी से कहा:
"कितना भयानक! हमारे आने के बाद से इस द्वीप पर दो मौतें हो चुकी हैं!" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी आँखें सिकोड़ते हुए, अपनी छोटी, सटीक और स्पष्ट आवाज़ में कहा: "हम्म-बहुत ही उल्लेखनीय-मौत का कारण क्या था?" आर्मस्ट्रांग ने अपने कंधे उचका दिए। "तुरंत कुछ कहना असंभव है।"
"क्या शव परीक्षण होना आवश्यक है?"
"मैं निश्चित रूप से प्रमाण पत्र नहीं दे सकता। मुझे महिला के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।" वेरा ने कहा:
"वह बहुत घबराई हुई लग रही थी। और उसे कल रात सदमा लगा। शायद दिल का दौरा पड़ा होगा, मुझे लगता है?"

और तब कोई नहीं था

डॉ. आर्मस्ट्रांग ने रूखेपन से कहा:

"उसका दिल धड़कना बंद हो गया था—लेकिन इसके बंद होने का कारण क्या था, यह सवाल है।"
एमिली ब्रेंट के मुंह से एक शब्द निकला। वह शब्द स्पष्ट रूप से और तीखे स्वर में सुनने वाले समूह तक पहुंचा।
"अंतरात्मा!" उसने कहा।
आर्मस्ट्रांग उसकी ओर मुड़ा।
"मिस ब्रेंट, आपका इससे क्या मतलब है?" एमिली ब्रेंट ने अपने होंठ कसकर बंद करते हुए कहा:
"आप सबने सुना। उस पर, उसके पति के साथ, यह आरोप लगाया गया था कि..."

अपने पूर्व नियोक्ता—एक बूढ़े व्यक्ति—की जानबूझकर हत्या करने के बाद
"और आपको लगता है कि?"
एमिली ब्रेंट ने कहा:
(मैं

मैं

मैं

245

. 7 .

मुझे लगता है कि वह आरोप सच था। आप सबने उसे कल रात देखा था। वह पूरी तरह टूट गई और बेहोश हो गई। अपने किए का पर्दाफाश होने का सदमा उसके लिए असहनीय था। वह सचमुच डर से मर गई। डॉ. आर्मस्ट्रांग ने संदेह से सिर हिलाया।
“यह एक संभावित सिद्धांत है,” उन्होंने कहा। “उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अधिक सटीक जानकारी के बिना इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अगर हृदय की कमजोरी थी तो-” एमिली ब्रेंट ने धीरे से कहा:
"अगर आप चाहें तो इसे ईश्वरीय घटना कह सकते हैं।"
सभी लोग स्तब्ध रह गए। श्री ब्लोर ने घबराकर कहा:
"मिस ब्रेंट, आप बात को कुछ ज़्यादा ही खींच रही हैं।" उन्होंने चमकती आँखों से उनकी ओर देखा। उनका सिर ऊपर उठा। उन्होंने कहा: "आप इसे असंभव मानते हैं कि एक पापी ईश्वर के क्रोध से दंडित हो सकता है! मैं ऐसा नहीं मानता!"
न्यायाधीश ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा। उन्होंने थोड़ी व्यंग्यात्मक स्वर में कहा:

"मेरी प्रिय महोदया, मेरे अनुभव में, मैंने देखा है कि ईश्वर कर्मों के फल को सुधारने और दंड देने का काम हम मनुष्यों पर छोड़ देता है—और यह प्रक्रिया अक्सर कठिनाइयों से भरी होती है। इसका कोई शॉर्टकट नहीं है।" एमिली ब्रेंट ने कंधे उचका दिए। ब्लोर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"सोते समय उसने क्या खाया-पिया?" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"कुछ नहीं। "

"उसने कुछ नहीं लिया? एक कप चाय? एक घूंट पानी? मैं शर्त लगा सकता हूँ कि उसने एक कप चाय पी होगी। इस तरह की लड़कियाँ अक्सर ऐसा करती हैं।"

और एन जी
., एल ए लेर वह ऊपर चली गई

मैं

मैं
मैं

मैं

मैं
मैं

मैं
हत्या की 246 उत्कृष्ट कृतियाँ

"रोजर्स ने मुझे आश्वासन दिया है कि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था।"
"आह," ब्लोर ने कहा। "लेकिन वह ऐसा कह सकता है!" उसका लहजा इतना गंभीर था कि डॉक्टर ने उसे तीक्ष्ण दृष्टि से देखा। फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"तो ये आपका विचार है?"

ब्लोर ने आक्रामक लहजे में कहा:
"अच्छा, क्यों नहीं? हम सबने कल रात यह आरोप सुना था। शायद यह सरासर मनगढ़ंत कहानी हो—सिर्फ़ पागलपन! दूसरी ओर, ऐसा नहीं भी हो सकता है। मान लीजिए कि यह सच है। रॉजर्स और उसकी पत्नी ने उस बुढ़िया को खत्म कर दिया। तो इससे आपको क्या मिलता है? वे तो इस बारे में काफी सुरक्षित और खुश महसूस कर रहे हैं—" वेरा ने बीच में ही टोकते हुए कहा। धीमी आवाज़ में उसने कहा:
"नहीं, मुझे नहीं लगता कि श्रीमती रोजर्स ने कभी खुद को सुरक्षित महसूस किया होगा।" ब्लोर को इस व्यवधान से थोड़ी झुंझलाहट हुई। "बिल्कुल एक औरत की तरह," उनकी नज़र ने कहा। उन्होंने आगे कहा:
"जो भी हो। वैसे, जहाँ तक उन्हें पता है, उन्हें कोई सक्रिय खतरा नहीं है। फिर, कल रात, किसी अनजान पागल ने सारी बात बता दी। उसके बाद क्या हुआ? वह औरत टूट गई—वह बिखर गई। ध्यान दीजिए कि जब वह होश में आ रही थी तो उसका पति उसके ऊपर कैसे झुका हुआ था। यह सब पति की चिंता नहीं थी! बिलकुल नहीं! वह गर्म ईंटों पर बिल्ली की तरह था। उसे इस बात का बहुत डर था कि वह क्या कह देगी।"
"और यही आपके लिए सही पद है! उन्होंने हत्या की और बच निकले। लेकिन अगर सारा मामला फिर से उठाया गया, तो क्या होगा?"
दस में से एक चांस है कि वो औरत सारा भेद खोल देगी। उसमें हिम्मत नहीं है कि वो डटकर सच का सामना करे। वो अपने पति के लिए चलता- फिरता खतरा है, बस यही बात है। उसका पति ठीक है। वो आखिरी दम तक झूठ बोलता रहेगा, पर वो उस पर भरोसा नहीं कर सकता! और अगर वो टूट गई, तो उसकी गर्दन खतरे में पड़ जाएगी! इसलिए वो चाय में कुछ मिला देता है और ये पक्का कर लेता है कि उसका मुंह हमेशा के लिए बंद हो जाए।

आर्मस्ट्रांग ने धीरे-धीरे कहा:
"उसके बिस्तर के पास कोई खाली प्याला नहीं था—वहाँ कुछ भी नहीं था। मैंने देखा।" ब्लोर ने नाक सिकोड़ी।
"बिल्कुल नहीं! जब वह पी लेगी तो सबसे पहले वह प्याला और तश्तरी हटाकर उसे अच्छे से धोएगा।" थोड़ी देर रुकने के बाद जनरल मैकार्थर ने संदेह भरे स्वर में कहा:
"ऐसा हो सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई पुरुष अपनी पत्नी के साथ ऐसा करेगा।"
ब्लोर ने हल्की सी हंसी हंसी।

और तब कोई नहीं था

उसने कहा:
"जब किसी व्यक्ति की जान खतरे में होती है, तो वह भावनाओं के बारे में ज्यादा नहीं सोचता।"
कुछ देर सन्नाटा छा गया। किसी के कुछ बोलने से पहले ही दरवाजा खुला और रोजर्स अंदर आ गए।
उन्होंने एक से दूसरे की ओर देखते हुए कहा:
"क्या मैं आपके लिए कुछ और ला सकता हूँ? मुझे खेद है कि टोस्ट बहुत कम था, लेकिन हमारे पास ब्रेड बिल्कुल खत्म हो गई है। मुख्य भूमि से नई ब्रेड अभी तक नहीं आई है।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव अपनी कुर्सी पर थोड़ा हिले-डुले। उन्होंने पूछा:
"मोटर बोट आमतौर पर किस समय आती है?"

"सात से आठ बजे के बीच, महोदय। कभी-कभी आठ बजकर थोड़ा ज़्यादा समय हो जाता है। पता नहीं फ्रेड नारकोट आज सुबह क्या कर रहे होंगे। अगर वो बीमार हैं तो अपने भाई को भेज देंगे।"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"अभी क्या समय हुआ है?"
"दस बजने में दस मिनट बाकी हैं, महोदय।"
लॉम्बार्ड की भौंहें तन गईं। उन्होंने धीरे से खुद को सिर हिलाकर सहमति दी। रोजर्स ने एक-दो मिनट इंतजार किया।
जनरल मैकार्थर ने अचानक और विस्फोटक ढंग से बोलना शुरू किया। "आपकी पत्नी के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ, रोजर्स। डॉक्टर ने अभी-अभी हमें बताया है।" रोजर्स ने अपना सिर झुकाया।
"जी हाँ, महोदय। धन्यवाद, महोदय।"
उसने बेकन की खाली प्लेट उठाई और बाहर चला गया।
फिर से सन्नाटा छा गया।

3

बाहर छत पर खड़े फिलिप लोम्बार्ड ने कहा: "इस मोटर बोट के बारे में-" ब्लोर ने उनकी ओर देखा। ब्लोर ने सिर हिलाया। उन्होंने कहा: "मैं समझता हूँ आप क्या सोच रहे हैं, श्रीमान लोम्बार्ड। मैंने भी खुद से यही सवाल पूछा है। मोटर बोट को लगभग दो घंटे पहले यहाँ आ जाना चाहिए था। अभी तक नहीं आई? क्यों?" "जवाब मिल गया?" लोम्बार्ड ने पूछा।

मैं ~

मैं:
मैं
मैं

मैं

मैं
~ मैं
हत्या की 248 उत्कृष्ट कृतियाँ

"यह कोई संयोग नहीं है—मैं तो यही कहता हूँ। यह पूरे कारोबार का अभिन्न अंग है। यह सब आपस में जुड़ा हुआ है।"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"क्या आपको लगता है कि यह नहीं आएगा?"
उसके पीछे से एक आवाज आई—एक चिड़चिड़ी और अधीर आवाज। उन्होंने कहा, "मोटर बोट नहीं आ रही है।"
ब्लोर ने अपने चौड़े कंधे को थोड़ा सा घुमाया और अंतिम वक्ता को ध्यानपूर्वक देखा।
"क्या आपको भी ऐसा नहीं लगता, जनरल?"
जनरल मैकार्थर ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"ज़ाहिर है, यह नहीं आएगा। हम मोटर बोट पर भरोसा कर रहे हैं कि वह हमें द्वीप से ले जाएगी। यही तो सारी बात का मतलब है। हम द्वीप नहीं छोड़ेंगे... हममें से कोई भी कभी नहीं छोड़ेगा... यह अंत है, आप समझ रहे हैं ना - हर चीज़ का अंत।"
वह हिचकिचाया, फिर उसने धीमी, अजीब सी आवाज़ में कहा:

"यही तो शांति है—वास्तविक शांति। अंत तक पहुंचना—आगे न बढ़ना...हां, शांति..."
वह अचानक मुड़ा और चला गया। चबूतरे के साथ-साथ, फिर ढलान से नीचे समुद्र की ओर - तिरछे - द्वीप के उस छोर तक जहाँ ढीली चट्टानें पानी में फैली हुई थीं।
वह थोड़ा लड़खड़ाते हुए चल रहा था, मानो आधी नींद में हो। ब्लोर ने कहा, "देखो, एक और सनकी जा रहा है! लगता है कि अंत में सब उसी राह पर चल पड़ेंगे।"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"मुझे नहीं लगता कि तुम ऐसा कर पाओगे, ब्लोर।"
पूर्व इंस्पेक्टर हंस पड़ा।
"मुझे पागल करने के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा।" उन्होंने रूखेपन से कहा, "और मुझे नहीं लगता कि आप भी उस रास्ते पर जाएंगे, मिस्टर लोम्बार्ड।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"फिलहाल मैं बिल्कुल ठीक महसूस कर रहा हूं, धन्यवाद।"

4

डॉ. आर्मस्ट्रांग छत पर आए। वे वहाँ हिचकिचाते हुए खड़े रहे। उनके बाईं ओर ब्लोर और लोम्बार्ड थे। उनके दाईं ओर वारग्रेव धीरे-धीरे इधर-उधर टहल रहे थे, उनका सिर झुका हुआ था।
कुछ पल असमंजस में रहने के बाद, आर्मस्ट्रांग बाद वाले की ओर मुड़ गया।

मैं

और तब कोई नहीं था

249

लेकिन उसी क्षण रोजर्स तेजी से घर से बाहर आ गया।
"क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकता हूँ, महोदय?" आर्मस्ट्रांग मुड़ा।
जो कुछ उसने देखा, उससे वह चौंक गया।
रॉजर्स के चेहरे पर भाव उभर रहे थे। उसका रंग भूरा-हरा हो गया था। उसके हाथ कांप रहे थे। कुछ मिनट पहले के उसके संयम से यह इतना विपरीत था कि आर्मस्ट्रांग पूरी तरह से अचंभित रह गया। "कृपया महोदय, क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकता हूँ? अंदर आइए, महोदय।" डॉक्टर पीछे मुड़ा और उस उतावले नौकर के साथ घर में वापस चला गया। उसने कहा:
"क्या बात है यार? खुद को संभालो।"
"जी महोदय, अंदर आइए।"
उसने भोजन कक्ष का दरवाजा खोला। डॉक्टर अंदर चले गए। रोजर्स उनके पीछे गए और दरवाजा बंद कर दिया।
"अच्छा," आर्मस्ट्रांग ने कहा, "क्या बात है?" रोजर्स के गले की मांसपेशियां फड़क रही थीं। वह निगलने की कोशिश कर रहा था। उसने झटके से कहा, "कुछ ऐसा हो रहा है, महोदय, जो मुझे समझ नहीं आ रहा है।" आर्मस्ट्रांग ने तीखे स्वर में कहा, "कुछ? क्या बातें?" "आप सोचेंगे कि मैं पागल हूँ, महोदय। आप कहेंगे कि इसमें कुछ भी नहीं है। लेकिन इसकी व्याख्या करनी होगी, महोदय। इसकी व्याख्या करनी ही होगी। क्योंकि इसका कोई मतलब नहीं बनता।" "अच्छा, भाई,

बताओ क्या बात है? पहेलियों में बात करना बंद करो।" रोजर्स ने फिर से घूँट भरा।
उसने कहा:
"ये छोटी-छोटी मूर्तियाँ हैं, महोदय। मेज के बीचोंबीच। चीनी मिट्टी की बनी छोटी-छोटी मूर्तियाँ। दस थीं, मैं कसम खाकर कहता हूँ, दस ही थीं।" आर्मस्ट्रांग ने कहा।
"हां, दस। हमने कल रात खाने पर उन्हें गिना था।" रोजर्स पास आया। "बस यही बात है, महोदय। कल रात जब मैं सफाई कर रहा था, तो वहाँ नौ के अलावा कुछ नहीं था, महोदय। मैंने इस पर ध्यान दिया और मुझे यह अजीब लगा। लेकिन बस इतना ही। और अब, महोदय, आज सुबह। नाश्ता लगाते समय मैंने ध्यान नहीं दिया। मैं परेशान था और इसी वजह से।"
"लेकिन अब, महोदय, जब मैं सफाई करने आया हूँ। अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो खुद देख लीजिए।"
"सिर्फ आठ ही हैं, महोदय! सिर्फ आठ! यह समझ में नहीं आता, है ना? सिर्फ आठ..."
और तब कोई नहीं था

अध्याय 7

नाश्ते के बाद, एमिली ब्रेंट ने वेरा क्लेथोम को सुझाव दिया कि उन्हें फिर से शिखर तक पैदल जाना चाहिए और नाव का इंतज़ार करना चाहिए। वेरा मान गई। हवा तेज़ हो गई थी। समुद्र पर छोटी-छोटी सफेद लहरें दिखाई दे रही थीं। कुछ मछली पकड़ने वाली नावें थीं और मोटर बोट का कोई निशान नहीं था। स्टिकलहेवन का असली गाँव दिखाई नहीं दे रहा था, केवल उसके ऊपर की पहाड़ी, लाल चट्टान की उभरी हुई एक खड़ी चट्टान, असली छोटी खाड़ी को छिपा रही थी। एमिली ब्रेंट ने कहा:
"कल जो आदमी हमें यहाँ लेकर आया था, वह भरोसेमंद लग रहा था। आज सुबह उसका इतनी देर से आना वाकई बहुत अजीब है।" वेरा ने कोई जवाब नहीं दिया। वह घबराहट की बढ़ती भावना को दबाने की कोशिश कर रही थी। उसने गुस्से में मन ही मन कहा:
"तुम्हें शांत रहना होगा। यह तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है। तुम हमेशा से बहुत शांत स्वभाव की रही हो।" एक-दो मिनट बाद उसने ज़ोर से कहा:
"काश वो आ जाता। मैं... मैं यहाँ से दूर जाना चाहती हूँ।" एमिली ब्रेंट ने रूखेपन से कहा:
मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम सभी ऐसा करते हैं।
वेरा ने कहा:
यह सब कुछ बहुत ही असाधारण है।
उसके बगल में बैठी बुजुर्ग महिला ने फुर्ती से कहा:
"मैं खुद से बहुत नाराज़ हूँ कि मैं इतनी आसानी से बहकावे में आ गया। सच में, जब उस पत्र की गहराई से जांच की जाती है तो वह

बेतुका लगता है। लेकिन उस समय मुझे कोई संदेह नहीं था - बिलकुल भी नहीं।"
वेरा ने यंत्रवत स्वर में कहा:
"मुझे नहीं लगता।"
"लोग चीजों को बहुत हल्के में लेते हैं," एमिली ब्रेंट ने कहा। वेरा ने गहरी, सिहरन भरी सांस ली।
उसने कहा:
"क्या आपको सच में लगता है कि आपने नाश्ते के समय जो कहा था?" "थोड़ा और स्पष्ट बताओ, मेरी प्यारी। तुम विशेष रूप से किस बारे में बात कर रही हो?" वेरा ने धीमी आवाज़ में कहा।

इसमें तो कोई मतलब ही नहीं दिखता।

"क्या आपको सच में लगता है कि रोजर्स और उसकी पत्नी ने उस बुढ़िया को मार डाला?" एमिली ब्रेंट ने सोच-विचार करते हुए समुद्र की ओर देखा। फिर उसने कहा: "व्यक्तिगत रूप से, मुझे तो पूरा यकीन है। आपको क्या लगता है?" "मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूँ।" एमिली ब्रेंट ने कहा: "सब कुछ इसी बात का समर्थन करता है। जिस तरह से वह औरत बेहोश हुई। और उस आदमी ने कॉफी की ट्रे गिरा दी थी, याद है ना? फिर जिस तरह से उसने इसके बारे में बात की
- वह सच नहीं लग रहा था। ओह, हाँ, मुझे डर है कि उन्होंने ही ऐसा किया होगा।" वेरा ने कहा: "जिस तरह से वह दिख रही थी - अपनी ही परछाई से डरी हुई! मैंने कभी किसी औरत को इतना डरा हुआ नहीं देखा..." मिस ब्रेंट ने धीरे से कहा:

वह हमेशा से ही प्रेतवाधित रही होगी।

"मुझे बचपन में मेरे नर्सरी रूम में टंगी एक बात याद है। 'सावधान रहो, तुम्हारा पाप तुम्हें ढूंढ निकालेगा।' यह बिल्कुल सच है। 'सावधान रहो, तुम्हारा पाप तुम्हें ढूंढ निकालेगा।' वेरा झट से खड़ी हो गई। उसने कहा:
लेकिन, मिस ब्रेंट-मिस ब्रेंट-उस स्थिति में-"
"हाँ मेरे प्रिय?"
"बाकी लोग? बाकी लोगों का क्या?"
मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई।
"बाकी सारे आरोप—वे—वे सच नहीं थे? लेकिन अगर रोजर्स के बारे में यह सच है—" वह रुक गई, अपने उलझे हुए विचारों को स्पष्ट नहीं कर पा रही थी। एमिली ब्रेंट की भौंहें, जो उलझन में सिकुड़ी हुई थीं, सीधी हो गईं। उसने कहा:
"अली, अब मैं तुम्हारी बात समझ गया। दरअसल, मिस्टर लोम्बार्ड हैं। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने बीस आदमियों को मरने के लिए छोड़ दिया था।"
वेरा ने कहा:
वे तो केवल मूल निवासी थे. . . .
एमिली ब्रेंट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"चाहे वे काले हों या गोरे, वे हमारे भाई हैं।"
वेरा ने सोचा:
"हमारे काले भाई-हमारे काले भाई। ओह, मुझे हंसी आ रही है। मैं बेकाबू हो रही हूँ। मैं खुद जैसी नहीं हूँ..."
एमिली ब्रेंट ने सोच-विचार करते हुए आगे कहा:

"बेशक, कुछ अन्य आरोप बहुत ही बेबुनियाद और हास्यास्पद थे। उदाहरण के लिए, न्यायाधीश के खिलाफ, जो केवल अपना काम कर रहे थे।"

1~
हत्या की 252 उत्कृष्ट कृतियाँ

सार्वजनिक पद पर रहते हुए उनका कर्तव्य। और स्कॉटलैंड यार्ड के पूर्व अधिकारी। मेरा अपना मामला भी।'' वह थोड़ी देर रुकीं और फिर बोलीं:
"स्वाभाविक रूप से, परिस्थितियों को देखते हुए, मैं कल रात कुछ नहीं कहने वाला था। यह सज्जनों के सामने चर्चा करने का उचित विषय नहीं था।"
"नहीं?"
वेरा ने ध्यान से सुना। मिस ब्रेंट ने शांत भाव से बोलना जारी रखा:
"बीट्रिस टेलर मेरे यहाँ काम करती थी। अच्छी लड़की नहीं थी - यह मुझे बहुत देर से पता चला। मैं उसके बारे में बहुत धोखे में थी। उसके तौर-तरीके अच्छे थे और वह बहुत साफ-सुथरी और आज्ञाकारी थी। मैं उससे बहुत खुश थी। बेशक, यह सब सरासर पाखंड था! वह चरित्रहीन और चरित्रहीन लड़की थी। घिनौनी! मुझे यह पता चलने में कुछ समय लगा कि वह 'मुसीबत में' थी।" वह रुकी, उसकी नाज़ुक नाक नापसंदगी से सिकुड़ गई। "यह मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था। उसके माता-पिता भी अच्छे लोग थे, जिन्होंने उसे बहुत सख्ती से पाला था। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने उसके व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया।" वेरा ने मिस ब्रेंट को घूरते हुए कहा।

"क्या हुआ?"
"स्वाभाविक रूप से मैंने उसे एक घंटे के लिए भी अपने घर में नहीं रखा। कोई यह नहीं कह सकता कि मैंने अनैतिकता को बढ़ावा दिया।" वेरा ने धीमी आवाज़ में कहा:
"उसके साथ क्या हुआ?"
मिस ब्रेंट ने कहा:
"उस परित्यक्त प्राणी को अपने अंतरात्मा पर एक पाप का बोझ कम नहीं हुआ, इसलिए उसने एक और भी गंभीर पाप किया। उसने अपनी जान ले ली।" वेरा ने भयभीत होकर फुसफुसाया।
"क्या उसने आत्महत्या कर ली?"
"हां, उसने खुद को नदी में फेंक दिया।"
वेरा कांप उठी।
उसने मिस ब्रेंट के शांत और नाजुक चेहरे को निहारा। उसने कहा: "जब आपको पता चला कि उसने ऐसा किया है, तो आपको कैसा लगा? क्या आपको दुख नहीं हुआ?"
क्या आपने खुद को दोषी नहीं ठहराया?
एमिली ब्रेंट ने खुद को सीधा खड़ा किया।
"मैं? मुझे खुद को दोष देने के लिए कुछ भी नहीं था।" वेरा ने कहा: "लेकिन अगर तुम्हारी कठोरता ने उसे ऐसा करने पर मजबूर किया तो..."
एमिली ब्रेंट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"उसकी अपनी गलती—उसका अपना पाप—उसी ने उसे ऐसा करने पर मजबूर किया। अगर उसने एक सभ्य, शालीन युवती की तरह व्यवहार किया होता तो इनमें से कुछ भी नहीं होता।"

यह.1)

और तब कोई नहीं था

253

उसने अपना चेहरा वेरा की ओर घुमाया। उसकी आँखों में न तो आत्मनिंदा थी, न ही बेचैनी। वे कठोर और आत्म-धर्मी थीं। एमिली ब्रेंट इंडियन आइलैंड की चोटी पर बैठी थी, मानो अपने सद्गुणों के कवच में लिपटी हुई हो। वेरा को वह छोटी, उम्रदराज अविवाहित महिला अब हास्यास्पद नहीं लग रही थी। अचानक—वह भयानक लगने लगी।

2

डॉ. आर्मस्ट्रांग भोजन कक्ष से बाहर निकले और एक बार फिर छत पर आ गए। न्यायाधीश अब एक कुर्सी पर बैठे समुद्र की ओर शांति से निहार रहे थे। लोम्बार्ड और ब्लोर बाईं ओर सिगरेट पी रहे थे, लेकिन बात नहीं कर रहे थे। पहले की तरह, डॉक्टर एक पल के लिए झिझके। उनकी नज़र न्यायमूर्ति वारग्रेव पर टिकी। वे किसी से सलाह लेना चाहते थे। वे न्यायाधीश के तीव्र तार्किक मस्तिष्क से अवगत थे। फिर भी वे दुविधा में थे। न्यायमूर्ति वारग्रेव का मस्तिष्क तो अच्छा था, लेकिन वे एक बुजुर्ग व्यक्ति थे। इस समय, आर्मस्ट्रांग को लगा कि एक कर्मठ व्यक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने अपना मन बना लिया।
"लोम्बार्ड, क्या मैं आपसे एक मिनट बात कर सकता हूँ?" फिलिप ने हैरानी से पूछा।

"बिल्कुल।"
दोनों आदमी छत से नीचे उतर गए। वे ढलान से नीचे पानी की ओर चलने लगे। जब वे सुनाई देने की दूरी से बाहर हो गए, तो आर्मस्ट्रांग ने कहा:
मुझे परामर्श चाहिए।
लॉम्बार्ड की भौंहें तन गईं। उन्होंने कहा:
"मेरे प्रिय मित्र, मुझे चिकित्सा का कोई ज्ञान नहीं है।" "नहीं, नहीं, मेरा मतलब सामान्य स्थिति के बारे में है।"
"ओह, यह तो अलग है।"
आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"सच कहूँ तो, इस स्थिति के बारे में आपकी क्या राय है?" लोम्बार्ड ने एक मिनट सोचा। फिर उन्होंने कहा:
"यह कुछ हद तक संकेतपूर्ण है, है ना?"
"उस महिला के बारे में आपके क्या विचार हैं? क्या आप ब्लोर के सिद्धांत को स्वीकार करते हैं?" फिलिप ने हवा में धुंआ उड़ाते हुए कहा: "अकेले देखा जाए तो यह पूरी तरह से संभव है।" "बिल्कुल।"
254

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

आर्मस्ट्रांग के स्वर में राहत झलक रही थी। फिलिप लोम्बार्ड मूर्ख नहीं था। लोम्बार्ड ने आगे कहा, "अर्थात, यह मानकर चलें कि श्रीमान और श्रीमती रोजर्स अपने समय में हत्या करके सफलतापूर्वक बच निकले थे। और मुझे नहीं लगता कि उन्हें ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए था। आपको क्या लगता है उन्होंने वास्तव

में क्या किया था? क्या उन्होंने उस बूढ़ी औरत को जहर दिया था?" आर्मस्ट्रांग ने धीरे से कहा:
"यह उससे भी सरल हो सकता है। मैंने आज सुबह रोजर्स से पूछा कि मिस ब्रैडी को क्या बीमारी थी। उनका जवाब ज्ञानवर्धक था। मुझे चिकित्सीय विवरणों में जाने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हृदय रोग के एक विशेष प्रकार में एमाइल नाइट्राइट का उपयोग किया जाता है। जब दिल का दौरा पड़ता है तो एमाइल नाइट्राइट का एक एम्प्यूल तोड़ा जाता है और उसे साँस के द्वारा अंदर लिया जाता है। यदि एमाइल नाइट्राइट को रोक दिया जाए, तो इसके परिणाम आसानी से घातक हो सकते हैं।" फिलिप लोम्बार्ड ने विचारपूर्वक कहा। "बस इतना ही। यह काफी लुभावना रहा होगा।" डॉक्टर ने सिर हिलाया। "हाँ, कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। आर्सेनिक प्राप्त करने और देने के लिए कुछ भी नहीं था - कुछ भी निश्चित नहीं - बस इनकार! और रोजर्स रात भर डॉक्टर को लाने के लिए भागे और उन दोनों को पूरा भरोसा था कि किसी को कभी पता नहीं चलेगा।"
"और, अगर किसी को पता भी चल जाए, तो भी उनके खिलाफ कुछ भी साबित नहीं किया जा सकता," फिलिप लोम्बार्ड ने आगे कहा।
वह अचानक भौंहें चढ़ा बैठा।
"बिल्कुल—इससे काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है।"
आर्मस्ट्रांग ने हैरानी से कहा:
"मैं क्षमा चाहता हूँ।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"मेरा मतलब है—यह इंडियन आइलैंड की घटना को स्पष्ट करता है। कुछ अपराध ऐसे होते हैं जिन्हें उनके अपराधियों को सज़ा नहीं दी जा सकती। उदाहरण के लिए, रोजर्स परिवार। एक और उदाहरण,

पुराने वारग्रेव का, जिसने कानून के दायरे में रहकर ही हत्या की थी।" आर्मस्ट्रांग ने तीखे लहजे में कहा।
"क्या आप उस कहानी पर विश्वास करते हैं?"
फिलिप लोम्बार्ड मुस्कुराया।
"ओह, हाँ, मुझे यकीन है। वारग्रेव ने एडवर्ड सेटन की हत्या की, ठीक वैसे ही जैसे किसी ने उसे छुरी से गोद दिया हो! लेकिन वह इतना चालाक था कि उसने जज की कुर्सी पर विग और गाउन पहने हुए ही यह काम कर दिया। इसलिए आम तरीके से आप उसके इस छोटे से अपराध के लिए उसे सजा नहीं दिला सकते।" अचानक आर्मस्ट्रांग के दिमाग में बिजली की तरह एक विचार कौंध गया।
अस्पताल में हत्या। ऑपरेशन टेबल पर हत्या। बिल्कुल सुरक्षित— जी हाँ, एकदम सुरक्षित!

और तब कोई नहीं था

4
ए

मैं

फिलिप लोम्बार्ड कह रहे थे:
"इसलिए-श्री ओवेन-इसलिए-इंडियन द्वीप!"
आर्मस्ट्रांग ने गहरी सांस ली।
"अब हम असली मुद्दे पर आते हैं। हम सबको यहाँ लाने का असली मकसद क्या है?" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"आप क्या सोचते हैं?"

आर्मस्ट्रांग ने अचानक कहा:
"चलिए एक मिनट के लिए इस महिला की मौत पर वापस चलते हैं। संभावित सिद्धांत क्या हैं? रॉजर्स ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि उसे डर था कि वह शो का राज़ खोल देगी। दूसरी संभावना: उसने हिम्मत हार दी और खुद ही आसान रास्ता चुन लिया।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"आत्महत्या, है ना?"
"उस बारे में आप क्या कहेंगे?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"ऐसा हो सकता था—हाँ—अगर मार्स्टन की मौत न हुई होती। बारह घंटे के भीतर दो आत्महत्याएँ होना पचाना थोड़ा मुश्किल है! और अगर आप मुझसे कहें कि एंथनी मार्स्टन, एक नौजवान, जो बिल्कुल बेखौफ और कम अक्लमंद था, दो बच्चों को कुचलने के बाद इतना उत्तेजित हो गया कि उसने जानबूझकर खुद को मौत के घाट उतार दिया — तो यह विचार हास्यास्पद है! और वैसे भी, उसे यह चीज़ मिली कहाँ से? मैंने जितना सुना है, पोटेशियम साइनाइड ऐसी चीज़ नहीं है जिसे आप अपनी जैकेट की जेब में लेकर घूमते हैं। लेकिन ये तो आपके देश की बात है।" आर्मस्ट्रांग ने कहा।
"कोई भी समझदार व्यक्ति पोटेशियम साइनाइड लेकर नहीं घूमता। ऐसा शायद कोई व्यक्ति कर सकता है जो ततैया का घोंसला चुराने जा रहा हो।"
"क्या वह उत्साही माली था या ज़मींदार? फिर से, एंथनी मार्स्टन नहीं। मुझे लगता है कि साइनाइड को थोड़ा स्पष्टीकरण देने की ज़रूरत होगी। या तो एंथनी मार्स्टन ने यहाँ आने से पहले खुद को खत्म करने का इरादा किया था, और इसलिए तैयारी के साथ आया था - या फिर कुछ और -"

आर्मस्ट्रांग ने उन्हें प्रेरित किया।
"वरना?"
फिलिप लोम्बार्ड मुस्कुराया।
"मुझे यह कहने के लिए क्यों मजबूर कर रहे हो? जब यह बात तुम्हारी ज़बान पर ही है। एंथनी मार्स्टन की हत्या हुई थी, बिल्कुल।" मास्टरपीस ओपी मर्डर

3

डॉ. आर्मस्ट्रांग ने गहरी सांस ली।
और श्रीमती रोजर्स?
लोम्बार्ड ने धीरे से कहा:
"अगर श्रीमती रोजर्स न होतीं तो मैं एंथनी की आत्महत्या पर (मुश्किल से) विश्वास कर पाता। अगर एंथनी मार्स्टन न होता तो मैं श्रीमती रोजर्स की आत्महत्या पर (आसानी से) विश्वास कर पाता। अगर एंथनी मार्स्टन की रहस्यमय मौत न होती तो मैं मान सकता था कि रोजर्स ने अपनी पत्नी को रास्ते से हटा दिया। लेकिन हमें दो मौतों के एक के बाद एक घटित होने की व्याख्या करने के लिए एक सिद्धांत की आवश्यकता है।" आर्मस्ट्रांग ने कहा।
"मैं शायद उस सिद्धांत के समर्थन में आपकी कुछ मदद कर सकता हूँ।" और उसने उन तथ्यों को दोहराया जो रॉजर्स ने उसे चीनी मिट्टी की दो छोटी मूर्तियों के गायब होने के बारे में बताए थे। लोम्बार्ड ने कहा:
"जी हां, छोटी चीनी मिट्टी की भारतीय मूर्तियां... कल रात खाने पर दस थीं। और अब आठ हैं, आप कह रहे हैं?" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने सुनाया:

"दस छोटे भारतीय लड़के भोजन करने बाहर जा रहे हैं;
एक ने जाकर खुद को गला घोंटकर मार डाला और फिर नौ लोग बचे।

"नौ छोटे भारतीय लड़के बहुत देर तक जागते रहे;
एक व्यक्ति ज्यादा सो गया और फिर आठ लोग रह गए।

दोनों आदमियों ने एक-दूसरे की ओर देखा। फिलिप लोम्बार्ड मुस्कुराया और अपनी सिगरेट फेंक दी।
"यह महज एक संयोग होने के लिए बहुत ही सटीक बैठता है! एंथनी मार्स्टन की कल रात खाने के बाद दम घुटने या घुटन से मौत हो गई, और मदर रोजर्स बदले की भावना से बहुत ज्यादा सो गईं।"
"तो फिर?" आर्मस्ट्रांग ने कहा।
लोम्बार्ड उसे अपने साथ ले गया।
और इसलिए एक अलग तरह की पहेली। लकड़ी के ढेर में छिपा नीग्रो! एक्स! मिस्टर ओवेन! यू. एन. ओवेन। एक अज्ञात पागल जो फरार है! "आह!" आर्मस्ट्रांग ने राहत की सांस ली। "आप सहमत हैं। लेकिन आप समझते हैं कि इसमें क्या शामिल है? रोजर्स ने कसम खाई थी कि द्वीप पर हमारे अलावा और कोई नहीं था, सिवाय उसके और उसकी पत्नी के।"

और तब कोई नहीं था

257

"रोजर्स गलत है! या शायद रोजर्स झूठ बोल रहा है!" आर्मस्ट्रांग ने अपना सिर हिलाया।
मुझे नहीं लगता कि वह झूठ बोल रहा है। वह आदमी डरा हुआ है। वह इतना डरा हुआ है कि लगभग बेहोश होने वाला है।
फिलिप लोम्बार्ड ने सिर हिलाया।
उसने कहा:
"आज सुबह कोई मोटर बोट नहीं है। यह ठीक है। श्री ओवेन की छोटी- मोटी व्यवस्थाएं फिर से सामने आ गई हैं। श्री ओवेन का काम पूरा होने तक इंडियन आइलैंड को अलग-थलग रखा जाएगा।"
आर्मस्ट्रांग का चेहरा पीला पड़ गया था। उन्होंने कहा: "तुम्हें एहसास हो रहा है—वह आदमी ज़रूर पागल होगा!" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा, और उसकी आवाज़ में एक नया जोश था:
"एक बात ऐसी है जिसे मिस्टर ओवेन को समझ नहीं आई।"
"यह क्या है?"
"यह द्वीप लगभग एक नंगी चट्टान है। हम इसकी तलाशी जल्दी पूरी कर लेंगे। हम जल्द ही यू. एन. ओवेन, एस्क्वायर का पता लगा लेंगे।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने चेतावनी भरे लहजे में कहा।
वह खतरनाक साबित होगा।
फिलिप लोम्बार्ड हँस पड़ा।
"खतरनाक? बड़े दुष्ट भेड़िये से कौन डरता है? जब मैं उसे पकड़ लूंगा तो मैं खतरनाक हो जाऊंगा!"
वह रुका और बोला:
"हमें ब्लोर को मदद के लिए बुला लेना चाहिए। मुश्किल समय में वो बहुत काम आएगा। महिलाओं को मत बताना। बाकी लोगों की बात करें तो, मुझे लगता है जनरल का दिमाग खराब है, और बूढ़े वारग्रेव की

[illegible] [illegible] [illegible] [

अध्याय 8

ब्लोर आसानी से उनकी बातों में आ गया। उसने तुरंत उनकी दलीलों से सहमति जताई। "सर, आपने चीनी मिट्टी की उन मूर्तियों के बारे में जो कहा, उससे सब कुछ बदल जाता है। यह तो सरासर पागलपन है! बस एक ही बात है। क्या आपको नहीं लगता कि ओवेन का इरादा किसी और के ज़रिए काम करवाने का हो सकता है?"
"अपनी बात समझाओ, यार।"
"ठीक है, मेरा मतलब इस तरह है। कल रात के हंगामे के बाद, यह युवक श्री मार्स्टन घबरा जाता है और खुद को जहर दे देता है। और रोजर्स, वह..."

मैं
हत्या की 258 उत्कृष्ट कृतियाँ और फिर वहाँ
कोई नहीं थे 259

उसने उसे भी मार डाला! सब कुछ यू.एन.ओ. की योजना के अनुसार हुआ।" आर्मस्ट्रांग ने अपना सिर हिलाया। उन्होंने साइनाइड वाली बात पर ज़ोर दिया। ब्लोर सहमत हुए। "हाँ, मैं यह भूल गया था। इसे अपने साथ रखना स्वाभाविक नहीं है। लेकिन यह उसके पेय में कैसे पहुँचा, महोदय?" लोम्बार्ड ने कहा:
मैं इस बारे में सोच रहा था। मार्स्टन ने उस रात कई ड्रिंक्स पी थीं। आखिरी ड्रिंक पीने और उससे पहले वाली ड्रिंक खत्म करने के बीच काफी समय का अंतराल था। उस दौरान उसका गिलास किसी मेज पर पड़ा रहा होगा। मुझे लगता है - हालांकि मैं पक्का नहीं कह सकता -

कि वह खिड़की के पास वाली छोटी मेज पर था। खिड़की खुली थी। हो सकता है किसी ने गिलास में साइनाइड की एक खुराक मिला दी हो। ब्लोर ने अविश्वास से कहा:
"क्या हम सब उसे देखे बिना ही ऐसा कर पाएंगे, महोदय?" लॉम्बार्ड ने रूखेपन से कहा:
"हम सभी अन्य बातों को लेकर काफी चिंतित थे।"
आर्मस्ट्रांग ने धीरे-धीरे कहा:
"यह सच है। हम सब पर हमला हुआ था। हम कमरे में इधर-उधर घूम रहे थे। बहस कर रहे थे, गुस्से में थे, अपने-अपने काम में लगे हुए थे। मुझे लगता है कि ऐसा किया जा सकता था।"
ब्लोर ने अपने कंधे उचका दिए।
"सच तो यह है कि यह हो चुका होगा! तो चलिए, सज्जनों, शुरू करते हैं। क्या किसी के पास रिवॉल्वर है? मुझे लगता है कि इसकी उम्मीद करना बहुत ज्यादा है।" लोम्बार्ड ने कहा:
"मेरे पास एक है।" उसने अपनी जेब थपथपाई।
ब्लोर की आँखें बहुत चौड़ी हो गईं। उसने बेहद सहज लहजे में कहा: "क्या आप इसे हमेशा अपने साथ रखते हैं, महोदय?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"आमतौर पर। मैं कई बार मुश्किल परिस्थितियों में फंस चुका हूं, आप जानते हैं।"
"ओह," ब्लोर ने कहा और आगे बोला: "अच्छा, आज आप शायद ही कभी इतने मुश्किल हालात में रहे हों! अगर इस द्वीप पर कोई पागल छिपा है, तो उसके पास शायद हथियारों का जखीरा होगा - चाकू-छुरे तो होंगे ही।" आर्मस्ट्रांग खांस उठा।
"हो सकता है आप गलत हों, ब्लोर। कई हत्यारे पागल लोग बहुत शांत और विनम्र स्वभाव के होते हैं। बड़े ही प्यारे लोग।"

ब्लोर ने कहा:
"मुझे नहीं लगता कि यह उस तरह का मामला होगा, डॉ. आर्मस्ट्रांग।"

2

तीनों व्यक्तियों ने द्वीप का अपना दौरा शुरू किया।
यह अप्रत्याशित रूप से सरल साबित हुआ। उत्तर-पश्चिम दिशा में, तट की ओर, चट्टानें सीधे नीचे समुद्र में गिरती थीं, उनकी सतह चिकनी और अखंड थी। द्वीप के बाकी हिस्से में कोई पेड़ नहीं थे और बहुत कम वनस्पति थी। तीनों व्यक्ति सावधानीपूर्वक और व्यवस्थित रूप से काम करते हुए, सबसे ऊंचे बिंदु से पानी के किनारे तक ऊपर-नीचे खुदाई करते रहे, चट्टान में मौजूद हर छोटी से छोटी अनियमितता को बारीकी से देखते रहे जो किसी गुफा के प्रवेश द्वार का संकेत दे सकती थी। लेकिन वहां कोई गुफा नहीं थी।
अंततः वे पानी के किनारे-किनारे चलते हुए वहाँ पहुँचे जहाँ जनरल मैकार्थर समुद्र की ओर देखते हुए बैठे थे। चट्टानों से टकराती लहरों की हल्की आवाज़ से यहाँ का वातावरण बहुत शांत था। बूढ़ा व्यक्ति एकदम सीधा बैठा था, उसकी आँखें क्षितिज पर टिकी हुई थीं। उसने खोजकर्ताओं के आने पर कोई ध्यान नहीं दिया। उनकी इस बेपरवाही से कम से कम एक व्यक्ति को थोड़ी बेचैनी तो हुई ही। ब्लोर ने मन ही मन सोचा:
"यह स्वाभाविक नहीं लग रहा है—ऐसा लग रहा है जैसे वह किसी समाधि में चला गया हो।" उसने गला साफ किया और बातचीत के लहजे में कहा:

"महाराज, आपने अपने लिए बहुत ही शांत और बढ़िया जगह ढूंढ ली है।" जनरल ने भौंहें चढ़ाईं। उन्होंने एक नज़र पीछे मुड़कर देखी और कहा:
"समय बहुत कम है—बहुत कम समय। मैं सचमुच आग्रह करता हूँ कि कोई मुझे परेशान न करे।"
ब्लोर ने सौहार्दपूर्वक कहा:
"हम आपको परेशान नहीं करेंगे। हम बस द्वीप का भ्रमण कर रहे हैं, ऐसा समझ लीजिए। बस ऐसे ही सोच रहे थे कि कहीं कोई यहाँ छिपा तो नहीं है।" जनरल ने भौंहें चढ़ाकर कहा:
"तुम समझते नहीं हो—तुम्हें बिल्कुल भी समझ नहीं आता। कृपया चले जाओ।" ब्लोर पीछे हट गया। उसने बाकी दोनों के साथ जाते हुए कहा:
"वह पागल है... उससे बात करने का कोई फायदा नहीं है।" लोम्बार्ड ने कुछ जिज्ञासा के साथ पूछा:
"उसने क्या कहा?"
ब्लोर ने अपने कंधे उचका दिए।
हत्या की 260 उत्कृष्ट कृतियाँ

"कुछ ऐसा था कि समय नहीं था और वह परेशान नहीं होना चाहता था।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने माथे पर शिकन डाली। उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा: "अब मुझे आश्चर्य हो रहा है।"

3

द्वीप की खोज लगभग पूरी हो चुकी थी। तीनों आदमी सबसे ऊँचे स्थान पर खड़े होकर मुख्य भूमि की ओर देख रहे थे। कोई नाव नज़र नहीं आ

रही थी। हवा तेज़ हो रही थी। लोम्बार्ड ने कहा: "कोई मछली पकड़ने वाली नाव नहीं है। तूफ़ान आने वाला है। ये धिक्कार है, यहाँ से गाँव दिखाई नहीं दे रहा। हम संकेत भेज सकते हैं या कुछ और कर सकते हैं।" ब्लोर ने कहा: "हम आज रात अलाव जला सकते हैं।" लोम्बार्ड ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा: "मुसीबत ये है कि शायद इसके लिए पहले से ही इंतज़ाम कर लिया गया है।" "किस तरह से, महोदय?" "मुझे कैसे पता? शायद कोई मज़ाक हो। हमें यहाँ फँसा दिया जाएगा, संकेतों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, वगैरह। हो सकता है गाँव वालों को बता दिया गया हो कि कोई शर्त लगी है। कोई बेवकूफी भरी कहानी होगी।" ब्लोर ने संदेह से कहा: "क्या आपको लगता है कि वे इस पर विश्वास करेंगे?" लॉम्बार्ड ने रूखेपन से कहा: "सच से ज़्यादा इस पर विश्वास करना आसान है! अगर गाँव वालों को बताया जाए कि द्वीप को तब तक अलग-थलग रखा जाएगा जब तक कि मिस्टर अननोन ओवेन चुपचाप अपने सभी मेहमानों की हत्या न कर दें
- क्या आपको लगता है कि वे इस पर विश्वास करेंगे?" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा: "कई बार तो मुझे खुद भी इस पर विश्वास नहीं होता। और फिर भी..." फिलिप लॉम्बार्ड ने अपने दाँतों से होंठ पीछे की ओर मोड़ते हुए कहा: "और फिर भी यही तो बात है! आपने सही कहा, डॉक्टर!" ब्लोर पानी में नीचे देख रहा था। उसने कहा: "मुझे लगता है कि यहाँ कोई नीचे नहीं उतर सकता था?" आर्मस्ट्रांग ने अपना सिर हिलाया। "मुझे शक है। यह बहुत ही खड़ी ढलान है। और वह कहाँ छिप सकता था?" ब्लोर ने कहा:

और तब कोई नहीं था

261

"चट्टान में शायद कोई छेद हो। अगर हमारे पास अभी नाव होती, तो हम द्वीप के चारों ओर चक्कर लगा सकते थे।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"अगर हमारे पास नाव होती, तो हम सब अब तक मुख्य भूमि तक आधे रास्ते पहुँच चुके होते!"
"जी हां, महोदय।"
लोम्बार्ड ने अचानक कहा:
"हम इस चट्टान की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। यहाँ नीचे दाईं ओर थोड़ा सा ही गड्ढा हो सकता है। अगर आप लोग रस्सी का इंतजाम कर सकें, तो मुझे नीचे उतारकर सुरक्षा की पुष्टि कर सकते हैं।" ब्लोर ने कहा।
"पक्का कर लेना ही बेहतर है। हालांकि देखने में यह बेतुका लगता है! मैं देखता हूं कि क्या मुझे कुछ मिल सकता है।"
वह तेजी से घर की ओर चल पड़ा।
लॉम्बार्ड ने आकाश की ओर देखा। बादल घने होने लगे थे। हवा तेज़ हो रही थी।
उसने आर्मस्ट्रांग की ओर तिरछी नज़र डाली। उसने कहा:
"आप बहुत चुप हैं, डॉक्टर। आप क्या सोच रहे हैं?" आर्मस्ट्रांग ने धीरे से कहा:
मैं सोच रहा था कि बूढ़ा मैकार्थर वास्तव में कितना पागल था।

4

11

वेरा सुबह से ही बेचैन थी। वह एमिली ब्रेंट से एक तरह की घृणा और सिहरन के साथ बच रही थी।
मिस ब्रेंट खुद हवा से बचने के लिए घर के कोने में एक कुर्सी पर बैठ गई थीं। वह वहां बैठकर बुनाई कर रही थीं।
जब भी वेरा उसके बारे में सोचती, उसे एक पीला, डूबा हुआ चेहरा दिखाई देता, जिसके बालों में समुद्री शैवाल उलझे हुए थे... एक ऐसा चेहरा जो शायद कभी बेहद खूबसूरत रहा होगा—और जो अब दया या भय की पहुंच से परे था।
और एमिली ब्रेंट, शांत और नेक स्वभाव की, बुनाई कर रही थीं। मुख्य चबूतरे पर, न्यायमूर्ति वारग्रेव एक चौकीदार की कुर्सी पर दुबके बैठे थे। उनका सिर गर्दन में गहराई तक धंसा हुआ था। जब वेरा ने उसकी ओर देखा, तो उसे कटघरे में खड़ा एक आदमी दिखाई दिया—सुनहरे बालों और नीली आँखों वाला एक युवक, जिसका चेहरा भयभीत और व्याकुल था। एडवर्ड सेटन। और कल्पना में उसने देखा कि न्यायाधीश के अनुभवी सहायकों ने उसके सिर पर काली टोपी पहनाई और फैसला सुनाना शुरू किया।
कुछ देर बाद वेरा धीरे-धीरे समुद्र की ओर चली गई। वह चलती रही 262 हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

द्वीप के बिल्कुल आखिरी छोर की ओर, जहाँ एक बूढ़ा आदमी क्षितिज की ओर देखता हुआ बैठा था।
उसके आने पर जनरल मैकार्थर चौंक गए। उनका सिर घूमा—उनकी नज़र में सवाल और आशंका का एक अजीब मिश्रण था। इससे वह चौंक गईं। उन्होंने एक-दो मिनट तक उन्हें टकटकी लगाकर देखा।
उसने मन ही मन सोचा:
"कितना अजीब है। ऐसा लगता है जैसे उसे पहले से ही पता था।"

उसने कहा:
"अरे! तुम आ गए! तुम आ गए।"
वेरा उसके बगल में बैठ गई। उसने कहा:
"क्या आपको यहां बैठकर समुद्र को देखना अच्छा लगता है?" उसने धीरे से सिर हिलाया।
"हाँ," उसने कहा। "यह सुखद है। मुझे लगता है, प्रतीक्षा करने के लिए यह एक अच्छी जगह है।" "प्रतीक्षा करने के लिए?" वेरा ने तीखे स्वर में कहा। "आप किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं?" उसने नरमी से कहा:
"अंत। लेकिन मुझे लगता है कि आप यह जानते हैं, है ना? यह सच है, है ना? हम सब अंत का इंतजार कर रहे हैं।"
उसने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा:
"आपका क्या मतलब है?"
जनरल मैकार्थर ने गंभीरता से कहा:
"हममें से कोई भी द्वीप छोड़कर नहीं जाएगा। यही योजना है। आप इसे अच्छी तरह से जानते हैं। शायद आप राहत की भावना को नहीं समझ पा रहे हैं!" वेरा ने आश्चर्य से कहा।
"राहत?"
उसने कहा:
"हाँ। बेशक, तुम बहुत जवान हो... अभी तक तुम उस मुकाम तक नहीं पहुँचे हो। लेकिन वो समय ज़रूर आता है! जब तुम्हें पता चलता है कि तुमने सब कुछ खत्म कर दिया है—कि अब तुम्हें उस बोझ को और नहीं ढोना है—तो वह सुकून भरी राहत मिलती है।"

51

. ..

एक दिन आपको भी ऐसा ही महसूस होगा।
वेरा ने कर्कश स्वर में कहा:
"मुझे आपकी बात समझ नहीं आई।"

उसकी उंगलियां रुक-रुक कर चलने लगीं। उसे अचानक इस शांत बूढ़े सैनिक से डर लगने लगा।
उन्होंने विचारमग्न होकर कहा:
"देखो, मैं लेस्ली से प्यार करती थी। मैं उससे बहुत प्यार करती थी," वेरा ने सवालिया लहजे में कहा:
"क्या लेस्ली आपकी पत्नी थीं?"
"हां, मेरी पत्नी... मैं उससे प्यार करता था और मुझे उस पर बहुत गर्व था। वह बहुत सुंदर थी और बहुत खुशमिजाज थी।"

और तब कोई नहीं था

वह एक-दो मिनट तक चुप रहा, फिर बोला:
"हां, मैं लेस्ली से प्यार करती थी। इसीलिए मैंने ऐसा किया।" वेरा ने कहा:
"आपका मतलब-" और वह रुक गया।
जनरल मैकार्थर ने धीरे से अपना सिर हिलाया।
"अब इसे नकारने का कोई फायदा नहीं है—खासकर तब जब हम सब मरने वाले हैं। मैंने रिचमंड को मौत के मुंह में भेजा। मुझे लगता है, एक तरह से, यह हत्या थी। अजीब बात है। हत्या और मैं तो हमेशा से कानून का पालन करने वाला आदमी रहा हूँ! लेकिन उस समय ऐसा नहीं

लगा। मुझे कोई पछतावा नहीं था। 'उसके साथ जो होना चाहिए था, वह बिल्कुल सही हुआ!'—यही मैंने सोचा था। लेकिन बाद में—"
कठोर स्वर में वेरा ने कहा:
"अच्छा, उसके बाद?"
उसने अस्पष्ट रूप से अपना सिर हिलाया। वह उलझन में और थोड़ा परेशान लग रहा था। "मुझे नहीं पता। मुझे-नहीं पता। सब कुछ अलग था, आप देखिए। मुझे नहीं पता कि लेस्ली ने कभी अनुमान लगाया होगा या नहीं... मुझे नहीं लगता। लेकिन आप देखिए, मैं उसके बारे में अब कुछ नहीं जानता था। वह बहुत दूर चली गई थी जहाँ मैं उससे संपर्क नहीं कर सकता था। और फिर उसकी मृत्यु हो गई-और मैं अकेला रह गया।"
वेरा ने कहा:
"अकेली-अकेली-" और उसकी आवाज की गूंज चट्टानों से वापस उस तक पहुंची। जनरल मैकार्थर ने कहा:
"अंत आने पर तुम्हें भी खुशी होगी।" वेरा उठ खड़ी हुई। उसने तीखे स्वर में कहा:
मुझे समझ नहीं आया कि आप क्या कहना चाहते हैं!
उसने कहा:
"मुझे पता है, मेरे बच्चे, मुझे पता है।"
"तुम नहीं समझते। तुम बिल्कुल भी नहीं समझते।"
जनरल मैकार्थर ने एक बार फिर समुद्र की ओर देखा। उन्हें अपने पीछे उसकी उपस्थिति का एहसास नहीं था।
उन्होंने बहुत ही कोमल और मधुर स्वर में कहा:
"लेस्ली... टी"

5

जब ब्लोर अपनी बांह पर रस्सी लपेटे घर से लौटा, तो उसने आर्मस्ट्रांग को वहीं पाया जहाँ उसने उसे छोड़ा था, वह गहराई में घूर रहा था। ब्लोर ने हांफते हुए कहा:

मैं,
मैं
मैं
हत्या की 264 उत्कृष्ट कृतियाँ

"मिस्टर लोम्बार्ड कहाँ हैं?"
आर्मस्ट्रांग ने लापरवाही से कहा:
"किसी सिद्धांत की जांच करने गया है। एक मिनट में वापस आ जाएगा। देखो ब्लोर, मुझे चिंता हो रही है।"
"मुझे कहना चाहिए कि हम सभी चिंतित थे।"
डॉक्टर ने अधीरता से हाथ हिलाया।
"बिल्कुल-बिल्कुल। मेरा मतलब उस तरह से नहीं है। मैं पुराने मैकार्थर के बारे में सोच रहा हूँ।"
"उनके बारे में क्या, महोदय?"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने गंभीर स्वर में कहा:
"हम एक पागल आदमी की तलाश कर रहे हैं। मैकार्थर, इसकी क्या कीमत है?" ब्लोर ने अविश्वास से कहा।
"क्या आपका मतलब है कि वह हत्यारा है?"
आर्मस्ट्रांग ने संदेहपूर्वक कहा:
"मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था। एक पल के लिए भी नहीं। लेकिन ज़ाहिर है, मैं मानसिक रोगों का विशेषज्ञ नहीं हूँ। मैंने

वास्तव में उनसे कोई बातचीत नहीं की है—मैंने उस दृष्टिकोण से उनका अध्ययन नहीं किया है।" ब्लोर ने संशयपूर्वक कहा।
"हाँ, बिल्कुल! लेकिन मैंने ऐसा नहीं कहा होता-"
आर्मस्ट्रांग ने बड़ी मुश्किल से बात काटते हुए कहा, "शायद तुम सही कह रहे हो! धिक्कार है, द्वीप पर कोई न कोई जरूर छिपा होगा। आह! लोम्बार्ड आ रहा है।"
उन्होंने रस्सी को सावधानीपूर्वक बांधा।
लोम्बार्ड ने कहा:
"मैं अपनी पूरी मदद करूँगा। रस्सी पर अचानक पड़ने वाले तनाव पर नज़र रखना।" एक-दो मिनट बाद, जब वे दोनों साथ खड़े होकर लोम्बार्ड की प्रगति देख रहे थे, तब ब्लोर ने कहा:
"बिल्ली की तरह चढ़ता है, है ना?"
उसकी आवाज में कुछ अजीब सा था।
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
मुझे लगता है कि उन्होंने अपने समय में कुछ पर्वतारोहण जरूर किया होगा।
"शायद।"
कुछ देर सन्नाटा छा गया और पूर्व इंस्पेक्टर ने कहा:
"कुल मिलाकर एक अजीबोगरीब खाड़ी है। क्या आप जानते हैं कि मैं क्या सोचता हूँ?"
"क्या?"
"वह एक बदमाश है!"
आर्मस्ट्रांग ने संदेहपूर्वक कहा:
"किस तरह से?"

और तब कोई नहीं था

265

ब्लोर ने कराहते हुए कहा:
"मुझे ठीक से पता नहीं है। लेकिन मैं उस पर जरा भी भरोसा नहीं करूंगा।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा।
मुझे लगता है कि उन्होंने एक साहसिक जीवन जिया है।
ब्लोर ने कहा:
"मुझे यकीन है कि उनके कुछ कारनामों को काफी गुप्त रखना पड़ा होगा।" वह रुका और फिर बोला: "क्या आप अपने साथ रिवाल्वर लाए हैं, डॉक्टर?" आर्मस्ट्रांग घूरने लगा।
मैं? हे भगवान, नहीं। ऐसा क्यों होना चाहिए?
ब्लोर ने कहा:
"श्री लोम्बार्ड ने ऐसा क्यों किया?"
आर्मस्ट्रांग ने संदेहपूर्वक कहा:
"मुझे लगता है-आदत।"
ब्लोर ने नाक सिकोड़ी।
रस्सी पर अचानक एक ज़ोरदार झटका लगा। कुछ क्षणों के लिए उनके हाथ पूरी तरह से भर गए। थोड़ी देर बाद, जब तनाव कम हुआ, तो ब्लोर ने कहा:
"आदतें तो कई तरह की होती हैं! श्री लोम्बार्ड दूरदराज के इलाकों में रिवॉल्वर लेकर जाते हैं, यह तो बिल्कुल सही है, और साथ में प्राइमस, स्लीपिंग बैग और कीटनाशक पाउडर भी, इसमें कोई शक नहीं! लेकिन आदत के चलते वह ये सारा सामान यहाँ क्यों लाते? रिवॉल्वर साथ लेकर घूमना तो सिर्फ किताबों में ही देखने को मिलता है।"

डॉ. आर्मस्ट्रांग ने असमंजस में अपना सिर हिलाया।
वे झुककर लोम्बार्ड की प्रगति देखने लगे। उसकी खोज पूरी तरह से चल रही थी और वे तुरंत समझ गए कि यह व्यर्थ है। कुछ देर बाद वह चट्टान के किनारे पर आ गया। उसने अपने माथे से पसीना पोंछा। "खैर," उसने कहा। "हम मुश्किल में हैं। या तो घर मिलेगा या कहीं नहीं।"

6

घर की तलाशी आसानी से हो गई। उन्होंने पहले कुछ बाहरी इमारतों की तलाशी ली और फिर मुख्य इमारत पर ध्यान केंद्रित किया। रसोई की अलमारी में मिली श्रीमती रोजर्स की नापने की छड़ी ने उनकी मदद की। लेकिन कोई भी छिपी हुई जगह नहीं बची थी। सब कुछ स्पष्ट और सीधा था, एक आधुनिक इमारत जिसमें कोई छिपाव नहीं था। उन्होंने पहले भूतल की तलाशी ली। जैसे ही वे शयनकक्ष की मंजिल पर पहुँचे, उन्होंने लैंडिंग की खिड़की से देखा कि रोजर्स कॉकटेल की ट्रे लेकर छत पर जा रही थीं।

11 ,

11
हत्या की 266 उत्कृष्ट कृतियाँ

फिलिप लोम्बार्ड ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा:
"अद्भुत प्राणी, अच्छा सेवक। भावहीन चेहरे के साथ अपना काम करता रहता है।" आर्मस्ट्रांग ने प्रशंसा करते हुए कहा।

"रोजर्स एक बेहतरीन बटलर हैं, मैं उनके बारे में यही कहूंगा!" ब्लोर ने कहा:
"उनकी पत्नी भी काफी अच्छी खाना बनाती थीं। कल रात का खाना..." वे पहले बेडरूम में चले गए।
पांच मिनट बाद वे सीढ़ियों पर आमने-सामने आ गए। कोई भी नहीं छिपा था—छिपने की कोई जगह नहीं थी।
ब्लोर ने कहा:
"यहाँ एक छोटी सी सीढ़ी है।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
यह नौकरों के कमरे की ओर जाता है।
ब्लोर ने कहा:
"छत के नीचे कोई जगह तो होनी ही चाहिए—पानी की टंकी, टैंक आदि के लिए। यही सबसे अच्छा मौका है—और इकलौता मौका भी!"
और तभी, जब वे वहाँ खड़े थे, उन्हें ऊपर से एक आवाज़ सुनाई दी।
ऊपर से किसी के कदमों की दबी-दबी आहट।
उन सभी ने यह सुना। आर्मस्ट्रांग ने ब्लोर का हाथ पकड़ लिया। लोम्बार्ड ने चेतावनी भरे लहजे में उंगली उठाई।
"चुपचाप सुनो।"
फिर से वही आहट सुनाई दी—कोई धीरे-धीरे, दबे पांव ऊपर से गुजर रहा था। आर्मस्ट्रांग ने फुसफुसाते हुए कहा:
"वह असल में बेडरूम में ही है। उसी कमरे में जहां मिसेज रोजर्स का शव है।" ब्लोर ने फुसफुसाते हुए जवाब दिया:
"बिल्कुल! छिपने के लिए इससे बेहतर जगह और कोई नहीं हो सकती थी! वहाँ जाने की संभावना किसी की नहीं है। अब चुप रहो।"
वे दबे पांव सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गए।

बेडरूम के दरवाजे के बाहर छोटी सी जगह पर वे फिर रुक गए। हाँ, कमरे में कोई था। अंदर से हल्की सी चरमराहट की आवाज आई। ब्लोर ने फुसफुसाते हुए कहा:
"अब।"
उसने दरवाजा खोला और अंदर घुस गया, बाकी दोनों उसके पीछे-पीछे आए। फिर तीनों एकदम रुक गए।
रॉजर्स कमरे में मौजूद था, उसके हाथ कपड़ों से भरे हुए थे।

और तब कोई नहीं था

7

267

ब्लोर ने सबसे पहले खुद को संभाला। उन्होंने कहा:
"माफ़ करना-अरे-रोजर्स। मैंने यहाँ किसी के चलने-फिरने की आवाज़ सुनी और सोचा- खैर-" वह रुक गया।
रोजर्स ने कहा:
"माफ़ कीजिए, महोदय। मैं बस अपना सामान समेट रही थी। मुझे लगता है कि नीचे वाली मंज़िल पर खाली पड़े अतिथि कक्षों में से एक कमरा लेने में किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी? सबसे छोटा कमरा।" उन्होंने आर्मस्ट्रांग से बात की, और आर्मस्ट्रांग ने जवाब दिया:
"बिल्कुल। बिल्कुल। शुरू करो।"
उसने चादर ओढ़े बिस्तर पर लेटे हुए व्यक्ति की ओर देखने से परहेज किया। रोजर्स ने कहा:

"धन्यवाद महोदय।"
वह अपने सामान से भरी बांहों के साथ कमरे से बाहर निकला और सीढ़ियों से नीचे वाले तल पर चला गया।
आर्मस्ट्रांग बिस्तर के पास गए और चादर उठाकर मृत महिला के शांत चेहरे पर नज़र डाली। अब वहाँ कोई भय नहीं था। बस खालीपन था। आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"काश मेरा सामान यहाँ होता। मैं जानना चाहता हूँ कि वह कौन सी दवा थी।"
फिर वह बाकी दोनों की ओर मुड़ा।
"चलो इसे खत्म करते हैं। मुझे अंदर से महसूस हो रहा है कि हमें कुछ नहीं मिलेगा।" ब्लोर एक छोटे से मैनहोल के बोल्ट से जूझ रहा था। उसने कहा:
"वह आदमी बिल्कुल चुपचाप चलता है। एक-दो मिनट पहले हमने उसे बगीचे में देखा था। हममें से किसी ने भी उसे ऊपर आते हुए नहीं सुना।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"शायद इसीलिए हमने मान लिया कि यहाँ कोई अजनबी घूम रहा होगा।" ब्लोर एक गहरी अंधेरी गुफा में गायब हो गया। लोम्बार्ड ने अपनी जेब से टॉर्च निकाली और उसके पीछे गया।
पांच मिनट बाद तीन आदमी ऊपरी सीढ़ी पर खड़े होकर एक-दूसरे को देखने लगे। वे गंदे थे, मकड़ी के जालों से ढके हुए थे और उनके चेहरे उदास थे। द्वीप पर उनके अलावा कोई नहीं था।

मैं
मैं
और तब कोई नहीं था

अध्याय 9

लॉम्बार्ड सैम धीरे से बोला: "तो हम शुरू से ही पूरी तरह गलत थे! दो मौतों के संयोग मात्र से हमने अंधविश्वास और कल्पनाओं का एक दुःस्वप्न खड़ा कर दिया!"
आर्मस्ट्रांग ने गंभीरता से कहा:
"और फिर भी, आप जानते हैं, यह तर्क सही है। आखिर मैं एक डॉक्टर हूँ, मुझे आत्महत्याओं के बारे में कुछ तो पता है। एंथनी मार्स्टन आत्महत्या करने वाला व्यक्ति नहीं था।" लोम्बार्ड ने संदेह भरे लहजे में कहा:
"मुझे लगता है, यह कोई दुर्घटना नहीं हो सकती थी?" ब्लोर ने अविश्वास जताते हुए कहा।
"यह तो अजीबोगरीब हादसा है," उसने बड़बड़ाते हुए कहा। थोड़ी देर रुकने के बाद ब्लोर ने कहा:
"उस महिला के बारे में-" और वह रुक गया।
"श्रीमती रोजर्स?"
"हां। यह संभव है, है ना, कि यह एक दुर्घटना रही हो?" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"एक दुर्घटना? किस तरह की?"
ब्लोर थोड़ा शर्मिंदा लग रहा था। उसका लाल-ईंट जैसा चेहरा और भी लाल हो गया। उसने लगभग झट से बोलते हुए कहा:
"देखिए डॉक्टर, आपने उसे कुछ नशीली दवा दी थी, आपको पता है ना।" आर्मस्ट्रांग ने उसे घूर कर देखा।
"नशा? तुम्हारा क्या मतलब है?"

"कल रात। तुमने खुद कहा था कि तुम उसे कुछ ऐसा दोगे जिससे वह सो जाए।"
"ओह, हाँ, वही। एक हानिरहित शामक दवा।"
"यह वास्तव में क्या था?"
"मैंने उसे ट्रियोनल की हल्की खुराक दी। एक बिल्कुल हानिरहित दवा।" ब्लोर का चेहरा और भी लाल हो गया। उसने कहा:
"सीधी बात कहूँ तो, आपने उसे दवा की अधिक मात्रा तो नहीं दी?" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने गुस्से से कहा।
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं।
ब्लोर ने कहा:

मैं

मैं
मैं
। मैं

"ऐसा हो सकता है, है ना, कि आपसे कोई गलती हो गई हो? ऐसी चीजें कभी-कभार हो जाती हैं।"
आर्मस्ट्रांग ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"मैंने ऐसा कुछ नहीं किया। यह सुझाव बेतुका है।" वह रुका और ठंडे स्वर में बोला, "या आपका मतलब यह है कि मैंने जानबूझकर उसे दवा की अधिक मात्रा दी?"
फिलिप लोम्बार्ड ने तुरंत कहा:
"देखो तुम दोनों, हमें अपना संयम बनाए रखना होगा। एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाना शुरू मत करो।"

ब्लोर ने उदास स्वर में कहा:
"मैंने तो बस यही सुझाव दिया था कि डॉक्टर से गलती हुई है।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने बड़ी मुश्किल से मुस्कुराते हुए कहा। उन्होंने अपने दांत दिखाते हुए कुछ बेजान सी मुस्कान के साथ कहा:
"डॉक्टर इस तरह की गलतियाँ करने का जोखिम नहीं उठा सकते, मेरे दोस्त।" ब्लोर ने जानबूझकर कहा:
"अगर उस ग्रामोफोन रिकॉर्ड पर यकीन किया जाए तो यह आपका पहला रिकॉर्ड नहीं होगा!"
आर्मस्ट्रांग का चेहरा पीला पड़ गया। फिलिप लोम्बार्ड ने जल्दी से और गुस्से में ब्लोर से कहा:
"खुद को अपमानित करने का क्या मतलब है? हम सब एक ही नाव में हैं। हमें मिलकर काम करना होगा। तुम्हारी झूठी गवाही का क्या?" ब्लोर एक कदम आगे बढ़ा, उसकी मुट्ठियाँ भींची हुई थीं। उसने भारी आवाज़ में कहा: "झूठी गवाही धिक्कार है! यह घिनौना झूठ है! आप मुझे चुप कराने की कोशिश कर सकते हैं, मिस्टर लोम्बार्ड, लेकिन कुछ बातें हैं जो मैं जानना चाहता हूँ - और उनमें से एक आपके बारे में है!"
लॉम्बार्ड की भौहें तन गईं।
"मेरे बारे में?"
"जी हाँ। मैं जानना चाहता हूँ कि आप एक सुखद सामाजिक मुलाकात के दौरान यहाँ रिवॉल्वर क्यों लेकर आए?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"क्या सच में?"
"जी हां, मैं करता हूं, श्री लोम्बार्ड।"
लॉम्बार्ड ने अप्रत्याशित रूप से कहा:

"जानते हो, ब्लोर, तुम उतने मूर्ख नहीं हो जितना दिखते हो।" "ऐसा हो सकता है। उस रिवॉल्वर का क्या हुआ?" लोम्बार्ड मुस्कुराया।
"मैं इसे इसलिए लाया क्योंकि मुझे थोड़ी परेशानी होने की आशंका थी," ब्लोर ने संदेह भरे लहजे में कहा।
"आपने हमें यह बात कल रात नहीं बताई थी।"

मैं,

मैं

आर

मैं
हत्या की 270 उत्कृष्ट कृतियाँ और फिर वहाँ
कोई नहीं थे 271

लोम्बार्ड ने अपना सिर हिलाया।
"क्या आप हमसे कुछ छिपा रहे थे?" ब्लोर ने जोर देकर पूछा।
"एक तरह से, हाँ," लोम्बार्ड ने कहा।
"अच्छा, चलो बताओ।"
लोम्बार्ड ने धीरे से कहा:
"मैंने आप सबको यह सोचने दिया कि मुझे भी बाकी लोगों की तरह ही यहाँ बुलाया गया था। लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। दरअसल, एक छोटे से यहूदी लड़के, मॉरिस ने मुझसे संपर्क किया था। उसने मुझे यहाँ आने और सतर्क रहने के लिए सौ गिनी देने की पेशकश की - उसने

कहा कि मुश्किल हालात में भी एक अच्छे इंसान के तौर पर मेरी अच्छी प्रतिष्ठा है।"
"तो?" ब्लोर ने अधीरता से पूछा।
लॉम्बार्ड ने मुस्कुराते हुए कहा:
"बस इतना ही।')
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"लेकिन उसने आपको इससे ज्यादा जरूर बताया होगा?"
"अरे नहीं, उसने ऐसा नहीं कहा। एकदम चुप रहो। मैं इसे मानो या न मानो, ये उसके शब्द थे। मैं तंगी में था। मैंने इसे मान लिया।" ब्लोर को यकीन नहीं हुआ। उसने कहा:
"आपने ये सब बातें हमें कल रात क्यों नहीं बताईं?"
"मेरे प्रिय मित्र-" लोम्बार्ड ने भावपूर्ण ढंग से कंधे उचकाए। "मुझे कैसे पता चलता कि पिछली रात जो कुछ हुआ, वह ठीक वैसा नहीं था जैसा मुझे यहाँ सामना करना था? मैं चुपचाप बैठा रहा और एक अस्पष्ट कहानी सुनाई।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने चतुराई से कहा:
"लेकिन अब—आप अलग तरह से सोचते हैं?"
लॉम्बार्ड का चेहरा बदल गया। वह काला पड़ गया और कठोर हो गया। उसने कहा:
"हाँ। अब मुझे यकीन हो गया है कि मैं भी आप सब की तरह उसी नाव में सवार हूँ। वो सौ गिनीज़ तो बस मिस्टर ओवेन का एक छोटा सा छल था, जिससे मुझे भी आप सबके साथ इस जाल में फंसाया जा सके।" उन्होंने धीरे से कहा:
"हम एक जाल में फँसे हैं—मैं कसम खाकर कहता हूँ! श्रीमती रोजर्स की मौत! टोनी मार्स्टन की! खाने की मेज से गायब होते भारतीय लड़के! ओह, हाँ, मिस्टर ओवेन का हाथ साफ तौर पर दिख रहा है

— लेकिन आखिर मिस्टर ओवेन खुद कहाँ हैं?" नीचे दोपहर के भोजन के लिए घंटी बजी।

2

रॉजर्स भोजन कक्ष के दरवाजे के पास खड़ा था। जैसे ही तीनों आदमी सीढ़ियों से नीचे उतरे, वह एक-दो कदम आगे बढ़ा। उसने धीमी, चिंतित आवाज में कहा:

"मुझे उम्मीद है कि दोपहर का भोजन संतोषजनक होगा। ठंडा हैम और ठंडी जीभ है, और मैंने कुछ आलू उबाले हैं। साथ ही पनीर, बिस्कुट और कुछ डिब्बाबंद फल भी हैं।" लोम्बार्ड ने कहा:
"ठीक लग रहा है। तो दुकानें अभी भी इंतज़ार कर रही हैं?"
"यहाँ पर्याप्त भोजन है, महोदय—डिब्बाबंद भोजन। भंडार पूरी तरह भरा हुआ है। यह एक आवश्यकता है, महोदय, खासकर ऐसे द्वीप पर जहाँ कोई व्यक्ति काफी समय तक मुख्य भूमि से कटा रह सकता है।" लोम्बार्ड ने सिर हिलाया।
रॉजर्स ने बुदबुदाते हुए उन तीनों आदमियों के पीछे-पीछे भोजन कक्ष में प्रवेश किया:
"मुझे इस बात की चिंता है कि फ्रेड नारकोट आज नहीं आए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जैसा कि आप कह सकते हैं।"
"जी हां," लोम्बार्ड ने कहा, "बेहद दुर्भाग्यपूर्ण" शब्द इसे बखूबी बयां करता है। मिस ब्रेंट कमरे में आईं। उन्होंने अभी- अभी ऊन का एक गोला गिराया था और वे सावधानी से उसके सिरे को समेट रही थीं।
टेबल पर बैठते ही उसने कहा:

"मौसम बदल रहा है। हवा काफी तेज चल रही है और समुद्र पर सफेद लहरें उठ रही हैं।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव अंदर आए। वे धीमी, सधी हुई चाल से चल रहे थे। उन्होंने अपनी घनी भौहों के नीचे से भोजन कक्ष में बैठे अन्य लोगों पर त्वरित नज़र डाली। उन्होंने कहा:
"आपकी सुबह काफी सक्रिय रही है।"
उसकी आवाज में एक हल्की सी द्वेषपूर्ण खुशी झलक रही थी।
वेरा क्लेथॉर्न जल्दी से अंदर आई। उसकी सांस थोड़ी फूल रही थी। उसने जल्दी से कहा:
"मुझे उम्मीद है कि आपने मेरा इंतजार नहीं किया होगा। क्या मैं देर से आई हूँ?" एमिली ब्रेंट ने कहा।
"तुम आखिरी नहीं हो। जनरल अभी तक नहीं आए हैं।" वे मेज के चारों ओर बैठ गए।
रॉजर्स ने मिस ब्रेंट को संबोधित किया:
"क्या आप शुरू करेंगी, महोदया, या प्रतीक्षा करेंगी?" वेरा ने कहा:
"जनरल मैकार्थर समुद्र के किनारे बैठे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें वहाँ घंटी की आवाज़ सुनाई देगी और वैसे भी" - वह हिचकिचाई
- "मुझे लगता है कि आज उनका मूड थोड़ा अनिश्चित है।" रोजर्स ने जल्दी से कहा:
"मैं नीचे जाकर उन्हें बता देता हूँ कि दोपहर का भोजन तैयार है।" डॉ. आर्मस्ट्रांग उछल पड़े।
"मैं जाता हूँ," उसने कहा। "बाकी लोग दोपहर का भोजन शुरू करें।" 272 हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

वह कमरे से बाहर निकल गया। उसके पीछे उसे रोजर्स की आवाज सुनाई दी। "क्या आप ठंडी जीभ लेंगी या ठंडा हैम, मैडम?"

3

मेज के चारों ओर बैठे पाँचों लोगों को बातचीत करने में कठिनाई हो रही थी। बाहर अचानक हवा के झोंके आए और फिर शांत हो गए। वेरा थोड़ी काँपी और बोली:
"तूफान आने वाला है।"
ब्लोर ने चर्चा में अपना योगदान दिया। उन्होंने बातचीत के लहजे में कहा:
"कल प्लायमाउथ से आने वाली ट्रेन में एक बूढ़ा आदमी था। वो बार-बार कह रहा था कि तूफान आने वाला है। कमाल है, ये बूढ़े लोग मौसम के बारे में कितना कुछ जानते हैं।" रोजर्स मेज के चारों ओर घूमकर मांस की प्लेटें इकट्ठा करने लगा। अचानक, हाथों में प्लेटें पकड़े हुए, वो रुक गया। उसने एक अजीब, डरी हुई आवाज़ में कहा:
"कोई भाग रहा है.."
वे सब इसे सुन सकते थे—छत पर दौड़ते कदमों की आहट। उसी क्षण, वे सब जान गए—बिना बताए ही जान गए।. . . सबने मिलकर अपने पैरों पर खड़े हो गए। वे दरवाजे की ओर देखने लगे।
डॉ. आर्मस्ट्रांग सांसें तेज-तेज लेते हुए प्रकट हुए।
उसने कहा:
"जनरल मैकार्थर-"
"मर गया!" ये शब्द वेरा के मुंह से विस्फोटक ढंग से निकले।
आर्मस्ट्रांग ने कहा:

"हां, उसकी मौत हो गई है।"
एक लंबा विराम आया।
सातों लोगों ने एक-दूसरे को देखा और उनके पास कहने के लिए कोई शब्द नहीं थे।

4

जैसे ही बूढ़े व्यक्ति का शव दरवाजे से अंदर लाया गया, तूफान थम गया। बाकी लोग हॉल में खड़े थे।
बारिश के साथ ही अचानक एक तेज फुफकार और गर्जना सुनाई दी। जब ब्लोर और आर्मस्ट्रांग अपना बोझ लेकर सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे,

और तब कोई नहीं था

वेरा क्लेथॉर्न अचानक मुड़ी और सुनसान भोजन कक्ष में चली गई। वह वैसा ही था जैसा उन्होंने छोड़ा था। मिठाई की प्लेटें साइडबोर्ड पर रखी थीं, जिन्हें अभी तक चखा नहीं गया था।
वेरा मेज के पास गई। एक-दो मिनट बाद जब वह वहाँ थी, तभी रोजर्स धीरे से कमरे में आया।
उसे देखते ही वह चौंक गया। फिर उसकी आँखों ने एक सवाल पूछा। उसने कहा:
"ओह, मिस, मैं तो बस देखने आया था..."
वेरा ने खुद को भी आश्चर्यचकित करते हुए तेज और कर्कश आवाज में कहा:

"आप बिलकुल सही कह रहे हैं, रोजर्स। खुद देख लीजिए। केवल सात ही हैं..."
। । पी)

5

जनरल मैकार्थर को उनके बिस्तर पर लिटाया गया था।
अंतिम जांच करने के बाद आर्मस्ट्रांग कमरे से बाहर निकलकर नीचे आ गए। उन्होंने देखा कि बाकी सब लोग ड्राइंग रूम में इकट्ठा थे। मिस ब्रेंट बुनाई कर रही थीं। वेरा क्लेथॉर्न खिड़की के पास खड़ी होकर फुफकारती बारिश को देख रही थीं। ब्लोर कुर्सी पर सीधे बैठे थे, उनके हाथ घुटनों पर थे। लोम्बार्ड बेचैनी से इधर-उधर घूम रहे थे। कमरे के दूसरे छोर पर न्यायमूर्ति वारग्रेव एक बड़ी कुर्सी पर बैठे थे। उनकी आंखें आधी बंद थीं। डॉक्टर के कमरे में आते ही उनकी आंखें खुल गईं। उन्होंने स्पष्ट और मर्मस्पर्शी आवाज में कहा:
"तो, डॉक्टर साहब?"
आर्मस्ट्रांग का चेहरा बेहद पीला पड़ गया था। उन्होंने कहा: "दिल का दौरा पड़ने या ऐसी किसी बात का कोई सवाल ही नहीं है। मैकार्थर के सिर के पिछले हिस्से पर लाइफ प्रेज़रवर या इसी तरह की किसी चीज़ से चोट लगी थी।" हल्की फुसफुसाहट हुई, लेकिन न्यायाधीश की स्पष्ट आवाज़ एक बार फिर बुलंद हुई।
"क्या आपको इस्तेमाल किया गया असली हथियार मिला?"
'नहीं।
"फिर भी क्या आप अपने तथ्यों के बारे में आश्वस्त हैं?"
"मैं बिल्कुल आश्वस्त हूं।"

न्यायमूर्ति वारग्रेव ने धीमी आवाज़ में कहा:
"अब हमें ठीक-ठीक पता है कि हम कहाँ हैं।"
अब इसमें कोई संदेह नहीं था कि स्थिति का नियंत्रण किसके हाथ में था। आज सुबह वारग्रेव छत पर अपनी कुर्सी पर दुबके बैठे थे। 276 मास्टरपीस ऑफ मर्डर

उन्होंने कहा, "दुर्भाग्यवश, हम सभी इसी स्थिति में हैं। हमारे पास भरोसा करने के लिए केवल हमारी अपनी बात ही है।"
वह आगे की ओर झुका।
"आपमें से किसी को भी अभी तक यह समझ नहीं आया है कि यह कितनी विचित्र स्थिति है। मेरे विचार से केवल एक ही रास्ता है। क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जिसे हम 'हमारे पास मौजूद सबूतों' के आधार पर संदेह से पूरी तरह मुक्त कर सकते हैं?" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने जल्दी से कहा।
"मैं एक सुप्रसिद्ध पेशेवर व्यक्ति हूँ। मात्र यह विचार कि मुझ पर संदेह किया जा सकता है-" न्यायाधीश के हाथ के इशारे ने वक्ता को अपना भाषण पूरा करने से पहले ही रोक दिया। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी शांत और स्पष्ट आवाज़ में कहा:
"मैं भी एक प्रसिद्ध व्यक्ति हूँ! लेकिन, मेरे प्रिय महोदय, इससे कुछ भी साबित नहीं होता! डॉक्टर पहले भी पागल हो चुके हैं। जज पागल हो चुके हैं। और," उन्होंने ब्लोर की ओर देखते हुए कहा, "पुलिसवाले भी पागल हो चुके हैं!" लोम्बार्ड ने कहा:
"खैर, मुझे लगता है कि आप महिलाओं को इसमें शामिल नहीं करेंगे।" जज की भौंहें तन गईं। उन्होंने उसी तीखे लहजे में कहा, जिसे वकील साहब बखूबी जानते थे:

"क्या मैं यह समझूं कि आप यह कहना चाह रहे हैं कि महिलाएं हत्या के उन्माद से ग्रस्त नहीं होतीं?" लोम्बार्ड ने चिड़चिड़ाते हुए कहा।
"बिल्कुल नहीं। लेकिन फिर भी, यह लगभग असंभव लगता है-" वह रुक गए। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने उसी पतली, कर्कश आवाज में आर्मस्ट्रांग को संबोधित किया।
"डॉक्टर आर्मस्ट्रांग, मेरा मानना है कि एक महिला शारीरिक रूप से उस प्रहार को करने में सक्षम रही होगी जिससे बेचारे मैकार्थर की मृत्यु हुई?" डॉक्टर ने शांत भाव से कहा:
"उपयुक्त उपकरण दिए जाने पर, जैसे कि रबर का डंडा या लाठी, वह पूरी तरह से सक्षम है।"
"क्या इसके लिए अनावश्यक बल प्रयोग की आवश्यकता होगी?" "बिल्कुल नहीं।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी कछुए जैसी गर्दन को हिलाया। उन्होंने कहा:
"अन्य दो मौतें दवाओं के सेवन के कारण हुई हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा कि यह काम सबसे कम शारीरिक शक्ति वाले व्यक्ति द्वारा भी आसानी से किया जा सकता है।"
वेरा गुस्से से रोने लगी:
मुझे लगता है तुम पागल हो गए हो!
उसकी निगाहें धीरे-धीरे घूमीं और अंत में उस पर टिक गईं। यह एक ऐसे व्यक्ति की भावहीन निगाह थी जो मानवता को परखने में माहिर था। उसने सोचा:

और तब कोई नहीं था

एफ टी;
- 1

मैं

मैं

मैं

मैं

मैं

मैं

"वह मुझे बस एक नमूने के रूप में देख रहा है। और" - यह विचार उसके मन में सचमुच आश्चर्य के साथ आया - "वह मुझे ज़्यादा पसंद नहीं करता!"
न्यायाधीश संयमित स्वर में कह रहे थे:
"मेरी प्यारी युवती, कृपया अपनी भावनाओं पर काबू रखने की कोशिश करें। मैं आप पर कोई आरोप नहीं लगा रहा हूँ।" उन्होंने मिस ब्रेंट को झुककर प्रणाम किया। "मुझे आशा है, मिस ब्रेंट, कि आप मेरे इस आग्रह से नाराज़ नहीं होंगी कि हम सभी समान रूप से संदेह के घेरे में हैं?" एमिली ब्रेंट बुनाई कर रही थीं। उन्होंने ऊपर नहीं देखा। ठंडी आवाज़ में उन्होंने कहा:

"यह सोचना कि मुझ पर एक साथी प्राणी की जान लेने का आरोप लगाया जाए - और वह भी तीन साथी प्राणियों की जान लेने का - मेरे चरित्र को जानने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए बिल्कुल बेतुका है। लेकिन मैं इस बात को भलीभांति समझता हूँ कि हम सब एक-दूसरे के लिए अजनबी हैं और ऐसी परिस्थितियों में, पूर्ण प्रमाण के बिना किसी को भी निर्दोष साबित नहीं किया जा सकता। जैसा कि मैंने कहा है, हमारे बीच एक शैतान मौजूद है।"
न्यायाधीश ने कहा:
"तो हम सहमत हैं। केवल चरित्र या पद के आधार पर किसी को भी बाहर नहीं किया जा सकता।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"रोजर्स के बारे में क्या?"
न्यायाधीश ने बिना पलक झपकाए उसे देखा।
"उसकी क्या खबर है?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"खैर, मेरे विचार से तो रोजर्स की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"जी हां, और किन आधारों पर?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"एक तो उसमें अक्ल नहीं है। और दूसरी बात, उसकी पत्नी भी पीड़ितों में से एक थी।"
जज की भारी भौहें एक बार फिर उठीं। उन्होंने कहा:
"मेरे समय में, हे युवक, कई लोग अपनी पत्नियों की हत्या के आरोप में मेरे सामने आए हैं और उन्हें दोषी पाया गया है।"
"ओह! मैं सहमत हूँ। पत्नी की हत्या बिल्कुल संभव है - लगभग स्वाभाविक, मान लीजिए!"

लेकिन इस तरह का नहीं! मैं मान सकता हूँ कि रोजर्स ने अपनी पत्नी की हत्या इसलिए की क्योंकि उसे डर था कि वह टूट जाएगी और उसका भेद खोल देगी, या इसलिए कि वह उसे नापसंद करने लगा था, या इसलिए कि वह किसी कम उम्र की, सुंदर और आकर्षक महिला के साथ संबंध बनाना चाहता था। लेकिन मैं उसे मिस्टर ओवेन जैसे पागल के रूप में नहीं देख सकता, जो अपनी ही पत्नी पर उस अपराध के लिए अत्याचार कर रहा है जो उन दोनों ने किया था। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"आप सुनी-सुनाई बातों को सबूत मान रहे हैं। हमें नहीं पता कि रोजर्स और उसकी पत्नी ने अपने मालिक की हत्या की साजिश रची थी। यह बात हत्या की 278 उत्कृष्ट कृतियों में दर्ज हो सकती है।"

यह एक झूठा बयान हो सकता है, जो इसलिए दिया गया ताकि रोजर्स हमारे जैसी ही स्थिति में दिखाई दें। श्रीमती रोजर्स को कल रात जो दहशत हुई होगी, उसका कारण शायद यह एहसास होना था कि उनके पति मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं। लोम्बार्ड ने कहा:
"ठीक है, जैसा आप चाहें। यू. एन. ओवेन हममें से एक है। कोई छल नहीं चलेगा। हम सभी योग्य हैं।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"मेरा कहना यह है कि चरित्र, पद या संभावना के आधार पर कोई अपवाद नहीं हो सकता। अब हमें तथ्यों के आधार पर एक या अधिक व्यक्तियों को इस मामले से बाहर करने की संभावना की जांच करनी होगी। सीधे शब्दों में कहें तो, क्या हमारे बीच एक या अधिक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने न तो एंथोनी मार्स्टन को साइनाइड दिया हो, न ही श्रीमती रोजर्स को नींद की दवा की अधिक मात्रा दी हो, और

जिन्हें जनरल मैकार्थर को मारने वाला वार करने का अवसर न मिला हो?" ब्लोर का कुछ गंभीर चेहरा चमक उठा। वह आगे की ओर झुके।
“अब बात बनी, महोदय!” उन्होंने कहा। “यही तो असली मुद्दा है! चलिए इस पर बात करते हैं। जहाँ तक युवा मार्स्टन की बात है, मुझे नहीं लगता कि कुछ किया जा सकता है। पहले ही यह सुझाव दिया जा चुका है कि किसी बाहरी व्यक्ति ने आखिरी बार गिलास भरने से पहले उसमें बची हुई शराब में कुछ मिला दिया होगा। कमरे में मौजूद कोई व्यक्ति तो यह काम और भी आसानी से कर सकता था। मुझे याद नहीं कि रोजर्स कमरे में था या नहीं, लेकिन हममें से कोई भी ऐसा कर सकता था।”
वह थोड़ी देर रुका, फिर आगे बोला।
"अब रोजर्स नाम की महिला को ही ले लीजिए। वहां जो लोग सबसे अलग दिख रहे हैं, वे हैं उसका पति और डॉक्टर। उनमें से कोई भी पलक झपकाते ही यह काम कर सकता था-" आर्मस्ट्रांग उछलकर खड़ा हो गया। वह कांप रहा था।
मैं विरोध करता हूँ- यह बिल्कुल अनुचित है! मैं शपथ लेता हूँ कि मैंने महिला को जो खुराक दी थी वह पूरी तरह से सही थी-"
"डॉ. आर्मस्ट्रांग।"
वह कर्कश, धीमी आवाज़ बहुत प्रभावशाली थी। डॉक्टर अचानक अपनी बात बीच में ही रोक बैठे। वह ठंडी, धीमी आवाज़ फिर से सुनाई दी। "आपका आक्रोश बिल्कुल स्वाभाविक है। फिर भी आपको यह मानना होगा कि सच्चाई का सामना करना ही होगा। आप या रोजर्स, दोनों में से कोई भी बड़ी आसानी से घातक खुराक दे सकता था। चलिए अब वहां मौजूद अन्य लोगों की स्थिति पर विचार करते हैं। क्या मेरे, इंस्पेक्टर ब्लोर के, मिस ब्रेंट के, मिस क्लेथॉर्न के, या मिस्टर लोम्बार्ड के पास जहर देने का कोई मौका था? क्या हममें

से किसी को पूरी तरह से दोषमुक्त किया जा सकता है?" वह रुका। "मुझे नहीं लगता।"
वेरा ने गुस्से से कहा:

और तब कोई नहीं था

"मैं उस महिला के आस-पास भी नहीं था! आप सभी इसकी गवाही दे सकते हैं।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने एक मिनट प्रतीक्षा की, फिर कहा: जहां तक मुझे याद है, घटनाएँ कुछ इस प्रकार थीं - अगर मैंने कोई गलती की हो तो कृपया कोई मुझे सुधार दे? एंथनी मार्स्टन ने श्रीमती रोजर्स को सोफे पर लिटाया और श्री लोम्बार्ड और डॉक्टर आर्मस्ट्रांग उनके पास गए। उन्होंने रोजर्स को ब्रांडी लाने के लिए भेजा। फिर यह सवाल उठा कि अभी-अभी जो आवाज हमने सुनी थी, वह कहां से आई थी। हम सभी अगले कमरे में चले गए, सिवाय मिस ब्रेंट के, जो इस कमरे में बेहोश महिला के साथ अकेली रहीं। एमिली ब्रेंट के गालों पर लाली छा गई। उसने बुनाई रोक दी। उसने कहा: "यह तो हद ही हो गई!"
निर्मम धीमी आवाज लगातार जारी रही।
"जब हम इस कमरे में वापस आए, तो आप, मिस ब्रेंट, सोफे पर लेटी महिला के ऊपर झुकी हुई थीं।"
एमिली ब्रेंट ने कहा:
क्या सामान्य मानवता एक आपराधिक अपराध है?
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"मैं केवल तथ्यों की पुष्टि कर रहा हूँ। इसके बाद रोजर्स ब्रांडी लेकर कमरे में दाखिल हुआ, जिसे उसने कमरे में प्रवेश करने से पहले मिलावट करके रखा होगा। महिला को ब्रांडी पिलाई गई

और कुछ ही देर बाद उसके पति और डॉ. आर्मस्ट्रांग ने उसे बिस्तर पर लिटाया, जहाँ डॉ. आर्मस्ट्रांग ने उसे एक शामक दवा दी।" ब्लोर ने कहा।
"बिल्कुल यही हुआ। और इसी से जज, मिस्टर लोम्बार्ड, मैं और मिस क्लेथॉर्न को रिहा कर दिया गया।"
उसकी आवाज बुलंद और उल्लासपूर्ण थी। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने उस पर कठोर दृष्टि डालते हुए धीरे से कहा:
"लेकिन क्या सच में ऐसा है? हमें हर संभावित स्थिति पर विचार करना होगा।" ब्लोर ने हैरानी से देखा। उसने कहा:
मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही है।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
ऊपर अपने कमरे में, श्रीमती रोजर्स बिस्तर पर लेटी हैं। डॉक्टर द्वारा दी गई नींद की दवा का असर शुरू हो गया है। उन्हें हल्की- हल्की नींद आ रही है और वे शांत हैं। मान लीजिए कि उसी क्षण दरवाजे पर दस्तक होती है और कोई अंदर आता है, उनके लिए, मान लीजिए, एक गोली या कोई दवा लेकर, यह संदेश लेकर कि 'डॉक्टर ने कहा है कि आपको यह लेनी है।' क्या आप एक पल के लिए भी यह कल्पना कर सकते हैं कि वह बिना दो बार सोचे-समझे आज्ञाकारी रूप से उसे निगल नहीं लेंगी?

हत्या की 280 उत्कृष्ट कृतियाँ

सन्नाटा छा गया। ब्लोर ने अपने पैर हिलाए और भौंहें चढ़ाईं। फिलिप लोम्बार्ड ने कहा: "मुझे इस कहानी पर ज़रा भी विश्वास नहीं है। इसके अलावा, हममें से कोई भी घंटों तक इस कमरे से बाहर

नहीं निकला। मार्स्टन की मौत हो गई थी और बाकी सब कुछ हो चुका था।" जज ने कहा:
"कोई अपना कमरा बाद में छोड़ सकता था।" लोम्बार्ड ने आपत्ति जताई:
"लेकिन तब तो रोजर्स भी वहां होते।" डॉ. आर्मस्ट्रांग थोड़ा हिले।
“नहीं,” उसने कहा। “रोजर्स नीचे डाइनिंग रूम और पेंट्री में सफाई करने गया था। उस समय कोई भी बिना देखे महिला के बेडरूम में जा सकता था।” एमिली ब्रेंट ने कहा:
"निश्चित रूप से, डॉक्टर, आपके द्वारा दी गई दवा के प्रभाव से वह महिला तब तक गहरी नींद में सो गई होगी?"
"संभवतः, हाँ। लेकिन यह निश्चित नहीं है। जब तक आप किसी मरीज को एक से अधिक बार दवा न लिख दें, तब तक आप विभिन्न दवाओं के प्रति उनकी प्रतिक्रिया का अनुमान नहीं लगा सकते। कभी-कभी, शामक दवा का असर होने में काफी समय लग जाता है। यह उस विशेष दवा के प्रति मरीज की व्यक्तिगत संवेदनशीलता पर निर्भर करता है।" लोम्बार्ड ने कहा:
"बेशक आप यही कहेंगे, डॉक्टर। क्या यही आपके लिए सही है?" आर्मस्ट्रांग का चेहरा एक बार फिर गुस्से से लाल हो गया। लेकिन फिर से उस भावहीन, ठंडी, छोटी सी आवाज ने उसके होठों पर आए शब्दों को रोक दिया।
"आरोप-प्रत्यारोप से कोई अच्छा परिणाम नहीं निकल सकता। हमें तथ्यों से निपटना होगा। मुझे लगता है कि यह स्थापित है कि मैंने जिस घटना का वर्णन किया है, उसके घटित होने की संभावना है। मैं सहमत हूँ कि इसकी संभावना अधिक नहीं है; हालाँकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह व्यक्ति कौन हो सकता था। मिस ब्रेंट या

मिस क्लेथॉर्न का ऐसे किसी काम से आना रोगी के मन में कोई आश्चर्य उत्पन्न नहीं करता। मैं सहमत हूँ कि मेरा, या श्री ब्लोर का, या श्री लोम्बार्ड का आना कम से कम असामान्य तो होता ही, लेकिन फिर भी मुझे लगता है कि इस मुलाकात को बिना किसी वास्तविक संदेह के स्वीकार कर लिया जाता।" ब्लोर ने कहा:
"और इससे हमें क्या मिलेगा?"

और तब कोई नहीं था

7

न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपने हाथ को सहलाते हुए और बिल्कुल भावहीन और अमानवीय दिखते हुए कहा:
"हमने अब दूसरी हत्या का मामला सुलझा लिया है, और यह साबित कर दिया है कि हममें से किसी को भी संदेह से पूरी तरह मुक्त नहीं किया जा सकता।" वह रुका और फिर बोला।
अब हम जनरल मैकार्थर की मृत्यु की बात करते हैं। यह घटना आज सुबह घटी। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूँ जिनके पास इस घटना के समय मौजूद न होने का कोई पुख्ता सबूत है, वे इसे स्पष्ट शब्दों में बताएं। मैं स्वयं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि मेरे पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है। मैंने आज सुबह छत पर बैठकर उस विलक्षण स्थिति पर चिंतन किया जिसमें हम सभी स्वयं को पाते हैं।
"मैं सुबह से लेकर घंटी बजने तक पूरी सुबह छत पर उस कुर्सी पर बैठा रहा, लेकिन मुझे लगता है कि सुबह के दौरान कई ऐसे मौके आए होंगे जब मुझे किसी ने नहीं देखा होगा और उस दौरान मेरे लिए समुद्र तक जाना, जनरल को मारना और अपनी कुर्सी पर वापस लौटना

संभव था। इस बात का सबूत सिर्फ मेरा बयान है कि मैंने छत नहीं छोड़ी। इन परिस्थितियों में यह काफी नहीं है। सबूत होना चाहिए।" ब्लोर ने कहा।
"मैं पूरी सुबह श्री लोम्बार्ड और डॉ. आर्मस्ट्रांग के साथ था। वे मेरी बात की पुष्टि करेंगे।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"तुम रस्सी लेने घर गए थे।"
ब्लोर ने कहा:
"बिल्कुल, मैंने ऐसा ही किया। सीधे वहीं गया और सीधे वापस आ गया। आप जानते हैं मैंने ऐसा ही किया।" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"तुम बहुत लंबे समय तक रहे।"
ब्लोर का चेहरा लाल हो गया।
उसने कहा:
"डॉ. आर्मस्ट्रांग, आपका इससे क्या मतलब है?" आर्मस्ट्रांग ने दोहराया:
मैंने तो बस इतना कहा था कि तुम्हें काफी समय हो गया है।
"मुझे इसे ढूंढना ही था, है ना? एक मिनट में रस्सी का कुंडल नहीं मिल सकता।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
हत्या की 282 उत्कृष्ट कृतियाँ

"इंस्पेक्टर ब्लोर की अनुपस्थिति में, क्या आप दोनों सज्जन साथ थे?" आर्मस्ट्रांग ने गुस्से से कहा।
"बिल्कुल। मतलब, लोम्बार्ड कुछ मिनटों के लिए बाहर चले गए थे। मैं वहीं रहा जहां मैं था।"
लॉम्बार्ड ने मुस्कुराते हुए कहा:

"मैं मुख्य भूमि तक हेलीकॉप्टर से जाने की संभावनाओं का परीक्षण करना चाहता था। सबसे अच्छी जगह खोजना चाहता था। मैं बस एक या दो मिनट के लिए ही अनुपस्थित था।" आर्मस्ट्रांग ने सिर हिलाया। उन्होंने कहा:
"बिल्कुल सही। हत्या करने के लिए इतना समय काफी नहीं था, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं।" न्यायाधीश ने कहा:
"क्या आप दोनों में से किसी ने अपनी घड़ी देखी?"
"अच्छा नहीं।"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
मैंने एक भी नहीं पहना था।
न्यायाधीश ने शांत भाव से कहा:
"एक या दो मिनट" एक अस्पष्ट अभिव्यक्ति है।
उसने अपना सिर उस सीधी खड़ी महिला की ओर घुमाया जिसकी गोद में बुनाई का सामान पड़ा था। "मिस ब्रेंट?"
एमिली ब्रेंट ने कहा:
"मैं मिस क्लेथॉर्न के साथ द्वीप के शीर्ष तक टहलने गई। उसके बाद मैं धूप में छत पर बैठ गई।"
न्यायाधीश ने कहा:
मुझे नहीं लगता कि मैंने आपको वहां देखा था।
"नहीं, मैं घर के पूर्वी कोने पर था। वहां हवा नहीं लग रही थी।" "और तुम दोपहर के भोजन के समय तक वहीं बैठे रहे?"
"हाँ।"
"मिस क्लेथॉर्न?"
वेरा ने तुरंत और स्पष्ट रूप से उत्तर दिया।

"आज सुबह मैं मिस ब्रेंट के साथ था। उसके बाद मैं थोड़ा इधर-उधर घूमा। फिर मैं नीचे गया और जनरल मैकार्थर से बात की।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने बीच में ही टोकते हुए कहा:
"उस समय क्या समय हुआ था?"
वेरा ने पहली बार अस्पष्ट जवाब दिया। उसने कहा:
"मुझे नहीं पता। दोपहर के भोजन से लगभग एक घंटा पहले, मुझे लगता है - या शायद उससे भी कम समय रहा होगा।"
ब्लोर ने पूछा:
"क्या यह हमारी उससे बात करने के बाद हुआ था या उससे पहले?" वेरा ने कहा:

और तब कोई नहीं था

मैं
. 1
मैं

मुझे नहीं पता। वह बहुत ही विचित्र व्यक्ति था।
वह काँप उठी।
"वह किस तरह से समलैंगिक था?" न्यायाधीश जानना चाहता था। वेरा ने धीमी आवाज़ में कहा:
"उसने कहा कि हम सब मरने वाले हैं—उसने कहा कि वह अंत का इंतजार कर रहा है। उसने—उसने मुझे डरा दिया..."
जज ने सिर हिलाया। उन्होंने कहा:
"आपने फिर क्या किया?"

"मैं घर वापस गया। फिर, दोपहर के भोजन से ठीक पहले, मैं फिर से बाहर गया और घर के पीछे की ओर चला गया। मैं पूरे दिन बहुत बेचैन रहा।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा। उन्होंने कहा:
"रोजर्स अभी भी मौजूद हैं। हालांकि मुझे संदेह है कि उनके साक्ष्य से हमारे ज्ञान में कुछ इजाफा होगा।"
अदालत में पेश होने के लिए बुलाए गए रोजर्स के पास बताने के लिए बहुत कम था। वे सुबह से घरेलू कामों और दोपहर के भोजन की तैयारी में व्यस्त थे। दोपहर के भोजन से पहले वे कॉकटेल लेकर टेरेस पर गए और फिर अटारी से अपना सामान निकालकर दूसरे कमरे में रखने चले गए। उन्होंने सुबह खिड़की से बाहर नहीं देखा था और उन्हें ऐसा कुछ भी नहीं दिखा जिसका जनरल मैकार्थर की मृत्यु से कोई संबंध हो। उन्होंने कसम खाकर कहा कि जब उन्होंने दोपहर के भोजन के लिए मेज लगाई थी, तब खाने की मेज पर चीनी मिट्टी की आठ मूर्तियां रखी थीं।
रोजर्स की गवाही समाप्त होने पर थोड़ी देर का विराम आया। न्यायमूर्ति वारारवे ने अपना गला साफ किया।
लोम्बार्ड ने वेरा क्लेथॉर्न से धीरे से कहा;
अब सारांश प्रस्तुत किया जाएगा!
न्यायाधीश ने कहा:
हमने इन तीनों मौतों की परिस्थितियों की यथासंभव जांच की है। हालांकि कुछ मामलों में कुछ लोगों के संलिप्त होने की संभावना कम है, फिर भी हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि किसी एक व्यक्ति को सभी संलिप्तताओं से मुक्त माना जा सकता है। मैं अपने इस दृढ़ विश्वास को दोहराता हूं कि इस कमरे में मौजूद सात व्यक्तियों में से एक खतरनाक और संभवतः मानसिक रूप से

विक्षिप्त अपराधी है। हमारे सामने इस बात का कोई सबूत नहीं है कि वह व्यक्ति कौन है। वर्तमान समय में हम केवल यही कर सकते हैं कि मुख्य भूमि से सहायता के लिए संपर्क करने के लिए हम क्या उपाय कर सकते हैं, और यदि सहायता में देरी होती है (जैसा कि मौसम की स्थिति को देखते हुए पूरी तरह से संभव है), तो हमें अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय अपनाने होंगे।
मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि इस पर ध्यानपूर्वक विचार करें और अपने सुझाव अवश्य दें। इस बीच, मैं सभी को सतर्क रहने की चेतावनी देता हूँ। अब तक हत्यारे को कोई सुराग नहीं मिला है।

मैं

मैं
हत्या की 284 उत्कृष्ट कृतियाँ

यह आसान काम था, क्योंकि उसके शिकार किसी को शक नहीं हुआ। अब से, हममें से हर एक पर शक करना हमारा काम है। पहले से सावधान रहना ही बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। कोई जोखिम न लें और खतरे के प्रति सतर्क रहें। बस इतना ही।
आर
फिलिप लोम्बार्ड ने धीमी आवाज़ में बुदबुदाया:
अब अदालत की कार्यवाही स्थगित की जाएगी।

अध्याय 10

"क्या तुम्हें इस पर विश्वास है?" वेरा ने पूछा।
वह और फिलिप लोम्बार्ड बैठक कक्ष की खिड़की की चौखट पर बैठे थे। बाहर मूसलाधार बारिश हो रही थी और हवा के तेज झोंके खिड़की के शीशों से टकरा रहे थे।
फिलिप लोम्बार्ड ने जवाब देने से पहले अपना सिर थोड़ा एक तरफ झुकाया। फिर उन्होंने कहा:
(आपका मतलब है, क्या मुझे यह मानना चाहिए कि बूढ़ा वारग्रेव सही कह रहा है जब वह कहता है कि यह हम में से ही एक है?) "हाँ।"
फिलिप लोम्बार्ड ने धीरे-धीरे कहा:
"यह कहना मुश्किल है। तर्कसंगत रूप से, आप जानते हैं, वह सही है, और फिर भी-" वेरा ने उसके मुंह से शब्द छीन लिए।
"और फिर भी यह अविश्वसनीय लगता है!"
फिलिप लोम्बार्ड ने मुंह बनाया।
"यह सब अविश्वसनीय है! लेकिन मैकार्थर की मौत के बाद एक बात में कोई संदेह नहीं रह गया है। अब दुर्घटना या आत्महत्या का कोई सवाल ही नहीं उठता। यह निश्चित रूप से हत्या है। अब तक तीन हत्याएं हो चुकी हैं।" वेरा कांप उठी। उसने कहा:
"यह किसी भयानक सपने जैसा है। मुझे बार-बार यही लगता है कि ऐसी चीजें हो ही नहीं सकतीं!" उन्होंने समझदारी से कहा।
मुझे पता है। अभी दरवाजे पर दस्तक होगी और सुबह की चाय अंदर लाई जाएगी।
वेरा ने कहा:
"काश, ऐसा हो पाता!"

फिलिप लोम्बार्ड ने गंभीरता से कहा:
"हां, लेकिन ऐसा नहीं होगा! हम सब सपने में हैं! और अब से हमें बहुत सतर्क रहना होगा।"
वेरा ने अपनी आवाज धीमी करते हुए कहा:
"अगर यह उनमें से एक है, तो आपके विचार से यह कौन सा है?"

और तब कोई नहीं था

फिलिप लोम्बार्ड अचानक मुस्कुराया। उसने कहा:
"मुझे लगता है कि आप हम दोनों को छोड़कर बाकी सब कुछ स्वीकार कर रही हैं? खैर, कोई बात नहीं। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि मैं हत्यारा नहीं हूँ, और मुझे नहीं लगता कि आपमें कोई पागलपन है, वेरा। आप मुझे अब तक मिली सबसे समझदार और शांत स्वभाव वाली लड़कियों में से एक लगती हैं। मैं आपकी समझदारी पर अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा सकता हूँ।"
थोड़ी व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ, वेरा ने कहा:
"धन्यवाद।"
उसने कहा:
"आइए, मिस वेरा क्लेथोम, क्या आप मेरी तारीफ का जवाब नहीं देंगी?" वेरा एक मिनट हिचकिचाई, फिर बोली:
"आपने यह स्वीकार किया है कि आप मानव जीवन को विशेष रूप से पवित्र नहीं मानते, लेकिन फिर भी मैं आपको उस व्यक्ति के रूप में नहीं देख सकता जिसने वह ग्रामोफोन रिकॉर्ड लिखवाया था।" लोम्बार्ड ने कहा:
"बिल्कुल सही। अगर मैं एक या एक से ज़्यादा हत्याएँ करता, तो वो सिर्फ़ उनसे मिलने वाले फ़ायदे के लिए करता। ये सामूहिक सफ़ाया

मेरे बस की बात नहीं है। अच्छा, तो हम खुद को खत्म कर लेते हैं और अपने पाँच साथी कैदियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इनमें से यू. एन. ओवेन कौन है? खैर, अंदाज़े से, और बिना किसी ठोस सबूत के, मैं वारग्रेव को चुनूँगा!"
"ओह!" वेरा आश्चर्यचकित लग रही थी। उसने एक-दो मिनट सोचा और फिर बोली,
"क्यों?" "ठीक-ठीक कहना मुश्किल है। लेकिन पहली बात तो यह है कि वह एक बूढ़ा आदमी है और सालों से अदालतों की अध्यक्षता कर रहा है। कहने का तात्पर्य यह है कि वह हर साल कई महीनों तक सर्वशक्तिमान ईश्वर की भूमिका निभाता रहा है। इससे आखिरकार किसी के दिमाग पर असर पड़ ही जाता है। वह खुद को सर्वशक्तिमान, जीवन और मृत्यु की शक्ति रखने वाला समझने लगता है - और यह संभव है कि उसका दिमाग खराब हो जाए और वह एक कदम आगे बढ़कर जल्लाद और असाधारण न्यायाधीश बनना चाहे।"
वेरा ने धीरे से कहा:
"हां, मुझे लगता है कि यह संभव है।"
लोम्बार्ड ने कहा:
आप किसे चुनेंगे?
वेरा ने बिना किसी झिझक के उत्तर दिया:
"डॉ. आर्मस्ट्रांग।"
लोम्बार्ड ने धीमी सीटी बजाई।
"डॉक्टर? पता है, मुझे उसे सबसे आखिर में रखना चाहिए था।" वेरा ने सिर हिलाया।
"अरे नहीं! दो मौतें जहर से हुई हैं। यह 286 मास्टरपीस ऑफ मर्डर की ओर इशारा करता है।"

एक डॉक्टर के पास। और फिर आप इस तथ्य को भुला नहीं सकते कि श्रीमती रोजर्स के पास एकमात्र चीज जिसके बारे में हम पूरी तरह से निश्चित हैं, वह नींद की दवा थी जो उन्होंने उन्हें दी थी।" लोम्बार्ड ने स्वीकार किया:
"हाँ यह सच है।"
वेरा ने दृढ़ता दिखाई:
"अगर कोई डॉक्टर पागल हो जाए, तो किसी को शक होने में काफी समय लग जाएगा। और डॉक्टर बहुत ज्यादा काम करते हैं और उन पर बहुत तनाव होता है।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा।
"हाँ, लेकिन मुझे संदेह है कि वह मैकार्थर को मार सकता था। उस थोड़े समय के अंतराल में जब मैंने उसे छोड़ा था, उसके पास समय नहीं होता - मतलब, जब तक कि वह बहुत तेज़ी से वहाँ जाकर वापस न आ जाए, और मुझे संदेह है कि वह इतना प्रशिक्षित है कि ऐसा कर सके और इसके कोई लक्षण न दिखाए।"
वेरा ने कहा:
"उसने तब ऐसा नहीं किया। उसे बाद में मौका मिला।"
"कब?"
"जब वह जनरल को दोपहर के भोजन के लिए बुलाने नीचे गया।" फिलिप ने फिर बहुत धीमी सीटी बजाई। उसने कहा:
"तो तुम्हें लगता है कि उसने ही किया होगा? बहुत बढ़िया काम किया है।" वेरा ने अधीरता से कहा।
"क्या खतरा था? यहाँ वही एक व्यक्ति है जिसे चिकित्सा का ज्ञान है। वह कसम खाकर कह सकता है कि शव कम से कम एक घंटे से मृत है और भला कौन उसकी बात का खंडन कर सकता है?" फिलिप ने सोच-समझकर उसकी ओर देखा।

“तुम्हें पता है,” उसने कहा, “यह तुम्हारा एक चतुर विचार है। मुझे आश्चर्य है-”

2

"कौन है, श्रीमान ब्लोर? मैं यही जानना चाहता हूँ। कौन है?" रोजर्स के चेहरे पर भाव उभर रहे थे। उनके हाथ में पॉलिश करने के लिए रखा हुआ चमड़ा उनकी मुट्ठी में जकड़ा हुआ था।
पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर ने कहा:
अरे बाप रे, यही तो सवाल है!
"हममें से एक," लॉर्ड ने कहा। "कौन सा? मैं यही जानना चाहता हूँ। मानव रूप में वह शैतान कौन है?"
ब्लोर ने कहा, "यही तो हम सब जानना चाहते हैं।" रोजर्स ने चतुराई से कहा:
"लेकिन आपके पास एक विचार है, श्रीमान ब्लोर। आपके पास एक विचार है, है ना?"
C47 _" A 19.1 AT3 I

और तब कोई नहीं था

मुझे पूरा यकीन नहीं है। मैं गलत भी हो सकता हूँ। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि अगर मैं सही हूँ तो वो व्यक्ति वाकई बहुत शांत स्वभाव का है—सचमुच बहुत शांत स्वभाव का। रोजर्स ने अपने माथे से पसीना पोंछा। उसने भारी स्वर में कहा, "ये किसी बुरे सपने जैसा है, बस यही है।"
ब्लोर ने उत्सुकता से उसकी ओर देखते हुए कहा:

"क्या आपके पास भी कोई विचार है, रोजर्स?"
बटलर ने अपना सिर हिलाया। उसने कर्कश स्वर में कहा:
मुझे नहीं पता। मुझे बिल्कुल भी नहीं पता। और यही बात मुझे सबसे ज्यादा डरा रही है। कुछ भी पता न होना।

3

डॉ. आर्मस्ट्रांग ने उग्र स्वर में कहा:
"हमें यहाँ से निकलना ही होगा—ज़रूर—ज़रूर! हर हाल में!" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने धूम्रपान कक्ष की खिड़की से बाहर देखते हुए गहरी सोच में डूबे हुए कहा। वे अपने चश्मे के तार से खेल रहे थे।
"मैं बेशक मौसम का पूर्वानुमान लगाने का दावा नहीं करता। लेकिन मैं कहूंगा कि अगर किसी नाव को हमारी दुर्दशा का पता भी चल जाए, तो भी चौबीस घंटे के भीतर हम तक पहुंचना बहुत मुश्किल है—और तब भी केवल तभी जब हवा शांत हो जाए।" डॉ. आर्मस्ट्रांग ने अपना सिर हाथों में झुका लिया और कराह उठे। उन्होंने कहा:
"और इस बीच हम सभी की हमारे बिस्तरों में ही हत्या कर दी जा सकती है?"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा, "मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। मैं ऐसी घटना को रोकने के लिए हर संभव सावधानी बरतने का इरादा रखता हूं।"
डॉ. आर्मस्ट्रांग के मन में अचानक यह बात कौंधी कि न्यायाधीश जैसे वृद्ध व्यक्ति में युवा व्यक्ति की तुलना में जीवन के प्रति कहीं अधिक दृढ़ता होती है। उन्होंने अपने पेशेवर जीवन में अक्सर इस तथ्य पर आश्चर्य व्यक्त किया था। वे स्वयं

न्यायाधीश से लगभग बीस वर्ष छोटे थे, फिर भी उनमें आत्मरक्षा की भावना कहीं अधिक कम थी। न्यायमूर्ति वारग्रेव सोच रहे थे: "हमारे बिस्तरों में ही हत्या कर दी गई! ये सभी डॉक्टर एक जैसे हैं - ये घिसी-पिटी बातें ही सोचते हैं। बिलकुल साधारण मानसिकता।"
डॉक्टर ने बताया कि:
"याद रहे, अब तक तीन लोग मारे जा चुके हैं।"
"बिल्कुल। लेकिन आपको याद रखना होगा कि वे हमले के लिए तैयार नहीं थे। हमें पहले से ही चेतावनी मिल चुकी है।"
डॉ. अर्नस्ट्रॉन~4 ने कड़वाहट से कहा:
हत्या की 288 उत्कृष्ट कृतियाँ

हम क्या कर सकते हैं? देर-सवेर तो कुछ न कुछ हो ही जाएगा-" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा, "मुझे लगता है कि हम कई चीजें कर सकते हैं।"
आर्मस्ट्रांग ने कहा:
हमें तो यह भी नहीं पता कि यह कौन हो सकता है-
न्यायाधीश ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा और धीरे से कहा:
"ओह, आप जानते हैं, मैं ऐसा नहीं कहूंगा।" आर्मस्ट्रांग ने उसे घूर कर देखा।
"क्या आपका मतलब है कि आप जानते हैं?"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने सावधानीपूर्वक कहा:
"वास्तविक साक्ष्य के संबंध में, जैसा कि अदालत में आवश्यक होता है, मैं स्वीकार करता हूँ कि मेरे पास ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है। लेकिन पूरे मामले की समीक्षा करने पर मुझे ऐसा प्रतीत होता है

कि एक विशेष व्यक्ति स्पष्ट रूप से संदिग्ध है। हाँ, मुझे भी ऐसा ही लगता है।" आर्मस्ट्रांग ने उसे घूर कर देखा।
उसने कहा:
"मैं नहीं समझता।"

4

मिस ब्रेंट ऊपर अपने बेडरूम में थीं।
उसने अपनी बाइबिल उठाई और खिड़की के पास जाकर बैठ गई। उसने उसे खोला। फिर एक मिनट की झिझक के बाद, उसने उसे एक तरफ रख दिया और ड्रेसिंग टेबल की ओर चली गई। उसके एक दराज से उसने एक छोटी काली कवर वाली नोटबुक निकाली। उसने उसे खोला और लिखना शुरू कर दिया। "एक भयानक घटना घटी है। जनरल मैकार्थर का निधन हो गया है। (उनके चचेरे भाई ने एल्सी मैकफर्सन से शादी कर ली थी।) इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी हत्या की गई है। दोपहर के भोजन के बाद न्यायाधीश ने हमें एक बहुत ही रोचक भाषण दिया। उन्हें पूरा विश्वास है कि हत्यारा हममें से ही कोई है। इसका मतलब है कि हममें से किसी एक पर शैतान का साया है। मुझे पहले से ही इस बात का संदेह था। हममें से कौन है वह? वे सभी अपने आप से यही सवाल पूछ रहे हैं। केवल मैं ही जानता हूँ..."
वह कुछ देर तक बिना हिले-डुले बैठी रही। उसकी आँखें धुंधली और बेजान हो गईं। पेंसिल उसकी उंगलियों में बेसुध सी चल रही थी। कांपते हुए बड़े अक्षरों में उसने लिखा: हत्यारे का नाम बीट्रिस टेलर है... उसकी आँखें बंद हो गईं।
अचानक, चौंककर वह जाग उठी। उसने नीचे नोट की ओर देखा और वहाँ कुछ भी नहीं था।

सीमांत बल

किताब। गुस्से से भरी एक चीख के साथ उसने आखिरी वाक्य के अस्पष्ट, टेढ़े-मेढ़े अक्षरों को काट दिया। उसने धीमी आवाज़ में कहा: "क्या मैंने ये लिखा था? क्या मैंने? मैं पागल हो रही हूँ।"

5

तूफान और तेज हो गया। हवा घर की दीवार से टकराकर ज़ोर से आवाज़ कर रही थी। सभी लोग बैठक कक्ष में थे। वे बेसुध होकर एक-दूसरे से सटकर बैठे थे। और चुपके से एक-दूसरे को देख रहे थे।
जब रोसीयर्स चाय की ट्रे लेकर आए, तो सब चौंक गए। उन्होंने कहा: "क्या मैं पर्दे खींच दूं? इससे कमरा ज़्यादा खुशनुमा लगेगा।" सहमति मिलने पर पर्दे खींच दिए गए और लैंप जला दिए गए। कमरा ज़्यादा खुशनुमा हो गया। उदासी थोड़ी छंट गई। यकीनन, कल तक तूफान थम जाएगा और कोई न कोई आएगा—कोई नाव ज़रूर आएगी।
वेरा क्लेथोम ने कहा:
"क्या आप चाय परोसेंगी, मिस ब्रेंट?"
बुजुर्ग महिला ने उत्तर दिया:
"नहीं, तुम ही करो, प्रिये। वो चायदानी बहुत भारी है। और मेरी भूरे रंग की बुनाई वाली ऊन के दो गुच्छे खो गए हैं। बहुत बुरा लग रहा है।"
वेरा चाय की मेज की ओर बढ़ी। बर्तनों की खनक और झंकार से मधुर ध्वनि सुनाई दी। सब कुछ सामान्य हो गया।

चाय! रोज़ाना की सुहावनी दोपहर की चाय! फिलिप लोम्बार्ड ने प्रसन्नतापूर्वक टिप्पणी की। ब्लोर ने जवाब दिया। डॉ. आर्मस्ट्रांग ने एक मज़ेदार कहानी सुनाई। न्यायमूर्ति वारग्रेव, जिन्हें आम तौर पर चाय से नफ़रत थी, ने भी चाय की चुस्की ली। इसी खुशनुमा माहौल में रोजर्स का आगमन हुआ।
और रोजर्स परेशान हो गया। उसने घबराकर और बेतरतीब ढंग से कहा: "माफ़ कीजिए महोदय, क्या किसी को पता है कि बाथरूम का पर्दा कहाँ गया है?" लोम्बार्ड का सिर झटके से ऊपर उठा।
"बाथरूम का पर्दा? रॉजर्स, तुम्हारा मतलब क्या है?"
"वह गायब हो गया है, महोदय, बिलकुल गायब। मैं सभी पर्दों को खींच रहा था और शौचालय का पर्दा वहाँ नहीं था।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने पूछा:
"क्या यह आज सुबह वहां था?"
हत्या की 290 उत्कृष्ट कृतियाँ

"जी हाँ, महोदय।" ब्लोर ने पूछा: "यह किस तरह का पर्दा था?" "लाल रेशम का, महोदय। यह लाल टाइलों से मेल खाता था।" लोम्बार्ड ने पूछा: "और अब वह नहीं है?" "नहीं है, महोदय।" वे एक-दूसरे को घूरते रहे। ब्लोर ने भारी स्वर में कहा: "खैर, आखिर क्या हुआ? यह पागलपन है, लेकिन बाकी सब भी तो पागलपन ही है। खैर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। रेशम के पर्दे से किसी को मारा नहीं जा सकता। भूल जाइए।" रोजर्स ने कहा: "जी हाँ, महोदय, धन्यवाद।" वह दरवाजा बंद करके बाहर चला गया। कमरे के अंदर फिर से भय का साया छा गया था। फिर से, छुप-छुप कर, वे एक-दूसरे को देखते रहे।

6

खाना आया, खाया गया और समेटा गया। सादा खाना, ज़्यादातर डिब्बाबंद। उसके बाद, बैठक में तनाव असहनीय हो गया। नौ बजे, एमिली ब्रेंट उठीं। उन्होंने कहा: "मैं सोने जा रही हूँ।" वेरा ने कहा: "मैं भी सोने जा रही हूँ।" दोनों औरतें सीढ़ियों से ऊपर गईं और लोम्बार्ड और ब्लोर भी उनके साथ गए। सीढ़ियों के ऊपर खड़े होकर, दोनों आदमियों ने औरतों को अपने-अपने कमरों में जाते और दरवाज़े बंद करते देखा। उन्होंने दो कुंडी लगने और दो चाबियाँ घूमने की आवाज़ सुनी। ब्लोर ने मुस्कुराते हुए कहा: "इन्हें दरवाज़े बंद करने के लिए कहने की ज़रूरत ही नहीं है!" लोम्बार्ड ने कहा: "खैर, कम से कम आज रात के लिए तो ठीक है!" वह नीचे चले गए और बाकी दोनों भी उनके पीछे-पीछे चले गए।

और तब कोई नहीं था

7

चारों आदमी एक घंटे बाद सोने चले गए। वे सब एक साथ ऊपर गए। रॉजर्स, जो भोजन कक्ष में नाश्ते के लिए मेज सजा रहे थे, ने उन्हें ऊपर जाते देखा। उन्होंने ऊपर की सीढ़ियों पर रुकते हुए उनकी आवाज़ सुनी।
फिर जज की आवाज सुनाई दी।
"मुझे आपको सलाह देने की शायद ही आवश्यकता है, सज्जनों, कि आप अपने दरवाजे बंद कर लें।"
ब्लोर ने कहा:

और तो और, हैंडल के नीचे एक कुर्सी रख दें। ताले को बाहर से घुमाने के भी तरीके होते हैं।
लोम्बार्ड ने धीरे से कहा:
"मेरे प्यारे ब्लोर, तुम्हारी समस्या यह है कि तुम बहुत कुछ जानते हो!" न्यायाधीश ने गंभीरता से कहा:
"शुभ रात्रि, सज्जनों। आशा है कि हम सब सुबह सुरक्षित मिलेंगे!" रोजर्स भोजन कक्ष से बाहर निकले और सीढ़ियों पर चढ़ते हुए बीच रास्ते में ही रुक गए। उन्होंने चार लोगों को चार दरवाजों से गुजरते देखा और चार तालों के खुलने और चार कुंडी लगने की आवाज सुनी।
उन्होंने सिर हिलाया।
"कोई बात नहीं," उसने बुदबुदाते हुए कहा।
वह भोजन कक्ष में वापस चला गया। हाँ, सुबह के लिए सब कुछ तैयार था। उसकी नज़र बीच में लगे शीशे के पट्टिका और सात छोटी चीनी मिट्टी की मूर्तियों पर ठहर गई।
अचानक उसके चेहरे पर एक मुस्कान खिल उठी।
उसने धीरे से कहा:
"कम से कम आज रात तो मैं ये देख लूँगा कि कोई शरारत न करे।" कमरे को पार करते हुए उसने पेंट्री का दरवाज़ा बंद कर दिया। फिर हॉल के दूसरे दरवाज़े से होते हुए उसने दरवाज़ा भी बंद कर दिया, उसे लॉक किया और चाबी अपनी जेब में रख ली।
फिर, बत्तियाँ बुझाकर, वह जल्दी से सीढ़ियों से ऊपर चढ़कर अपने नए बेडरूम में चला गया।
उसमें छिपने की सिर्फ एक ही जगह थी, लंबी अलमारी, और उसने तुरंत उसमें देखा। फिर, दरवाजा बंद करके और कुंडी लगाकर, वह सोने की तैयारी करने लगा। उसने मन ही मन कहा:

"□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□..."
□□ □□ □□□ □□□□ □□

अध्याय 11

फिलिप लोम्बार्ड को सूर्योदय के समय जागने की आदत थी। उस सुबह भी वह ऐसा ही कर रहा था। उसने कोहनी के बल उठकर ध्यान से सुना। हवा थोड़ी धीमी हो गई थी, लेकिन फिर भी चल रही थी। उसे बारिश की कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी...

.

आठ बजे हवा और तेज़ चलने लगी, लेकिन लोम्बार्ड को इसकी आवाज़ सुनाई नहीं दी। वह फिर से सो गया था।
साढ़े नौ बजे वह अपने बिस्तर के किनारे बैठा अपनी घड़ी देख रहा था। उसने घड़ी को अपने कान से लगाया। फिर उसके होंठ उसके दांतों से हटकर उस अजीबोगरीब भेड़िये जैसी मुस्कान में बदल गए, जो उस आदमी की खासियत थी।
उन्होंने बहुत धीमी आवाज़ में कहा:
"मुझे लगता है कि अब इस बारे में कुछ करने का समय आ गया है।" दस बजने में पच्चीस मिनट पहले वह ब्लोर के कमरे के बंद दरवाजे पर दस्तक दे रहा था। ब्लोर ने सावधानी से दरवाजा खोला। उसके बाल बिखरे हुए थे और उसकी आँखें अभी भी नींद से धुंधली थीं।
फिलिप लोम्बार्ड ने विनम्रतापूर्वक कहा:
"दिन-रात सोते रहना? इससे तो पता चलता है कि तुम्हारा अंतरात्मा बिल्कुल साफ है।" ब्लोर ने संक्षेप में कहा:
"क्या बात क्या बात?"
लोम्बार्ड ने उत्तर दिया:

"क्या किसी ने आपको फोन किया था—या आपके लिए चाय लाई थी? क्या आपको पता है कि समय क्या हो रहा है?" ब्लोर ने अपने बिस्तर के पास रखी एक छोटी सी चलती-फिरती घड़ी पर नज़र डाली। उसने कहा: "रात दस बजने में पच्चीस मिनट बाकी हैं। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैं ऐसे सो सकता हूँ। रोजर्स कहाँ है?"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"यह प्रतिध्वनि उत्तरों का मामला कहाँ है?"
"तुम्हारा क्या मतलब है?" दूसरे ने तीखे स्वर में पूछा। लोम्बार्ड ने कहा:
"मेरा मतलब है कि रोजर्स लापता है। वह अपने कमरे में या कहीं और नहीं है। और न ही केतली में पानी गर्म हो रहा है और रसोई में आग भी नहीं जल रही है।" ब्लोर ने धीमी आवाज़ में अपशब्द कहे। उसने कहा:
वो आखिर कहाँ हो सकता है? कहीं द्वीप पर? रुको!

293

फिलिप लोम्बार्ड ने सिर हिलाया। वह बंद दरवाजों की कतार के साथ आगे बढ़ा। उसने आर्मस्ट्रांग को उठकर लगभग तैयार पाया। न्यायमूर्ति वारग्रेव को, ब्लोर की तरह, नींद से जगाना पड़ा। वेरा क्लेथॉर्न तैयार थीं। एमिली ब्रेंट का कमरा खाली था। छोटा सा दल घर के अंदर घूमा। फिलिप लोम्बार्ड ने पहले ही पता लगा लिया था कि रोजर्स का कमरा खाली था। बिस्तर पर सोया गया था, और उसका रेजर, स्पंज और साबुन गीले थे।
लोम्बार्ड ने कहा:
वह ठीक-ठाक उठ गया।

वेरा ने धीमी आवाज़ में, जिसे उसने दृढ़ और आश्वस्त बनाने की कोशिश की, कहा: "तुम्हें नहीं लगता कि वह कहीं छुपकर हमारा इंतज़ार कर रहा है?" लोम्बार्ड ने कहा:
"मेरी प्यारी बेटी, मैं किसी के बारे में कुछ भी सोचने को तैयार हूँ! मेरी सलाह है कि जब तक हम उसे ढूंढ नहीं लेते, तब तक हम साथ रहें।"
आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"वह द्वीप पर कहीं न कहीं जरूर होगा।"
ब्लोर, जो उनके साथ शामिल हो गया था, कपड़े पहने हुए था, लेकिन अभी भी दाढ़ी नहीं बनाई थी, उसने कहा:
"मिस ब्रेंट कहाँ चली गईं—यह भी एक रहस्य है?" लेकिन जैसे ही वे हॉल में पहुँचे, एमिली ब्रेंट सामने के दरवाजे से अंदर आईं। उन्होंने रेनकोट पहना हुआ था। उन्होंने कहा:
"समुद्र में लहरें पहले की तरह ही ऊंची हैं। मुझे नहीं लगता कि आज कोई भी नाव समुद्र में उतर पाएगी।" ब्लोर ने कहा:
"क्या आप द्वीप पर अकेले घूम रही थीं, मिस ब्रेंट? क्या आपको एहसास नहीं है कि ऐसा करना बेहद मूर्खतापूर्ण है?" एमिली ब्रेंट ने कहा।
"मैं आपको आश्वस्त करता हूँ, श्री ब्लोर, कि मैंने बेहद सतर्क निगरानी रखी थी।" ब्लोर ने धीमी आवाज़ में कहा:
"क्या तुमने रॉजर्स के बारे में कुछ देखा है?"
मिस ब्रेंट की भौहें ऊपर उठ गईं।
"रोजर्स? नहीं, मैंने उन्हें आज सुबह नहीं देखा। क्यों?" जस्टिस वारग्रेव, दाढ़ी बनवाए, कपड़े पहने और अपने नकली दांत लगाए, सीढ़ियों से नीचे आए। वे खुले हुए भोजन कक्ष के दरवाजे की ओर बढ़े। उन्होंने कहा:

"हा, लगता है आपने नाश्ते के लिए मेज लगा दी है।" लोम्बार्ड ने कहा:
"हो सकता है उसने यह काम कल रात किया हो।"
वे सभी कमरे के अंदर चले गए और करीने से सजी प्लेटों और कटलरी को देखने लगे। साइडबोर्ड पर रखे कपों की कतार को देखा। कॉफी के बर्तन के लिए तैयार रखे हुए मखमली चटाइयों को देखा।
इसे सबसे पहले वेरा ने देखा। उसने जज का हाथ पकड़ लिया और उसके एथलेटिक कौशल के कारण बूढ़े पेंटलमैन को दर्द से कराहना पड़ा। 294

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

वह चिल्लाई: "भारतीय! देखो!" मेज के बीच में केवल छह चीनी मिट्टी की मूर्तियाँ थीं।

2

उन्हें वह कुछ ही देर बाद मिल गया।
वह आंगन के उस पार बने छोटे से कपड़े धोने के कमरे में था। वह रसोई में आग जलाने की तैयारी में लकड़ियाँ काट रहा था। छोटा सा लकड़ी काटने वाला औजार अभी भी उसके हाथ में था। एक बड़ा, भारी औजार दरवाजे से टिका हुआ था - उसकी धातु पर हल्का भूरा रंग चढ़ा हुआ था। वह औजार रोजर्स के सिर के पिछले हिस्से में लगे गहरे घाव से बिल्कुल मेल खाता था।

3

"बिल्कुल स्पष्ट," आर्मस्ट्रांग ने कहा। "हत्यारा उसके पीछे से आया होगा, एक बार चाकू घुमाया होगा और जब वह झुका हुआ था, तब उसके सिर पर वार किया होगा।" ब्लोर रसोई से चाकू का हैंडल और आटा छानने वाली छलनी साफ करने में व्यस्त था।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने पूछा:
"क्या इसके लिए बहुत अधिक बल की आवश्यकता होती, डॉक्टर?" आर्मस्ट्रांग ने गंभीरता से कहा:
"अगर आपका मतलब यही है तो एक महिला भी यह कर सकती थी।" उसने चारों ओर एक नज़र डाली। वेरा क्लेथॉर्न और एमिली ब्रेंट रसोई में चली गई थीं।
"वह लड़की आसानी से यह कर सकती थी - वह एथलेटिक टाइप की है। देखने में मिस ब्रेंट नाजुक लगती हैं, लेकिन इस तरह की महिला में अक्सर बहुत ताकत होती है। और आपको यह याद रखना चाहिए कि मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति में भी अप्रत्याशित ताकत होती है।"
न्यायाधीश ने सोच-समझकर सिर हिलाया।
ब्लोर ने आह भरते हुए घुटनों के बल से उठकर कहा:
"कोई उंगलियों के निशान नहीं। हैंडल को बाद में पोंछ दिया गया था।" हंसी की आवाज सुनाई दी - वे अचानक मुड़े। वेरा क्लेथॉर्न आंगन में खड़ी थी। वह तेज, तीखी आवाज में चिल्लाई, बेतहाशा घबराहट से कांप रही थी।
मैं
मैं
मैं

मैं~
मैं

क्या इस द्वीप पर मधुमक्खियां पाली जाती हैं? मुझे यह बताएं। शहद के लिए हमें कहां जाना चाहिए?
हा! हा!"
वे उसे समझ न पाने की स्थिति में घूर रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो उनकी आँखों के सामने ही समझदार और संतुलित लड़की पागल हो गई हो। वह अपनी उसी ऊँची, अप्राकृतिक आवाज़ में बोलती रही, "ऐसे मत घूरो! मानो तुम मुझे पागल समझ रहे हो। मैं जो पूछ रही हूँ वह बिल्कुल सामान्य है। मधुमक्खियाँ, छत्ते, मधुमक्खियाँ! अरे, क्या तुम समझते नहीं? क्या तुमने वह बेवकूफी भरी कविता नहीं पढ़ी? वह तुम्हारे सभी कमरों में लगी है - तुम्हारे पढ़ने के लिए! अगर हम समझदार होते तो सीधे यहीं आ जाते। सात छोटे भारतीय लड़के लकड़ियाँ काट रहे हैं। और अगली पंक्ति। मैं तुम्हें बता रही हूँ, मुझे पूरी कविता मुंह ज़बानी याद है! छह छोटे भारतीय लड़के छत्ते से खेल रहे हैं। और इसीलिए मैं पूछ रही हूँ - क्या इस द्वीप पर मधुमक्खियाँ पाली जाती हैं? - क्या यह मज़ेदार नहीं है? - क्या यह बहुत ही मज़ेदार नहीं है..." वह फिर से ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगी। डॉ. आर्मस्ट्रांग आगे बढ़े। उन्होंने हाथ उठाया और उसके गाल पर एक ज़ोरदार थप्पड़ मारा।
वह हांफने लगी, हिचकी लेने लगी और फिर उसने कुछ निगला। वह एक मिनट तक बिना हिले-डुले खड़ी रही, फिर बोली: "धन्यवाद... अब मैं ठीक हूँ।" उसकी आवाज़ एक बार फिर शांत और संयमित थी—एक कुशल खेल प्रशिक्षक की आवाज़।

वह मुड़ी और आंगन पार करके रसोई में चली गई और बोली: "मिस ब्रेंट और मैं आपके लिए नाश्ता बना रहे हैं। क्या आप आग जलाने के लिए कुछ लकड़ियाँ ला सकती हैं?" डॉक्टर के हाथ के निशान उसके गाल पर साफ लाल दिख रहे थे। रसोई में जाते हुए ब्लोर ने कहा:
"खैर, आपने उस मामले को अच्छे से संभाल लिया, डॉक्टर।" आर्मस्ट्रांग ने माफी मांगते हुए कहा:
"करना ही पड़ा! बाकी सब चीजों के साथ-साथ हम इस उन्माद से निपट नहीं सकते।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
वह आसानी से भावुक होने वाली महिला नहीं है।
आर्मस्ट्रांग सहमत हो गए।
"अरे नहीं। अच्छी, स्वस्थ और समझदार लड़की है। बस अचानक सदमा लग गया। ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है।"
रॉजर्स ने अपनी हत्या से पहले कुछ लकड़ियाँ काट ली थीं। उन्होंने उन्हें इकट्ठा किया और रसोई में ले गए। वेरा और एमिली ब्रेंट व्यस्त थीं। मिस ब्रेंट चूल्हे की सफाई कर रही थीं। वेरा बेकन से छिलका उतार रही थीं। एमिली ब्रेंट ने कहा: "धन्यवाद। हम यथासंभव शीघ्र प्रयास करेंगे—लगभग आधा घंटा लगेगा।"

और तब कोई नहीं था
296

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

4

पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर ने धीमी, कर्कश आवाज में फिलिप लोम्बार्ड से कहा: "जानते हो मैं क्या सोच रहा हूँ?"
फिलिप लोम्बार्ड ने कहा:
"जैसा कि आप मुझे अभी बताने वाले हैं, अनुमान लगाने की कोई ज़रूरत नहीं है।" पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर एक गंभीर व्यक्ति थे। उनके लिए हल्के-फुल्के अंदाज़ की कोई गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने गंभीरता से बात जारी रखी:
"अमेरिका में एक मामला था। एक बुजुर्ग सज्जन और उनकी पत्नी, दोनों की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। सुबह का समय था। घर में बेटी और नौकरानी के अलावा कोई नहीं था। बाद में साबित हुआ कि नौकरानी ने यह नहीं किया होगा। बेटी एक सम्मानित अधेड़ उम्र की अविवाहित महिला थी। यह अविश्वसनीय लग रहा था। इतना अविश्वसनीय कि उसे बरी कर दिया गया। लेकिन उन्हें कोई और स्पष्टीकरण नहीं मिला।" वह रुका।
"जब मैंने कुल्हाड़ी देखी तो मुझे यही ख्याल आया - और फिर जब मैं रसोई में गई और उसे वहाँ इतनी साफ-सुथरी और शांत देखा। बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई थी! वह लड़की, एकदम हिस्टीरिकल हो रही थी - खैर, यह तो स्वाभाविक है - ऐसी ही बात की आप उम्मीद करेंगे - क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
फिलिप लोम्बार्ड ने संक्षेप में कहा:
"यह हो सकता है।"
ब्लोर ने अपनी बात जारी रखी।
लेकिन दूसरी वाली! कितनी साफ-सुथरी और सलीके से सजी-संवरी, उस एप्रन में लिपटी हुई - श्रीमती रोजर्स...
शायद एप्रन पहने हुए कोई कह रहा होगा: 'नाश्ता लगभग आधे घंटे में तैयार हो जाएगा।'

अगर मुझसे पूछो तो वो औरत बिल्कुल पागल है! बहुत सी बूढ़ी कुंवारी औरतें ऐसी ही हो जाती हैं - मेरा मतलब ये नहीं कि वो बड़े पैमाने पर हत्याएं करती हैं, बल्कि उनका दिमाग खराब हो जाता है। बदकिस्मती से ये भी इसी रास्ते पर चल पड़ी है। धार्मिक उन्माद - खुद को भगवान का हथियार समझती है, कुछ इसी तरह का! वो अपने कमरे में बैठकर बाइबल पढ़ती रहती है।
फिलिप लोम्बार्ड ने आह भरी और कहा:
"यह असंतुलित मानसिकता का पुख्ता सबूत नहीं है, ब्लोर।" लेकिन ब्लोर ने धीमी गति से, दृढ़तापूर्वक बोलना जारी रखा:
"और फिर वह अपने रेनकोट में बाहर निकली और कहा कि वह समुद्र देखने गई थी।"
दूसरे ने अपना सिर हिलाया।
उसने कहा:
"रोजर्स की हत्या तब हुई जब वह लकड़ियाँ काट रहा था—यानी सुबह उठते ही सबसे पहले यही काम हुआ। मिस ब्रेंट को भटकने की ज़रूरत नहीं पड़ती।"

मैं
मैं

और तब कोई नहीं था

297

उसके बाद घंटों तक बाहर ही घूमता रहा। अगर आप मुझसे पूछें, तो रोजर्स का हत्यारा बिस्तर पर लेटकर खर्राटे लेने का पूरा ख्याल रखेगा।" ब्लोर ने कहा:
"आप बात समझ नहीं रहे हैं, श्री लोम्बार्ड। अगर वह महिला निर्दोष होती तो अकेले घूमने से इतनी डरी हुई होती कि डर के मारे इधर-उधर भटकती ही नहीं। वह ऐसा तभी करती जब उसे पता होता कि उसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। यानी अगर वह खुद ही अपराधी हो।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा।
"यह अच्छा सवाल है... हाँ, मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था।" उन्होंने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा:
"खुशी है कि अब आपको मुझ पर शक नहीं है।"
ब्लोर ने कुछ शर्मिंदा होकर कहा:
"मैंने तुम्हारे बारे में सोचकर ही शुरुआत की थी—उस रिवॉल्वर के बारे में—और उस विचित्र कहानी के बारे में जो तुमने बताई या नहीं बताई। लेकिन अब मुझे एहसास हुआ है कि यह कुछ ज़्यादा ही स्पष्ट था।" वह रुका और बोला: "आशा है कि तुम भी मेरे बारे में ऐसा ही महसूस करते हो।" फिलिप ने सोच-विचार करते हुए कहा:
"हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस काम के लिए आपके पास पर्याप्त कल्पनाशीलता है। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि अगर आप अपराधी हैं, तो आप एक बेहतरीन अभिनेता हैं और मैं आपको सलाम करता हूँ।" उन्होंने अपनी आवाज़ धीमी कर ली।
"ब्लॉर, बस हमारे बीच की बात है, और यह ध्यान में रखते हुए कि शायद हम दोनों ही अगले दिन तक मर चुके होंगे, मुझे लगता है कि तुमने झूठी गवाही देने का थोड़ा-बहुत जुर्म किया था?"
ब्लोर बेचैनी से एक पैर से दूसरे पैर पर हिलने लगा। अंत में उसने कहा:

अब तो कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। चलो, देखते हैं। लैंडोर बिल्कुल निर्दोष था। गैंग ने मुझे फंसा लिया था और हम सबने मिलकर उसे जेल भिजवा दिया। वैसे, मैं ये बात कभी नहीं मानूंगा-"
"अगर कोई गवाह होता," लोम्बार्ड ने मुस्कुराते हुए बात खत्म की। "यह सिर्फ तुम्हारे और मेरे बीच की बात है। खैर, मुझे उम्मीद है कि तुमने इसका अच्छा खासा फायदा उठाया होगा।"
"जितना मुझे करना चाहिए था उतना नहीं कर पाया। पर्सेल गिरोह के लोग बहुत बुरे थे। फिर भी मुझे पदोन्नति मिल गई।"
"और लैंडोर को कठोर कारावास की सजा मिली और उसकी जेल में ही मृत्यु हो गई।"
"मुझे कैसे पता चल सकता था कि उसकी मौत होने वाली है?" ब्लोर ने पूछा।
"नहीं, यह तुम्हारी बदकिस्मती थी।"
"मेरा? तुम्हारा मतलब उसका है।"
"तुम्हारा भी। क्योंकि इसके परिणामस्वरूप, ऐसा लगता है कि तुम्हारा जीवन भी अप्रिय रूप से छोटा हो जाएगा।"
"मैं?" ब्लोर ने उसे घूरकर देखा। "क्या तुम्हें लगता है कि मैं रॉजर्स और बाकी लोगों की राह पर चलूँगा? मैं तो नहीं! मैं अपनी सुरक्षा का बहुत ध्यान रख रहा हूँ, मैं तुम्हें बता सकता हूँ।" टी आई-ए: ए
हत्या की 298 उत्कृष्ट कृतियाँ

"खैर, मैं सट्टेबाजी करने वाला आदमी नहीं हूँ। और वैसे भी, अगर तुम मर गए तो मुझे पैसे नहीं मिलेंगे।"
"देखिए, श्री लोम्बार्ड, आपका क्या मतलब है?" फिलिप लोम्बार्ड ने अपने दांत दिखाते हुए कहा:

"मेरा मतलब है, मेरी प्यारी ब्लोर, मेरे विचार से तुम्हारे पास कोई मौका नहीं है!"
"क्या?"
"आपकी कल्पनाशीलता की कमी आपको बिलकुल आसान निशाना बना देगी। यू. एन. ओवेन जैसी कल्पनाशील अपराधी जब चाहे आपको आसानी से अपने जाल में फंसा सकती है।"
ब्लोर का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उसने क्रोधित होकर पूछा: "और आपका क्या हाल है?"
फिलिप लोम्बार्ड का चेहरा कठोर और खतरनाक हो गया।
उसने कहा:
"मेरी अपनी कल्पना शक्ति काफी अच्छी है। मैं पहले भी कई मुश्किल परिस्थितियों में फंसा हूँ और उनसे बाहर निकल आया हूँ! मुझे लगता है - मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन मुझे लगता है कि मैं इससे भी बाहर निकल जाऊंगा।"

5

अंडे कड़ाही में थे। चूल्हे के पास खड़ी वेरा मन ही मन सोच रही थी:
मैंने खुद को इतना हास्यास्पद क्यों बना लिया? यह एक गलती थी। शांत रहो, मेरी बच्ची, शांत रहो।
आखिरकार, उसे हमेशा से ही अपनी समझदारी पर गर्व था!
"मिस क्लेथॉर्न बहुत शानदार थीं - उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और तुरंत सिरिल के पीछे तैरना शुरू कर दिया।"

अब इसके बारे में क्यों सोचना? सब कुछ खत्म हो चुका था... सिरिल के पास

चट्टान के पास पहुँचने से बहुत पहले ही वह गायब हो गई थी। उसने महसूस किया कि धारा उसे बहाकर समुद्र में ले जा रही है। उसने खुद को धारा के साथ बहने दिया, चुपचाप तैरती रही, जब तक कि अंत में नाव नहीं आ गई...
उन्होंने उसके साहस और धैर्य की प्रशंसा की थी... लेकिन ह्यूगो ने नहीं। ह्यूगो ने बस उसे देखा था...
हे भगवान, ह्यूगो के बारे में सोचकर अब भी कितना दर्द होता है... वो कहाँ था? क्या कर रहा था? क्या उसकी सगाई हो गई थी या शादी हो गई थी?
एमिली ब्रेंट ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
"वेरा, वो बेकन जल रहा है।"
"ओह, क्षमा करें, मिस ब्रेंट, ऐसा ही है। मैं कितना मूर्ख हूँ।" Fmilv Rrpnt liftPrI nzif thp Inct P(Ta frnni 01P 6771;nff fqt

डब्ल्यू

मैं
मैं
मैं
मैं
और तब कोई नहीं था

वेरा ने फ्राइंग पैन में बेकन के ताजे टुकड़े डालते हुए उत्सुकता से कहा:
"आप बेहद शांत हैं, मिस ब्रेंट।"
एमिली ब्रेंट ने अपने होंठ दबाते हुए कहा:
"मुझे सिखाया गया था कि अपना आपा न खोऊं और कभी भी बेवजह हंगामा न करूं।" वेरा ने यंत्रवत रूप से सोचा:
"बचपन में दमित... इसका बहुत बड़ा कारण है।" उसने कहा:
"क्या तुम्हें डर नहीं लगता?"
वह थोड़ी देर रुकी और फिर बोली:
"या तुम्हें मरने से कोई आपत्ति नहीं है?"
मर रही थी! ऐसा लग रहा था मानो एमिली ब्रेंट के दिमाग के ठोस जमे हुए हिस्से में एक नुकीली छोटी सी छुरी घुस गई हो। मर रही थी? लेकिन वह मरने वाली नहीं थी!
बाकी सब तो मर जाते—हाँ—लेकिन वो नहीं, एमिली ब्रेंट। ये लड़की समझ नहीं पा रही थी! एमिली डरी नहीं थी, स्वाभाविक रूप से — ब्रेंट परिवार में कोई भी डरा हुआ नहीं था। उसके सभी लोग सेवाभावी थे। वे मृत्यु का निडरता से सामना करते थे। वे नेक जीवन जीते थे, ठीक वैसे ही जैसे एमिली ब्रेंट ने नेक जीवन जिया था।
उसने कभी ऐसा कुछ नहीं किया था जिस पर उसे शर्म आए।. . . इसलिए, स्वाभाविक रूप से, उसकी मृत्यु नहीं होने वाली थी।. . .
"ईश्वर अपने लोगों का ख्याल रखता है।" "रात के आतंक से मत डरो; न ही दिन में उड़ने वाले तीर से..." अब दिन का उजाला हो गया था, कोई आतंक नहीं था। "हममें से कोई भी इस द्वीप को नहीं छोड़ेगा।" यह किसने कहा था? जनरल मैकार्थर ने, जिनके चचेरे भाई ने एल्सी मैकफर्सन से शादी की थी। उन्हें तो कोई परवाह ही नहीं थी।

बल्कि, ऐसा लग रहा था जैसे वे इस विचार का स्वागत कर रहे हों! दुष्टता! ऐसा सोचना लगभग अधार्मिक है। कुछ लोग मृत्यु को इतना तुच्छ समझते हैं कि वे अपनी जान ले लेते हैं। बीट्रिस टेलर। ...कल रात उसने बीट्रिस का सपना देखा था—सपना देखा कि वह बाहर खिड़की से अपना चेहरा सटाकर कराह रही थी और अंदर आने की गुहार लगा रही थी। लेकिन एमिली ब्रेंट उसे अंदर नहीं आने देना चाहती थी। क्योंकि अगर वह ऐसा करती, तो कुछ भयानक हो जाता...
एमिली एकदम चौंककर संभली। वह लड़की उसे बहुत अजीब तरह से देख रही थी। उसने तेज़ आवाज़ में कहा:
"सब कुछ तैयार है, है ना? हम नाश्ता अंदर ले जाएंगे।"

6

नाश्ता एक अनोखा अनुभव था। हर कोई बहुत विनम्र था। "क्या मैं आपके लिए थोड़ी और कॉफ़ी ला सकता हूँ, मिस ब्रेंट?"
49X X. ~1II .~ 1-1
हत्या की 300 उत्कृष्ट कृतियाँ

"एक और बेकन का टुकड़ा?"
छह लोग, सभी बाहरी तौर पर संयमित और सामान्य दिखते थे। लेकिन भीतर? उनके विचार पिंजरे में बंद गिलहरियों की तरह गोल-गोल घूमते रहते थे।

. . .

"आगे क्या? आगे क्या? कौन? कौन सा?"
क्या यह काम करेगा? मुझे आश्चर्य है। कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है। अगर समय हो तो।

हे भगवान, अगर समय हो तो...
"धार्मिक उन्माद, यही तो तरीका है... लेकिन उसे देखकर..."

आपको शायद ही यकीन हो।. . . मान लीजिए मैं गलत हूँ।. . ."
"यह सब पागलपन है—सब कुछ पागलपन भरा है। मैं पागल हो रही हूँ। ऊन गायब हो रहा है—लाल रेशमी पर्दे—यह समझ से परे है। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है..."
"वह मूर्ख तो मेरी हर बात पर यकीन कर लेता था। यह तो आसान था... लेकिन मुझे सावधान रहना होगा, बहुत सावधान।"
"क्या आज रात तक वो छोटी-छोटी चीनी मिट्टी की छह मूर्तियाँ आ जाएँगी?..."
"आखिरी अंडा किसके पास होगा?"
"मुरब्बा?"
"धन्यवाद, क्या मैं आपको थोड़ा सा हैम दे सकता हूँ?"
नाश्ते के समय छह लोग सामान्य व्यवहार कर रहे थे...

अध्याय 12

केवल छह-वहाँ कितने होंगे?

खाना खत्म हो गया था। न्यायमूर्ति वारग्रेव ने गला साफ किया। उन्होंने धीमी, अधिकारपूर्ण आवाज़ में कहा, "मुझे लगता है कि अगर हम स्थिति पर चर्चा करने के लिए मिलें तो बेहतर होगा। क्या हम आधे घंटे बाद ड्राइंग रूम में मिलें?" सभी ने सहमति जताते हुए एक आवाज़ निकाली। वेरा ने प्लेटें समेटनी शुरू कीं। उसने कहा, "मैं बर्तन साफ करके धो देती हूँ।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा, "हम आपके लिए सामान पेंट्री में ले आते हैं।" "धन्यवाद।" एमिली ब्रेंट उठकर फिर से नीचे बैठ गई। उसने कहा, "ओह, प्रिय।" न्यायाधीश ने कहा, "क्या कोई बात है, मिस ब्रेंट?"

और तब कोई नहीं था

एमिली ने माफी मांगते हुए कहा:
मुझे खेद है। मैं मिस क्लेथॉर्न की मदद करना चाहती हूँ, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। मुझे थोड़ा चक्कर आ रहा है। "चक्कर आ रहे हैं ना?" डॉ. आर्मस्ट्रांग उसकी ओर बढ़े। "बिल्कुल स्वाभाविक है। देर से होने वाला सदमा। मैं आपको कुछ दे सकता हूँ-"
"नहीं!"

उसके होंठों से ये शब्द किसी धमाके की तरह फूट पड़े। इसने सबको चौंका दिया। डॉ. आर्मस्ट्रांग का चेहरा लाल हो गया। उसके चेहरे पर डर और संदेह साफ झलक रहा था। उसने कड़े स्वर में कहा:
"जैसा आप चाहें, मिस ब्रेंट।"
उसने कहा:
"मैं कुछ भी नहीं लेना चाहता—बिल्कुल कुछ भी नहीं। मैं बस चुपचाप यहीं बैठा रहूंगा जब तक कि चक्कर आना बंद न हो जाए।" उन्होंने नाश्ते का सारा सामान समेट लिया।
ब्लोर ने कहा:
"मैं घरेलू कामों में माहिर आदमी हूँ। मैं आपकी मदद करूँगा, मिस क्लेथॉर्न।" वेरा ने कहा: "धन्यवाद।"
एमिली ब्रेंट भोजन कक्ष में अकेली बैठी रह गई। कुछ देर तक उसे पेंट्री से हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी। चक्कर आना बंद हो रहा था। अब उसे नींद आ रही थी, मानो वह आसानी से सो सकती हो।
उसके कानों में भनभनाहट हो रही थी—या फिर कमरे में सचमुच भनभनाहट हो रही थी? उसने सोचा:
"यह एक मधुमक्खी की तरह है - एक भौंरा की तरह।"
तभी उसने मधुमक्खी को देखा। वह खिड़की के शीशे पर रेंग रही थी।
वेरा क्लेथॉर्न ने आज सुबह मधुमक्खियों के बारे में बात की थी। मधुमक्खियाँ और शहद।
उसे शहद पसंद था। छत्ते वाला शहद, और उसे मलमल के थैले से छानना। टपक-टपक कर...
कमरे में किसी के होने की आहट सुनाई दी... बीट्रिस टेलर नदी से आई...
उसे बस अपना सिर घुमाना था और वह उसे देख लेती। लेकिन वह अपना सिर घुमा नहीं सकती थी।

अगर वह पुकारती...
लेकिन वह आवाज नहीं लगा सकी।
घर में और कोई नहीं था। वह बिल्कुल अकेली थी। उसने कदमों की आहट सुनी - पीछे से आती हुई धीमी, घिसटती हुई कदमों की आहट। डूबी हुई लड़की के लड़खड़ाते हुए कदमों की आहट।
उसकी नाक में एक नम और दुर्गंध भरी गंध आ रही थी।

कोई पूरी तरह भीगा हुआ और टपकता हुआ 302 हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

खिड़की के शीशे पर मधुमक्खी भिनभिना रही थी। और फिर उसे चुभन महसूस हुई। मधुमक्खी ने उसकी गर्दन के किनारे डंक मारा था।

2

ड्राइंग रूम में वे एमिली ब्रेंट का इंतजार कर रहे थे। वेरा क्लेथॉर्न ने कहा:
"क्या मैं जाकर उसे ले आऊं?"
ब्लोर ने तुरंत कहा:
"एक मिनट रुकिए।"
वेरा फिर से बैठ गई। सभी ने जिज्ञासा भरी निगाहों से ब्लोर की ओर देखा। उसने कहा:
"देखो सब लोग, मेरी राय ये है: इन मौतों के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को ढूंढने के लिए हमें इस समय भोजन कक्ष से आगे कहीं और देखने की जरूरत नहीं है। मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि हम उसी महिला की तलाश कर रहे हैं!"

आर्मस्ट्रांग ने कहा:
और मकसद क्या था?
"धार्मिक उन्माद। डॉक्टर साहब, आप क्या कहते हैं?" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"यह बिल्कुल संभव है। मुझे इसके खिलाफ कुछ नहीं कहना है। लेकिन जाहिर है हमारे पास इसका कोई सबूत नहीं है।"
वेरा ने कहा:
"नाश्ता करते समय वह रसोई में बहुत अजीब व्यवहार कर रही थी। उसकी आँखें-" वह काँप उठी।
लोम्बार्ड ने कहा:
"आप उसके बारे में ऐसा नहीं कह सकते। हम सब भी अब तक थोड़े-बहुत दिमागी रूप से परेशान हो चुके हैं!" ब्लोर ने कहा।
"एक और बात है। ग्रामोफोन रिकॉर्ड के बाद, वह अकेली ऐसी थी जिसने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। क्यों? क्योंकि उसके पास देने के लिए कोई स्पष्टीकरण था ही नहीं।" वेरा अपनी कुर्सी पर थोड़ी हिली। उसने कहा:
"यह पूरी तरह सच नहीं है। उसने मुझे बाद में बताया।" वारग्रेव ने कहा:
"उसने आपको क्या बताया, मिस क्लेथॉर्न?"
वेरा ने बीट्रिस टेलर की कहानी दोहराई।
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने टिप्पणी की:
"एकदम सीधी-सादी कहानी। मुझे व्यक्तिगत रूप से कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी। और फिर कोई नहीं बचा।"

303

क्या उसे इस मामले में अपने रवैये के लिए अपराधबोध या पश्चाताप की भावना से परेशानी हो रही है?
"बिल्कुल भी नहीं," वेरा ने कहा। "वह बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई।" ब्लोर ने कहा:
"इन धर्मपरायण कुंवारी महिलाओं के दिल पत्थर जैसे कठोर हैं! ज्यादातर ईर्ष्या ही इसका कारण है!" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"अब ग्यारह बजने में पाँच मिनट बाकी हैं। मुझे लगता है कि हमें मिस ब्रेंट को अपनी बैठक में शामिल होने के लिए बुलाना चाहिए।" ब्लोर ने कहा:
क्या आप कोई कार्रवाई नहीं करने वाले हैं?
न्यायाधीश ने कहा:
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम क्या कार्रवाई कर सकते हैं। फिलहाल, हमारे संदेह मात्र हैं। फिर भी, मैं डॉ. आर्मस्ट्रांग से मिस ब्रेंट के व्यवहार पर बहुत ध्यान से नज़र रखने के लिए कहूंगा। चलिए अब भोजन कक्ष में चलते हैं।" उन्होंने एमिली ब्रेंट को उसी कुर्सी पर बैठे पाया जिस पर उन्होंने उसे छोड़ा था। पीछे से देखने पर उन्हें कुछ भी असामान्य नहीं लगा, सिवाय इसके कि ऐसा लग रहा था कि उसने उनके कमरे में प्रवेश करने की आहट नहीं सुनी। और फिर उन्होंने उसका चेहरा देखा - खून से लथपथ, नीले होंठ और घूरती हुई आँखें। ब्लोर ने कहा:
हे भगवान! वह मर गई!

3

न्यायमूर्ति वारग्रेव की धीमी, शांत आवाज में कहा गया:

"हममें से एक और बरी हो गया - लेकिन बहुत देर हो चुकी है!" आर्मस्ट्रांग मृत महिला के ऊपर झुका हुआ था। उसने होंठों को सूंघा, सिर हिलाया और पलकों में झाँका।
लॉम्बार्ड ने अधीरता से कहा:
"डॉक्टर साहब, उसकी मौत कैसे हुई? जब हम उसे यहाँ छोड़कर गए थे तब वह बिल्कुल ठीक थी!" आर्मस्ट्रांग की नज़र गर्दन के दाहिनी ओर के एक निशान पर टिकी हुई थी। उन्होंने कहा:
"यह हाइपोडर्मिक सिरिंज का निशान है।"
खिड़की से भिनभिनाहट की आवाज आई। वेरा रो पड़ी:
"देखो-एक मधुमक्खी-एक भौंरा। याद है मैंने आज सुबह क्या कहा था!" हत्या की 304 उत्कृष्ट कृतियाँ

"उसे उस मधुमक्खी ने नहीं डंक मारा था! सिरिंज को एक इंसान के हाथ ने पकड़ा था।" जज ने पूछा:
"कौन सा जहर इंजेक्ट किया गया था?"
आर्मस्ट्रांग ने उत्तर दिया:
"अनुमानतः, साइनाइड में से एक। शायद पोटेशियम साइनाइड, वही जो एंथोनी मार्स्टन ने इस्तेमाल किया था। दम घुटने से उसकी लगभग तुरंत ही मौत हो गई होगी।" वेरा रोते हुए बोली।
"लेकिन वो मधुमक्खी? ये महज़ संयोग तो नहीं हो सकता?" लोम्बार्ड ने गंभीर स्वर में कहा:
"अरे नहीं, यह संयोग नहीं है! यह हमारे हत्यारे का स्थानीय रंग का स्पर्श है!"
वह एक चंचल जीव है। उसे अपनी उस घिसी-पिटी बच्चों वाली धुन पर यथासंभव टिके रहना पसंद है!

पहली बार उनकी आवाज बेसुरी, लगभग तीखी थी। ऐसा लग रहा था मानो खतरों और जोखिम भरे कामों से भरे लंबे करियर से मजबूत हुई उनकी नसें भी आखिरकार जवाब दे गई हों।
उसने उग्र स्वर में कहा:
"यह तो पागलपन है! बिलकुल पागलपन है - हम सब पागल हैं!" न्यायाधीश ने शांत भाव से कहा:
"मुझे उम्मीद है कि हमारी तर्कशक्ति अभी भी बरकरार है। क्या कोई इस घर में हाइपोडर्मिक सिरिंज लेकर आया है?"
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने खुद को सीधा करते हुए, कुछ हद तक असंतुलित स्वर में कहा:
"हाँ मैंने किया।"
चार जोड़ी निगाहें उस पर टिकी थीं। उसने उन निगाहों के गहरे शत्रुतापूर्ण संदेह का सामना करने के लिए खुद को तैयार किया। उसने कहा:
"हमेशा अपने साथ एक रखें। अधिकांश डॉक्टर ऐसा ही करते हैं।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने शांत भाव से कहा:
"बिल्कुल सही। डॉक्टर साहब, क्या आप हमें बता सकते हैं कि वह सिरिंज अब कहाँ है?"
"मेरे कमरे में सूटकेस में।"
वारग्रेव ने कहा:
"हो सकता है कि हम उस तथ्य की पुष्टि कर सकें।"
वे पाँचों चुपचाप ऊपर चले गए। सूटकेस का सारा सामान ज़मीन पर बिखरा पड़ा था। हाइपोडर्मिक सिरिंज वहाँ नहीं थी।

और तब कोई नहीं था

4

305

आर्मस्ट्रांग ने उग्र स्वर में कहा:
"किसी ने इसे जरूर चुरा लिया होगा!"
कमरे में सन्नाटा छा गया।
आर्मस्ट्रांग खिड़की की ओर पीठ करके खड़ा था। चार जोड़ी आँखें उस पर टिकी थीं, संदेह और आरोप से भरी हुई। उसने वारग्रेव से वेरा की ओर देखा और असहाय-कमजोर स्वर में दोहराया:
"मैं तुमसे कहता हूँ कि इसे किसी ने जरूर चुराया होगा।"
ब्लोर लोम्बार्ड को देख रहा था, जिसने भी उसे घूरकर देखा। न्यायाधीश ने कहा:
"इस कमरे में हम पाँच लोग हैं। हममें से एक हत्यारा है। स्थिति बेहद खतरनाक है। हम चारों निर्दोषों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। अब मैं आपसे, डॉ. आर्मस्ट्रांग, यह पूछना चाहता हूँ कि आपके पास कौन-कौन सी दवाएँ हैं?" आर्मस्ट्रांग ने उत्तर दिया:
"मेरे पास यहाँ एक छोटा सा दवाइयों का डिब्बा है। आप इसे देख सकते हैं। आपको इसमें कुछ नींद की दवाइयाँ मिलेंगी - ट्रियोनल और सल्फोनल की गोलियाँ - ब्रोमाइड का एक पैकेट, बेकिंग सोडा, एस्पिरिन। और कुछ नहीं। मेरे पास साइनाइड नहीं है।"
न्यायाधीश ने कहा:
"मेरे पास कुछ नींद की गोलियां हैं - सल्फोनल, मुझे लगता है। मेरा मानना है कि अगर इनकी पर्याप्त मात्रा ले ली जाए तो ये

जानलेवा हो सकती हैं। श्री लोम्बार्ड, आपके पास एक रिवॉल्वर है।" फिलिप लोम्बार्ड ने तीखे स्वर में कहा।
"अगर मैंने ऐसा किया हो तो क्या होगा?"
"बस इतना ही। मेरा प्रस्ताव है कि डॉक्टर के पास मौजूद दवाइयाँ, मेरी सल्फोनाल की गोलियाँ, आपका रिवॉल्वर और दवाइयों या आग्नेयास्त्रों से संबंधित कोई भी अन्य वस्तु एक साथ एकत्र करके सुरक्षित स्थान पर रख दी जाए। इसके बाद, हममें से प्रत्येक को अपनी तलाशी के लिए प्रस्तुत होना चाहिए - अपने शरीर और अपने सामान दोनों की।" लोम्बार्ड ने कहा।
मैं अपना रिवॉल्वर कभी नहीं छोडूंगा!
वारग्रेव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:
श्री लोम्बार्ड, आप बहुत ही हट्टे-कट्टे और ताकतवर नौजवान हैं, लेकिन पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर भी उतने ही ताकतवर हैं। मुझे नहीं पता कि आप दोनों के बीच संघर्ष का क्या नतीजा होगा, लेकिन मैं आपको इतना बता सकता हूँ। ब्लोर की तरफ से, अपनी पूरी क्षमता से उनकी सहायता करना... डॉ. आर्म-ट्रनो और मि-क्यू क्लकवथोर्न... आप...
हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

इसलिए, यह समझ लें कि यदि आप विरोध करने का विकल्प चुनते हैं, तो आपके खिलाफ परिस्थितियाँ काफी प्रतिकूल होंगी।" लोम्बार्ड ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया। उसके दाँत लगभग गुर्राहट की मुद्रा में दिखाई दे रहे थे। "अच्छा, तो ठीक है। चूंकि आपने सब कुछ टेप से ढक दिया है।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने सिर हिलाया। "आप एक समझदार युवक हैं। आपकी यह रिवॉल्वर कहाँ है?" "मेरे बिस्तर के पास वाली मेज की दराज में।"

"अच्छा।" "मैं ले आता हूँ।" "मुझे लगता है कि अगर हम आपके साथ चलें तो बेहतर होगा।" फिलिप ने गुस्से भरी मुस्कान के साथ कहा, "बड़े शक्की हो तुम!" वे गलियारे से होते हुए लोम्बार्ड के कमरे में गए। फिलिप पलंग के पास पहुँचा और दराज को झटके से खोला। फिर वह गुस्से में पीछे हट गया। पलंग की दराज खाली थी।

5

"संतुष्ट हो?" लोम्बार्ड ने पूछा।
वह पूरी तरह नग्न था और बाकी तीन लोगों ने उसकी और उसके कमरे की बारीकी से तलाशी ली थी। वेरा क्लेथॉर्न गलियारे में बाहर थी।
तलाशी व्यवस्थित ढंग से चल रही थी। बारी-बारी से आर्मस्ट्रांग, जज और ब्लोर ने भी उसी जांच से गुज़रना पड़ा।
चारों व्यक्ति ब्लोर के कमरे से बाहर निकले और वेरा के पास पहुँचे। न्यायाधीश ने ही बात की।
"मुझे उम्मीद है कि आप समझेंगी, मिस क्लेटबोर्न, कि हम कोई अपवाद नहीं कर सकते। वह रिवॉल्वर ढूंढनी ही होगी। मुझे लगता है कि आपके पास स्विमिंग सूट होगा?" वेरा ने सिर हिलाया।
"फिर मैं आपसे कहूंगा कि आप अपने कमरे में जाकर इसे पहन लें और फिर हमारे पास यहां आ जाएं।"
वेरा अपने कमरे में गई और दरवाजा बंद कर लिया। एक मिनट से भी कम समय में वह तंग फिटिंग वाली रेशमी रकल वाली स्विमिंग ड्रेस पहनकर वापस आई। वारग्रेव ने सहमति में सिर हिलाया।
"धन्यवाद, मिस क्लेथॉर्न। अब अगर आप यहीं रहेंगी, तो हम xv;n --6 --, _ I$

और तब कोई नहीं था

307

वेरा धैर्यपूर्वक गलियारे में उनके बाहर आने का इंतजार करती रही। फिर वह अंदर गई, कपड़े पहने और बाहर आकर उनके पास आ गई जहाँ वे इंतजार कर रहे थे।
न्यायाधीश ने कहा:
"अब हमें एक बात का पूरा भरोसा है। हम पांचों में से किसी के पास भी कोई घातक हथियार या ड्रग्स नहीं है। यह एक अच्छी बात है। अब हम ड्रग्स को सुरक्षित स्थान पर रख देंगे। मुझे लगता है, पेंट्री में एक चांदी का संदूक है, है ना?"
ब्लोर ने कहा:
"यह सब तो ठीक है, लेकिन चाबी किसके पास होगी? शायद आपके पास।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कोई जवाब नहीं दिया।
वह पेंट्री में नीचे गया और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे गए। वहाँ चांदी और चांदी के बर्तनों को रखने के लिए एक छोटा सा संदूक रखा था। न्यायाधीश के निर्देशानुसार, विभिन्न दवाइयाँ इसमें रखी गईं और इसे बंद कर दिया गया। फिर, वारग्रेव के निर्देशों पर ही, संदूक को बर्तनों की अलमारी में उठा लिया गया और इसे भी बंद कर दिया गया। इसके बाद न्यायाधीश ने संदूक की चाबी फिलिप लोम्बार्ड को और अलमारी की चाबी ब्लोर को दे दी। उन्होंने कहा: "शारीरिक रूप से तुम दोनों सबसे मजबूत हो। तुममें से किसी के लिए भी दूसरे से चाबी लेना मुश्किल होगा। हम तीनों में से किसी के लिए भी ऐसा करना असंभव होगा। अलमारी या बर्तनों का बक्सा

तोड़ना एक शोरगुल भरा और बोझिल काम होगा, और ऐसा काम बिना ध्यान आकर्षित किए शायद ही किया जा सकेगा।" वह रुका, फिर बोला:
"हमारे सामने अब भी एक बहुत गंभीर समस्या है। श्री लोम्बार्ड की रिवॉल्वर का क्या हुआ?"
ब्लोर ने कहा:
"मुझे लगता है कि इसके मालिक को ही इसके बारे में सबसे ज़्यादा जानकारी होगी।" फिलिप लोम्बार्ड की नाक में एक सफ़ेद धब्बा दिखाई दिया। उन्होंने कहा:
"अरे मूर्ख! मैं तुम्हें बताता हूँ, यह मुझसे चोरी हो गया है।" वारग्रेव ने पूछा:
आपने इसे आखिरी बार कब देखा था?
"कल रात। जब मैं सोने गया तो यह दराज में ही था - किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तैयार रहने के लिए।"
जज ने सिर हिलाया।
उसने कहा:
"यह तस्वीर आज सुबह रोजर्स की तलाश के दौरान मची अफरा-तफरी में या फिर उनके शव मिलने के बाद ली गई होगी।"

"यह घर में कहीं छिपा होगा। हमें इसे ढूंढना होगा।" न्यायमूर्ति वारग्रेव अपनी ठुड्डी पर उंगली फेर रहे थे। उन्होंने कहा:
"मुझे संदेह है कि हमारी खोज से कुछ हासिल होगा। हमारे हत्यारे को छिपने की जगह ढूंढने के लिए काफी समय मिल गया है। मुझे नहीं लगता कि हमें वह रिवॉल्वर आसानी से मिल पाएगी।"
ब्लोर ने ज़ोर देकर कहा:

"मुझे नहीं पता कि रिवॉल्वर कहाँ है, लेकिन मुझे यकीन है कि मुझे कुछ और पता है - वह हाइपोडर्मिक सिरिंज। मेरे पीछे आओ।"
उसने सामने का दरवाजा खोला और घर के चारों ओर आगे बढ़ा। भोजन कक्ष की खिड़की से थोड़ी दूरी पर उसे सिरिंज मिली। उसके बगल में चीनी मिट्टी की एक टूटी हुई मूर्ति पड़ी थी - एक पाँचवाँ टूटा हुआ भारतीय लड़का। ब्लोर ने संतुष्ट स्वर में कहा:
"यही एकमात्र जगह हो सकती है। उसे मारने के बाद, उसने खिड़की खोली और सिरिंज बाहर फेंक दी, फिर मेज से चीनी मिट्टी की मूर्ति उठाई और उसके पीछे-पीछे चला गया।"
सिरिंज पर कोई निशान नहीं थे। इसे अच्छी तरह से साफ किया गया था। वेरा ने दृढ़ स्वर में कहा:
"अब हम रिवॉल्वर की तलाश करते हैं।"
न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
"ज़रूर। लेकिन ऐसा करते समय हमें साथ रहना होगा। याद रखो, अगर हम अलग हो गए, तो हत्यारे को मौका मिल जाएगा।" उन्होंने घर की अटारी से लेकर तहखाने तक हर जगह अच्छी तरह से तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। रिवॉल्वर अभी भी गायब थी।

अध्याय 13

"हममें से एक...हममें से एक...हममें से एक..."

तीन शब्द, जिन्हें बार-बार दोहराया जाता है, घंटों तक ग्रहणशील दिमागों में समाहित होते रहते हैं।
पांच लोग—पांच डरे हुए लोग। पांच लोग जो एक-दूसरे को देख रहे थे, जो अब अपनी घबराहट को छुपाने की ज़हमत भी नहीं उठा रहे थे। अब दिखावे का नामोनिशान नहीं था—बातचीत का कोई औपचारिक आवरण नहीं था। वे पांच दुश्मन थे जो आत्मरक्षा की एक साझा प्रवृत्ति से जुड़े हुए थे। और अचानक, वे सभी कम से कम इंसान जैसे लग रहे थे। वे जानवरों जैसे व्यवहार की ओर लौट रहे थे। एक सतर्क बूढ़े कछुए की तरह, न्यायमूर्ति वारग्रेव झुके हुए बैठे थे, उनका शरीर गतिहीन था, उनकी आँखें पैनी थीं।

और तब कोई नहीं था

टी~

और सतर्क। पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर का शरीर पहले से अधिक खुरदरा और भद्दा लग रहा था। उसकी चाल किसी धीमी गति से चलने वाले जानवर जैसी थी। उसकी आँखें लाल थीं। उसके चेहरे पर क्रूरता और मूर्खता का मिलाजुला भाव था। वह किसी फँसे हुए जानवर की तरह था जो अपने पीछा करने वालों पर हमला करने के लिए तैयार हो। फिलिप लोम्बार्ड की इंद्रियाँ कमज़ोर होने के बजाय और भी तीव्र लग

रही थीं। उसके कान हल्की सी भी आवाज़ पर प्रतिक्रिया करते थे। उसके कदम हल्के और तेज़ थे, उसका शरीर लचीला और सुंदर था। और वह अक्सर मुस्कुराता था, उसके लंबे सफेद दाँतों से उसके होंठ पीछे की ओर मुड़ जाते थे। वेरा क्लेथॉर्न बहुत शांत थी। वह ज़्यादातर समय कुर्सी पर दुबकी बैठी रहती थी। उसकी आँखें सामने खाली जगह में टकटकी लगाए रहती थीं। वह स्तब्ध लग रही थी। वह किसी ऐसे पक्षी की तरह थी जिसका सिर कांच से टकरा गया हो और जिसे किसी इंसान ने उठा लिया हो। वह वहाँ डरी हुई, हिलने-डुलने में असमर्थ, दुबकी हुई बैठी है, मानो अपनी गतिहीनता से खुद को बचा रही हो।
आर्मस्ट्रांग की हालत बेहद दयनीय थी। वह कांप रहा था और उसके हाथ थरथरा रहे थे। वह एक के बाद एक सिगरेट जलाता और तुरंत बुझा देता। उनकी मजबूरी में निष्क्रियता उसे दूसरों से कहीं ज्यादा परेशान कर रही थी। बीच-बीच में वह घबराहट में बेतहाशा बोलने लगता था।
"हमें यहाँ यूँ ही बैठे नहीं रहना चाहिए! कुछ तो करना ही होगा— ज़रूर, ज़रूर कुछ तो होगा जो हम कर सकते हैं? अगर हम अलाव जलाएँ — " ब्लोर ने भारी स्वर में कहा:
"इस मौसम में?"
बारिश फिर से तेज़ हो रही थी। हवा रुक-रुक कर तेज़ झोंकों के साथ चल रही थी। बारिश की बूंदों की निराशाजनक आवाज़ से वे लगभग पागल हो रहे थे। मौन सहमति से, उन्होंने एक रणनीति बना ली थी। वे सभी बड़े ड्राइंग रूम में बैठ गए। एक समय में केवल एक ही व्यक्ति कमरे से बाहर जाता था। बाकी चार लोग पाँचवें के लौटने तक इंतज़ार करते थे।
लोम्बार्ड ने कहा:

"यह तो बस समय की बात है। मौसम साफ हो जाएगा। फिर हम कुछ कर सकते हैं—संकेत दे सकते हैं—आग जला सकते हैं—एक बेड़ा बना सकते हैं—कुछ भी!" आर्मस्ट्रांग ने अचानक ठहाके लगाते हुए कहा। समय का सवाल? हमारे पास समय नहीं है! हम सब मर जाएंगे... न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा, और उनकी छोटी, स्पष्ट आवाज जोशीले दृढ़ संकल्प से भरी हुई थी:
"अगर हम सावधान रहें तो नहीं। हमें बहुत सावधान रहना होगा। दोपहर का भोजन विधिवत खा लिया गया था - लेकिन उसमें कोई औपचारिकता नहीं बरती गई थी। वे पाँचों रसोई में चले गए थे। भंडारगृह में उन्हें डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का बड़ा भंडार मिला। उन्होंने जीभ का एक डिब्बा और फलों के दो डिब्बे खोले। उन्होंने रसोई की मेज के चारों ओर खड़े होकर खाना खाया। फिर, एक साथ सटकर, वे
310

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

वे ड्राइंग रूम में लौट आए थे—वहाँ बैठकर—एक दूसरे को देखते हुए...
और अब उनके दिमाग में जो विचार चल रहे थे, वे असामान्य, बुखार से ग्रस्त और रोगग्रस्त थे।
"ये आर्मस्ट्रांग है... मैंने अभी-अभी उसे मेरी तरफ तिरछी नज़र से देखते हुए देखा।"
उसकी आँखें पागल हैं... बिलकुल पागल... शायद वो डॉक्टर है ही नहीं... बस यही बात है!... वो पागल है, किसी डॉक्टर के घर से भागा हुआ है और डॉक्टर होने का नाटक कर रहा है... ये सच है... क्या मैं

उन्हें बता दूँ?... क्या मैं चिल्ला दूँ?... नहीं, उसे सावधान करना ठीक नहीं होगा... वैसे भी वो बहुत समझदार लग सकता है... समय क्या हुआ है?...
अभी सवा तीन बजे हैं! . . . हे भगवान, मैं तो पागल ही हो जाऊँगी. . . हाँ, ये आर्मस्ट्रांग है. . . . वो अभी मुझे देख रहा है।. 1)
"वे मुझे पकड़ नहीं पाएंगे! मैं अपना ख्याल खुद रख सकता हूँ... मैं पहले भी मुश्किल हालातों में फँस चुका हूँ... वो रिवॉल्वर कहाँ है?... उसे किसने लिया?"
किसके पास है? ... किसी के पास नहीं है - हम जानते हैं।

सबकी तलाशी ली गई... किसी के पास नहीं हो सकता... लेकिन कोई न कोई जानता है कि यह कहाँ है..."
वे पागल हो रहे हैं... वे सब पागल हो जाएंगे... मौत से डरते हुए

हम सब मौत से डरते हैं... मैं भी मौत से डरता हूँ... हाँ, लेकिन इससे मौत का आना नहीं रुकता... 'महोदय की गाड़ी दरवाजे पर है, महोदय।' मैंने यह कहाँ पढ़ा था? वह लड़की... मैं उस लड़की को देखूँगा। हाँ, मैं उस लड़की को देखूँगा।
... "बहुवचन चार... केवल पौने चार... शायद घड़ी रुक गई है... मुझे समझ नहीं आ रहा-नहीं, मुझे समझ नहीं आ रहा... ऐसा नहीं हो सकता... यह हो रहा है... हम जाग क्यों नहीं जाते?"
जाग जाओ-न्याय का दिन-नहीं, वो नहीं! काश मैं सोच पाता... मेरा दिमाग-मेरे दिमाग में कुछ हो रहा है-ये फटने वाला है-ये टुकड़े- टुकड़े होने वाला है।
...इस तरह की बात नहीं हो सकती...

समय क्या हुआ है? हे भगवान! अभी तो पौने चार बजे हैं।
मुझे अपना आपा बनाए रखना होगा... मुझे अपना आपा बनाए रखना होगा... काश मैं

अपना दिमाग शांत रखो... सब कुछ एकदम साफ है—सब कुछ तय हो चुका है। लेकिन किसी को शक नहीं होना चाहिए। शायद इससे काम बन जाए। ज़रूर! कौन सा? यही सवाल है—कौन सा? मुझे लगता है—हाँ, मुझे लगता है—हाँ—वही।
जैसे ही घड़ी में पांच बजे, वे सब उछल पड़े।
वेरा ने कहा:
क्या किसी को चाय चाहिए?
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया। ब्लोर ने कहा:
मुझे एक कप चाहिए।
वेरा उठी। उसने कहा:
"मैं जाकर इसे बना देता हूँ। आप सब यहीं रह सकते हैं।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने विनम्रता से कहा:

और तब कोई नहीं था

"मुझे लगता है, मेरी प्यारी युवती, हम सभी आपको इसे बनाते हुए देखना पसंद करेंगे।"
वेरा ने घूरकर देखा, फिर एक छोटी सी, कुछ हद तक उन्मादी हंसी हंसी। उसने कहा:
"बिल्कुल! आप ऐसा ही करेंगे!"

पांच लोग रसोई में गए। वेरा और ब्लोर ने चाय बनाई और पी ली। बाकी तीन लोगों ने व्हिस्की पी - एक नई बोतल खोली और एक बंद डिब्बे से साइफन का इस्तेमाल करके व्हिस्की निकाली।
न्यायाधीश ने सरीसृप जैसी मुस्कान के साथ धीरे से कहा:
हमें बहुत सावधान रहना होगा. . . .
वे फिर से ड्राइंग रूम में लौट गए। हालांकि गर्मी का मौसम था, कमरा अंधेरा था। लोम्बार्ड ने लाइटें चालू कीं, लेकिन वे नहीं जलीं। उन्होंने कहा:
"बिल्कुल! इंजन आज चालू नहीं हुआ है क्योंकि रोजर्स इसे देखने के लिए वहां मौजूद नहीं थे।"
वह हिचकिचाया और बोला:
"मुझे लगता है कि हम बाहर जाकर इसे शुरू कर सकते हैं।" न्यायमूर्ति वारग्रेव ने कहा:
“रखघर में मोमबत्तियों के पैकेट रखे हैं, मैंने देखे थे, उन्हीं का इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा।” लोम्बार्ड बाहर चला गया। बाकी चारों एक-दूसरे को देखते रहे। वह मोमबत्तियों का एक डिब्बा और तश्तरियों का ढेर लेकर लौटा। पाँच मोमबत्तियाँ जलाई गईं और कमरे में अलग-अलग जगहों पर रख दी गईं।
समय पौने छह बजे का था।

2

सवा छह बजे, वेरा को लगा कि अब और बैठना असहनीय है। वह अपने कमरे में जाकर अपने दर्द भरे सिर और कनपटी को ठंडे पानी से धोएगी। वह उठी और दरवाजे की ओर गई। तभी उसे याद आया और वह वापस आकर डिब्बे से एक मोमबत्ती निकाली। उसने उसे जलाया, थोड़ा सा मोम एक तश्तरी

[illegible]

[illegible]... [illegible] [illegible] [illegible]... [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] 312 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [

लेकिन वो गंध—सेंट ट्रेडेनिक के समुद्र तट की वो गंध... वो कल्पना नहीं थी। वो सचमुच थी...

और कमरे में कोई था... उसने कुछ सुना था—ज़रूर कुछ सुना था...

और फिर, जब वह वहाँ खड़ी सुन रही थी—एक ठंडा, चिपचिपा हाथ उसके गले को छू गया—एक गीला हाथ, जिसमें समुद्र की गंध थी...

3

वेरा चीखी। वह चीखती ही रही—बेहद दहशत भरी चीखें—मदद के लिए बेतहाशा गुहार।
उसे नीचे से आती कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी, न कुर्सी के पलटने की, न दरवाज़ा खुलने की, न ही पुरुषों के सीढ़ियों पर दौड़ने की। वह केवल घोर भय से ग्रस्त थी।
फिर, उसकी चेतना वापस लौटते ही, दरवाजे पर रोशनी टिमटिमा उठी - मोमबत्तियाँ - और कुछ आदमी कमरे में जल्दी से अंदर आ रहे थे। "ये क्या हो रहा है?" "क्या हुआ है?" "हे भगवान, ये क्या है?" वो कांप उठी, एक कदम आगे बढ़ी और ज़मीन पर गिर पड़ी। उसे बस इतना ही होश था कि कोई उसके ऊपर झुका हुआ है, कोई उसका सिर उसके घुटनों के बीच दबा रहा है।
फिर अचानक एक विस्मयबोधक स्वर में, "हे भगवान, उसे देखो!" कहते हुए, उसकी चेतना वापस लौटी। उसने अपनी आँखें खोलीं और सिर उठाया। उसने देखा कि मोमबत्ती लिए हुए आदमी किस चीज़ को देख रहे थे।

और तब कोई नहीं था

छत से गीली समुद्री शैवाल की एक चौड़ी पट्टी लटक रही थी। वही थी जो अंधेरे में उसके गले से टकराई थी। वही थी जिसे उसने एक चिपचिपा हाथ समझा था, एक डूबा हुआ हाथ जो मौत के मुंह से वापस आकर उसकी जान निचोड़ने आया था!
वह बेतहाशा हंसने लगी। उसने कहा:
"यह समुद्री शैवाल था—सिर्फ समुद्री शैवाल—और यही गंध थी... और फिर उसे एक बार फिर कमजोरी महसूस होने लगी—बीमारी की लहरें एक के बाद एक। फिर किसी ने उसका सिर पकड़ा और उसे उसके घुटनों के बीच दबा दिया। मानो युगों बीत गए हों। वे उसे कुछ पीने के लिए दे रहे थे, गिलास उसके होठों से सटाकर। उसे ब्रांडी की गंध आई। वह कृतज्ञतापूर्वक उस पेय को गटकने ही वाली थी कि अचानक, एक चेतावनी भरी घंटी—जैसे कोई अलार्म बज रहा हो—उसके दिमाग में गूंज उठी। वह उठ बैठी, गिलास को दूर धकेलते हुए। उसने तीखे स्वर में कहा:
"यह कहां से आया है?"
ब्लोर की आवाज़ सुनाई दी। बोलने से पहले वह एक मिनट तक घूरता रहा। उसने कहा: "मैं इसे नीचे से लाया हूँ।"
वेरा रो पड़ी:
मैं इसे नहीं पीऊंगा।
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया, फिर लोम्बार्ड हंस पड़ा। उन्होंने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा:
"शाबाश, वेरा! तुम बहुत समझदार हो—भले ही तुम बुरी तरह डर गई हो। मैं एक नई बोतल लाता हूँ जो खुली न हो।" वह झटपट बाहर चला गया।

वेरा ने अनिश्चितता से कहा:
"मैं अब ठीक हूँ। मैं थोड़ा पानी पी लूँगी।" आर्मस्ट्रांग ने उसे सहारा दिया जब वह संघर्ष करते हुए अपने पैरों पर खड़ी हुई। वह चली गई।
सी19
वह बेसिन की ओर लड़खड़ाते हुए और सहारे के लिए उसे पकड़ते हुए गई। उसने ठंडे पानी का नल खुला छोड़ दिया और फिर गिलास भर लिया। ब्लोर ने नाराज़गी से कहा: "वह ब्रांडी ठीक है।" आर्मस्ट्रांग ने कहा: "तुम्हें कैसे पता?" ब्लोर ने गुस्से से कहा:
"मैंने इसमें कुछ नहीं डाला। मेरा मानना है कि आप यही कहना चाह रहे हैं।" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
हत्या की 314 उत्कृष्ट कृतियाँ

"मैं ये नहीं कह रहा कि तुमने किया। हो सकता है तुमने किया हो, या हो सकता है किसी ने इस आपात स्थिति के लिए बोतल के साथ छेड़छाड़ की हो।" लोम्बार्ड तेज़ी से कमरे में वापस आ गया।
उसके हाथों में ब्रांडी की एक नई बोतल और एक कॉर्कस्क्रू था। उसने सीलबंद बोतल को वेरा की नाक के नीचे कर दिया।
"लो, मेरी बच्ची। कोई छल नहीं।" उसने टिन की पन्नी हटाई और ढक्कन खोला। "अच्छा हुआ घर में शराब का अच्छा भंडार है। यू. एन. ओवेन का यह अच्छा काम है।"
वेरा बुरी तरह कांप उठी।
आर्मस्ट्रांग ने गिलास पकड़ रखा था जबकि फिलिप उसमें ब्रांडी डाल रहा था। उसने कहा:

"मिस क्लेथॉर्न, बेहतर होगा कि आप इसे पी लें। आपको बहुत बड़ा झटका लगा है।" वेरा ने थोड़ी सी शराब पी ली। उसके चेहरे की रौनक लौट आई। फिलिप लोम्बार्ड हंसते हुए बोला:
"खैर, ये एक ऐसी हत्या है जो योजना के अनुसार नहीं हुई!" वेरा ने लगभग फुसफुसाते हुए कहा:
"क्या आपको लगता है कि यही मतलब था?"
लोम्बार्ड ने सिर हिलाया।
"मुझे उम्मीद थी कि आप डर के मारे बेहोश हो जाएंगे! कुछ लोग तो हो ही जाते, है ना डॉक्टर साहब।"
आर्मस्ट्रांग ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने संशयपूर्ण लहजे में कहा:
"हम्म, कहना असंभव है। युवा, स्वस्थ व्यक्ति - हृदय की कोई कमजोरी नहीं। संभावना कम है। दूसरी ओर-"
उसने ब्लोर द्वारा लाया गया ब्रांडी का गिलास उठाया। उसने अपनी उंगली उसमें डुबोई और धीरे से चखा। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। उसने संदेह भरे स्वर में कहा:
"हम्म, स्वाद ठीक है।"
ब्लोर गुस्से से आगे बढ़ा। उसने कहा:
"अगर तुम कह रहे हो कि मैंने इसमें छेड़छाड़ की है, तो मैं तुम्हारा सिर फोड़ दूंगी।" ब्रांडी के नशे में तरोताजा वेरा ने बात को घुमाते हुए कहा:
जज कहाँ है?
तीनों पुरुषों ने एक-दूसरे की ओर देखा।
"यह अजीब है... मुझे लगा था कि वह हमारे साथ आया था।" ब्लोर ने कहा:

"मैंने भी ऐसा ही किया... इसमें क्या है, डॉक्टर? आप मेरे पीछे सीढ़ियों से ऊपर आए थे।" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"मुझे लगा कि वह मेरा पीछा कर रहा है... ज़ाहिर है, वह हमसे धीमी गति से ही चलेगा। वह बूढ़ा आदमी है।"
उन्होंने एक बार फिर एक दूसरे की ओर देखा।
लोम्बार्ड ने कहा:

और तब कोई नहीं था

"यह तो बेहद अजीब है।"
ब्लोर रो पड़ी:
हमें उसकी तलाश करनी होगी।
वह दरवाजे की ओर बढ़ा। बाकी लोग उसके पीछे-पीछे चले3, वेरा सबसे पीछे। सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए आर्मस्ट्रांग ने पीछे मुड़कर कहा:
"बेशक वह बैठक कक्ष में ही रुका होगा। वे गलियारे से गुज़रे। आर्मस्ट्रांग ने ज़ोर से आवाज़ लगाई:
"वॉरग्रेव, वॉरग्रेव, तुम कहाँ हो?"
कोई जवाब नहीं आया। बारिश की हल्की फुहार के अलावा घर में सन्नाटा पसरा हुआ था।
फिर, ड्राइंग रूम के दरवाजे के प्रवेश द्वार पर, आर्मस्ट्रांग एकदम रुक गया। बाकी लोग उसके पास जमा हो गए और उसके कंधे के ऊपर से देखने लगे।
किसी ने चीख मारी।
न्यायमूर्ति वारग्रेव कमरे के अंत में अपनी ऊँची पीठ वाली कुर्सी पर बैठे थे। उनके दोनों ओर दो मोमबत्तियाँ जल रही थीं।

लेकिन जिस बात ने देखने वालों को चौंका दिया, वह यह थी कि वे वहाँ लाल रंग के वस्त्र पहने और सिर पर न्यायाधीश की विग लगाए बैठे थे।
डॉ. आर्मस्ट्रांग ने बाकी लोगों को पीछे हटने का इशारा किया। वे खुद लड़खड़ाते हुए, चुपचाप घूरते हुए उस व्यक्ति की ओर बढ़े, मानो कोई शराबी हो। वे आगे झुके और उस स्थिर चेहरे को ध्यान से देखने लगे। फिर, एक झटके में उन्होंने विग को ऊपर उठाया। वह ज़मीन पर गिर गई, जिससे ऊँचा गंजा माथा दिखाई दिया, जिसके ठीक बीच में एक गोल धब्बा था, जिससे कुछ रिस रहा था।... डॉ. आर्मस्ट्रांग ने उस बेजान हाथ को उठाया और नब्ज़ जाँची। फिर वे बाकी लोगों की ओर मुड़े।
उसने कहा—और उसकी आवाज़ भावहीन, निर्जीव, दूर से आती हुई थी: उसे गोली लग गई है।
ब्लोर ने कहा:
"हे भगवान! रिवॉल्वर!"
डॉक्टर ने उसी बेजान आवाज में कहा:
"सिर में गोली लगी। पलक झपकते ही।" वेरा विग के पास झुकी। उसने कहा, और उसकी आवाज़ भय से कांप रही थी: "मिस ब्रेंट की भूरी ऊन गायब है।"
ब्लोर ने कहा:
"और वो लाल पर्दा जो बाथरूम से गायब था..." वेरा ने फुसफुसाते हुए कहा:
"तो उन्हें इसी काम के लिए इनकी जरूरत थी।"
अचानक फिलिप लोम्बार्ड जोर से हँस पड़ा—एक कर्कश, अप्राकृतिक हँसी।

"'पांच छोटे भारतीय लड़के कानून की पढ़ाई करने जा रहे थे; एक को चांसरी कोर्ट में दाखिला मिल गया और

मैं मैं

. ..

हत्या की 316 उत्कृष्ट कृतियाँ

फिर चार बचे।’ मिस्टर ब्लडी जस्टिस वारग्रेव का यहीं अंत होता है। अब उन्हें सजा सुनाने का कोई अधिकार नहीं! अब उन्हें काली टोपी पहनने का भी अधिकार नहीं!
अब वो आखिरी बार अदालत में बैठेगा! अब और निर्दोष लोगों को सजा सुनाकर मौत की सजा नहीं देगा। अगर एडवर्ड सेटन यहाँ होता तो कितना हँसता! हे भगवान, कितना हँसता!” उसके इस अचानक गुस्से ने बाकी लोगों को चौंका दिया। वेरा रो पड़ी:
"आज सुबह ही तो आपने कहा था कि वही दोषी है!" फिलिप लोम्बार्ड का चेहरा गंभीर हो गया। उसने धीमी आवाज़ में कहा: "हाँ, मैंने कहा था... खैर, मैं गलत था। हममें से एक और निर्दोष साबित हो गया - लेकिन बहुत देर हो चुकी है!"

अध्याय 14

वे न्यायमूर्ति वारग्रेव को उनके कमरे तक ले गए और उन्हें बिस्तर पर लिटा दिया। फिर वे नीचे आए और दालान में खड़े होकर एक-दूसरे को देखने लगे। ब्लोर ने भारी स्वर में कहा:
"अब क्या करें?"
लॉम्बार्ड ने तेज़ी से कहा:
"कुछ खा लो। हमें खाना तो खाना ही है।" वे फिर रसोई में गए। उन्होंने फिर जीभ का डिब्बा खोला। उन्होंने बिना स्वाद लिए ही, बेमन से खाना शुरू कर दिया।
वेरा ने कहा:
मैं अब कभी जीभ नहीं खाऊंगा।
उन्होंने खाना खत्म कर लिया। वे रसोई की मेज के चारों ओर बैठे एक-दूसरे को घूर रहे थे।
ब्लोर ने कहा:

"अब हम सिर्फ चार ही बचे हैं... अगला कौन होगा?"

आर्मस्ट्रांग घूरता रहा। उसने लगभग यंत्रवत ढंग से कहा:
"हमें बहुत सावधान रहना होगा-" कहकर वह रुक गया।
ब्लोर ने सिर हिलाया।
"उसने यही कहा था... और अब उसकी मौत हो गई है!" आर्मस्ट्रांग ने कहा:
"मुझे आश्चर्य है कि यह सब कैसे हुआ?"
लॉम्बार्ड ने कसम खाई। उसने कहा:

"यह तो सरासर चालाकी भरा धोखा था! वह सामान मिस के दिमाग में जानबूझकर डाला गया था।"

और तब कोई नहीं था

क्लेथॉर्न के कमरे में सब कुछ ठीक वैसे ही हुआ जैसा सोचा गया था। सब लोग यह सोचकर वहां दौड़ पड़े कि उसकी हत्या हो रही है। और इस अफरा-तफरी में किसी ने उस बूढ़े आदमी को बेखबर पकड़ लिया।" ब्लोर ने कहा:
"गोली चलने की आवाज किसी ने क्यों नहीं सुनी?"
लोम्बार्ड ने अपना सिर हिलाया।
"मिस क्लेथॉर्न चीख रही थीं, हवा ज़ोर से चल रही थी, हम इधर-उधर भाग रहे थे और आवाज़ लगा रहे थे। नहीं, हमारी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी।" वह रुका। "लेकिन यह चाल दोबारा काम नहीं करेगी। अगली बार उसे कुछ और कोशिश करनी होगी।" ब्लोर ने कहा:
"शायद वो करेगा।"
उनकी आवाज में एक अप्रिय स्वर था। दोनों पुरुषों ने एक-दूसरे को घूरकर देखा। आर्मस्ट्रांग ने कहा:
हम चार लोग हैं, और हमें नहीं पता कि कौन से लोग हैं।
ब्लोर ने कहा:
यह
"मुझे पता है... वेरा ने कहा: "मुझे ज़रा भी संदेह नहीं है।" आर्मस्ट्रांग ने धीरे से कहा:
"मुझे लगता है कि मैं सचमुच जानता हूँ।" फिलिप लोम्बार्ड ने कहा: "मुझे लगता है कि अब मुझे काफी हद तक अंदाजा हो गया है..." फिर से वे सब एक-दूसरे की ओर देखने लगे... वेरा लड़खड़ाते हुए

खड़ी हुई। उसने कहा: "मुझे बहुत बुरा लग रहा है। मुझे बिस्तर पर जाना चाहिए... मैं बुरी तरह थक गई हूँ।" लोम्बार्ड ने कहा: "ठीक है। एक-दूसरे को देखते हुए बैठे रहने का कोई फायदा नहीं।" ब्लोर ने कहा: "मुझे कोई आपत्ति नहीं है... डॉक्टर ने धीरे से कहा: "यही सबसे अच्छा है - हालाँकि मुझे संदेह है कि हममें से कोई सो पाएगा।" वे दरवाजे की ओर बढ़े। ब्लोर ने कहा: "पता नहीं अब वह रिवॉल्वर कहाँ है?"

11

2

वे सीढ़ियों से ऊपर गए। अगला दृश्य किसी प्रहसन के दृश्य जैसा था। हत्या की 318 उत्कृष्ट कृतियाँ

चारों अपने-अपने बेडरूम के दरवाज़े के हैंडल पर हाथ रखे खड़े थे। फिर, मानो किसी इशारे पर, हर कोई कमरे में दाखिल हुआ और दरवाज़ा बंद कर लिया। कुंडी और ताले लगने की आवाज़ें आईं, फर्नीचर के हिलने-डुलने की आवाज़ें सुनाई दीं। चार डरे हुए लोग सुबह तक अंदर बंद रहे।

3

दरवाजे के हैंडल के नीचे कुर्सी को ठीक करते हुए मुड़ते ही फिलिप लोम्बार्ड ने राहत की सांस ली।
वह टहलते हुए ड्रेसिंग टेबल की ओर बढ़ा।

टिमटिमाती मोमबत्ती की रोशनी में उसने उत्सुकता से उसका चेहरा देखा। उसने धीरे से मन ही मन कहा:
"हाँ, इस धंधे ने तुम्हें वाकई में परेशान कर दिया है।" उसके चेहरे पर अचानक भेड़िये जैसी मुस्कान उभर आई।
उसने जल्दी से कपड़े उतार दिए।
वह बिस्तर के पास गया और अपनी घड़ी बिस्तर के बगल वाली मेज पर रख दी। फिर उसने मेज का दराज खोला।
वह वहीं खड़ा रहा, अंदर रखी रिवॉल्वर को घूरता रहा।

यह । । । ।

4

वेरा क्लेथॉर्न बिस्तर पर लेटी हुई थी।
मोमबत्ती अब भी उसके बगल में जल रही थी।
अभी तक उसमें आग बुझाने की हिम्मत नहीं हुई थी। उसे अंधेरे से डर लगता था।
वह बार-बार खुद से कहती रही: "सुबह तक तुम ठीक हो। कल रात कुछ नहीं हुआ। आज रात कुछ नहीं होगा। कुछ हो ही नहीं सकता। तुम अंदर बंद हो और ताला लगा हुआ है। कोई तुम्हारे पास नहीं आ सकता..." और अचानक उसके मन में एक विचार आया:
"बेशक! मैं यहीं रह सकती हूँ! यहीं बंद होकर रह सकती हूँ! खाने की कोई परवाह नहीं! मैं यहाँ सुरक्षित रूप से रह सकती हूँ जब तक मदद नहीं आती! चाहे एक दिन ही क्यों न हो—या दो दिन..." यहीं रह सकती हूँ। हाँ, लेकिन क्या वह सच में यहाँ रह सकती थी? घंटों-घंटों तक

— बात करने के लिए कोई नहीं, करने के लिए कुछ नहीं सिवाय सोचने के...

और तब कोई नहीं था

वह कॉर्नवाल, ह्यूगो और सिरिल से कही गई बातों के बारे में सोचने लगती। वह भयानक रोने वाला छोटा लड़का, हमेशा उसे तंग करता रहता था।
"मिस क्लेथॉर्न, मैं चट्टान तक तैरकर क्यों नहीं जा सकती? मैं जा सकती हूँ। मुझे पता है मैं जा सकती हूँ।" क्या यह उसकी आवाज़ थी जिसने जवाब दिया था?
"बिल्कुल कर सकते हो, सिरिल, सचमुच। मुझे पता है।"
"तो क्या मैं जा सकता हूँ, मिस क्लेथॉर्न?"
"देखो, सिरिल, तुम्हारी माँ तुम्हारे बारे में बहुत चिंतित रहती है। मैं तुम्हें एक सुझाव देता हूँ। कल तुम तैरकर चट्टान तक जा सकते हो। मैं समुद्र तट पर तुम्हारी माँ से बात करूँगा और उनका ध्यान भटकाऊँगा। और फिर, जब वह तुम्हें ढूँढेंगी, तो तुम वहाँ चट्टान पर खड़े होकर उन्हें हाथ हिलाते हुए मिलोगे! यह उनके लिए एक आश्चर्य होगा!"
"ओह, वाह, मिस क्लेथॉर्न! ये तो बहुत मज़ेदार होगा!" उसने ये बात कह दी थी। कल! ह्यूगो न्यूक्वे जा रहा था। जब वो वापस आएगा, तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। हाँ, लेकिन मान लो कि ऐसा नहीं हुआ? मान लो कि कुछ गड़बड़ हो गई? सिरिल को समय पर बचाया जा सकता था। और फिर-फिर वो कहता, "मिस क्लेथॉर्न ने कहा था कि मैं बचा सकता हूँ।" खैर, इसमें क्या है? थोड़ा जोखिम तो लेना ही पड़ता है! अगर सबसे बुरा भी हुआ, तो वो बेशर्मी से बात संभाल लेगी। "तुम इतना बड़ा

झूठ कैसे बोल सकते हो, सिरिल? मैंने तो ऐसी कोई बात ही नहीं कही!" सब उसकी बात पर यकीन कर लेंगे। सिरिल अक्सर कहानियां सुनाता था। वो झूठ बोलने वाला बच्चा था। सिरिल को पता होगा, बेशक। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।. . . और वैसे भी कुछ गलत नहीं होगा। वो उसके पीछे तैरने का नाटक करेगी। लेकिन वो बहुत देर से पहुँचेगी।. . . किसी को शक भी नहीं होगा।. . .
क्या ह्यूगो को शक था? क्या इसीलिए उसने उसे उस अजीबोगरीब, दूर-दूर से देखा था...? क्या ह्यूगो को पता था?
क्या यही कारण था कि वह पूछताछ के बाद इतनी जल्दी में चला गया था?
उसने उसके द्वारा लिखे गए एकमात्र पत्र का जवाब नहीं दिया था... ह्यूगो...
वेरा बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदल रही थी। नहीं, नहीं, उसे ह्यूगो के बारे में नहीं सोचना चाहिए। बहुत दर्द हो रहा था! वह सब खत्म हो चुका था, बिल्कुल खत्म।
इसे भुला देना चाहिए...
आज शाम अचानक उसे ऐसा क्यों लगा कि ह्यूगो उसके साथ कमरे में है? उसने छत की ओर देखा, कमरे के बीचोंबीच लगे बड़े काले हुक को घूरती रही।
उसने उस हुक पर पहले कभी ध्यान नहीं दिया था।
समुद्री शैवाल उससे लटक रहा था. . . .
उसे अपनी गर्दन पर उस ठंडे, चिपचिपे स्पर्श की याद आते ही कंपकंपी छूट गई।

- 1

मैं
एफ
मैं
मैं
मैं

मैं
... ह्यूगो
हत्या की 320 उत्कृष्ट कृतियाँ

उसे छत पर लगा वो हुक पसंद नहीं था। वो आपकी नज़रें अपनी ओर खींचता था, आपको मोहित कर लेता था।
...एक बड़ा काला हुक।

5

पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर अपने बिस्तर के किनारे बैठे थे।
उसके छोटे-छोटे, लाल किनारों वाले और खून से भरे हुए नेत्र, उसके मजबूत चेहरे पर सतर्कता से भरे हुए थे। वह किसी जंगली सूअर की तरह हमला करने के लिए तैयार था। उसे सोने की कोई इच्छा नहीं थी। अब खतरा बहुत करीब आ रहा था. . . . दस में से छह!
अपनी तमाम बुद्धिमत्ता, सावधानी और चतुराई के बावजूद, वह बूढ़ा न्यायाधीश भी बाकी लोगों की ही राह पर चल पड़ा।
ब्लोर ने एक प्रकार की क्रूर संतुष्टि के साथ जोर से सांस ली। "उस बूढ़े ने क्या कहा था?"
हमें बहुत सावधान रहना होगा. . . .

आत्मधर्मी, घमंडी, बूढ़ा पाखंडी। अदालत में बैठा हुआ ऐसा महसूस कर रहा है जैसे...

हे भगवान! उसे उसका हक मिल गया था... अब उसके लिए और चिंता करने की जरूरत नहीं है।

अब वे चार लोग थे। लड़की, लोम्बार्ड, आर्मस्ट्रांग और वह खुद। बहुत जल्द उनमें से एक और जाने वाला था... लेकिन वह विलियम हेनरी ब्लोर नहीं होगा। वह इसका पूरा ख्याल रखेगा।
(लेकिन वो रिवॉल्वर... उस रिवॉल्वर का क्या हुआ? सबसे परेशान करने वाली बात तो वो रिवॉल्वर ही थी!)
ब्लोर अपने बिस्तर पर बैठा था, उसकी भौंहें सिकुड़ी हुई थीं, उसकी छोटी-छोटी आँखें झुर्रीदार थीं और वह रिवॉल्वर की समस्या पर विचार कर रहा था।. . . सन्नाटे में उसे नीचे घड़ियों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। आधी रात हो चुकी थी।
अब उसे थोड़ा आराम मिला—यहाँ तक कि वह अपने बिस्तर पर लेट भी गया। लेकिन उसने अपने कपड़े नहीं उतारे।
वह वहीं लेटा सोच रहा था। शुरू से लेकर अंत तक, पूरी बात को व्यवस्थित और सावधानीपूर्वक दोहरा रहा था, जैसा कि वह अपने पुलिस अधिकारी के दिनों में किया करता था। अंत में यही सावधानी काम आई।
मोमबत्ती बुझने वाली थी। उसने यह देखने के लिए कि माचिस उसके हाथ की पहुँच में है या नहीं, उसे बुझा दिया।
अजीब बात यह थी कि उसे अंधेरा बेचैन कर रहा था। ऐसा लग रहा था मानो उसके दिमाग में हजारों पुराने डर जाग उठे हों और वर्चस्व के लिए संघर्ष कर रहे हों। चेहरे हवा में तैर रहे थे - जज का

चेहरा, जो भूरे ऊन के उस हास्यास्पद मुकुट से सजा था - श्रीमती रोजर्स का ठंडा, निर्जीव चेहरा - एंथनी मार्स्टन का ऐंठन से भरा बैंगनी चेहरा।

और तब कोई नहीं था

321

एक और चेहरा—पीला, चश्मा पहने हुए, छोटी भूसे के रंग की मूंछों वाला...
एक चेहरा जिसे उसने कभी न कभी देखा था—लेकिन कब? द्वीप पर नहीं। नहीं, उससे कहीं अधिक समय पहले।
अजीब बात है कि वह उसका नाम नहीं बता सका। सच में, वह आदमी थोड़ा बेवकूफ लग रहा था। बिलकुल!
यह बात सुनकर उन्हें बहुत बड़ा झटका लगा।
मकान मालिक!

एक अजीब सा चेहरा

यह सोचना अजीब था कि वह लैंडोर का चेहरा पूरी तरह से भूल गया था। कल ही तो वह उस आदमी का चेहरा याद करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन याद नहीं कर पा रहा था। और अब वह चेहरा उसके सामने था, हर एक विशेषता स्पष्ट और साफ, मानो उसने उसे कल ही देखा हो...
लैंडोर की एक पत्नी थी—दुबली-पतली, चिंताग्रस्त चेहरे वाली महिला। उनकी एक बच्ची भी थी, लगभग चौदह साल की। पहली बार उसने सोचा कि उनका क्या हुआ होगा।

(वह रिवॉल्वर। उस रिवॉल्वर का क्या हुआ? यह कहीं अधिक महत्वपूर्ण था...।)
वह जितना ज्यादा इसके बारे में सोचता, उतना ही ज्यादा उलझन में पड़ जाता। उसे रिवॉल्वर का यह मामला समझ नहीं आ रहा था।
घर में किसी ने वो रिवॉल्वर ले ली थी. . . .
नीचे एक घड़ी में एक बज गया।
ब्लोर के विचार अचानक रुक गए। वह बिस्तर पर उठ बैठा, एकदम सतर्क हो गया। उसने अपने बेडरूम के दरवाजे के बाहर कहीं से एक हल्की सी आवाज़ सुनी थी। अंधेरे घर में कोई इधर-उधर घूम रहा था। उसके माथे पर पसीना आ गया। कौन था वो, जो चुपके से गलियारों में घूम रहा था? उसे पूरा यकीन था कि कोई नापाक काम कर रहा होगा!
अपने भारी-भरकम शरीर के बावजूद, वह चुपचाप बिस्तर से नीचे उतरा और दो कदम चलकर दरवाजे के पास खड़ा होकर सुनने लगा।
लेकिन वो आवाज़ दोबारा नहीं आई। फिर भी ब्लोर को पूरा यकीन था कि वो गलत नहीं था। उसने अपने दरवाजे के ठीक बाहर किसी के कदमों की आहट सुनी थी। उसके सिर के बाल थोड़े खड़े हो गए। उसे फिर से डर लगने लगा... कोई रात में चुपके से इधर-उधर रेंग रहा था।
उसने सुना, लेकिन वह आवाज दोबारा नहीं सुनाई दी।
और अब एक नया प्रलोभन उसे घेर रहा था। वह बुरी तरह से बाहर जाकर जाँच-पड़ताल करना चाहता था। काश, वह देख पाता कि अंधेरे में कौन घात लगाए बैठा है। लेकिन अपना दरवाजा खोलना मूर्खता होगी। बहुत संभव है कि

. ..

हत्या की 322 उत्कृष्ट कृतियाँ

ठीक यही वह चीज़ थी जिसका दूसरा इंतज़ार कर रहा था। हो सकता है कि उसका इरादा ब्लोर को वही सुनाने का रहा हो जो उसने सुना था, और वह इस उम्मीद में बाहर आकर जाँच करेगा। ब्लोर एकदम स्थिर खड़ा रहा, ध्यान से सुनता रहा। अब उसे हर तरफ़ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, चटकने की आवाज़ें, सरसराहट, रहस्यमयी फुसफुसाहटें— लेकिन उसका दृढ़ यथार्थवादी दिमाग जानता था कि ये सब उसकी कल्पना की उपज हैं। और फिर अचानक उसने कुछ ऐसा सुना जो कल्पना नहीं थी। कदमों की आहट, बहुत धीमी, बहुत सतर्क, लेकिन एक ऐसे व्यक्ति को साफ़ सुनाई दे रही थी जो ब्लोर की तरह ही पूरी तरह ध्यान से सुन रहा था।
वे गलियारे में धीरे-धीरे आगे बढ़े (लॉम्बार्ड और आर्मस्ट्रांग दोनों के कमरे सीढ़ियों के शीर्ष से उनके कमरे की तुलना में अधिक दूर थे)। वे बिना हिचकिचाए या लड़खड़ाए उनके दरवाजे से गुजर गए।
और ऐसा करते ही ब्लोर ने अपना मन बना लिया।
वह देखना चाहता था कि कौन है! कदमों की आहट निश्चित रूप से उसके दरवाजे से होकर सीढ़ियों की ओर गई थी। वह आदमी कहाँ जा रहा था? ब्लोर ने जब कोई काम किया, तो उसने बहुत तेज़ी से काम किया, जो कि इतने भारी-भरकम और सुस्त दिखने वाले व्यक्ति के लिए आश्चर्यजनक था। वह दबे पांव बिस्तर पर लौटा, माचिस अपनी जेब में रखी, बिस्तर के पास रखे बिजली के लैंप का प्लग निकाला और उसे उठाकर उसके चारों ओर तार लपेट दिया। वह क्रोमियम का लैंप था, जिसका आधार भारी एबोनाइट का बना था - एक उपयोगी हथियार। वह चुपचाप कमरे के उस पार भागा, दरवाज़े के हैंडल के नीचे से कुर्सी हटाई और सावधानी से दरवाज़ा खोला और कुंडी खोली। वह गलियारे में बाहर

निकला। नीचे हॉल में हल्की सी आवाज़ आई। ब्लोर चुपचाप मोज़े पहने हुए ही सीढ़ियों के शीर्ष की ओर भागा।
उसी क्षण उसे समझ आया कि उसने ये सारी आवाज़ें इतनी स्पष्ट रूप से क्यों सुनी थीं। हवा पूरी तरह थम चुकी थी और आसमान साफ हो गया था। सीढ़ियों की खिड़की से हल्की चाँदनी अंदर आ रही थी और नीचे के हॉल को रोशन कर रही थी। ब्लोर ने एक पल के लिए किसी आकृति को सामने के दरवाजे से बाहर निकलते देखा।
पीछा करते हुए सीढ़ियों से नीचे भागते समय वह रुक गया। एक बार फिर, वह लगभग मूर्ख बन गया था! शायद यह उसे घर से बाहर निकालने का जाल था!
लेकिन दूसरे व्यक्ति को इस बात का एहसास नहीं था कि उसने एक गलती कर दी थी, उसने खुद को बड़ी आसानी से ब्लोर के हाथों में सौंप दिया था।
क्योंकि ऊपर के तीन किराए पर दिए गए कमरों में से एक कमरा अब खाली होना चाहिए। बस यही पता लगाना था कि कौन सा कमरा खाली है! ब्लोर तेजी से गलियारे से वापस लौट गया।
वह पहले डॉ. आर्मस्ट्रांग के दरवाजे पर रुका और खटखटाया। कोई जवाब नहीं आया।

और तब कोई नहीं था

उसने एक मिनट इंतजार किया, फिर फिलिप लोम्बार्ड के कमरे में चला गया। वहां उसे तुरंत जवाब मिल गया।
"वहाँ कौन है?"
"यह ब्लोर है। मुझे नहीं लगता कि आर्मस्ट्रांग अपने कमरे में है। एक मिनट रुकिए।" वह गलियारे के अंत में स्थित दरवाजे की ओर

बढ़ा। वहाँ उसने फिर से दस्तक दी। "मिस क्लेथॉर्न। मिस क्लेथॉर्न।"
वेरा की चौंकी हुई आवाज ने उसे जवाब दिया।
"कौन है? क्या बात है?"
"कोई बात नहीं, मिस क्लेथॉर्न। एक मिनट रुकिए। मैं वापस आता हूँ।" वह दौड़कर लोम्बार्ड के कमरे में गया। जैसे ही वह पहुँचा, दरवाज़ा खुल गया। लोम्बार्ड वहाँ खड़ा था। उसके बाएँ हाथ में एक मोमबत्ती थी। उसने अपने पायजामे के ऊपर पतलून पहन रखी थी। उसका दायाँ हाथ पायजामे की जैकेट की जेब में था। उसने तीखे स्वर में कहा:
"यह सब क्या बकवास है?"
ब्लोर ने तेजी से समझाया। लोम्बार्ड की आँखें चमक उठीं। "आर्मस्ट्रांग? तो वो हमारा कबूतर है!" वह आर्मस्ट्रांग के दरवाजे की ओर बढ़ गया।
"माफ़ करना, ब्लोर, लेकिन मैं किसी भी बात पर भरोसा नहीं करता।" उसने पैनल पर तीखे स्वर में कहा।
"आर्मस्ट्रांग-आर्मस्ट्रांग।"
कोई जवाब नहीं मिला।
लॉम्बार्ड घुटनों के बल बैठ गया और ताले के छेद से झाँका। उसने धीरे से अपनी छोटी उंगली ताले में डाली।
उसने कहा:
"अंदर की तरफ दरवाजे में चाबी नहीं लगी है।"
ब्लोर ने कहा:
"इसका मतलब है कि उसने इसे बाहर से बंद कर दिया और अपने साथ ले गया।" फिलिप ने सिर हिलाया।

"सामान्य सावधानी बरतनी चाहिए। हम उसे पकड़ लेंगे, ब्लोर... इस बार हम उसे पकड़ लेंगे! बस आधा सेकंड।"
वह तेजी से वेरा के कमरे की ओर भागा।
"वेरा।"
"हाँ।"
"हम आर्मस्ट्रांग की तलाश कर रहे हैं। वह अपने कमरे से बाहर है। कुछ भी हो जाए, अपना दरवाजा मत खोलना। समझे?"
"हां, मैं समझ गया।"
"अगर आर्मस्ट्रांग आकर कहे कि मैं मारा गया हूँ, या ब्लोर मारा गया है, तो उस पर ध्यान मत देना। समझे? अपना दरवाजा तभी खोलना जब ब्लोर और मैं दोनों तुमसे बात करें। समझ गए?"
वेरा ने कहा:
"हां। मैं पूरी तरह से मूर्ख नहीं हूं।"
हत्या की 324 उत्कृष्ट कृतियाँ

लोम्बार्ड ने कहा:
"अच्छा।"
उन्होंने ब्लोर ज्वाइन किया। उन्होंने कहा:
"और अब—उसके पीछे जाओ! तलाशी अभियान समाप्त!"
ब्लोर ने कहा:
"हमें सावधान रहना चाहिए। उसके पास रिवॉल्वर है, याद है ना?" सीढ़ियों से नीचे भागते हुए फिलिप लोम्बार्ड हँस पड़ा।
उसने कहा:
"यहीं पर आप गलत हैं।" उसने सामने का दरवाजा खोलते हुए कहा: "कुंडी पीछे धकेल दी गई थी ताकि वह आसानी से फिर से अंदर आ सके।" उसने आगे कहा:

"मेरे पास वो रिवॉल्वर है!" बोलते हुए उसने उसे अपनी जेब से आधा बाहर निकाल लिया।
"आज रात इसे वापस मेरी दराज में रखा हुआ पाया।" ब्लोर दरवाजे पर ही रुक गया। उसका चेहरा बदल गया। फिलिप लोम्बार्ड ने यह देखा। उसने अधीरता से कहा:
"बेवकूफ मत बनो, ब्लोर! मैं तुम्हें गोली नहीं मारने वाला! अगर चाहो तो वापस जाकर खुद को अंदर बंद कर लो! मैं आर्मस्ट्रांग के पीछे जा रहा हूँ।" वह चाँदनी रात में चल पड़ा। ब्लोर, एक मिनट की हिचकिचाहट के बाद, उसके पीछे चल दिया।
वह सोचने लगा:
"शायद मैं खुद ही मुसीबत मोल ले रहा हूँ। लेकिन आखिर..." आखिर वह इससे पहले भी रिवाल्वर से लैस अपराधियों का सामना कर चुका था। ब्लोर में चाहे जो भी कमी हो, साहस की कोई कमी नहीं थी। उसे खतरा दिखाओ और वह निडरता से उसका सामना करेगा। उसे खुलेआम खतरे से डर नहीं लगता था, बल्कि ऐसे खतरे से डर लगता था जो अस्पष्ट हो और जिसमें अलौकिक तत्व समाए हों।

6

परिणाम की प्रतीक्षा में रुकी वेरा उठी और कपड़े पहने।
उसने एक-दो बार दरवाजे की तरफ देखा। दरवाजा मजबूत और टिकाऊ था। उस पर कुंडी लगी थी और ताला भी लगा हुआ था, साथ ही हैंडल के नीचे एक ओक की कुर्सी फंसी हुई थी। उसे बलपूर्वक तोड़ा नहीं जा सकता था। डॉ. आर्मस्ट्रांग तो बिल्कुल भी नहीं। वह शारीरिक रूप से इतने ताकतवर नहीं थे।

यदि वह आर्मस्ट्रांग होती और हत्या करने का इरादा रखती, तो वह बल का नहीं, बल्कि चालाकी का इस्तेमाल करती।
स्ली इस बात पर विचार करके अपना मनोरंजन कर रही थी कि वह क्या तरीका अपना सकता है। हो सकता है, जैसा कि फिलिप ने सुझाव दिया था, कि वह घोषणा करे कि अन्य लोगों में से एक

और तब कोई नहीं था

दो आदमी मर चुके थे। या हो सकता है कि वह खुद गंभीर रूप से घायल होने का नाटक करे, और कराहते हुए उसके दरवाजे तक घिसटता हुआ जाए।
और भी संभावनाएं थीं। हो सकता है वह उसे बताए कि घर में आग लग गई है। या फिर, हो सकता है वह सचमुच घर में आग लगा दे।. . . हाँ, यह भी एक संभावना थी। पहले वह बाकी दो आदमियों को घर से बाहर बुलाता, फिर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा देता। और वह, एक मूर्ख की तरह, अपने कमरे में तब तक बंद रहती जब तक बहुत देर न हो जाती। वह खिड़की के पास गई। ठीक है। जरूरत पड़ने पर इस तरह से भागा जा सकता है। इसका मतलब एक छोटी सी खाई होगी—लेकिन वहाँ एक फूलों की क्यारी थी। वह बैठ गई और अपनी डायरी उठाकर साफ-सुथरी लिखावट में लिखने लगी। समय बिताना जरूरी है।
अचानक वह एकदम सतर्क हो गई। उसने एक आवाज़ सुनी थी। उसे लगा जैसे कांच टूट रहा हो। और वह आवाज़ नीचे से आ रही थी। उसने ध्यान से सुना, लेकिन आवाज़ दोबारा नहीं आई। उसने दबे पांव कदमों की आवाज़, सीढ़ियों की चरमराहट, कपड़ों की सरसराहट सुनी—लेकिन कुछ भी स्पष्ट नहीं था और उसने, जैसा कि ब्लोर ने पहले किया था, यही निष्कर्ष निकाला कि ऐसी आवाज़ें उसकी कल्पना की उपज थीं।

लेकिन तभी उसे कुछ ठोस आवाज़ें सुनाई दीं। नीचे लोगों के आने- जाने की आहट - धीमी आवाज़ें। फिर किसी के सीढ़ियाँ चढ़ने की तेज़ आवाज़ - दरवाज़े खुलने और बंद होने की आवाज़ - ऊपर अटारी की ओर जाते कदमों की आवाज़। वहाँ से और भी आवाज़ें आ रही थीं। अंततः सीढ़ियाँ गलियारे में आ गईं। लोम्बार्ड की आवाज़ सुनाई दी:
"वेरा? तुम ठीक हो?"
"हाँ। क्या हुआ है?"
ब्लोर की आवाज ने कहा:
"क्या आप हमें अंदर आने देंगे?"
वेरा दरवाजे के पास गई। उसने कुर्सी हटाई, दरवाजा खोला और कुंडी लगा दी। उसने दरवाजा खोला। दोनों आदमी हांफ रहे थे, उनके पैर और पतलून का निचला हिस्सा पूरी तरह भीगा हुआ था। उसने फिर कहा: "क्या हुआ है?"
लोम्बार्ड ने कहा:
"अरनुट्रोंग गायब हो गया है।"
हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

7

वेरा रोते हुए बोली, "क्या?" लोम्बार्ड ने कहा, "द्वीप से एकदम गायब हो गया।" ब्लोर ने भी सहमति जताते हुए कहा, "गायब हो गया— यही सही शब्द है! जैसे कोई जादू का करतब हो।" वेरा ने अधीरता से कहा, "बकवास! वह कहीं छिपा होगा!" ब्लोर ने कहा, "नहीं, वह नहीं छिपा है! मैं तुम्हें बताता हूँ, इस द्वीप पर छिपने की कोई जगह नहीं है। यह एकदम खाली है! बाहर चाँदनी है। दिन की तरह साफ। और

□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□" □□□□ □□ □□□, "□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□" □□□□□ □□ □□□, "□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□, □□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□—□□□□ □□□□, □□□□ □□ □□□..." □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□, "□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□" □□□□□□□□□□ □□ □□□, "□□ □□ □□, □□□□ □□□□□□□□" □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□: "□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□"

अध्याय 15

तीन लोग रसोई में बैठकर नाश्ता कर रहे थे।
बाहर सूरज चमक रहा था। मौसम सुहाना था। तूफान थम चुका था।
और मौसम में बदलाव के साथ ही द्वीप पर मौजूद कैदियों के मिजाज में भी बदलाव आ गया था।

ए
मैं
अगर

और तब कोई नहीं था

327

अब उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी बुरे सपने से जाग रहे हों। खतरा तो था, लेकिन दिन के उजाले में। कल तक बाहर तेज़ हवा चल रही थी और जो खौफ का माहौल उन्हें कंबल की तरह जकड़े हुए था, वह अब गायब हो चुका था।
लोम्बार्ड ने कहा:
"आज हम द्वीप के सबसे ऊंचे स्थान से दर्पण की सहायता से सूर्य की रोशनी में तस्वीरें लेने की कोशिश करेंगे। आशा है कि चट्टान पर घूमता हुआ कोई होशियार लड़का इसे देखकर पहचान लेगा। शाम को हम अलाव जलाने की कोशिश कर सकते हैं - लेकिन लकड़ी कम है - और वैसे

भी, हो सकता है कि वे इसे गाना-बजाना और मौज-मस्ती समझें।" वेरा ने कहा।
"ज़रूर कोई न कोई मोर्स कोड पढ़ सकता होगा। और फिर वे हमें ले जाने आएंगे। आज शाम से बहुत पहले।"
लोम्बार्ड ने कहा:
"मौसम तो साफ हो गया है, लेकिन समुद्र का पानी अभी तक कम नहीं हुआ है। लहरें बहुत तेज़ हैं! कल से पहले द्वीप के पास कोई नाव नहीं पहुँच पाएगी।" वेरा चिल्लाई।
"इस जगह पर एक और रात!"
लॉम्बार्ड ने अपने कंधे उचका दिए।
"अब सामना करना ही पड़ेगा! मुझे लगता है चौबीस घंटे काफी होंगे। अगर हम इतने समय तक टिके रहे, तो सब ठीक हो जाएगा।"
ब्लोर ने अपना गला साफ किया। उन्होंने कहा:
"हमें बेहतर होगा कि हम एक स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंचें। आर्मस्ट्रांग के साथ क्या हुआ है?" लोम्बार्ड ने कहा:
"खैर, हमारे पास एक सबूत है। खाने की मेज पर केवल तीन छोटे भारतीय लड़के बचे हैं। ऐसा लगता है जैसे आर्मस्ट्रांग को अंतिम सांस मिल गई हो।" वेरा ने कहा:
"तो फिर आपको उसका शव क्यों नहीं मिला?" ब्लोर ने कहा: "बिल्कुल।"
लोम्बार्ड ने अपना सिर हिलाया। उन्होंने कहा:
"यह बेहद अजीब है - इससे उबरना नामुमकिन है।"
ब्लोर ने संदेहपूर्वक कहा:
"हो सकता है इसे समुद्र में फेंक दिया गया हो।" लोम्बार्ड ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा:

"किसके द्वारा? तुमने? मैंने? तुमने उसे सामने के दरवाजे से बाहर जाते देखा। तुम मेरे साथ आओ और मुझे मेरे कमरे में पाओ। हम बाहर जाकर साथ में तलाशी लेते हैं। मुझे उसे मारने और उसके शरीर को पूरे द्वीप में घुमाने का समय कब मिला?" 328 मास्टरपीस ऑफ़ मर्डर

ब्लोर ने कहा:
मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे एक बात जरूर पता है।
लोम्बार्ड ने कहा:
"यह क्या है?"
ब्लोर ने कहा:
"वह रिवॉल्वर। वह आपकी रिवॉल्वर थी। वह अभी आपके कब्जे में है। ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि वह हमेशा से आपके कब्जे में नहीं थी।"
"अब सुनो, ब्लोर, हम सबकी तलाशी ली गई थी।"
"हां, आपने उस घटना से पहले उसे छिपा दिया था। बाद में आपने उसे वापस निकाल लिया।"
"मेरे प्यारे मूर्ख, मैं कसम खाकर कहता हूँ कि मैंने इसे वापस अपनी दराज में रख दिया था। जब मैंने इसे वहाँ पाया तो यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आश्चर्य था।" ब्लोर ने कहा:
"आप हमसे ऐसी बात पर विश्वास करने को कह रहे हैं! आर्मस्ट्रांग या कोई और इसे वापस क्यों रखेगा?"
लॉम्बार्ड ने निराशा से अपने कंधे उचका दिए।
मुझे तो बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है। यह तो सरासर पागलपन है। ऐसी उम्मीद कोई नहीं कर सकता। इसमें कोई मतलब ही नहीं दिखता।
ब्लोर सहमत हो गया।

"नहीं, ऐसा नहीं है। हो सकता है आपने इससे बेहतर कहानी सोची हो।" "यह तो इस बात का सबूत है कि मैं सच कह रहा हूं, है ना?"
मैं इसे उस नजरिए से नहीं देखता।
फिलिप ने कहा:
"तुम ऐसा नहीं करोगे।"
ब्लोर ने कहा:
"देखिए, मिस्टर लोम्बार्ड, अगर आप वाकई ईमानदार आदमी हैं, जैसा कि आप दिखावा करते हैं-" फिलिप ने धीरे से कहा:
"मैंने कब खुद को ईमानदार आदमी होने का दावा किया? नहीं, सच में, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा।" ब्लोर ने दृढ़ता से अपनी बात जारी रखी: "अगर तुम सच कह रहे हो तो बस एक ही उपाय है। जब तक तुम्हारे पास वो रिवॉल्वर है, मिस क्लेथॉर्न और मैं तुम्हारी दया पर हैं। एकमात्र न्यायसंगत तरीका यही है कि उस रिवॉल्वर को उन बाकी चीजों के साथ ताला लगाकर रख दो - और चाबियां अभी भी तुम्हारे और मेरे पास रहेंगी।" फिलिप लोम्बार्ड ने सिगरेट जलाई।
धुंआ उड़ाते हुए उसने कहा:
"बेवकूफ मत बनो।"

और तब कोई नहीं था

मैं

मैं

"नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा। वह रिवॉल्वर मेरी है। मुझे अपनी रक्षा के लिए उसकी जरूरत है और मैं उसे अपने पास ही रखूंगा।"

ब्लोर ने कहा:
"ऐसे में तो हमें एक ही निष्कर्ष पर पहुंचना होगा।"
"क्या मैं यू. एन. ओवेन हूँ? जो मन करे सोचो। लेकिन मैं तुमसे पूछूंगा, अगर ऐसा है, तो मैंने तुम्हें कल रात रिवाल्वर से गोली क्यों नहीं मारी? मैं ऐसा बीस बार कर सकता था।"
ब्लोर ने अपना सिर हिलाया।
उसने कहा:
"मुझे नहीं पता—और यह सच है। आपके पास कोई न कोई कारण तो रहा ही होगा।" वेरा ने चर्चा में कोई हिस्सा नहीं लिया था। अब वह हिली और बोली: "मुझे लगता है कि आप दोनों मूर्खों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।" लोम्बार्ड ने उसकी ओर देखा।
"यह क्या है?"
वेरा ने कहा:
"तुम वो बाल कविता भूल गए हो। क्या तुम्हें उसमें छिपा सुराग नहीं दिख रहा?" उसने अर्थपूर्ण स्वर में कहा:

"चार छोटे भारतीय लड़के समुद्र में जा रहे थे; एक लाल हेरिंग मछली ने एक को निगल लिया और फिर तीन ही बचे।"

उसने आगे कहा:
"एक छलावा—यही अहम सुराग है। आर्मस्ट्रांग मरा नहीं है। उसने चीनी मूल के भारतीय को इसलिए ले लिया ताकि आपको लगे कि वह मर गया है। आप चाहे जो कहें, आर्मस्ट्रांग अभी भी द्वीप पर है। उसका गायब होना महज़ एक छलावा है।" लोम्बार्ड फिर बैठ गया।
उसने कहा:
"हो सकता है आप सही हों।"

ब्लोर ने कहा:
"हाँ, लेकिन अगर ऐसा है तो वह कहाँ है? हमने पूरे इलाके की तलाशी ले ली है। बाहर और अंदर," वेरा ने तिरस्कारपूर्वक कहा:
"हम सबने रिवॉल्वर को ढूंढा, है ना, और हमें वो नहीं मिली? लेकिन वो तो हर समय कहीं न कहीं थी!"
लोम्बार्ड ने धीरे से कहा:
"मेरे प्रिय, एक आदमी और एक रिवॉल्वर के आकार में मामूली सा अंतर होता है।" वेरा ने कहा:
मुझे परवाह नहीं है—मुझे पूरा यकीन है कि मैं सही हूं।
हत्या की 330 उत्कृष्ट कृतियाँ

"ऐसा लग रहा था जैसे उसने खुद ही अपनी पोल खोल दी हो? असल में उसने कविता में ही भ्रामक बात का जिक्र कर दिया। वह इसे थोड़ा अलग तरीके से लिख सकता था।" वेरा रो पड़ी।
"लेकिन क्या तुम्हें नहीं दिखता, वो पागल है? सब कुछ पागलपन है! तुकबंदी के हिसाब से चलना ही पागलपन है! जज को सजाना-संवारना, रोजर्स को तब मार डालना जब वो लकड़ियाँ काट रहा था, मिसेज रोजर्स को नशा देकर सुला देना, मिस ब्रेंट की मौत पर एक भौंरे का इंतजाम करना! ये किसी भयानक बच्चे के खेल खेलने जैसा है। सब कुछ इसमें फिट होना चाहिए।"
ब्लोर ने कहा:
"हाँ, तुम सही कह रही हो।" उसने एक मिनट सोचा। "खैर, द्वीप पर कोई चिड़ियाघर नहीं है। उसे इस बात को पचाने में थोड़ी दिक्कत होगी।" वेरा रो पड़ी:

क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता? हम चिड़ियाघर हैं... कल रात, हम लगभग इंसान ही नहीं रह गए थे। हम चिड़ियाघर हैं...

2

उन्होंने सुबह का समय चट्टानों पर बिताया, बारी-बारी से मुख्य भूमि की ओर दर्पण चमकाते रहे।
ऐसा कोई संकेत नहीं था कि किसी ने उन्हें देखा हो। कोई जवाब नहीं मिला। दिन सुहावना था, हल्की धुंध छाई हुई थी। नीचे समुद्र में विशाल लहरें उठ रही थीं। कोई नाव पानी में नहीं थी। उन्होंने द्वीप पर एक और असफल खोज की। लापता चिकित्सक का कोई सुराग नहीं मिला।
वेरा ने जहाँ वे खड़े थे, वहाँ से घर की ओर देखा। उसने कहा, उसकी साँस थोड़ी अटक गई थी:

"खुले में यहाँ ज़्यादा सुरक्षित महसूस होता है... चलो वापस घर के अंदर न चलें।"
लोम्बार्ड ने कहा:

"बुरा विचार नहीं है। हम यहां काफी सुरक्षित हैं, कोई भी हमसे तब तक संपर्क नहीं कर सकता जब तक हम उससे काफी समय पहले न मिल लें।" वेरा ने कहा:
हम यहीं रुकेंगे।
ब्लोर ने कहा:
"कहीं तो रात गुजारनी ही पड़ेगी। फिर हमें घर वापस जाना होगा।" वेरा सिहर उठी।

"मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं एक और रात नहीं गुजार सकता!" फिलिप ने कहा।
"अपने कमरे में बंद रहकर तुम काफी सुरक्षित रहोगे।"

और तब कोई नहीं था

वेरा ने धीरे से कहा: "मुझे लगता है ऐसा ही है।"
उसने अपने हाथ फैलाए और बुदबुदाते हुए कहा:
"धूप को फिर से महसूस करना बहुत अच्छा लगता है।"
उसने सोचा:
"कितना अजीब है... मैं लगभग खुश हूँ। और फिर भी मुझे लगता है कि मैं वास्तव में खतरे में हूँ।"
अब तो किसी बात का कोई महत्व ही नहीं रह गया है।
दिन के उजाले में नहीं... मुझे शक्ति का भंडार महसूस हो रहा है— मुझे लग रहा है कि मैं मर नहीं सकता। ब्लोर अपनी कलाई घड़ी देख रहा था। उसने कहा:
"दो बज गए हैं। दोपहर के भोजन के बारे में क्या ख्याल है?"
वेरा ने हठपूर्वक कहा:
मैं घर वापस नहीं जा रहा हूँ। मैं यहीं खुले में रहूँगा।
"अरे, अब बस करो, मिस क्लेथॉर्न। तुम्हें अपनी ताकत बनाए रखनी होगी, तुम्हें पता है ना।" वेरा ने कहा:
"अगर मुझे डिब्बाबंद जीभ भी दिख जाए तो मैं उल्टी कर दूंगी! मुझे कुछ भी खाने का मन नहीं है। लोग कई दिनों तक भूखे रहते हैं जब वे डाइट पर होते हैं।" ब्लोर ने कहा।
"खैर, मुझे तो नियमित रूप से भोजन चाहिए। आपका क्या ख्याल है, श्री लोम्बार्ड?" फिलिप ने कहा।

"मुझे डिब्बाबंद जीभ का विचार बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं मिस क्लेथॉर्न के साथ यहीं रहूंगी।"
ब्लोर हिचकिचाई। वेरा ने कहा:
"मैं बिल्कुल ठीक रहूंगा। मुझे नहीं लगता कि आपकी पीठ मुड़ते ही वह मुझे गोली मार देगा, अगर आपको इसी बात का डर है।" ब्लोर ने कहा:
"अगर आप ऐसा कहते हैं तो ठीक है। लेकिन हमने सहमति जताई थी कि हमें अलग नहीं होना चाहिए।" फिलिप ने कहा।
"शेर की गुफा में तो तुम जाना चाहते हो। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हारे साथ चलूँ?"
"नहीं, तुम नहीं जाओगे," ब्लोर ने कहा। "तुम यहीं रहोगे।" फिलिप हँस पड़ा।
"तो अब भी तुम मुझसे डरते हो? अगर मैं चाहूँ तो इसी क्षण तुम दोनों को गोली मार सकता हूँ।"
ब्लोर ने कहा:
"हां, लेकिन यह योजना के अनुसार नहीं होगा। एक बार में एक ही काम करना होगा, और इसे एक निश्चित तरीके से ही करना होगा।"
"अच्छा," फिलिप ने कहा, "ऐसा लगता है कि आपको इसके बारे में सब कुछ पता है।"
ब्लोर ने कहा, "बिल्कुल, अकेले घर तक जाना थोड़ा डरावना होता है-"

. ..

) मैं

. ..

हत्या की 332 उत्कृष्ट कृतियाँ

फिलिप ने धीमी आवाज़ में कहा:
"तो क्या मैं तुम्हें अपना रिवाल्वर दूंगा? जवाब है, नहीं, मैं नहीं दूंगा! बात इतनी सरल नहीं है, धन्यवाद।"
ब्लोर ने अपने कंधे उचकाए और घर की ओर जाने वाली खड़ी ढलान पर चढ़ना शुरू कर दिया।
लोम्बार्ड ने धीमी आवाज़ में कहा:
"चिड़ियाघर में जानवरों को खाना खिलाने का समय हो गया है! जानवर अपनी आदतों में बहुत नियमित हैं!" वेरा ने चिंता से कहा।
"क्या वह जो कर रहा है वह बहुत जोखिम भरा नहीं है?"
"जिस अर्थ में आप पूछ रहे हैं—नहीं, मुझे नहीं लगता ऐसा है! आर्मस्ट्रांग निहत्था है, और वैसे भी शारीरिक रूप से ब्लोर उससे दुगुना बेहतर है और वह बहुत सतर्क रहता है। और वैसे भी, आर्मस्ट्रांग का घर में होना सरासर असंभव है। मुझे पता है कि वह वहाँ नहीं है।"
"लेकिन इसके अलावा और क्या समाधान है?"
फिलिप ने धीमी आवाज़ में कहा:
"वहाँ ब्लोर है।"
"ओह-क्या आपको सच में लगता है-टी"
सुनो, मेरी बच्ची। तुमने ब्लोर की कहानी सुनी। तुम्हें मानना पड़ेगा कि अगर वो सच है, तो आर्मस्ट्रांग के गायब होने में मेरा कोई हाथ नहीं हो सकता। उसकी कहानी मुझे बेगुनाह साबित करती है, लेकिन उसे नहीं। हमारे पास सिर्फ़ उसकी बात का सबूत है कि उसने कदमों की आहट सुनी और एक आदमी को सीढ़ियों से नीचे उतरते और सामने के दरवाज़े से बाहर जाते देखा। ये सब झूठ भी हो सकता है।

हो सकता है उसने आर्मस्ट्रांग को उससे कुछ घंटे पहले ही ठिकाने लगा दिया हो।
"कैसे?"
लॉम्बार्ड ने अपने कंधे उचका दिए।
"यह तो हमें नहीं पता। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो हमें सिर्फ़ एक ही खतरे से डरना है - और वह खतरा है ब्लोर! हम उस आदमी के बारे में क्या जानते हैं? कुछ भी नहीं! यह सारी पूर्व-पुलिसकर्मी वाली कहानी बकवास हो सकती है! वह कोई भी हो सकता है - एक पागल करोड़पति - एक सनकी व्यापारी - ब्रॉडमूर जेल से भागा हुआ कैदी। एक बात तो पक्की है। वह इनमें से हर अपराध कर सकता था।" वेरा का चेहरा पीला पड़ गया था। उसने थोड़ी कांपती हुई आवाज़ में कहा: "और मान लीजिए कि वह हमें पकड़ लेता है?"
लोम्बार्ड ने अपनी जेब में रखी रिवॉल्वर को थपथपाते हुए धीरे से कहा:
"मैं इस बात का पूरा ध्यान रखूंगा कि वह ऐसा न कर पाए।" फिर उसने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
"तुम मुझ पर बहुत भरोसा कर रही हो, है ना, वेरा? मुझे पूरा यकीन है कि मैं तुम्हें गोली नहीं मारूंगी?" वेरा ने कहा:

और तब कोई नहीं था

"किसी न किसी पर तो भरोसा करना ही पड़ता है... असल में मुझे लगता है कि ब्लोर के बारे में आपकी राय गलत है। मुझे अब भी लगता है कि यह आर्मस्ट्रांग ही है।" वह अचानक उसकी ओर मुड़ी। "क्या आपको हर समय ऐसा महसूस नहीं होता कि कोई है? कोई देख रहा है और इंतज़ार कर रहा है?" लोम्बार्ड ने धीरे से कहा: "यह तो बस घबराहट है।"

वेरा ने उत्सुकता से कहा: "तो आपने इसे महसूस किया है?" वह कांप उठी। वह थोड़ा और करीब झुक गई।
"मुझे बताओ—तुम्हें नहीं लगता—" वह रुक गई और आगे बोली: "मैंने एक बार दो जजों की कहानी पढ़ी थी जो सुप्रीम कोर्ट से एक छोटे से अमेरिकी कस्बे में आए थे। उन्होंने न्याय किया—पूर्ण न्याय। क्योंकि—वे इस दुनिया से आए ही नहीं थे।" लोम्बार्ड ने अपनी भौंहें उठाईं। उन्होंने कहा: "स्वर्गीय दूत, है ना? नहीं, मैं अलौकिक में विश्वास नहीं करता। यह सब तो मानवीय ही है।" वेरा ने धीमी आवाज़ में कहा: "कभी-कभी—मुझे यकीन नहीं होता..." लोम्बार्ड ने उसकी ओर देखा। उन्होंने कहा: "यह अंतरात्मा है..." एक पल की चुप्पी के बाद उन्होंने बहुत धीरे से कहा: "तो तुमने उस बच्चे को डुबो ही दिया था?" वेरा ने ज़ोर से कहा: "मैंने नहीं डुबोया! मैंने नहीं डुबोया! तुम्हें ऐसा कहने का कोई अधिकार नहीं है!" वह आसानी से हँस पड़े। "ओह, हाँ, तुमने डुबोया था, मेरी प्यारी बच्ची! मुझे नहीं पता क्यों। कल्पना भी नहीं कर सकता। शायद उसमें कोई आदमी था। क्या यही बात थी?" अचानक वेरा के शरीर में भारी सुस्ती और अत्यधिक थकान छा गई। उसने धीमी आवाज़ में कहा, "हाँ—उसमें एक आदमी था।" लोम्बार्ड ने धीरे से कहा, "शुक्रिया। मैं यही जानना चाहता था।" वेरा अचानक उठ बैठी। वह चिल्लाई, "यह क्या था? भूकंप तो नहीं था?" लोम्बार्ड ने कहा, "नहीं, नहीं। अजीब बात है—एक ज़ोरदार आवाज़ से ज़मीन हिल गई। और मैंने सोचा—क्या तुमने कोई चीख सुनी? मैंने सुनी।" वे दोनों घर की ओर देखने लगे। लोम्बार्ड ने कहा, "आवाज़ वहीं से आई थी। हमें ऊपर जाकर देखना चाहिए।" "नहीं, नहीं, मैं नहीं जा रही।"

1~

. ..

334

फिलिप ने उसका कंधा पकड़ लिया।
उन्होंने कहा, और उनकी आवाज में चिंता और गंभीरता थी:
"बस, बात पक्की हो गई। आर्मस्ट्रांग उस घर में कहीं छिपा हुआ है। मैं उसे ढूंढ निकालूंगा।"
लेकिन वेरा उससे लिपट गई। वह रोने लगी:
"मूर्ख मत बनो। अब हमारी बारी है! अगला नंबर हमारा है! वह चाहता है कि हम उसे ढूंढें!"
वह इसी पर भरोसा कर रहा है!
फिलिप रुक गया। उसने सोच-विचार करते हुए कहा:
"इसमें कुछ सच्चाई तो है।"
वेरा रो पड़ी:
"खैर, अब तो तुम मान ही गए कि मैं सही था।" उसने सिर हिलाया। "हाँ-तुम जीत गए! यह आर्मस्ट्रांग ही है। लेकिन आखिर वह कहाँ छिपा था? हमने उस जगह की पूरी छानबीन की।" वेरा ने जल्दबाजी में कहा।
"अगर तुम उसे कल रात नहीं ढूंढ पाए, तो अब भी नहीं ढूंढ पाओगे..."

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

"आप जो चाहें करें। मैं कर रहा हूँ।"
वेरा ने हताशा से कहा:
"ठीक है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा।"

वे ढलान पर चढ़कर घर तक पहुँचे। धूप में छत शांत और निर्मल लग रही थी। वे वहाँ एक मिनट के लिए रुके, फिर सामने के दरवाजे से अंदर जाने के बजाय, उन्होंने घर का सावधानीपूर्वक चक्कर लगाया। उन्हें ब्लोर मिला। वह पूर्वी तरफ की पत्थर की छत पर बेसुध पड़ा था, उसका सिर सफेद संगमरमर के एक बड़े टुकड़े से कुचलकर क्षत-विक्षत हो गया था। फिलिप ने ऊपर देखा। उसने कहा:
"ऊपर वाली खिड़की किसकी है?"
वेरा ने कांपती हुई धीमी आवाज में कहा:
"यह मेरी है—और यह वही घड़ी है जो अब मेरे घर की शोभा बढ़ाती है। यह भालू के आकार की थी।" उसने यह बात दोहराई और उसकी आवाज कांप रही थी।
"यह भालू के आकार का था..."

3

ये तो सामान्य ज्ञान की बात है।
लोम्बार्ड ने अनिच्छा से कहा:
"हाँ, लेकिन-"

...और फिर कोई नहीं बचा

335

"उसने पहले से ही कोई गुप्त स्थान तैयार कर रखा होगा - स्वाभाविक रूप से - बेशक, वह यही तो करता। जैसे पुराने हवेलीनुमा घरों में पुजारी का गुप्त कोना होता है।"

"यह उस तरह का पुराना घर नहीं है।" "वह ऐसा घर बनवा सकता था।" फिलिप लोम्बार्ड ने सिर हिलाया। उसने कहा: "हमने उस पहली सुबह जगह नापी थी। मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि कोई भी जगह ऐसी नहीं है जिसका हिसाब न हो।" वेरा ने कहा: "ज़रूर होगी।" लोम्बार्ड ने कहा: "मैं देखना चाहता हूँ-" वेरा चिल्लाई: "हाँ, आप देखना चाहते हैं! और वह यह जानता है! वह अंदर है - आपका इंतज़ार कर रहा है।" लोम्बार्ड ने अपनी जेब से रिवाल्वर आधा निकालते हुए कहा: "मैं इसे संभाल लूँगा, तुम्हें पता है।" "तुमने कहा था कि ब्लोर ठीक है - कि वह आर्मस्ट्रांग से कहीं ज़्यादा ताकतवर है। शारीरिक रूप से तो वह था ही, और वह चौकन्ना भी था। लेकिन जो बात तुम्हें समझ नहीं आ रही है, वह यह है कि आर्मस्ट्रांग पागल है! और एक पागल के पास सारे फायदे होते हैं। वह किसी भी समझदार व्यक्ति से दुगुना चालाक होता है।" लोम्बार्ड ने रिवाल्वर वापस अपनी जेब में रख ली। उसने कहा: "चलो फिर।"

4

लोम्बार्ड ने अंत में कहा, "रात होने पर हम क्या करेंगे?" वेरा ने कोई जवाब नहीं दिया। वह आरोप लगाते हुए बोला, "तुमने इसके बारे में नहीं सोचा?" वेरा ने बेबसी से कहा, "हम क्या कर सकते हैं? हे भगवान, मैं डर गई हूँ।" फिलिप लोम्बार्ड ने सोच-समझकर कहा, "मौसम अच्छा है। चाँद निकलेगा। हमें कोई जगह ढूंढनी चाहिए — शायद ऊँची चट्टानों के पास। हम वहाँ बैठकर सुबह का इंतज़ार कर सकते हैं। हमें सोना नहीं चाहिए... हमें हर समय चौकस रहना होगा। और अगर कोई हमारी तरफ आया, तो मैं गोली चला दूँगा!"
हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

वह रुका:
"शायद तुम्हें उस पतली ड्रेस में ठंड लग जाएगी?" वेरा ने जोर से हंसते हुए कहा।
"ठंड? अगर मैं मर गया होता तो मुझे और भी ठंड लगती!" फिलिप लोम्बार्ड ने शांत स्वर में कहा:
"हाँ यह सच है।
वेरा बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगी।
उसने कहा:
"मैं यहाँ और ज्यादा देर तक बैठा रहा तो पागल हो जाऊँगा। चलो चलते हैं।"
"ठीक है।"
वे समुद्र के किनारे स्थित चट्टानों की कतार पर धीरे-धीरे टहल रहे थे। सूरज पश्चिम की ओर डूब रहा था। प्रकाश सुनहरा और सौम्य था। वह उन्हें सुनहरी चमक में लपेटे हुए था।
वेरा ने अचानक घबराहट भरी हल्की हंसी के साथ कहा:
"अफसोस की बात है कि हम नहा नहीं सकते..."
फिलिप समुद्र की ओर देख रहा था। उसने अचानक कहा:
"वो क्या है वहाँ? क्या तुम देख रहे हो- उस बड़ी चट्टान के पास? नहीं- थोड़ा और दाईं ओर।"
वेरा घूरती रही। उसने कहा:
"ये तो किसी के कपड़े लग रहे हैं!"
"नहाने वाला, है ना?" लोम्बार्ड हँसा। "अजीब। मुझे लगता है कि यह सिर्फ समुद्री शैवाल है।" वेरा ने कहा:
"चलिए जाकर देखते हैं।"

जैसे ही वे पास पहुँचे, लोम्बार्ड ने कहा, "ये कपड़े हैं। इनका एक बंडल है। ये एक जूता है। चलो, यहाँ से रेंगते हुए आगे बढ़ते हैं।" वे चट्टानों पर चढ़ने लगे।
वेरा अचानक रुक गई। उसने कहा:
"ये कपड़े नहीं हैं—ये एक इंसान है..."
वह व्यक्ति दो चट्टानों के बीच फंसा हुआ था, जिन्हें दिन में पहले ज्वार-भाटे के कारण वहां फेंक दिया गया था।
लोम्बार्ड और वेरा आखिरी हड़बड़ी में वहाँ पहुँचे। वे नीचे झुके। एक बैंगनी रंग का चेहरा—एक भयानक डूबा हुआ चेहरा... लोम्बार्ड ने कहा:
हे भगवान! यह तो आर्मस्ट्रांग है।

1)

)मैं

अध्याय 16

युग बीतते गए... संसार घूमते और चक्कर लगाते रहे... समय स्थिर था... वह ठहर गया था - वह हजारों युगों से गुजर गया। नहीं, यह केवल एक मिनट या उससे थोड़ा अधिक ही था...
दो लोग एक मृत व्यक्ति को नीचे से देख रहे थे... धीरे-धीरे, बहुत धीरे-धीरे, वेरा क्लेथॉर्न और फिलिप लोम्बार्ड ने अपना सिर उठाया और एक-दूसरे की आँखों में देखा।

2

लॉम्बार्ड हँसा। उसने कहा: "तो बस यही बात है, वेरा?" वेरा ने कहा: "द्वीप पर कोई नहीं है—बिल्कुल कोई नहीं—सिवाय हम दोनों के..." उसकी आवाज़ फुसफुसाहट जैसी थी—बस इतना ही। लॉम्बार्ड ने कहा: "बिल्कुल सही। तो हमें पता है कि हम कहाँ हैं, है ना?" वेरा ने कहा: "वह संगमरमर के भालू वाला जादू कैसे हुआ?" उसने कंधे उचका दिए। "जादू का एक कमाल का जादू था, मेरी प्यारी—बहुत बढ़िया जादू।"
उनकी निगाहें फिर मिलीं। वेरा ने सोचा:

"मैंने उसका चेहरा पहले कभी ठीक से क्यों नहीं देखा? एक भेड़िया — हाँ, बिल्कुल—एक भेड़िये का चेहरा... वो भयानक दांत..." लोम्बार्ड ने कहा, और उसकी आवाज़ एक गुर्राहट भरी—खतरनाक— धमकी से भरी थी: "यह अंत है, तुम समझ रही हो। अब हम सच्चाई तक

पहुँच चुके हैं। और यही अंत है..." वेरा ने धीरे से कहा: "मैं समझ गई।"
...वह समुद्र की ओर देखती रही। जनरल मैकार्टबर ने भी कल ही समुद्र की ओर देखा था? या परसों? उन्होंने भी कहा था, "यह अंत है।"
...उन्होंने इसे स्वीकृति के साथ—लगभग स्वागत के साथ कहा था। 338 हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

लेकिन वेरा के लिए ये शब्द—ये विचार—विद्रोह की भावना लेकर आए। नहीं, यह अंत नहीं होना चाहिए। उसने मृत व्यक्ति की ओर देखा। उसने कहा: "बेचारे डॉ. आर्मस्ट्रांग।" लोम्बार्ड ने उपहास किया। उसने कहा: "ये क्या है? स्त्री-सुलभ दया?" वेरा ने कहा: "क्यों नहीं?"
क्या तुम्हें ज़रा भी दया नहीं है?” उसने कहा: “मुझे तुम पर ज़रा भी दया नहीं है। इसकी उम्मीद मत रखना!” वेरा ने फिर से शव की ओर देखा। उसने कहा: “हमें इसे हटाना होगा। इसे घर ले चलो।” “शायद बाकी पीड़ितों के साथ मिलाने के लिए? सब कुछ साफ-सुथरा। जहाँ तक मेरा सवाल है, वह जहाँ है वहीं रह सकता है।” वेरा ने कहा: “खैर, चलो इसे समुद्र की पहुँच से दूर ले चलते हैं।” लोम्बार्ड हँसा। उसने कहा: “अगर तुम्हें पसंद है।” वह झुककर शव को खींचने लगा। वेरा उसके सहारे खड़ी हो गई और उसकी मदद करने लगी। उसने अपनी पूरी ताकत से खींचा। लोम्बार्ड हाँफते हुए बोला: “यह इतना आसान काम नहीं है।” फिर भी वे कामयाब हो गए और शव को पानी के ऊँचे स्तर से दूर खींच लिया। लोम्बार्ड सीधा होते हुए बोला: “संतुष्ट हो?” वेरा बोली: “बिल्कुल।” उसके लहजे ने उसे आगाह कर दिया। वह घूम गया। जैसे ही उसने अपनी जेब में हाथ डाला, उसे पता चल गया कि

वह खाली होगी। वह एक-दो गज दूर हटकर उसके सामने खड़ी हो गई, हाथ में रिवाल्वर लिए। लोम्बार्ड ने कहा: "तो यही है तुम्हारी इस स्त्री जैसी चिंता का कारण! तुम मेरी जेब काटना चाहती थी।" उसने सिर हिलाया। उसने रिवाल्वर को मजबूती से और अडिग रखा। फिलिप लोम्बार्ड के लिए मौत अब बहुत करीब थी। वह जानता था कि मौत पहले कभी इतनी करीब नहीं आई थी। फिर भी वह अभी हारा नहीं था। उसने अधिकारपूर्वक कहा:

और तब कोई नहीं था

"मुझे वो रिवॉल्वर दे दो।"
वेरा हँस पड़ी।
लोम्बार्ड ने कहा:
"चलो, इसे मुझे दे दो।"
उसका तेज़ दिमाग चल रहा था। कौन सा रास्ता—कौन सा तरीका—उसे समझा-बुझाकर राजी करना—उसे सुरक्षा का एहसास दिलाना—या फिर तुरंत भाग जाना। लोम्बार्ड ने जीवन भर जोखिम भरा रास्ता ही चुना था। अब भी उसने वही रास्ता चुना। वह धीरे-धीरे, तर्कपूर्ण ढंग से बोला।
"अब सुनो, मेरी प्यारी बच्ची, तुम बस सुनो-" और फिर वह झपटा। पैंथर की तरह फुर्तीला—किसी भी अन्य बिल्ली जैसे प्राणी की तरह... वेरा ने अनायास ही ट्रिगर दबा दिया।
लॉम्बार्ड का उछलता हुआ शरीर बीच हवा में ही स्थिर रहा, फिर बुरी तरह से जमीन पर गिर पड़ा।
वेरा संभलकर आगे बढ़ी, उसके हाथ में रिवाल्वर तैयार थी। लेकिन संभलने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

फिलिप लोम्बार्ड को दिल में गोली लगी और उनकी मौत हो गई।

3

उस पर बनी नक्काशी में वेरा की विशाल और उत्कृष्ट नक्काशी थी। अंततः यह सब समाप्त हो गया।
अब कोई डर नहीं था—अब उसे अपने हौसले को मजबूत करने की जरूरत नहीं थी... वह द्वीप पर अकेली थी...
नौ लाशों के साथ अकेली...
लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता था? वह तो जीवित थी...
वह वहाँ बैठी थी—अत्यंत प्रसन्न—अत्यंत शांत। अब कोई भय नहीं था।

4

जब वेरा आखिरकार हिली, तब सूरज डूब रहा था। केवल प्रतिक्रिया के कारण वह स्थिर थी। उसके भीतर सुरक्षा की शानदार अनुभूति के अलावा किसी और चीज के लिए कोई जगह नहीं थी।
अब उसे एहसास हुआ कि उसे भूख लगी है और नींद आ रही है। मुख्य रूप से नींद आ रही है। वह अपने बिस्तर पर लेटकर सोना चाहती थी, बस सोती ही रहना चाहती थी... शायद कल वे आकर उसे बचा लेंगे—लेकिन वह 340

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

उसे कोई आपत्ति नहीं थी। उसे यहाँ रहने में कोई आपत्ति नहीं थी।
अब जब वह अकेली थी, तब तो बिल्कुल भी नहीं।
ओह! कितनी प्यारी शांति है!
वह खड़ी हुई और उसने घर की ओर देखा।
अब डरने की कोई बात नहीं! कोई भयानक चीज़ उसका इंतज़ार नहीं कर रही थी! बस एक साधारण, अच्छी तरह से बना आधुनिक घर। फिर भी, दिन में कुछ देर पहले तक, वह इसे देखे बिना कांप नहीं पा रही थी... डर - डर कितनी अजीब चीज़ होती है...
खैर, अब सब खत्म हो गया था। उसने सबसे बड़े खतरे पर विजय प्राप्त कर ली थी। अपनी सूझबूझ और कुशलता से उसने अपने विनाशक को ही मात दे दी थी।
वह घर की ओर चलने लगी।
सूरज डूब रहा था, पश्चिम की ओर का आकाश लाल और नारंगी रंग की धारियों से जगमगा रहा था। यह दृश्य सुंदर और शांत था।
वेरा ने सोचा:
"हो सकता है यह सब एक सपना हो।"
वह कितनी थकी हुई थी—बेहद थकी हुई। उसके अंगों में दर्द हो रहा था, उसकी पलकें झुकी हुई थीं। अब और डरने की कोई बात नहीं थी। नींद... नींद...
क्योंकि वह द्वीप पर अकेली थी, इसलिए उसे चैन से सोने का मौका मिल रहा था। एक छोटा सा भारतीय लड़का बिल्कुल अकेला रह गया था। वह मन ही मन मुस्कुराई।
वह सामने के दरवाजे से अंदर गई। घर भी अजीब तरह से शांत लग रहा था। वेरा ने सोचा:
"आम तौर पर कोई भी ऐसी जगह सोना पसंद नहीं करेगा जहाँ लगभग हर बेडरूम में एक लाश पड़ी हो!"

क्या उसे रसोई में जाकर अपने लिए कुछ खाने को ले आना चाहिए?
वह एक पल के लिए हिचकिचाई, फिर उसने ऐसा न करने का फैसला किया।
वह सचमुच बहुत थकी हुई थी।

. . .

वह भोजन कक्ष के दरवाजे के पास रुक गई। मेज के बीच में अभी भी चीनी मिट्टी की तीन छोटी-छोटी मूर्तियाँ रखी थीं।
वेरा हंस पड़ी।
उसने कहा:
"आप लोग समय से पीछे हैं, मेरे प्रिय।"
उसने उनमें से दो को उठाया और खिड़की से बाहर फेंक दिया। उसने छत के पत्थर पर उनके टकराने की आवाज़ सुनी।
उसने तीसरी छोटी सी आकृति उठाई और उसे अपने हाथ में पकड़ लिया। उसने कहा:
"तुम मेरे साथ आ सकती हो। हम जीत गए, मेरी प्यारी! हम जीत गए!" ढलती रोशनी में हॉल धुंधला था।

सोना। नींद।

और तब कोई नहीं था

वेरा, जिसे उसने हाथ में पकड़ रखा था, धीरे-धीरे सीढ़ियाँ चढ़ने लगी। क्योंकि उसके पैर अचानक बहुत थक गए थे।
"एक छोटा सा भारतीय लड़का बिल्कुल अकेला रह गया।" कहानी का अंत कैसे हुआ? ओह, हाँ! "उसकी शादी हो गई और फिर कोई नहीं बचा।" विवाहित. . . . अजीब बात है, उसे अचानक फिर से यह अहसास हुआ कि ह्यूगो घर में है. . . .

बहुत मजबूत। हाँ, ह्यूगो ऊपर उसका इंतज़ार कर रहा था। वेरा ने मन ही मन कहा:
"मूर्ख मत बनो। तुम इतने थके हुए हो कि सबसे मनगढ़ंत बातें सोच रहे हो..."
धीरे-धीरे सीढ़ियों से ऊपर चढ़ें।
उनके ऊपर से उसके हाथ से कुछ गिर गया, जिससे मुलायम कालीन पर लगभग कोई आवाज़ नहीं हुई। उसे पता ही नहीं चला कि उसने रिवॉल्वर गिरा दी है। उसे बस इतना ही एहसास था कि उसने एक छोटी सी चीनी मिट्टी की मूर्ति पकड़ रखी है। घर कितना शांत था! फिर भी—ऐसा नहीं लग रहा था कि घर खाली है।
... ह्यूगो ऊपर उसका इंतजार कर रहा था...
"एक छोटा सा भारतीय लड़का बिल्कुल अकेला रह गया।" आखिरी पंक्ति क्या थी?
शादीशुदा होने के बारे में कुछ था—या कुछ और था?
अब वह अपने कमरे के दरवाजे पर आ चुकी थी। उसे पूरा यकीन था कि ह्यूगो अंदर उसका इंतजार कर रहा होगा। उसने दरवाजा खोला... उसने गहरी सांस ली...
वो छत पर लगे हुक से क्या लटक रहा था? एक रस्सी जिस पर फंदा बना हुआ था? और उस पर खड़े होने के लिए एक कुर्सी—एक ऐसी कुर्सी जिसे लात मारकर हटाया जा सकता था... ह्यूगो यही तो चाहता था।
और बेशक, वह कविता की आखिरी पंक्ति थी।
"वह गया और उसने खुद को फांसी लगा ली और फिर कोई नहीं बचा। चीनी मिट्टी की छोटी सी मूर्ति उसके हाथ से गिर गई। वह अनसुनी होकर लुढ़कती रही और फेंडर से टकराकर टूट गई।"
एक मशीन की तरह वेरा आगे बढ़ी। यही अंत था—वहीं जहाँ उस ठंडे, गीले हाथ (ज़ाहिर है, सिरिल का हाथ) ने उसके गले को छुआ था।

"तुम चट्टान पर जा सकते हो, सिरिल।"
हत्या करना बस इतना ही आसान था!
लेकिन उसके बाद भी आप याद करते रहे. . . .
वह कुर्सी पर चढ़ गई, उसकी आँखें नींद में चलने वाले व्यक्ति की तरह सामने टकटकी लगाए हुए थीं... उसने अपने गले में फंदा कस लिया। ह्यूगो वहाँ मौजूद था यह देखने के लिए कि उसने अपना काम कर दिया है।
उसने कुर्सी को लात मारकर दूर फेंक दिया।
स्कॉटलैंड यार्ड के सहायक आयुक्त सर थॉमस लेग्गे ने चिड़चिड़ाते हुए कहा:
"लेकिन यह सब कुछ अविश्वसनीय है!"
इंस्पेक्टर मेन ने आदरपूर्वक कहा:
"जी हां, महोदय।"
एसी चालू रहा:
"एक द्वीप पर दस लोग मृत पड़े हैं और वहां एक भी जीवित प्राणी नहीं है। यह बात समझ से परे है!"
इंस्पेक्टर मेन ने दृढ़ता से कहा:
फिर भी, ऐसा हुआ, महोदय।
सर थॉमस लेग्गे ने कहा:
"धिक्कार है मेन पर, किसी ने तो उन्हें मार ही डाला होगा।"
"यह तो हमारी ही समस्या है, महोदय।"
"डॉक्टर की रिपोर्ट में कुछ भी मददगार नहीं है?"
"जी नहीं, महोदय। वारग्रेव और लोम्बार्ड को गोली मारी गई थी, पहले को सिर में और दूसरे को हृदय में। मिस ब्रेंट और मार्स्टन की मृत्यु साइनाइड विषाक्तता से हुई। श्रीमती रोजर्स की मृत्यु क्लोरल की अधिक मात्रा लेने से हुई। रोजर्स का सिर फट

गया था। ब्लोर का सिर कुचल दिया गया था। आर्मस्ट्रांग की मृत्यु डूबने से हुई। मैकार्थर की खोपड़ी सिर के पिछले हिस्से पर चोट लगने से टूट गई थी और वेरा क्लेथोम को फांसी दी गई थी।" एसी चौंक गया। उसने कहा:
"यह सब बहुत ही घिनौना मामला है।"
उसने एक-दो मिनट सोचा। फिर चिड़चिड़ाते हुए बोला:
"क्या आपका मतलब यह है कि आपको स्टिकलहेवन के लोगों से कोई मददगार जानकारी नहीं मिली? धिक्कार है, उन्हें कुछ तो पता होगा।" इंस्पेक्टर मेन ने कंधे उचका दिए।
"वे साधारण, सभ्य नाविक हैं। वे जानते हैं कि इस द्वीप को ओवेन नाम के एक व्यक्ति ने खरीदा था - और बस इतना ही वे जानते हैं।"

उपसंहार

और तब कोई नहीं था

"द्वीप पर रसद की आपूर्ति किसने की और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं किसने कीं?"
"मॉरिस नाम का आदमी। इसाक मॉरिस।"
और इस सब के बारे में वह क्या कहता है?
"वह कुछ नहीं कह सकता, महोदय, वह मर चुका है।"
एसी ने भौंहें चढ़ाईं।
"क्या हम इस मॉरिस के बारे में कुछ जानते हैं?"
"जी हाँ, महोदय, हम उनके बारे में जानते हैं। श्री मॉरिस, वह कोई बहुत ही अच्छे स्वभाव के व्यक्ति नहीं थे। तीन साल पहले बेनिटो के शेयर-पुशिंग घोटाले में उनका हाथ था - हमें इस बात का पूरा

यकीन है, हालाँकि हम इसे साबित नहीं कर सकते। और वह ड्रग्स के धंधे में भी शामिल थे। और इसे भी हम साबित नहीं कर सकते। मॉरिस बहुत ही सावधान व्यक्ति थे।"
"और इस द्वीप के कारोबार के पीछे वही था?"
"जी हाँ, महोदय, उन्होंने बिक्री पूरी कर दी - हालाँकि उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह इंडियन आइलैंड को किसी तीसरे पक्ष के लिए खरीद रहे थे, जिसका नाम नहीं बताया गया है।"
"वित्तीय पहलू पर तो कुछ न कुछ पता लगाया जा सकता है, है ना?" इंस्पेक्टर मेन मुस्कुराए।
"अगर आप मॉरिस को जानते तो ऐसा नहीं होता! वह आंकड़ों में इस कदर हेराफेरी कर सकता है कि देश का सबसे अच्छा चार्टर्ड अकाउंटेंट भी यह नहीं समझ पाएगा कि वह कहाँ खड़ा है और कहाँ गिर गया है!" बरमिटो मामले में हमें इसका थोड़ा-बहुत अनुभव हो चुका है। नहीं, उसने अपने मालिक के सारे कारनामे मिटा दिए।
दूसरे आदमी ने आह भरी। इंस्पेक्टर मेन ने आगे कहा:
"स्टिकलहेवन में सारी व्यवस्थाएं मॉरिस ने ही की थीं। उसने खुद को 'मिस्टर ओवेन' के प्रतिनिधि के रूप में पेश किया। और उसी ने वहां के लोगों को समझाया कि कोई प्रयोग चल रहा है - एक हफ्ते के लिए 'रेगिस्तानी द्वीप' पर रहने की कोई शर्त - और वहां से आने वाली किसी भी मदद की अपील पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए।"
सर थॉमस लेग्गे बेचैनी से हिलने लगे। उन्होंने कहा:
"और आप मुझसे कह रहे हैं कि उन लोगों को कुछ गड़बड़ नहीं लगी? तब भी नहीं?" मेन ने अपने कंधे उचका दिए। उसने कहा:
"आप भूल रहे हैं, महोदय, कि इंडियन आइलैंड पहले युवा अमेरिकी एल्मर रॉबसन का था। वह वहाँ बेहद असाधारण पार्टियाँ आयोजित करता था। मुझे पूरा यकीन है कि स्थानीय लोगों की आँखें उन

पार्टियों को देखकर फटी रह जाती थीं। लेकिन वे इसके आदी हो गए और उन्हें लगने लगा कि इंडियन आइलैंड से जुड़ी कोई भी चीज़ स्वाभाविक रूप से असाधारण होगी। ज़रा सोचिए, महोदय, यह तो स्वाभाविक ही है।"
सहायक आयुक्त ने निराशापूर्वक स्वीकार किया कि उन्हें ऐसा लगता है

था।
मैंने कहा:
"फ्रेड नारकोट—वही आदमी जो पार्टी को वहाँ ले गया—ने 344 किया।"

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

एक बात जो ज्ञानवर्धक थी, वो ये थी। उन्होंने कहा कि ये लोग किस तरह के थे, ये देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ। 'ये लोग मिस्टर रॉबसन की पार्टियों जैसे बिल्कुल नहीं थे।' मुझे लगता है कि ये सब इतने सामान्य और शांत थे कि मॉरिस के आदेशों को नज़रअंदाज़ करते हुए, एस 0 एस सिग्नल के बारे में सुनने के बाद उन्होंने नाव से द्वीप की यात्रा की। "वो और बाकी लोग कब गए?"
"11 तारीख की सुबह कुछ स्काउट लड़कों ने ये संकेत देखे। उस दिन वहाँ जाना नामुमकिन था। 12 तारीख की दोपहर को जैसे ही मौका मिला, वे लोग वहाँ पहुँचे और नाव से किनारे पर उतरे। उन्हें पूरा यकीन है कि उनके पहुँचने से पहले कोई भी द्वीप छोड़कर नहीं जा सकता था। तूफान के बाद समुद्र में बहुत तेज लहरें उठ रही थीं।"

"क्या कोई तैरकर किनारे तक नहीं पहुँच सकता था?"
"तट तक की दूरी एक मील से अधिक है और समुद्र में तेज लहरें उठ रही थीं और तट की ओर बड़ी-बड़ी समुद्री तरंगें आ रही थीं। चट्टानों पर बहुत सारे लोग, बॉय स्काउट्स और अन्य लोग द्वीप की ओर देख रहे थे और अवलोकन कर रहे थे।"
एसी ने आह भरी। उसने कहा:
"घर में मिली उस ग्रामोफोन रिकॉर्ड का क्या हुआ? क्या आपको वहां से कुछ ऐसा नहीं मिला जो मददगार हो सके?"
इंस्पेक्टर मेन ने कहा:
"मैंने इस मामले में दखल दिया है। इसे एक ऐसी फर्म ने उपलब्ध कराया था जो नाट्यकला और फिल्म प्रभावों से संबंधित कई काम करती है। इसे यू. एन. ओवेन, एस्क्वायर को, इसहाक मॉरिस के माध्यम से भेजा गया था, और समझा जाता है कि इसकी आवश्यकता एक ऐसे नाटक के शौकिया प्रदर्शन के लिए थी जिसका अभी तक मंचन नहीं हुआ था। इसकी टाइपस्क्रिप्ट रिकॉर्ड के साथ वापस कर दी गई थी।" लेग्गे ने कहा।
और विषयवस्तु के बारे में क्या?
इंस्पेक्टर मेन ने गंभीरता से कहा:
"मैं उसी पर आ रहा हूँ, महोदय।"
उसने अपना गला साफ किया।
मैंने उन आरोपों की यथासंभव गहन जांच की है।
"शुरुआत रोजर्स परिवार से करते हैं; जो द्वीप पर सबसे पहले पहुंचे थे। वे मिस ब्रैडी की सेवा में थे, जिनकी अचानक मृत्यु हो गई। उनका इलाज करने वाले डॉक्टर से कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पा रही है। डॉक्टर का कहना है कि उन्होंने निश्चित रूप से उन्हें जहर नहीं दिया था, या ऐसा कुछ नहीं किया था, लेकिन उनका

व्यक्तिगत मानना है कि कुछ गड़बड़ हुई थी - उनकी मृत्यु उनकी लापरवाही के कारण हुई थी। उनका कहना है कि इसे साबित करना लगभग असंभव है।"
"फिर जस्टिस वारग्रेव हैं। कोई बात नहीं। वही जज थे जिन्होंने सेटन को सजा सुनाई थी।"
वैसे, सियोन दोषी था—निस्संदेह दोषी। उसके फांसी पर चढ़ने के बाद जो सबूत सामने आए, उनसे यह साबित हो गया कि वह दोषी नहीं था। और तब कोई नहीं था

345

संदेह की कोई गुंजाइश नहीं थी। लेकिन उस समय काफी चर्चा हुई थी - दस में से नौ लोगों का मानना था कि सेटन निर्दोष था और न्यायाधीश का अंतिम निर्णय प्रतिशोधात्मक था।
मुझे पता चला है कि क्लेथोम की वह लड़की एक ऐसे परिवार में गवर्नेंस का काम करती थी, जहाँ डूबने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। हालाँकि, ऐसा लगता है कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं था, और वास्तव में उसने बहुत अच्छा व्यवहार किया, बचाव के लिए तैरकर समुद्र में गई और वास्तव में वह समुद्र में बह गई और उसे बड़ी मुश्किल से समय रहते बचाया गया।
एसी ने आह भरते हुए कहा, "आगे बढ़ो।"
मेन ने गहरी सांस ली।
डॉ. आर्मस्ट्रांग की बात करते हैं। वे एक जाने-माने व्यक्ति थे। हार्ले स्ट्रीट में उनका एक क्लिनिक था। वे अपने पेशे में बिल्कुल ईमानदार और निष्ठावान थे। उनके द्वारा किए गए किसी भी अवैध ऑपरेशन या इस तरह की किसी भी घटना का कोई रिकॉर्ड नहीं

मिला है। यह सच है कि क्लीस नाम की एक महिला का ऑपरेशन उन्होंने 1925 में लीथमोर में किया था, जब वे वहां के अस्पताल से जुड़े हुए थे। उन्हें पेरिटोनिटिस हो गया था और ऑपरेशन टेबल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। हो सकता है कि ऑपरेशन के दौरान वे उतने कुशल न रहे हों - आखिरकार, उन्हें ज्यादा अनुभव नहीं था - लेकिन वैसे भी, लापरवाही कोई आपराधिक अपराध नहीं है। निश्चित रूप से कोई मकसद नहीं था।
"फिर आती हैं मिस एमिली ब्रेंट। उनके यहाँ बीट्रिस टेलर नाम की एक लड़की काम करती थी। वह गर्भवती हो गई, उसकी मालकिन ने उसे निकाल दिया और उसने जाकर खुद को डुबो लिया। यह कोई अच्छी बात नहीं है - लेकिन फिर भी यह कोई अपराध नहीं है।"
"यही तो मुख्य मुद्दा लगता है। यू.एन. ओवेन ऐसे मामलों से निपटते थे जिन पर कानून का कोई अधिकार नहीं था," ए.सी. ने कहा।
मेन ने अपनी सूची के साथ दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ना जारी रखा। "युवा मार्स्टन एक बेहद लापरवाह वाहन चालक था - उसके लाइसेंस पर दो बार रोक लग चुकी थी और मेरी राय में उसे वाहन चलाने से प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। बस इतना ही। जॉन और लूसी कॉम्ब्स दो बच्चे थे जिन्हें उसने कैम्ब्रिज के पास टक्कर मारकर मार डाला था। उसके कुछ दोस्तों ने उसके पक्ष में गवाही दी और उसे जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया।"
जनरल मैकार्थर के बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पा रही है। उनका रिकॉर्ड शानदार है - युद्ध सेवा - बाकी सब कुछ। आर्थर रिचमंड फ्रांस में उनके अधीन सेवा कर रहे थे और युद्ध में शहीद हो गए। उनके और जनरल के बीच किसी भी तरह का कोई मतभेद नहीं था। वास्तव में वे घनिष्ठ मित्र थे। उस समय कुछ गलतियां हुई थीं -

कमान अधिकारियों ने अनावश्यक रूप से सैनिकों की बलि दी थी - संभवतः यह भी उसी तरह की एक गलती थी।
"संभवतः," ए.सी. ने कहा।
"अब, फिलिप लोम्बार्ड। लोम्बार्ड कुछ बेहद रहस्यमय मामलों में उलझा हुआ है। हत्या की 346 उत्कृष्ट कृतियाँ।"

वह साहसी और ज्यादा संशयवादी न होने के लिए बदनाम था। वह उस तरह का आदमी था जो किसी सुनसान और एकांत जगह पर कई हत्याएं कर सकता था।
"फिर हम ब्लोर की बात करते हैं।" मेन हिचकिचाया। "वह बेशक हमारे ही लोगों में से एक था।" दूसरा आदमी हिल गया।
सहायक आयुक्त ने ज़ोर देकर कहा, "ब्लोर एक घटिया आदमी था!" "क्या आपको ऐसा लगता है, महोदय?"
एसी ने कहा:
"मुझे हमेशा से ऐसा ही लगता था। लेकिन वह इतना चालाक था कि बच निकला। मेरा मानना है कि उसने लैंडोर मामले में झूठी गवाही दी थी। उस समय मैं इससे खुश नहीं था। लेकिन मुझे कुछ भी सबूत नहीं मिला। मैंने हैरिस को इस मामले में लगाया और उसे भी कुछ नहीं मिला, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि अगर हमें पता होता कि कैसे जांच करनी है तो कुछ न कुछ जरूर मिल जाता। वह आदमी ईमानदार नहीं था।"
कुछ देर रुकने के बाद सर थॉमस लेग्गे ने कहा:
"और आप कह रहे हैं कि इसाक मॉरिस की मृत्यु हो गई है? उनकी मृत्यु कब हुई?"
"मुझे लगा था कि आप जल्द ही इस बात पर आ जाएँगे, महोदय। आइजैक मॉरिस की मृत्यु 8 अगस्त की रात को हुई थी। उन्होंने नींद की

दवा का ओवरडोज ले लिया था - मेरी जानकारी के अनुसार, यह बार्बिट्यूरेट्स में से एक थी। इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि यह दुर्घटना थी या आत्महत्या।" लेग्गे ने धीरे-धीरे कहा। "क्या तुम जानना चाहोगे कि मैं क्या सोचता हूँ, मेन?"
"शायद मैं अनुमान लगा सकता हूँ, महोदय।"
लेग्गे ने भारी स्वर में कहा:
"मॉरिस की मौत तो हद से ज़्यादा संयोगवश हुई है!" इंस्पेक्टर मेन ने सिर हिलाया। उन्होंने कहा:
"मुझे पता था कि आप यही कहेंगे, महोदय।"
सहायक आयुक्त ने मेज पर मुक्का मारा। वह चिल्लाया:
"यह सब अविश्वसनीय-असंभव है। एक बंजर चट्टानी द्वीप पर दस लोग मारे गए-और हमें नहीं पता कि यह किसने किया, क्यों किया या कैसे किया।" मेन को खांसी आई। उन्होंने कहा:
"खैर, ऐसा बिलकुल नहीं है, महोदय। हमें लगभग कारण पता है। न्याय के नाम पर किसी कट्टरपंथी ने ऐसा किया। वह उन लोगों को पकड़ने निकला था जो कानून की पहुँच से बाहर थे। उसने दस लोगों को चुना - चाहे वे वास्तव में दोषी थे या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।" कमिश्नर चौंक गए। उन्होंने तीखे स्वर में कहा:
"है ना? मुझे तो ऐसा ही लगता है-"

और फिर कोई नहीं बचा।

347

वह रुक गया। इंस्पेक्टर मेन ने सम्मानपूर्वक प्रतीक्षा की।
लेग्गे ने आह भरते हुए अपना सिर हिलाया।

“जारी रखो,” उसने कहा। “बस एक मिनट के लिए मुझे लगा कि मैं कुछ सुराग पा चुका हूँ। मानो मुझे इस मामले का सुराग मिल गया हो। अब वह चला गया है। तुम जो कह रहे थे, उसे जारी रखो।” मेन ने आगे कहा: "मान लीजिए, दस लोगों को फाँसी दी जानी थी। उन्हें फाँसी दे दी गई। यू. एन. ओवन ने अपना काम पूरा किया। और किसी न किसी तरह वह उस द्वीप से गायब हो गया।"
एसी ने कहा:
"शानदार गायब होने का करतब। लेकिन तुम्हें पता है, मेन, इसका कोई न कोई कारण तो जरूर होगा।" मेन ने कहा:
"आप सोच रहे होंगे, महोदय, कि अगर वह व्यक्ति द्वीप पर नहीं था, तो वह द्वीप छोड़कर जा ही नहीं सकता था, और संबंधित पक्षों के बयानों के अनुसार वह कभी द्वीप पर था ही नहीं। तो फिर एकमात्र संभव स्पष्टीकरण यही है कि वह वास्तव में उन दस लोगों में से एक था।" ए.सी. ने सिर हिलाया।
मेन ने गंभीरता से कहा:
"हमने इस बारे में सोचा था, महोदय। हमने इस पर काम किया। अब, सबसे पहले, हमें इंडियन आइलैंड पर क्या हुआ, इसके बारे में पूरी तरह से अज्ञान नहीं है। वेरा क्लेथॉर्न डायरी रखती थीं, एमिली ब्रेंट भी। ओल्ड वारग्रेव ने कुछ नोट्स बनाए थे - नीरस कानूनी पेचीदा, लेकिन काफी स्पष्ट। और ब्लोर ने भी नोट्स बनाए थे। ये सभी विवरण मेल खाते हैं। मौतें इस क्रम में हुईं: मार्स्टन, श्रीमती रोजर्स, मैकार्थर, रोजर्स, मिस ब्रेंट, वारग्रेव। उनकी मृत्यु के बाद वेरा क्लेथॉर्न की डायरी में लिखा है कि आर्मस्ट्रांग रात में घर से निकले और ब्लोर और लोम्बार्ड उनके पीछे गए। ब्लोर की नोटबुक में एक और प्रविष्टि है। सिर्फ दो शब्द: 'आर्मस्ट्रांग गायब हो गए।' "अब, महोदय, मुझे लगा, सब कुछ

ध्यान में रखते हुए, कि हमें यहाँ एक बिल्कुल सही समाधान मिल सकता है। आर्मस्ट्रांग डूब गए थे, आपको याद होगा।" यह मानते हुए कि आर्मस्ट्रांग पागल था, उसे बाकी सभी को मार डालने और फिर चट्टान से कूदकर आत्महत्या करने से क्या रोक सकता था, या शायद मुख्य भूमि तक तैरने की कोशिश करते समय?
"वह एक अच्छा समाधान था—लेकिन यह काम नहीं चलेगा। जी नहीं, जनाब, यह काम नहीं चलेगा। सबसे पहले तो पुलिस सर्जन का सबूत है। वह 13 अगस्त की सुबह द्वीप पर पहुंचे थे। वह हमारी मदद के लिए ज्यादा कुछ नहीं कह सके। वह बस इतना ही कह सके कि सभी लोग कम से कम छत्तीस घंटे पहले मर चुके थे और शायद उससे भी कहीं ज्यादा समय पहले। लेकिन वह आर्मस्ट्रांग के बारे में काफी निश्चित थे। उन्होंने कहा कि उनका शरीर बहकर आने से पहले वह आठ से दस घंटे तक पानी में रहे होंगे। इसका मतलब है कि..."
348

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

आर्मस्ट्रांग 10 वीं से 11 वीं तारीख की रात के दौरान समुद्र में जरूर गए होंगे—और मैं इसका कारण समझाता हूँ। हमें वह स्थान मिल गया जहाँ शव बहकर आया था—वह दो चट्टानों के बीच फंसा हुआ था और उन पर कपड़े, बाल आदि के टुकड़े थे। वह शव 11 वीं तारीख को ज्वार के चरम पर, यानी लगभग सुबह 11 बजे वहाँ जमा हुआ होगा। उसके बाद तूफान शांत हो गया, और उसके बाद ज्वार का स्तर काफी कम रहा। "आप शायद यह कह सकते हैं कि आर्मस्ट्रांग ने उस रात समुद्र में जाने से पहले बाकी तीनों को भी निपटा दिया था। लेकिन एक और बात है जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आर्मस्ट्रांग का शव

ज्वार के उच्चतम स्तर से ऊपर तक घसीटा गया था। हमने उसे ज्वार की पहुँच से काफी ऊपर पाया। और वह ज़मीन पर बिल्कुल सीधा पड़ा हुआ था - एकदम साफ-सुथरा।"
"तो इससे एक बात तो पक्की हो जाती है। आर्मस्ट्रांग की मौत के बाद भी द्वीप पर कोई न कोई जीवित था।"
वह थोड़ी देर रुका और फिर आगे बोला।
"और फिर आखिर बचा क्या? 11 तारीख की सुबह की स्थिति कुछ इस प्रकार थी। आर्मस्ट्रांग 'लापता' हो गया (डूब गया)। अब हमारे पास तीन लोग बचे हैं: लोम्बार्ड, ब्लोर और वेरा क्लेथॉर्न। लोम्बार्ड को गोली मारी गई थी। उसका शव समुद्र के किनारे, आर्मस्ट्रांग के शव के पास मिला। वेरा क्लेथॉर्न अपने ही शयनकक्ष में फांसी पर लटकी हुई मिली। ब्लोर का शव छत पर था। उसका सिर एक भारी संगमरमर की घड़ी से कुचल गया था, जो संभवतः ऊपर की खिड़की से उस पर गिरी होगी।" सहायक वकील ने तीखे स्वर में कहा:
"किसकी खिड़की?"
वेरा क्लेथॉर्न का मामला। अब, महोदय, आइए इन मामलों को अलग-अलग देखें। पहले फिलिप लोम्बार्ड। मान लीजिए कि उसने संगमरमर का वह टुकड़ा ब्लोर पर गिरा दिया - फिर उसने वेरा क्लेथॉर्न को नशीली दवा दी और उसे फांसी पर लटका दिया। अंत में, वह समुद्र तट पर गया और खुद को गोली मार ली।
"लेकिन अगर ऐसा है, तो उससे रिवॉल्वर किसने ली? क्योंकि वह रिवॉल्वर घर में सीढ़ियों के ऊपर वाले दरवाजे के ठीक अंदर, वारग्रेव के कमरे में मिली थी।" सहायक वकील ने कहा:
"क्या इस पर उंगलियों के निशान हैं?"
"जी हाँ, महोदय, वेरा क्लेथॉर्न की।"

लेकिन, फिर तो फिर, हे भगवान-
"मुझे पता है आप क्या कहेंगे, महोदय। कि यह वेरा क्लेथॉर्न थी। कि उसने लोम्बार्ड को गोली मारी, रिवॉल्वर वापस घर ले गई, संगमरमर के ब्लॉक को ब्लोर पर गिरा दिया और फिर खुद को फांसी लगा ली।"
"और यह एक हद तक बिल्कुल ठीक है। उसके बेडरूम में एक कुर्सी है और उसकी सीट पर समुद्री शैवाल के निशान हैं, ठीक वैसे ही जैसे

और तब कोई नहीं था

349

उसके जूते। ऐसा लगता है जैसे वह कुर्सी पर खड़ी हुई, अपने गले में बंधी रस्सी को ठीक किया और कुर्सी को लात मारकर दूर फेंक दिया।
"लेकिन वह कुर्सी गिरी हुई नहीं मिली। बाकी कुर्सियों की तरह, उसे भी दीवार के सहारे करीने से वापस रख दिया गया था। यह काम वेरा क्लेथॉर्न की मृत्यु के बाद किसी और ने किया था।"
"अब हमारे पास ब्लोर का ही सवाल बचता है, और अगर आप मुझसे कहें कि लोम्बार्ड को गोली मारने और वेरा क्लेथॉर्न को फांसी लगाने के लिए उकसाने के बाद, वह बाहर गया और उसने एक भारी भरकम संगमरमर का टुकड़ा रस्सी से बांधकर खुद पर गिरा लिया - तो मैं आपकी बात पर बिल्कुल विश्वास नहीं करता। पुरुष इस तरह आत्महत्या नहीं करते
- और उससे भी बड़ी बात, ब्लोर उस तरह का आदमी नहीं था। हम ब्लोर को जानते थे - और वह ऐसा आदमी नहीं था जिस पर आप कभी भी अमूर्त न्याय की इच्छा रखने का आरोप लगा सकें।"

सहायक आयुक्त ने कहा:
141 agee."
इंस्पेक्टर मेन ने कहा:
"तो महोदय, द्वीप पर कोई और भी रहा होगा। कोई ऐसा जिसने सारा काम खत्म होने के बाद सफाई की होगी। लेकिन वह हर समय कहाँ था और कहाँ चला गया? स्टिकलहेवन के लोग पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि बचाव नौका के पहुँचने से पहले कोई भी द्वीप छोड़कर नहीं जा सकता था। लेकिन अगर ऐसा है तो-" वह रुक गया।
सहायक आयुक्त ने कहा:
"उस मामले में-"
उसने आह भरी। उसने अपना सिर हिलाया। वह आगे की ओर झुका।
"लेकिन उस स्थिति में," उन्होंने कहा, "उन्हें किसने मारा?"
और तब कोई नहीं था

एक पांडुलिपि दस्तावेज़ भेजा गया
स्कॉटलैंड यार्ड को मास्टर द्वारा
एम्मा जेन, मछली पकड़ने वाली नाव

अपनी प्रारंभिक युवावस्था से ही मुझे यह अहसास हो गया था कि मेरा स्वभाव विरोधाभासों का एक समूह है। सबसे पहले तो, मेरी कल्पनाशीलता एक अटूट रोमांटिक प्रवृत्ति है। बचपन में रोमांचक कहानियाँ पढ़ते समय, किसी महत्वपूर्ण दस्तावेज़ को बोतल में बंद करके समुद्र में फेंकने का विचार मुझे हमेशा रोमांचित करता था। यह रोमांच आज भी मुझे रोमांचित करता है - और इसी कारण मैंने यह तरीका अपनाया है - अपना अपराध स्वीकारोक्ति लिखना, उसे बोतल में बंद करना, बोतल को सील करना और उसे लहरों में फेंक देना।

मुझे लगता है कि इस बात की सौ में से एक संभावना है कि मेरी अपराध स्वीकारोक्ति मिल जाए - और फिर (या क्या मैं खुद को ही बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा हूँ?) अब तक अनसुलझे हत्या के रहस्य का सुलझ जाएगा।
मेरे अंदर प्रेम-प्रसंग के अलावा भी कई अन्य गुण जन्मजात थे। मुझे मृत्यु देखने या मृत्यु का कारण बनने में एक प्रकार का क्रूर आनंद मिलता है। मुझे ततैयों और बगीचे के विभिन्न कीटों पर किए गए प्रयोग याद हैं... बचपन से ही मेरे अंदर मारने की तीव्र इच्छा प्रबल थी।
लेकिन इसके साथ ही एक विरोधाभासी गुण भी था - न्याय की प्रबल भावना। यह मेरे लिए घोर अस्वीकार्य है कि मेरे किसी भी कृत्य से कोई निर्दोष व्यक्ति या प्राणी पीड़ित हो या मर जाए। मैंने हमेशा दृढ़ता से यह माना है कि सत्य की जीत होनी चाहिए। यह समझा जा सकता है - मुझे लगता है कि एक मनोवैज्ञानिक समझ जाएगा - कि मेरी मानसिक संरचना को देखते हुए, मैंने कानून को अपना पेशा बनाया। कानूनी पेशे ने मेरी लगभग सभी सहज प्रवृत्तियों को संतुष्ट किया। अपराध और उसकी सजा ने मुझे हमेशा आकर्षित किया है। मुझे हर तरह की जासूसी कहानियाँ और थ्रिलर पढ़ना पसंद है। मैंने अपने निजी मनोरंजन के लिए हत्या को अंजाम देने के सबसे अनोखे तरीके ईजाद किए हैं। जब समय आने पर मुझे एक अदालत की अध्यक्षता करने का अवसर मिला, तो मेरी वह दूसरी गुप्त सहज प्रवृत्ति विकसित होने के लिए प्रेरित हुई। एक दयनीय अपराधी को कटघरे में तड़पते हुए, नरक की यातनाएँ सहते हुए, धीरे-धीरे अपनी मौत को करीब आते देखना, मेरे लिए एक अद्भुत अनुभव था।

अत्यंत आनंद। ध्यान रहे, मुझे वहाँ एक निर्दोष व्यक्ति को देखकर कोई आनंद नहीं हुआ। कम से कम दो मौकों पर मैंने ऐसे मामलों को रोक दिया जहाँ मेरी राय में आरोपी स्पष्ट रूप से निर्दोष था, और जूरी को निर्देश दिया कि कोई मामला नहीं बनता। हालाँकि, हमारी पुलिस बल की निष्पक्षता और दक्षता के कारण, मेरे समक्ष हत्या के मुकदमे के लिए पेश हुए अधिकांश आरोपी दोषी पाए गए हैं। मैं यहाँ यह कहना चाहूँगा कि एडवर्ड सेटन के मामले में भी ऐसा ही हुआ था। उसका रूप-रंग और व्यवहार भ्रामक था और उसने जूरी पर अच्छा प्रभाव डाला। लेकिन न केवल सबूत, जो स्पष्ट थे, हालाँकि असाधारण नहीं थे, बल्कि अपराधियों के बारे में मेरे अपने ज्ञान ने मुझे बिना किसी संदेह के यह बताया कि उस व्यक्ति ने वास्तव में वह अपराध किया था जिसके लिए उस पर आरोप लगाया गया था, एक बुजुर्ग महिला की निर्मम हत्या जिसने उस पर भरोसा किया था। मेरी छवि एक कठोर न्यायाधीश के रूप में है, लेकिन यह अनुचित है। मैंने हमेशा अपने मामले के सारांश में पूरी तरह से न्यायपूर्ण और ईमानदार रवैया अपनाया है। मैंने केवल जूरी को हमारे कुछ अधिक भावुक वकीलों की भावनात्मक अपीलों के भावनात्मक प्रभाव से बचाया है। मैंने उनका ध्यान वास्तविक सबूतों की ओर दिलाया है।
पिछले कुछ वर्षों से मुझे अपने भीतर एक बदलाव का एहसास हो रहा है, नियंत्रण में कमी आ रही है—निर्णय लेने की बजाय कार्य करने की इच्छा। मैं—मैं खुलकर स्वीकार करता हूँ—स्वयं हत्या करना चाहता था। मैंने इसे कलाकार की आत्म-अभिव्यक्ति की इच्छा के रूप में पहचाना! मैं अपराध में एक कलाकार था, या हो सकता था! मेरे पेशे की बाध्यताओं द्वारा सख्ती से नियंत्रित मेरी कल्पना, गुप्त रूप से विशाल शक्ति में परिवर्तित हो गई। मुझे—

मुझे—मुझे—हत्या करनी ही है! और इससे भी बढ़कर, यह कोई साधारण हत्या नहीं होनी चाहिए! यह एक काल्पनिक अपराध होना चाहिए—कुछ अद्भुत—सामान्य से हटकर! इस एक मामले में, मुझे लगता है, मुझमें अभी भी एक किशोर की कल्पना है। मैं कुछ नाटकीय, असंभव चाहता था! मैं मारना चाहता था... हाँ, मैं मारना चाहता था।
लेकिन—कुछ लोगों को यह अटपटा लग सकता है—मैं अपने न्याय के सहज बोध से बंधा हुआ था। निर्दोषों को कष्ट नहीं सहना चाहिए। और फिर, अचानक ही, मेरे मन में एक विचार आया—एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान कही गई एक बात से। मैं एक डॉक्टर से बात कर रहा था—एक साधारण, साधारण से जनरल प्रैक्टिशनर। उन्होंने casually बताया कि कितनी बार ऐसे कत्ल होते हैं जिन पर कानून का कोई बस नहीं चलता। और उन्होंने एक खास मामले का उदाहरण दिया—एक बूढ़ी महिला का, जो उनकी मरीज़ थी और जिसकी हाल ही में मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद यकीन है कि उसकी मृत्यु एक ऐसे विवाहित जोड़े द्वारा एक स्वास्थ्यवर्धक दवा न देने के कारण हुई थी जो उसकी देखभाल करते थे और जिन्हें इससे फायदा होने वाला था।
352

हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

उसकी मृत्यु से मुझे बहुत बड़ा झटका लगा। उसने समझाया कि इस तरह की बात को साबित करना लगभग नामुमकिन था, लेकिन फिर भी उसे अपने मन में इस बात का पूरा यकीन था। उसने आगे कहा कि इसी तरह के कई मामले हर समय चलते रहते हैं—जानबूझकर की गई हत्याओं के मामले— और कानून की नज़र में ये सभी मामले बेदाग होते हैं। यहीं से

न लेने की प्रवृत्ति ने उसे, मेरी राय में, समाज के लिए खतरनाक और जीने के अयोग्य व्यक्ति बना दिया था। पूर्व इंस्पेक्टर ब्लोर का मामला मेरे सामने सहज रूप से आया, क्योंकि मेरे कुछ पेशेवर साथी लैंडोर मामले पर खुलकर और जोश से चर्चा कर रहे थे। मैंने उसके अपराध को गंभीरता से लिया। पुलिस, कानून के सेवक होने के नाते, उच्च कोटि की ईमानदारी वाली होनी चाहिए। क्योंकि उनके पेशे के कारण उनके वचन पर विश्वास करना अनिवार्य है।
अंत में वेरा क्लेथॉर्न का मामला था। यह तब की बात है जब मैं अटलांटिक महासागर पार कर रहा था। एक रात देर से, स्मोकिंग रूम में केवल मैं और ह्यूगो हैमिल्टन नाम का एक सुंदर युवक ही मौजूद थे।

और तब कोई नहीं था

353

उसने काफी मात्रा में शराब पी रखी थी। वह भावुक और गोपनीय अवस्था में था। किसी नतीजे की उम्मीद न करते हुए मैंने स्वाभाविक रूप से अपनी सामान्य बातचीत शुरू कर दी। प्रतिक्रिया चौंकाने वाली थी। मुझे उसके शब्द आज भी याद हैं। उसने कहा: "तुम सही हो। हत्या वह नहीं है जो ज्यादातर लोग सोचते हैं - किसी को आर्सेनिक की एक बूंद देना - उसे चट्टान से नीचे धकेल देना - इस तरह की चीजें।" वह आगे झुका और अपना चेहरा मेरे चेहरे के करीब ले आया। उसने कहा: "मैं एक हत्यारिन को जानता था - उसे जानता था, मैं तुम्हें बता रहा हूँ। और तो और, मैं उसके लिए पागल था..."

हे भगवान, मेरी मदद करो, कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं अब भी

मैं... ये तो नरक है, मैं तुम्हें बताता हूँ-नरक-देखो, उसने ये लगभग कर ही दिया।

मेरे लिए... मैंने कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचा था। औरतें शैतान होती हैं—बिल्कुल शैतान—आप सोच भी नहीं सकते कि ऐसी लड़की—एक अच्छी, सीधी-सादी, हंसमुख लड़की—ऐसा कर सकती है, है ना? कि वह किसी बच्चे को समुद्र में ले जाकर डुबो दे—आप सोच भी नहीं सकते कि कोई औरत ऐसा कर सकती है?" मैंने उससे कहा:
"क्या आपको यकीन है कि उसने ही ऐसा किया?"
उन्होंने ऐसा कहा और ऐसा कहते ही वे अचानक गंभीर हो गए:
"मुझे पूरा यकीन है। किसी और ने कभी इसके बारे में सोचा भी नहीं। लेकिन जब मैं वापस आया और उसे देखा, तो मुझे उसी पल पता चल गया था... और उसे भी पता था कि मुझे पता है... उसे यह एहसास नहीं था कि मैं उस बच्चे से प्यार करता था..." उसने आगे कुछ नहीं कहा, लेकिन मेरे लिए कहानी को समझना और उसे फिर से जोड़ना काफी आसान था। मुझे दसवें शिकार की ज़रूरत थी। मुझे वह मॉरिस नाम के एक आदमी में मिला। वह एक शातिर बदमाश था। अन्य बातों के अलावा, वह ड्रग्स का तस्कर था और मेरे दोस्तों की बेटी को ड्रग्स लेने के लिए उकसाने का ज़िम्मेदार था। उसने इक्कीस साल की उम्र में आत्महत्या कर ली।
इस पूरी खोज के दौरान मेरी योजना धीरे-धीरे मेरे मन में आकार ले रही थी। अब यह पूरी हो चुकी थी और हार्ले स्ट्रीट के एक डॉक्टर के साथ हुई मेरी मुलाकात ने इसे अंतिम रूप दे दिया। मैंने बताया है कि मेरा एक ऑपरेशन हुआ था। हार्ले स्ट्रीट में हुए मेरे

इंटरव्यू में मुझे बताया गया कि एक और ऑपरेशन बेकार होगा। मेरे चिकित्सा सलाहकार ने जानकारी को बहुत ही चतुराई से पेश किया, लेकिन मुझे किसी भी बयान की सच्चाई जानने की आदत है। मैंने डॉक्टर को अपने फैसले के बारे में नहीं बताया - कि मेरी मृत्यु प्रकृति के नियम के अनुसार धीमी और लंबी नहीं होनी चाहिए। नहीं, मेरी मृत्यु उत्तेजना के चरम पर होनी चाहिए। मैं मरने से पहले जीना चाहता था। और अब इंडियन आइलैंड के अपराध की वास्तविक प्रक्रिया पर आते हैं। मॉरिस नाम के व्यक्ति का इस्तेमाल करके अपने निशान मिटाना आसान था। 354 मास्टरपीस ऑफ मर्डर

बस। वह इस तरह के मामलों में माहिर था। मैंने अपने संभावित शिकारों के बारे में जो जानकारी इकट्ठा की थी, उसे सारणीबद्ध करके, मैं हर एक के लिए एक उपयुक्त जाल बिछाने में सक्षम था। मेरी कोई भी योजना विफल नहीं हुई। मेरे सभी मेहमान 8 अगस्त को इंडियन आइलैंड पहुँच गए। दल में मैं भी शामिल था। मॉरिस का पहले से ही हिसाब हो चुका था। उसे बदहजमी थी। लंदन से निकलने से पहले मैंने उसे रात को सोने से पहले एक कैप्सूल दिया था, जिसके बारे में मैंने कहा था कि इसने मेरे पेट के लिए चमत्कार किया है। उसने बिना किसी झिझक के उसे ले लिया - वह थोड़ा सा संशयवादी था। मुझे इस बात का कोई डर नहीं था कि वह कोई आपत्तिजनक दस्तावेज़ या ज्ञापन पीछे छोड़ जाएगा। वह उस तरह का आदमी नहीं था।
द्वीप पर मृत्यु के क्रम को लेकर मैंने विशेष विचार-विमर्श किया था। मैंने अपने मेहमानों के बीच अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, अलग-अलग स्तर के अपराधबोध वाले लोगों को चुना। मैंने निर्णय लिया कि जिनका अपराधबोध सबसे कम है, उन्हें

जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, द्वीप की तलाशी ली गई और पता चला कि वहाँ हमारे सातों के अलावा कोई नहीं था। इससे तुरंत संदेह का माहौल बन गया। अपनी योजना के अनुसार, मैं

और तब कोई नहीं था

मुझे जल्द ही एक सहयोगी की आवश्यकता होगी। मैंने इसके लिए डॉ. आर्मस्ट्रांग को चुना। वह एक भोले-भाले व्यक्ति थे, वे मुझे चेहरे और प्रतिष्ठा से जानते थे और उनके लिए यह अकल्पनीय था कि मेरे जैसा प्रतिष्ठित व्यक्ति वास्तव में हत्यारा हो सकता है! उनके सारे संदेह लोम्बार्ड पर थे और मैंने भी ऐसा ही होने का नाटक किया। मैंने उन्हें संकेत दिया कि मेरे पास एक योजना है जिससे हत्यारे को फंसाकर उसे खुद को दोषी ठहराने के लिए मजबूर किया जा सकता है। हालांकि सभी के कमरों की तलाशी ली जा चुकी थी, लेकिन अभी तक व्यक्तियों की तलाशी नहीं ली गई थी। लेकिन यह जल्द ही होना तय था। मैंने 10 अगस्त की सुबह रोजर्स की हत्या कर दी। वह आग जलाने के लिए लकड़ियाँ काट रहा था और उसने मुझे आते हुए नहीं सुना। मुझे उसकी जेब में भोजन कक्ष के दरवाजे की चाबी मिली। उसने पिछली रात दरवाजा बंद कर दिया था। रोजर्स का शव मिलने के बाद मची अफरा-तफरी में मैं चुपके से लोम्बार्ड के कमरे में घुस गया और उसका रिवॉल्वर चुरा लिया। मुझे पता था कि उसके पास एक रिवॉल्वर होगा - वास्तव में, मैंने मॉरिस को निर्देश दिया था कि जब वह उससे पूछताछ करे तो वह यही बात कहे। नाश्ते के समय, जब मैं मिस ब्रेंट का कप भर रहा था, तो मैंने चुपके से क्लोरल की आखिरी खुराक उनकी कॉफ़ी में मिला दी। हमने उन्हें भोजन कक्ष में छोड़ दिया। थोड़ी देर बाद मैं चुपके से अंदर गया -

वह लगभग बेहोश थीं और उन्हें साइनाइड का गाढ़ा घोल इंजेक्ट करना आसान था। मधुमक्खी वाली हरकत सचमुच बचकानी थी - लेकिन किसी तरह, आपको पता है, मुझे इसमें मज़ा आया। मुझे अपनी बाल कविता का यथासंभव पालन करना अच्छा लगा।
इसके तुरंत बाद वही हुआ जिसका मुझे पहले से ही अंदाज़ा था – वास्तव में मुझे लगता है कि मैंने खुद ही इसका सुझाव दिया था। हम सभी की गहन तलाशी ली गई। मैंने रिवॉल्वर को सुरक्षित रूप से छिपा दिया था, और मेरे पास अब साइनाइड या क्लोरल नहीं था। तभी मैंने आर्मस्ट्रांग को संकेत दिया कि हमें अपनी योजना को अमल में लाना होगा। योजना बस इतनी सी थी – मुझे अगला शिकार बनना था। इससे शायद हत्यारा घबरा जाए – कम से कम एक बार जब मुझे मृत मान लिया जाएगा तो मैं घर में घूम-फिर सकूंगा और अज्ञात हत्यारे पर नज़र रख सकूंगा।
आर्मस्ट्रांग को यह विचार बहुत पसंद आया। हमने उसी शाम इसे अंजाम दिया। माथे पर लाल मिट्टी का एक छोटा सा लेप लगाया, लाल पर्दा और ऊन, और मंच तैयार था। मोमबत्तियों की रोशनी बहुत टिमटिमाती और अनिश्चित थी, और केवल आर्मस्ट्रांग ही था जो मुझे ध्यान से देख रहा था। यह पूरी तरह से कारगर रहा। मिस क्लेथॉर्न ने कमरे में मेरे द्वारा सोच-समझकर रखी गई समुद्री शैवाल को देखकर ज़ोर-ज़ोर से चीख मारी। सब लोग दौड़कर आए, और मैंने एक मृत व्यक्ति का रूप धारण कर लिया।
हत्या की उत्कृष्ट कृतियाँ

जब उन्होंने मुझे पाया तो उन पर जो असर हुआ, वह बेहद सराहनीय था। आर्मस्ट्रांग ने पूरी पेशेवर तरीके से अपना काम किया। वे मुझे

ऊपर ले गए और मेरे बिस्तर पर लिटा दिया। किसी को मेरी चिंता नहीं थी, वे सब एक-दूसरे से बुरी तरह डरे हुए थे।
पौने दो बजे आर्मस्ट्रांग से मेरी मुलाकात घर के बाहर तय थी। मैं उसे घर के पीछे चट्टान के किनारे पर थोड़ी दूर ले गया। मैंने कहा कि यहाँ से हम देख सकते हैं कि कोई और हमारे पास तो नहीं आ रहा है, और घर से हमें कोई देख भी नहीं पाएगा क्योंकि शयनकक्ष दूसरी तरफ हैं। वह अब भी पूरी तरह से बेखबर था—और फिर भी उसे चेतावनी दी जानी चाहिए थी—अगर उसे बच्चों की कविता के बोल याद होते, "एक लाल मछली ने दूसरी को निगल लिया..." उसने लाल मछली को आसानी से पकड़ लिया। यह बहुत आसान था। मैंने हैरानी से कहा, चट्टान के किनारे झुककर उससे कहा, देखो, क्या यह किसी गुफा का मुँह नहीं है? वह पूरी तरह से झुक गया। एक ज़ोरदार धक्के से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे उफनते समुद्र में गिर गया। मैं घर लौट आया। ब्लोर ने ज़रूर मेरे कदमों की आहट सुनी होगी। आर्मस्ट्रांग के कमरे में लौटने के कुछ मिनट बाद मैं वहाँ से निकला, इस बार थोड़ा शोर करते हुए ताकि कोई मुझे सुन ले। सीढ़ियों के नीचे पहुँचते ही मुझे एक दरवाज़ा खुलने की आवाज़ सुनाई दी। जब मैं सामने के दरवाज़े से बाहर निकला तो उन्होंने शायद मेरी एक झलक देखी होगी।
एक-दो मिनट बाद वे मेरे पीछे आए। मैं सीधे घर के चारों ओर घूमकर भोजन कक्ष की खिड़की से अंदर घुस गया, जिसे मैंने खुला छोड़ दिया था। मैंने खिड़की बंद कर दी और बाद में शीशा तोड़ दिया। फिर मैं ऊपर गया और अपने बिस्तर पर दोबारा लेट गया।
मैंने अनुमान लगाया था कि वे घर की दोबारा तलाशी लेंगे, लेकिन मैंने यह नहीं सोचा था कि वे किसी भी शव की बारीकी से जांच

करेंगे, केवल चादर को थोड़ा सा हटाकर यह सुनिश्चित कर लेंगे कि कहीं यह आर्मस्ट्रांग का शव तो नहीं है। और ठीक यही हुआ।
मैं बताना भूल गया था कि मैंने रिवॉल्वर लोम्बार्ड के कमरे में लौटा दी थी। शायद किसी को यह जानकर दिलचस्पी हो कि तलाशी के दौरान इसे कहाँ छिपाया गया था। भंडारगृह में डिब्बाबंद खाने का एक बड़ा ढेर था। मैंने सबसे नीचे वाला डिब्बा खोला - शायद उसमें बिस्कुट थे - उसमें रिवॉल्वर रखी और चिपकाने वाली टेप की पट्टी वापस लगा दी।
मैंने सही अनुमान लगाया था कि कोई भी व्यक्ति दिखने में अछूते खाद्य पदार्थों के ढेर में से अपना रास्ता बनाने के बारे में नहीं सोचेगा, खासकर जब सभी ऊपरी डिब्बे आपस में जुड़े हुए थे। मैंने लाल पर्दे को ड्राइंग रूम की एक कुर्सी की सीट पर, चिंट्ज़ कवर और सीट कुशन में लगी ऊन के नीचे, सपाट बिछाकर और उसमें एक छोटा सा छेद करके छिपा दिया था।
और अब वो पल आ गया जिसका मुझे पहले से ही अनुमान था—तीन लोग जो एक-दूसरे से इतने डरे हुए थे कि कुछ भी हो सकता था।
और तब कोई नहीं था

और उनमें से एक के पास रिवॉल्वर थी। मैंने घर की खिड़कियों से उन्हें देखा। जब ब्लोर अकेला आया तो मैंने बड़ी संगमरमर की घड़ी तैयार रखी थी। ब्लोर चला गया... मेरी खिड़की से मैंने वेरा क्लेथॉर्न को लोम्बार्ड को गोली मारते देखा। एक साहसी और होशियार युवती। मैं हमेशा सोचता था कि वह उससे कहीं ज़्यादा काबिल थी। जैसे ही यह घटना हुई, मैंने उसके बेडरूम में माहौल बनाया। यह एक दिलचस्प मनोवैज्ञानिक प्रयोग था। क्या अपने अपराधबोध का एहसास, एक आदमी को गोली मारने के बाद उत्पन्न

तंत्रिका तनाव, आसपास के सम्मोहक माहौल के साथ मिलकर, उसे आत्महत्या करने के लिए पर्याप्त होगा? मुझे लगा कि ऐसा होगा। मैं सही था। वेरा क्लेथॉर्न ने मेरी आँखों के सामने, अलमारी की छाया में खड़े होकर, खुद को फांसी लगा ली। और अब आखिरी चरण। मैं आगे बढ़ा, कुर्सी उठाई और उसे दीवार के सहारे रख दिया। मैंने रिवॉल्वर ढूंढी और वह मुझे सीढ़ियों के ऊपर मिली जहाँ लड़की ने उसे गिरा दिया था। मैंने उस पर उसके उंगलियों के निशान सुरक्षित रखने का पूरा ध्यान रखा। और अब?
मैं इसे लिखना समाप्त करूँगा। मैं इसे एक बोतल में बंद करके सील कर दूँगा और बोतल को समुद्र में फेंक दूँगा।
क्यों?

हाँ, क्यों? . . .
मेरी ख्वाहिश थी कि मैं एक ऐसी हत्या की गुत्थी सुलझाऊं जिसे कोई हल न कर सके। लेकिन अब मुझे एहसास हो गया है कि कोई भी कलाकार सिर्फ कला से संतुष्ट नहीं हो सकता। पहचान पाने की एक स्वाभाविक लालसा होती है जिसे नकारा नहीं जा सकता। मैं अत्यंत विनम्रता से स्वीकार करता हूं कि मेरी एक दयनीय मानवीय इच्छा है कि कोई तो यह जान ले कि मैं कितना प्रतिभाशाली रहा हूं।
इन सब बातों में, मैंने यह मान लिया है कि इंडियन आइलैंड का रहस्य अनसुलझा ही रहेगा। बेशक, यह संभव है कि पुलिस मेरी सोच से कहीं अधिक चालाक हो। आख़िरकार, तीन सुराग तो हैं ही। पहला: पुलिस को पूरी तरह से पता है कि एडवर्ड सेटन दोषी था। इसलिए, वे जानते हैं कि द्वीप पर मौजूद दस लोगों में से एक व्यक्ति किसी भी मायने में हत्यारा नहीं था, और विरोधाभासी रूप से, यही तार्किक रूप से हत्यारा होना चाहिए। दूसरा सुराग उस बाल कविता

हमारे शवों की जांच होगी, तब तक मृत्यु के समय का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता।
जब समुद्र का पानी कम होगा, तब मुख्य भूमि से नावें और लोग आएंगे। और उन्हें इंडियन आइलैंड पर दस लाशें और एक अनसुलझी समस्या मिलेगी। (हस्ताक्षरित)

लॉरेंस वारग्रेव।

इस शीर्षक के बारे में
यह ईबुक ओवरड्राइव, इंक. द्वारा निर्मित रीडरवर्क्स® पब्लिशर 2.0 का उपयोग करके बनाई गई है। रीडरवर्क्स के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.overdrive.com/readerworks पर जाएं।

□□□□□□□□□

□□□□□□□ 1
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□□□□□ 11
□□□□□□□ 12
□□□□□□□ 13
□□□□□□□ 14
□□□□□□□ 15
□□□□□□□ 16